Incorporates NEP

संस्कृतिः

शिक्षक दिग्दर्शिका

1–8

संस्कृत भाग 1

1 वर्णमाला

अभ्यास

1. नाम के आगे दिए गए सही चित्र के सामने (✓) लगाइए–

(क) अजा
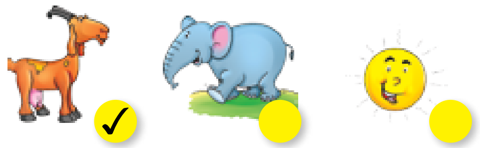

(ख) ईश:
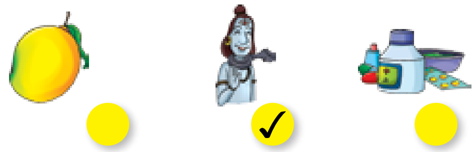

(ग) अण्डज:
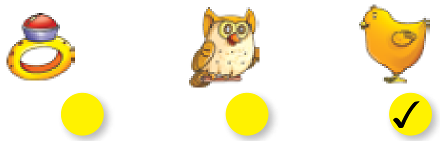

2. नीचे दिए गए चित्रों के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर आम्रम् उलूक: ऋक्ष: एडका

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ हिंदी में लिखिए–

उत्तर अजा	**बकरी**	आम्रम्	**आम**
इन्दु:	**चंद्रमा**	अण्डज:	**चूजा**
औषधि	**दवाई**	औदनिक:	**रसोइया**

4. चित्रों को पहचानकर उनके नाम पूरे कीजिए–

उत्तर

आम्रम् **अम्बा** **इन्दु:**

ईक्षणम् **ऊष्म:** **उच्चासनम्**

5. सही मिलान कीजिए–

उत्तर
(क) अण्डज: → (ii) चूजा
(ख) ओष्ठ: → (i) होंठ
(ग) इन्दु: → (iv) चंद्रमा
(घ) अजा → (iii) बकरी

2 व्यञ्जन वर्णा:

अभ्यास

1. नाम के आगे दिए गए सही चित्र के सामने (✓) लगाइए–

उत्तर कमलम्
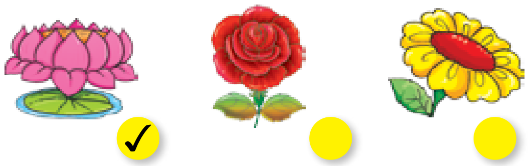

रजक:

टङ्किका
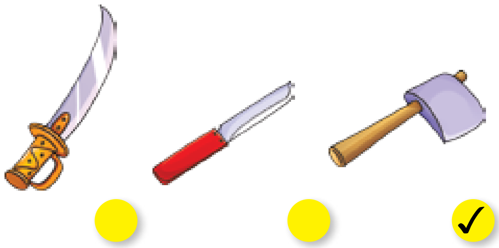

भल्लूक:
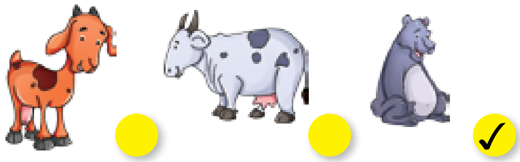

2. नीचे दिए गए चित्रों के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर

खग:

मर्कट:

फलम्

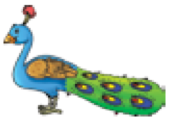
मयूर:

थ:

ढौकनम्

3. निम्नलिखित व्यञ्जन वर्णों से संबंधित चित्रों को मिलाइए–

उत्तर

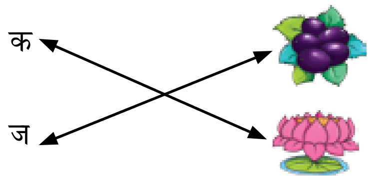

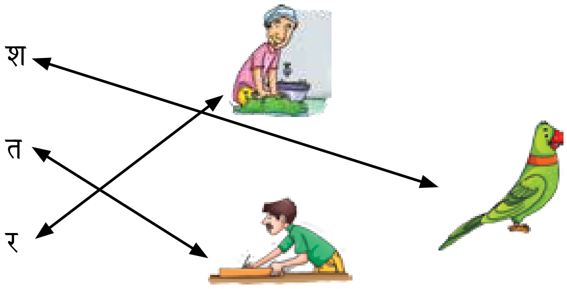

4. सभी वर्गों के व्यञ्जन वर्ण लिखिए–

उत्तर

(क)	क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
(ख)	च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
(ग)	अन्त:स्थ	य	र	ल	व	
(घ)	ऊष्म	श	ष	स	ह	
(ङ)	संयुक्त	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	

3 मात्रा ज्ञानम्

अभ्यास

1. निम्नलिखित स्वर वर्णों की सही मात्रा के सामने (✓) लगाइए–

उत्तर

(क)	आ	ा ✓	ि	ी
(ख)	इ	ी	ि ✓	ो
(ग)	ई	ो	ा	ी ✓
(घ)	ओ	े	ै	ो ✓
(ङ)	अं	:	ं ✓	ु

2. नीचे दिए गए चित्रों के नाम उचित मात्रा लगाकर पुन: लिखिए–

उत्तर

जलध: **जलधि:**

वषभ **वृषभ:**

इल **ईली**

रसन **रसोन:**

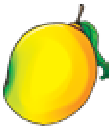
अमम् **आम्रम्**

शक: **शुक:**

3. निम्नलिखित नामों को उनके चित्रों से मिलाइए–

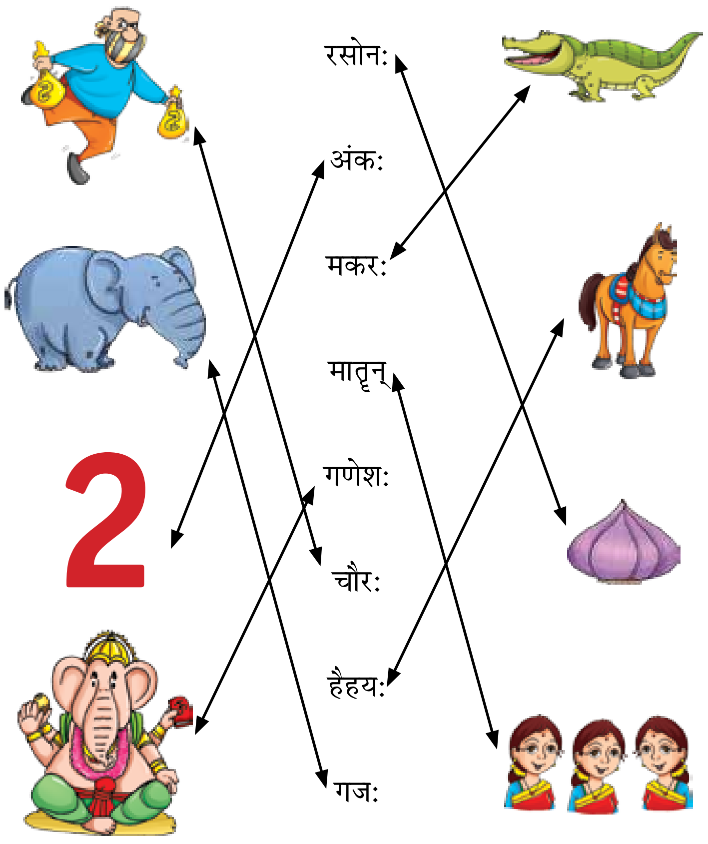

4 लिङ्ग ज्ञानम्

अभ्यास

1. चित्रों को पहचानकर उनके लिङ्ग लिखिए–

उत्तर

स्त्रीलिङ्गम्

नपुंसकलिङ्गम्

स्त्रीलिङ्गम्

2. सही मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) क्रीडक:	(i) लड़की
(ख) मूषक:	(ii) चिट्ठी
(ग) बालिका:	(iii) बगीचा
(घ) पत्रम्	(iv) खिलाड़ी
(ङ) लता	(v) लक्ष्मी
(च) उद्यानम्	(vi) चूहा
(छ) कमला	(vii) बेल

5 वचनं पुरुषः च

अभ्यास

1. दी गई सारणी को पूरा कीजिए–

उत्तर

एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
अश्व:	**अश्वौ**	**अश्वा:**
बालिका	बालिके	**बालिका:**
नर:	**नरौ**	**नरा:**
ललना	ललने	**ललना:**
पर्णम्	**पर्णे**	पर्णानि

2. सही मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) स: कुक्कुट:	(i) वे सब हाथी
(ख) तौ बालकौ	(ii) तुम सब आदमी
(ग) त्वं ललना	(iii) वह मुर्गा
(घ) आवां कृषकौ	(iv) तुम स्त्री
(ङ) यूयं जना:	(v) वे दोनों बालक
(च) ते गजा:	(vi) हम दो किसान

3. निम्नलिखित शब्दों के लिङ्ग तथा वचन लिखिए–

उत्तर

(क) अहम्	**उभयलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(ख) त्वम्	**उभयलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(ग) सा	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(घ) तत्	**नपुंसकलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(ङ) इयम्	**स्त्रीलिङ्गम्**	**एकवचनम्**
(च) क:	**पुंल्लिङ्गम्**	**एकवचनम्**

6 क्रिया परिचयः

अभ्यास

1. चित्रों के अनुसार उचित क्रिया शब्द छाँटकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर

मोनू **धावति।**

साक्षी **गायति।**

बालिका **नृत्यति।**

सोनू पाठं **पठति।**

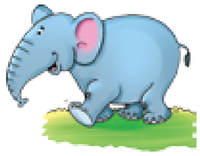

गजः शनैः शनैः **चलति।**

चटका **उड्डयति।**

7 मम शरीरम्

उत्तर

विद्यार्थी स्वयं करें।

8 मम सम्बन्धिनः

अभ्यास

1. निम्नलिखित संबंधियों को बड़े से छोटे क्रम में लिखिए–

उत्तर

पितामहः	जनकः	जननी
पितृव्यः	भ्राता	सुता

2. निम्नलिखित संबंधियों के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) दादा **पितामहः** (ख) पिता **जनकः**

(ग) दादी **पितामही** (घ) मामी **मातुलानी**

(ङ) माता **जननी** (च) बहन **भगिनी**

3. आपके अपने परिवार में जो संबंधी सदस्य हैं, उनके संबंधों को संस्कृत में लिखिए–

उत्तर

विद्यार्थी स्वयं करें।

9 पशवः पक्षिणः च

अभ्यास

1. निम्नांकित पशुओं को पहचानकर उनके नीचे 'पालितः' या 'वन्यः' लिखिए–

उत्तर

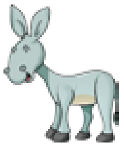

पालितः

वन्यः

वन्यः

पालितः

2. निम्नांकित पशुओं के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर

शृगालः

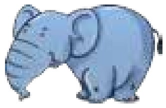

गजः

शशकः

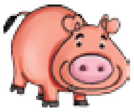

शूकरः

3. **निम्नांकित पक्षियों को पहचानकर उनके नाम संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर

मृगः

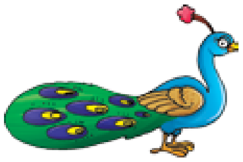
मयूरः

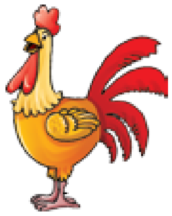
कुक्कुटः

बकः

4. **निम्नलिखित पक्षियों और पशुओं के नामों को उनके चित्रों से मिलाइए–**

उत्तर

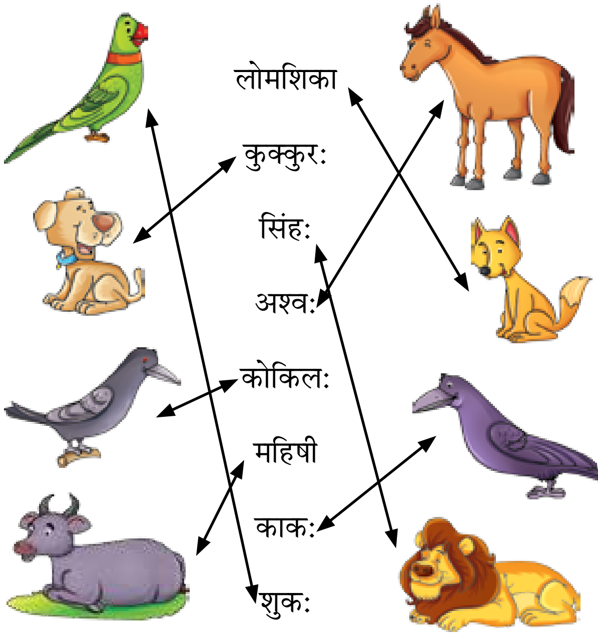

10 गृहस्य वस्तूनि

अभ्यास

1. **चित्रों को पहचानकर उनके नाम संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर

पात्राणि

आसन्दिका

फलकः

मञ्जूषा

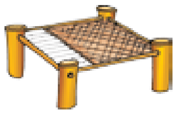
खट्वा

डल्लकम्

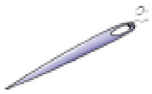
सूचिका

कुर्चिका

ऊहनी

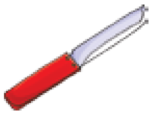
छुरिका

फेनिलम्

आदर्शकः

2. **निम्नलिखित शब्दों का हिंदी में अर्थ लिखिए–**

उत्तर

(क)	सूचिका	**सूई**	(ख)	ऊहनी	**झाड़ू**
(ग)	दन्तकूर्चकः	**दाँतों का ब्रश**	(घ)	घटिका	**घड़ी**
(ङ)	खट्वा	**खाट**	(च)	तलाची	**चटाई**
(छ)	घटः	**घड़ा**	(ज)	छत्रम्	**छाता**

11 अस्माकं सहायका:

अभ्यास

1. **निम्नांकित सहायकों के नाम संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर

काष्ठकार:

मालाकार:

कृषक:

शिक्षक:

पत्रवाहक:

चर्मकार:

नापित:

गोपालक:

रजक:

2. **निम्नलिखित सहायकों के नाम तथा उनके कार्य हिंदी में लिखिए–**

उत्तर	(क)	रजक:	**– धोबी**	**कपड़े धोना**
	(ख)	काष्ठकार:	**– बढ़ई**	**लकड़ी का सामान बनाना**
	(ग)	कृषक:	**– किसान**	**खेतों में अन्नादि उगाना**
	(घ)	कुम्भकार:	**– कुम्हार**	**मिट्टी के बर्तन बनाना**

12 संख्याबोधक शब्दा:

अभ्यास

1. **निम्नलिखित संख्याओं को हिंदी में लिखिए–**

उत्तर	(क)	एका	**एक**	(ख)	अष्ट	**आठ**
	(ग)	द्वे	**दो**	(घ)	पञ्च	**पाँच**
	(ङ)	तिस्र:	**तीन**	(च)	नव	**नौ**
	(छ)	चत्वारि	**चार**	(ज)	षट्	**छह**

2. **निम्नलिखित संख्याओं को संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर	(क)	सात	**सप्त**	(ख)	दस	**दश**
	(ग)	छह	**षट्**	(घ)	चार	**चत्वार:**
	(ङ)	दो	**द्वे**	(च)	एक	**एक:**
	(छ)	तीन	**त्रय:**	(ज)	पाँच	**पञ्च**

3. **निम्नांकित चित्रों में दी गई वस्तुओं की संख्या संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर

अष्ट

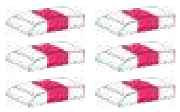
षट्

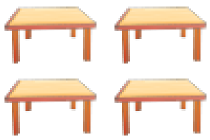
चत्वार:

सप्त

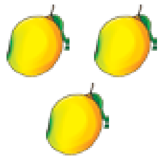
त्रय:

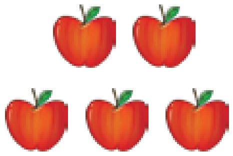
पञ्च

13 दिवस: मास: च

उत्तर विद्यार्थी स्वयं करें।

संस्कृत भाग 2

1 वन्दनम्

उत्तर– विद्यार्थी स्वयं करें।

2 संज्ञा शब्द–अकारान्त पुंल्लिङ्गम् (एकवचनम्)

1. निम्नांकित चित्रों के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर

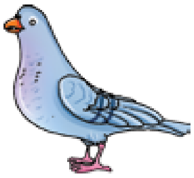
कपोत:

छात्र:

नृप:

उलूक:

व्याघ्र:

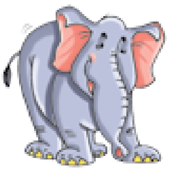
गज:

2. उचित मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) गज:	(i) उल्लू
(ख) सिह:	(ii) कबूतर
(ग) छात्र:	(iii) शेर
(घ) उलूक:	(iv) हाथी
(ङ) कपोत:	(v) छात्र

3. निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) बैल **वृषभ:** (ख) आदमी **नर:**

(ग) गधा **गर्दभ:** (घ) खरगोश **शशक:**

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

3 अकारान्त पुंल्लिङ्ग शब्दानां प्रयोग: (एकवचनम्)

अभ्यास

1. निम्नांकित चित्रों को देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर

(क) अयं **क:** अस्ति?

अयं काक: अस्ति।

(ख) एष: **क:** अस्ति?

एष: **राकेश:** अस्ति।

(ग) **स:** क: अस्ति?

स: **कृष्ण:** अस्ति।

(घ) **एष:** क: अस्ति?

एष: **मृग:** अस्ति।

(ङ) स: **क:** अस्ति?

स: **वृषभ:** अस्ति।

(च) एष: **क:** अस्ति?

एष: वृक्ष: अस्ति।

2. निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) वह **स:** (ख) यह **एष:**

(ग) कौन **क:** (घ) है **अस्ति:**

(ङ) बैल **वृषभ:** (च) चंद्रमा **राकेश:**

(छ) हिरण **मृग:** (ज) घोड़ा **अश्व:**

(झ) कृष्ण **कृष्ण:** (ञ) पेड़ **वृक्ष:**

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

4 संज्ञा शब्द : आकारान्त स्त्रीलिङ्गम् (एकवचनम्)

अभ्यास

1. प्रत्येक शब्द में 'का' जोड़कर स्त्रीलिङ्ग शब्द बनाइए–

उत्तर (क) सूचि**का** (ख) ऊर्मि**का**

(ग) नौ**का** (घ) सारि**का**

(ङ) छुरि**का** (च) लोम**शिका**

2. निम्नांकित चित्रों के नाम संस्कृत में लिखिए–

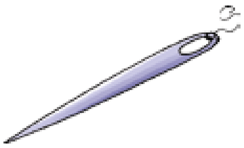

कन्या अजा सूचिका

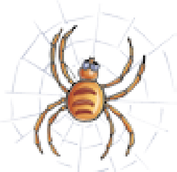

लूता सारिका ऊर्मिका

3. निम्नांकित चित्रों के सही नाम पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

अजा ✓ सारिका लूता

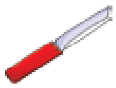

छुरी ✓ सूई बाला

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

5 आकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्दानां प्रयोग: (एकवचनम्)

अभ्यास

1. निम्नांकित चित्रों को देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) एषा **नौका** अस्ति।

(ख) सा **सूचिका** अस्ति।

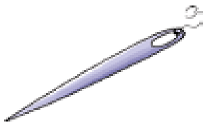

(ग) इयं **कन्या** अस्ति।

(घ) सा **लोमशिका** अस्ति।

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) यह कौन है?

(ख) यह लड़की है।

(ग) वह अंगूठी है।

3. निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) नाव **नौका** (ख) लोमड़ी **लोमशिका**

(ग) लड़की **कन्या** (घ) सुई **सूचिका**

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

6 संज्ञा शब्दः आकारान्त नपुंसकलिङ्गम् (एकवचनम्)

अभ्यास

1. निम्नांकित चित्रों के नाम संस्कृत में लिखिए।

उत्तर

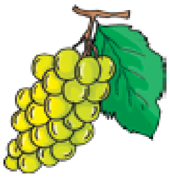
द्राक्षाफलम्

आभूषणम्

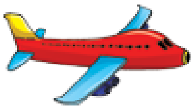
वायुयानम्

उद्यानम्

गृहम्

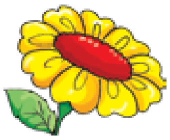
पुष्पम्

2. तीन निर्जीव वस्तुओं के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) **कन्दुकम्** (ख) **पात्रम्** (ग) **पुस्तकम्**

3. उचित मिलान कीजिए–

उत्तर (क) गृहम् — (iii) घर
(ख) पर्णम् — (iv) पत्ता
(ग) आभूषणम् — (i) आभूषण
(घ) पत्रम् — (ii) पत्र

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

7 अकारान्त नपुंसकलिङ्ग शब्दानां प्रयोगः (एकवचनम्)

अभ्यास

1. निम्नांकित चित्रों को देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

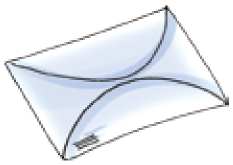

उत्तर (क) एतत् **किम्** अस्ति?
एतत् **पत्रम्** अस्ति।

(ख) तत् किम् अस्ति?
तत् **फलम्** अस्ति।

(ग) एतत् **किम्** अस्ति?
एतत् **औषधम्** अस्ति।

(घ) **तत्** किम् अस्ति?
तत् **बसयानम्** अस्ति।

2. निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) वह **तत्** (ख) यह **एतत्**
(ग) क्या **किम्** (घ) बस **बसयानम्**
(ङ) आँख **नेत्रम्** (च) पत्र **पत्रम्**
(छ) फल **फलम्** (ज) दवाई **औषधम्**
(झ) कमल **कमलम्** (ञ) खिलौना **क्रीडनकम्**

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) तत् बसयानम् अस्ति।
(ख) तत् किम् अस्ति?
(ग) एतत् पत्रम् अस्ति।
(घ) एतत् किम् अस्ति।

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

8 वचनबोधम्

अभ्यास

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) बालकः (ख) बालिके (ग) पात्राणि

2. **निम्नांकित चित्रों के नाम वचनानुसार संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर

बालकौ

कन्दुकानि

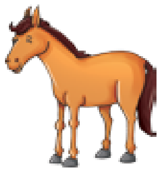

अश्वः

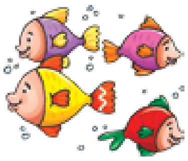

मत्स्याः

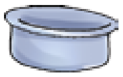

पात्रम्

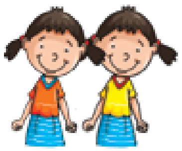

बालिके

3. **निम्नलिखित शब्दों के वचन तथा लिङ्ग लिखिए–**

	शब्दः	वचनम्	लिङ्गम्
उत्तर	(क) बालकाः	**बहुवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
	(ख) कन्दुके	**द्विवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**
	(ग) अश्वौ	**द्विवचनम्**	**पुंल्लिङ्गम्**
	(घ) मत्स्या	**एकवचनम्**	**स्त्रीलिङ्गम्**
	(ङ) पात्रे	**द्विवचनम्**	**नपुंसकलिङ्गम्**

4. **निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर
(क) दो गेंदें — **कन्दुके**
(ख) एक लड़की — **बालिका**
(ग) एक बालक — **बालकः**
(घ) दो घोड़े — **अश्वौ**
(ङ) दो बर्तन — **पात्रे**
(च) एक गेंद — **कन्दुकम्**
(छ) दो मछलियाँ — **मत्स्ये**
(ज) बहुत-सी गेंदें — **कन्दुकानि**
(झ) बहुत-से घोड़े — **अश्वाः**
(ञ) बहुत-सी लड़कियाँ — **बालिकाः**

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

9 सर्वनाम शब्द (प्रथम पुरुषः)

अभ्यास

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) बालकः पठति। (ख) कोकिला कूजति।
(ग) एतानि पुष्पाणि सन्ति।

2. **निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों के लिए पाठ में दिए गए संस्कृत शब्द लिखिए–**

		पुंल्लिङ्गम्	स्त्रीलिङ्गम्	नपुंसकलिङ्गम्
उत्तर	(क) यह	**एषः**	**एषा**	**एतत्**
	(ख) वह	**सः**	**सा**	**तत्**

3. **निम्नलिखित शब्दों के आगे 'यह' की संस्कृत लिङ्ग के अनुसार लिखिए–**

उत्तर (क) **एषा** उर्मिका। (ख) **एषः** बालः।
(ग) **एतत्** पुस्तकम् अस्ति। (घ) **एतत्** पुष्पम्।
(ङ) **एषः** पठति। (च) **एषा** उड्डयति।

4. **निम्नलिखित शब्दों के आगे 'वह' की संस्कृत लिङ्ग के अनुसार लिखिए–**

उत्तर (क) **सः** बालकः। (ख) **सा** मक्षिका।
(ग) **सा** कूजति। (घ) **तत्** कदलीफलम्।
(ङ) **सा** लूता। (च) **सः** गजः।

5. **निम्नलिखित वाक्यों को संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर (क) एते बालिके लिखत:।

(ख) एतानि पुस्तकानि सन्ति।

(ग) एष: राम: अस्ति।

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

10 सर्वनाम शब्द (मध्यम पुरुष:, उत्तम पुरुष:)

अभ्यास

1. **कोष्ठक में से सही शब्दों का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर (क) **अहं** लिखामि। (ख) **आवां** क्रीडाव:।

(ग) **आवां** कूर्दाव:। (घ) **वयं** नृत्याम:।

(ङ) **वयं** गच्छाम:। (च) **अहं** पठामि।

2. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर (क) अहं क्रीडामि।

(ख) आवां स्वपाव:।

(ग) वयं जलं पिबाम:।

(घ) आवां कूर्दाव:।

(ङ) वयं पठाम:।

3. **चित्रों को देखकर सही शब्द पर (✓) लगाइए–**

उत्तर

अहं गच्छामि।

आवां हसाव:।

अहं नृत्यामि।

आवां कूर्दाव:।

4. **उचित मिलान कीजिए–**

उत्तर

(क) यूयं — (i) पठसि

(ख) युवां — (ii) गच्छथ:

(ग) त्वं — (iii) क्रीडथ

(घ) त्वं — (iv) हसथ:

(ङ) युवां — (v) क्रीडसि

क्रियात्मक गतिविधि–

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

11 क्रियापदानां परिचय:

अभ्यास

1. **निम्नलिखित हिंदी क्रिया शब्दों की संस्कृत लिखिए–**

उत्तर (क) खेलना **क्रीड्** (ख) हँसना **हस्**

(ग) गिरना **पत्** (घ) कूदना **कूर्द्**

(ङ) पढ़ना **पठ्** (च) दौड़ना **धाव्**

(छ) चलना **चल्** (ज) जाना **गम्, गच्छ्**

2. **निम्नलिखित क्रिया शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–**

उत्तर

(क) पठति — (i) (दो) हँसते हैं।

(ख) धावत: — (ii) खेलती है।

(ग) नमन्ति — (iii) (बहुत-से) लिखते हैं।

(घ) गच्छति — (iv) जाता है।

(ङ) हसत: — (v) पढ़ता है।

(च) क्रीडति — (vi) (दो) दौड़ते हैं।

(छ) लिखन्ति — (vii) (बहुत-से) नमस्कार करते हैं।

3. निम्नलिखित क्रिया शब्दों को वचन के अनुसार अलग-अलग लिखिए-

उत्तर

एकवचनम्	धावति	लिखति	नमति	अस्ति
द्विवचनम्	पठत:	रूदत:	हसत:	पिबत:
बहुवचनम्	रक्षन्ति	कर्षन्ति	गच्छन्ति	खादन्ति

12 क्रिया शब्दों का वाक्यों में प्रयोग

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों को हिंदी में लिखिए-

उत्तर

एष :	**यह**	एषा	**यह**
एतत्	**यह**		
चिकित्सक:	**चिकित्सक, डॉक्टर**	फले	**दो फल**
स:	**वह**	कूर्दति	**कूदता है**
तत्	**वह**	पतत:	**दो गिरते हैं**

2. कोष्ठक में से सही शब्दों का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए-

उत्तर (क) **स:** चिकित्सयति (ख) **ते** पतन्ति
(ग) **आवां** कर्षाव:। (घ) **यूयं** गच्छथ।
(ङ) **युवां** क्रीडथ:।

3. निम्नलिखित धातुओं को मध्यम पुरुष की क्रिया के रूप में लिखिए-

उत्तर

धातु:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) खाद्	**खादसि**	**खादथ:**	**खादथ**
(ख) पठ्	**पठसि**	**पठथ:**	**पठथ**
(ग) लिख्	**लिखसि**	**लिखथ:**	**लिखथ**
(घ) गम्	**गच्छसि**	**गच्छथ:**	**गच्छथ**

4. निम्नलिखित धातुओं को उत्तम पुरुष की क्रिया के रूप में लिखिए-

उत्तर

धातु:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) गम्	**गच्छामि**	**गच्छाव:**	**गच्छाम:**
(ख) क्रीड्	**क्रीडामि**	**क्रीडाव:**	**क्रीडाम:**
(ग) नम्	**नमामि**	**नमाव:**	**नमाम:**
(घ) चल्	**चलामि**	**चलाव:**	**चलाम:**

5. निम्नलिखित वाक्यों को उनके अर्थ से मिलाइए-

उत्तर

(क) स: पठति।	(i) हम (दो) नमस्कार करते हैं।
(ख) ते पठत:।	(ii) फल गिरता है।
(ग) त्वं गच्छसि।	(iii) वह पढ़ता है।
(घ) आवां नमाव:।	(iv) वे (दो) पढ़ती हैं।
(ङ) फलं पतति।	(v) तुम जाती हो।

13 उपदेश:

अभ्यास

• निम्नांकित चित्रों को देखकर लिखिए कि चित्र में क्या हो रहा है?

उत्तर

बालकौ क्रीडत:।

बालिके नृत्यत:।

कन्या विद्यालयं गच्छति।

जन: भिक्षां ददाति।

14 संख्याबोधक शब्दाः

अभ्यास

1. निम्नलिखित संख्याओं को हिंदी में लिखिए–

उत्तर (क) द्वादश **बारह** (ख) विंशतिः **बीस**
(ग) सप्तविंशति **सत्ताईस** (घ) त्रिंशत् **तीस**
(ङ) त्रयस्त्रिंशत् **तैंतीस**
(च) एकोनचत्वारिंशत् **उनतालीस**
(छ) द्वाचत्वारिंशत् **बयालीस**
(ज) षड्विंशतिः **छब्बीस**

2. निम्नलिखित संख्याओं को हिंदी में लिखिए–

8	आठ	27	सत्ताईस
11	ग्यारह	38	अड़तीस
13	तेरह	42	बयालीस
24	चौबीस	50	पचास
28	अट्ठाईस	49	उनचास

आदर्श प्रश्न-पत्र – 1

1. निम्नांकित चित्रों के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर

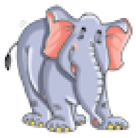
गजः

सिंहः

नासिका

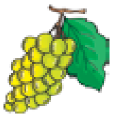
द्राक्षाफलम्

ऊर्मिका

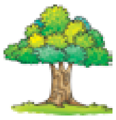
वृक्षः

2. निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) घोड़ा **अश्वः** (ख) लोमड़ी **लोमशिका**
(ग) पेड़ **वृक्षः** (घ) सूई **सूचिका**
(ङ) लड़की **बालिका** (च) पत्र **पत्रम्**
(छ) बस **बसयानम्** (ज) हिरण **मृगः**
(झ) बैल **वृषभः** (ञ) चंद्रमा **चन्द्रः**

3. सही मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) गृहम्	(iii) घर
(ख) पर्णम्	(ii) पत्र
(ग) आभूषणम्	(i) आभूषण
(घ) पत्रम्	(v) चिट्ठी
(ङ) नेत्रम्	(xi) नेत्र
(च) औषधम्	(iv) औषधि

आदर्श प्रश्न-पत्र – 2

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) बालिके (ख) पात्राणि (ग) कोकिला कूजति

2. निम्नलिखित हिंदी क्रियापदों की संस्कृत लिखिए–

उत्तर (क) खेलना **क्रीड्** (ख) कूदना **कूर्द्**
(ग) गिरना **पत्** (घ) दौड़ना **धाव्**
(ङ) आना **आगच्छ्** (च) जाना **गम्**
(छ) पढ़ना **पठ्** (ज) हँसना **हस्**

3. निम्नांकित चित्रों को देखकर लिखिए कि चित्र में क्या हो रहा है?

बालिका खादति।

बालिके कूर्दतः।

बालकः नमति।

बालकः खादति।

छात्राः पठन्ति।

बालकः पिबति।

संस्कृत भाग 3

1 वन्दना

उत्तर– **विद्यार्थी स्वयं करें।**

2 कर्ता कारकम्

हिन्दी अनुवाद–

यह एक खरगोश है। खरगोश वन में रहता है। खरगोश एक चतुर पशु होता है। खरगोश बहुत तेज दौड़ता है।

यह गंगा नदी है। गंगा का जल स्वच्छ और शुद्ध होता है। यह हरिद्वार इलाहाबाद, वाराणसी इत्यादि नगरों में बहता है। यहाँ अनेक भक्त रहते हैं। इसके तट पर अनेक वृक्ष भी हैं। इन वृक्षों पर अनेक पक्षी भी रहते हैं।

यह बगीचा है। बगीचा सुंदर है। यहाँ अनेक वृक्ष और लताएँ हैं। लताओं पर अनेक फूल हैं। फूल सुंदर हैं। यहाँ कमल के फूल भी हैं।

मैं एक छात्र हूँ। तुम भी एक छात्र हो। हम दोनों विद्यालय जाते हैं। तुम दोनों भी विद्यालय जाते हो। हम सब यहाँ खेलते हैं। तुम सब भी खेलते हो।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) वने (ख) पुष्पाणि (ग) उभयविधम्

2. **निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर (क) शशकः एकः **चतुरः** पशुः भवति।
(ख) **एषा** गङ्गा नदी अस्ति।
(ग) उपवनं **रमणीयम्** अस्ति।
(घ) अत्र **कमलानि** अपि सन्ति।

3. **निम्नलिखित विशेषणों को विशेष्यों से मिलाइए–**

उत्तर

विशेषण	विशेष्य
(क) चतुरः	(i) पुष्पाणि
(ख) स्वच्छं	(ii) शशकः
(ग) रमणीयं	(iii) गङ्गाजलम्
(घ) मनोहराणि	(iv) उपवनम्

(क) चतुरः → (ii) शशकः; (ख) स्वच्छं → (iii) गङ्गाजलम्; (ग) रमणीयं → (iv) उपवनम्; (घ) मनोहराणि → (i) पुष्पाणि

4. **सत्य कथन पर सही (✓) तथा असत्य कथन पर गलत (✗) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर (क) शशकः वने निवसति।
(ख) वृक्षेषु खगाः निवसन्ति।
(ग) लतासु अनेकानि पुष्पाणि सन्ति।

भाषा-बोध

1. **निम्नलिखित क्रिया शब्दों को उदाहरण के अनुसार लिखिए–**

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उत्तर (क)	गच्छति	**गच्छतः**	**गच्छन्ति**
(ख)	खादति	**खादतः**	**खादन्ति**
(ग)	पठति	**पठतः**	**पठन्ति**
(घ)	हसति	**हसतः**	**हसन्ति**
(ङ)	लिखति	**लिखतः**	**लिखन्ति**
(च)	धावति	**धावतः**	**धावन्ति**

2. **निम्नलिखित वाक्यों को संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर (क) एषः एकः शशकः अस्ति।
(ख) शशकः वने वसति।
(ग) एषा गङ्गा नदी अस्ति।
(घ) गङ्गाजलं स्वच्छं शुद्धं च भवति।
(ङ) एतत् उपवनम् अस्ति।
(च) पुष्पं सुन्दरम् अस्ति।

3. **निम्नलिखित संस्कृत शब्दों को हिंदी में लिखिए–**

उत्तर (क) शशक: **खरगोश** (ख) चतुर: **चतुर**

(ग) नगरे **नगर में** (घ) अपि **भी**

(ङ) लतासु **लताओं पर** (च) अत्र **यहाँ**

(छ) आवाम् **हम दोनों** ज) यूयम् **तुम सब**

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

3 कर्म कारकम्

हिन्दी अनुवाद–

लड़का क्या खाता है?
वह केला खाता है।
लड़का क्या खाएगा?
वह आम खाएगा।

(दो) लड़के क्या खाते हैं?
वे दोनों केले खाते हैं।
(दो) लड़के क्या खाएँगे?
वे दोनों आम खाएँगे।

लड़के क्या खाते हैं?
वे सब केले खाते हैं।
लड़के क्या खाएँगे?
वे आम खाएँगे।

तुम विद्यालय कब जाते हो?
तुम दोनों पुस्तकें पढ़ते हो।
तुम सब पुस्तकें पढ़ोगे।
लड़के श्लोक पढ़ेंगे।

मैं तुम्हें देखता हूँ।
तुम मुझे देखते हो।
तुम दोनों हम दोनों को देखते हैं।
तुम दोनों हम दोनों को देखते हो।
हम सब तुम्हें देखते हैं।
तुम सब हमें देखते हो।

मैं सत्य बोलूँगा।
तुम भी सत्य बोलोगे।
वे भी सत्य बोलेंगे।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) कदलीफलम् (ख) श्लोकान्

(ग) मां (घ) सत्यं

2. **निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर (क) ते **आम्राणि** खादिष्यन्ति।

(ख) ते **कदलीफलानि** खादन्ति।

(ग) यूयं **पुस्तकानि** पठिष्यथ।

(घ) वयं **युष्मान्** पश्याम:।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर (क) बालकौ कदलीफले खादत:।

(ख) अहं विद्यालयं प्रात: सप्तवादने गच्छामि।

(ग) बालक: सत्यं वदिष्यति।

(घ) बालका: सत्यं वदिष्यन्ति।

भाषा-बोध

1. **निम्नलिखित शब्दों का हिंदी में अर्थ लिखिए–**

उत्तर (क) बालक: **लड़का** (ख) त्वम् **तुम**

(ग) ते **वे सब** (घ) खादन्ति **खाते हैं**

(ङ) युवाम् **तुम दोनों** (च) आम्रम् **आम**

(छ) आम्रे **दो आम**

(ज) खादत: **(दो) खाते हैं**

2. **कर्म कारक के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों के द्वितीया विभक्ति के उचित रूप लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–**

उत्तर (क) छात्रा: पत्रं लिखन्ति।

(ख) सर्वा: छात्रा: पुस्तकानि पठन्ति।

(ग) वयं जलं पिबाम:।

(घ) अहं शयनं करोमि।

(ङ) सायङ्काले सर्वे गृहम् आगच्छन्ति।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

4 करण कारकम्

हिन्दी अनुवाद–

बालक मुँह से खाता है।	हिरण मुँह से घास खाता है।
बालक आँखों से देखता है।	हिरण आँखों से देखता है।
बालक दाँतों से खाता है।	हिरण पैरों से चलता है।
बालक पैरों से दौड़ता है।	

भिक्षुक पैर से लँगड़ा है।
हाथी सूँड से भार ढोता है।
सैनिक तलवार से रक्षा करता है।

बालक गेंद से खेलता है।
शिव हाथों से क्या करता है?
शिव हाथों से फूलों द्वारा शिव की अर्चना करता है।
पिता के साथ पुत्र जाते हैं।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) मुखेन (ख) पादाभ्याम्
(ग) पादै: (घ) खड्गेन

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) बालक **नेत्राभ्यां** पश्यति।
(ख) मृग: **मुखेन** तृणानि खादति।
(ग) वृषभ **स्कन्धाभ्यां** भारं वहति।
(घ) भिक्षुक: **पादेन** खञ्ज: अस्ति।
(ङ) जनकै: **पुत्रा:** गच्छन्ति।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) बालक: मुखेन खादति।
(ख) मृग: पादै: चलति।
(ग) शिव: हस्ताभ्यां पुष्पै: शिवम् अर्चयति।
(घ) सैनिक: खड्गेन रक्षति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के तृतीया विभक्ति के रूप लिखिए–

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उत्तर (क)	छात्र	**छात्रेण**	**छात्राभ्याम**	**छात्रै:**
(ख)	लता	**लतया**	**लताभ्याम्**	**लताभि:**
(ग)	वृक्ष	**वृक्षेण**	**वृक्षाभ्याम्**	**वृक्षै:**
(घ)	फल	**फलेन**	**फलाभ्याम्**	**फलै:**
(ङ)	शिव	**शिवेन**	**शिवाभ्याम्**	**शिवै:**

2. रंगीन छपे पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण कीजिए–

उत्तर (क) बालक: कै: सह क्रीडति?
(ख) मनोज: केंन काण: अस्ति?
(ग) छात्र: केन लिखति?
(घ) वयं काभ्यां कार्यं कुर्म:?
(ङ) ते केन विदेशं गच्छन्ति?
(च) छात्रा: कया विनम्रा: भवन्ति?

3. निम्नलिखित वाक्यों में से तृतीया विभक्ति वाले शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर (क) फेनिलेन (ख) शिक्षया (ग) बाणेन (घ) हलेन

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) मोहन: कलमेन लिखति।
(ख) रजक: फेनिलेन वस्त्राणि क्षालयति।
(ग) जना: विमानेन विदेशं गच्छन्ति।
(घ) माता छुरिकया फलं कृन्तति।
(ङ) बालका: कन्दुकेन क्रीडन्ति।

5. सही शब्द पर चिह्न (✓) लगाइए–

उत्तर (क) बालक: **नेत्राभ्याम्** पश्यति।
(ख) मृग: **मुखेन** तृणानि खादति।
(ग) वृषभ: **पादै:** चलति।
(घ) भिक्षुक: **पादेन** खञ्ज: अस्ति।
(ङ) जनकै: सह **पुत्रा:** गच्छन्ति।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

5 सम्प्रदान कारकम्

हिन्दी अनुवाद–

सैनिक देश के लिए होता है।
शिक्षक छात्रों के लिए पुस्तक लाता है।
किसान अन्न के लिए खेत को जोतता है।
शिव को नमस्कार।

घर रहने के लिए होता है।
बरतन भोजन के लिए होते हैं।
माता पुत्रों को भोजन देती है।
माता जल के लिए कुएँ को जाती है।

सेठ निर्धन को वस्त्र देता है।
वृक्ष लोगों को फल देते हैं।
अग्नि को समर्पित।
दीपक प्रकाश के लिए होता है।
क्रोध नाश के लिए होता है।

विद्या ज्ञान के लिए होती है।
विद्यालय शिक्षा के लिए होते हैं।
छात्र पढ़ने के लिए विद्यालय जाते हैं।
शिक्षक छात्रों को ज्ञान देता है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) देशाय (ख) पुत्रेभ्य
(ग) जनेभ्य (घ) ज्ञानाय

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) कृषक **अन्नाभ** क्षेत्रं कर्षति।
(ख) माता **जलाय** कूपं गच्छति।
(ग) सैनिक: **देशाय** भवति।
(घ) विद्यालया: **शिक्षायै** भवन्ति।
(ङ) क्रोध: **नाशाय** भवति।

3. सत्य कथन पर सही (✓) तथा असत्य कथन पर गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗
(घ) ✓ (ङ) ✗

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) शिक्षक: छात्राभ्यां पुस्तकम् आनयति।
(ख) गृहं नाशाय भवति।
(ग) वृक्षा: जनेभ्य: फलानि यच्छन्ति।
(घ) शिक्षक: छात्रेभ्य ज्ञानं ददाति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों के रंगीन पदों को निर्देशानुसार बदलिए–

उत्तर (क) मालाकार: देवेभ्य: माला: रचयति।
(ख) देवाय नम:।
(ग) जन: कार्याय कार्यालयं गच्छति।
(घ) नृप: याचकाभ्यां यच्छति।
(ङ) जनक: पुत्राय क्रुध्यति।

2. निम्नलिखित शब्दों का स्व रचित संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर (क) माता याचकाय भोजनं ददाति।
(ख) गणेशाय नम:।
(ग) वृक्षा: परोपकाराय फलन्ति।
(घ) विद्यायै सदा प्रयासं कुरूत।
(ङ) सूर्य: प्रकाशाय उदेति।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

6 अपादान कारकम्

हिन्दी अनुवाद–

विकास गाँव से आता है। वह सुबह घर से विद्‌यालय जाता है। वहाँ वह पढ़ाई करता है। वह खेल के मैदान को खेलने जाता है। उसके बाद विद्‌यालय से अपने घर वापस आता है।

वह बस से विद्‌यालय से आता है। इसलिए वह ध्यान से बस से उतरता है। वह वृक्ष से फल तोड़ता है। फल के साथ बहुत–से पत्ते भी वृक्ष से गिरते हैं। शाम को विकास गाँव से दूध लाता है। वह दुकान से पुस्तक आदि लाता है।

उसका गाँव गंगा के किनारे है। बहुत–से लोग उसका पवित्र जल लाते हैं। यह स्वच्छ और शुद्‌ध होता है। गंगाजल में कीड़े पैदा नहीं होते हैं। गंगा हिमालय से निकलती है।

अभ्यास

पाठ–बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) ग्रामात् (ख) वृक्षात्
(ग) हिमालयात् (घ) गङ्गातटे

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) विकास: **ग्रामात्** आगच्छति।
(ख) तत्र स: **अध्ययनं** करोति।
(ग) स: **बसयानेन** विद्यालयात् आगच्छति।
(घ) **गङ्गाजलं** स्वच्छं शुद्धं च भवति।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) ग्रामात् विकास: आगच्छति।
(ख) विकास: बसयानात् अवतरति।
(ग) विकास: आपणात् पुस्तकादीनि आनयति।
(घ) विकास: ग्रामे वसति।

भाषा–बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों में अपादान कारक को रेखांकित कीजिए–

उत्तर (क) ग्रामात् (ख) गृहात्
(ग) विद्यालयात् (घ) हिमालयात्

2. निम्नलिखित को उदाहरण के अनुसार लिखिए–

उत्तर (क) रामात् = **रामाभ्याम्** **रामेभ्य:**
(ख) ग्रामात् = **ग्रामाभ्याम्** **ग्रामेभ्य:**
(ग) नगरात् = **नगराभ्याम्** **नगरेभ्य:**
(घ) वृक्षात् = **वृक्षाभ्याम्** **वृक्षेभ्य:**
(ङ) आपणात् = **आपणाभ्याम्** **आपणेभ्य:**

3. निम्नलिखित शब्दों का पञ्चमी विभक्ति में प्रयोग कीजिए–

उत्तर (क) ग्राम = मम मित्रं **ग्रामात्** आगच्छति।
(ख) आपणम् = अहम् **आपणात्** वस्तूनि आनयामि।
(ग) वृक्ष: = वानर: **वृक्षात्** अवतरति।
(घ) गृहम् = लता **गृहात्** विद्यालयं गच्छति।
(ङ) लता = **लताया:** पुष्पाणि पतन्ति।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

7 सम्बन्ध कारकम्

हिन्दी अनुवाद–

यह राम का बगीचा है। विकास उसका घनिष्ठ मित्र है। बगीचे का वातावरण बहुत सुंदर है। इसके बीच में फूल खिलते हैं। माली पौधों को सींचता है। बगीचे की सुंदरता बहुत रमणीय और अवर्णनीय है। बरसात के मौसम के उत्सवों का आयोजन इस बगीचे में होता है। नगरों के स्त्री पुरुष आकर बगीचे की सुंदरता देखकर प्रसन्न होते हैं।

विद्‌यालय के छात्र भी प्रतिवर्ष घूमने के लिए आते हैं। उनके साथ अध्यापक और अध्यापिकाएँ भी आते हैं। विद्‌यालय के आचार्य छात्रों को वृक्षों के उपकार को बताते हैं। वृक्ष सदा लोगों का उपकार करते हैं। सदा प्रकृति के प्रहार सहकर हमें फलों का उपहार देते हैं। वृक्ष किसानों के खेती–उत्पादन में अपने पत्ते खाद के रूप में प्रयोग करके अन्न–वृद्‌धि करते हैं। रोग रहित रहने के लिए वृक्षों का महत्त्व अधिक है। इसलिए हम अधिक–से–अधिक वृक्षों को लगाकर प्रकृति के सौंदर्य में वृद्‌धि करें।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) उद्यानम् (ख) पुष्पाणि
(ग) मालाकार: (घ) छात्रा:
(ङ) आचार्य:

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) इदं **रामस्य** उद्यानम् अस्ति।
(ख) उद्यानस्य **वातावरण:** अति सुन्दर: अस्ति।
(ग) **वृक्षा:** जनानां सर्वदा उपकारं कुर्वन्ति।
(घ) **नीरोगाय** वृक्षाणां महत्त्वम् अधिकम् अस्ति।

3. सुमेल कीजिए-

उत्तर

'अ'	'ब'
(क) वृक्षाणाम्	(i) रोपणम्
(ख) उद्यानस्य	(ii) उपकारम्
(ग) शोभा	(iii) वातावरण:
(घ) वृक्षाणां	(iv) अतिरम्या

(क) वृक्षाणाम् → (ii) उपकारम्; (ख) उद्यानस्य → (iii) वातावरण:; (ग) शोभा → (iv) अतिरम्या; (घ) वृक्षाणां → (i) रोपणम्

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

उत्तर (क) उद्यानं रामस्य अस्ति।
(ख) वर्षाकालस्य उत्सवा: अस्मिन्नेव उद्याने भवन्ति।
(ग) वृक्षा: जनानां महत-उपकारं कुर्वन्ति।
(घ) उद्यानस्य मध्ये पुष्पाणि विकसन्ति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर (क) मित्रस्य इदं मम **मित्रस्य** उपवनम् अस्ति।
(ख) पर्यटनाय जना: अत्र **पर्यटनाय** आगच्छन्ति।
(ग) आगत्य अहम् अत्र **आगत्य** व्यायामादिकं करोमि।
(घ) कृत्वा व्यायामं **कृत्वा** पुन: गृहं गच्छामि।

2. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त विभक्ति तथा वचन लिखिए-

उत्तर

	शब्दा:	विभक्ति:	वचनम्
(क)	मित्रस्य	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
(ख)	वृक्षान्	**द्वितीया**	**बहुवचनम्**
(ग)	पर्यटनाय	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
(घ)	वृक्षाणाम्	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) यह राम का बगीचा है।
(ख) बगीचे की सुंदरता बहुत रमणीय और अवर्णनीय है।
(ग) विद्यालय के छात्र भी प्रतिवर्ष घूमने के लिए आते हैं।
(घ) हम वृक्षों को लगाकर प्रकृति के सौंदर्य में वृद्धि करें।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

8 अधिकरण कारकम्

हिन्दी अनुवाद-

भारतदेश हमारी जन्मभूमि है। भारतदेश में अनेक गाँव हैं। भारत में नगर, वन और उपवन भी हैं। गाँवों में मुख्यत: किसान रहते हैं। नगरों में मुख्यत: धनी लोग रहते हैं।

भारतीयों में किसान प्रमुख हैं। वे ग्रीष्मकाल, शीतकाल तथा वर्षा में भी परिश्रम करते हैं। गाँव-गाँव और नगर-नगर में श्रमिक भी रहते हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हैं।

उपवनों में अनेक वृक्ष होते हैं। वहाँ लताएँ भी होती हैं। लताओं पर फूल खिलते हैं। वृक्षों पर पक्षी और फूलों पर भौंरें बैठते है। छात्र अध्ययन में कुशल हैं।

यह वन है। इस वन में एक तालाब है। तालाब में मनोहर सुंदर कमल है। कमलों पर भौंरे उड़ते हैं। वृक्षों पर फल हैं। पक्षी फल खाते हैं।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) जन्मभूमि: (ख) ग्रामा:

(ग) ग्रामा: (घ) श्रमिका:

(ङ) क्षेत्रेषु

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) उपवने बहव: **वृक्षा:** सन्ति।

(ख) सरोवरे **कमलानि** विकसन्ति।

(ग) ते **क्षेत्रेषु** कार्यं कुर्वन्ति।

(घ) खगा: **फलानि** खादन्ति।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) ग्रामेषु मुख्यत: कृषका: वसन्ति।

(ख) नगरेषु मुख्यत: धनिका: वसन्ति।

(ग) सरोवर: वने अस्ति।

(घ) 'भारतम्' इति मम देशस्य नाम।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) भारतदेश: अस्माकं जन्मभूमि: अस्ति।

(ख) भारतीयेषु कृषका: प्रमुखा: सन्ति।

(ग) वृक्षेषु खगा: पुष्पेषु च भ्रमरा: तिष्ठन्ति।

(घ) जले कमलम् अस्ति।

(ङ) छात्रा: पुस्तकेषु चित्राणि पश्यन्ति।

2. निम्नलिखित शब्दों के रिक्त स्थानों में द्विवचन तथा बहुवचन के रूप लिखिए–

उत्तर

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
जने	**जनयो:**	**जनेषु**
वने	**वनयो:**	**वनेषु**
कपोते	**कपोतयो:**	**कपोतेषु**
वृक्षे	**वृक्षयो:**	**वृक्षेषु**
कूपे	**कूपयो:**	**कूपेषु**
ग्रामे	**ग्रामयो:**	**ग्रामेषु**

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

9 सम्बोधनम्

हिन्दी अनुवाद–

छात्रा : — हे अध्यापिका! हम तुम्हें प्रणाम करते हैं।

अध्यापिका — हे छात्रो! दीर्घायु होओ, बैठो।

वरुण : — हे अध्यापिका! आज तो हमारी मौखिक परीक्षा है।

अध्यापिका — क्या तुम सब परीक्षा के लिए तैयार हो?

छात्रा : — हाँ।

अध्यापिका — हे प्रज्ञा! तुम बोलो। हमारे देश का नाम क्या है।

प्रज्ञा — भारतवर्ष।

अध्यापिका — हे वरुण! तुम कहो, भारतवर्ष पहले क्या कहलाता था?

वरुण — पहले भारतवर्ष 'आर्यावर्त' कहलाता था।

अध्यापिका — हे लता! भारत की सबसे पवित्र नदी कौन-सी है?

लता — भागीरथी।

अध्यापिका — सही कहा। हे रमा! यह नदी कहाँ से निकलती है?

रमा — हिमालय से।

अध्यापिका — हमारे देश की उत्तर दिशा में क्या है? हे लतिका! तुम बोलो।

लतिका — हमारे देश की उत्तर दिशा में पर्वतराज हिमालय है।

अध्यापिका — सही, भारत की दक्षिण दिशा में क्या है? हे अनिल! तुम बोलो।

अनिल — हे अध्यापिका! मैं तो इस प्रश्न का उत्तर नहीं जानता हूँ। कृपया आप ही कहें।

अध्यापिका — इसकी दक्षिण दिशा में सागर है।

अनिल — धन्यवाद!

अध्यापिका — है रवि! भारत की सबसे प्राचीन मधुरतम भाषा कौन-सी है?

रवि — 'संस्कृत' ही भारत की सबसे प्राचीन भाषा है।

अध्यापिका — अब समय समाप्त हुआ। कल मिलेंगे।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) त्वाम् (ख) आर्यावर्त:

(ग) दिशायाम् (घ) कालांश:

2. कोष्ठक में दिए गए पदों में संबोधन का प्रयोग करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) **हे शुक!** त्वं किं खादसि?

(ख) **हे सूर्य!** वयं त्वां प्रणमाम:।

(ग) **हे अध्यापिके!** भवती कुत्र गच्छति?

(घ) **हे छात्रे!** युवां कुत्र धावथ:?

(ङ) **हे अम्बे!** त्वं किं पचसि?

(च) **हे मयूर!** आवाम् अपि नृत्याव:।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

उत्तर (क) भारतस्य पवित्रतमा नदी 'भागीरथी' इति।

(ख) अस्माकं देशस्य उत्तरदिशायां पर्वतराज: हिमालय: वर्तते।

(ग) भारतवर्षं पुरा 'आर्यावर्त:' इति कथ्यते स्म।

(घ) 'रत्नाकर:' भारतस्य दक्षिणदिशायां वर्तते।

(ङ) भारतस्य प्राचीनतमा मधुरतमा भाषा 'संस्कृतम्' इति।

भाषा-बोध

- **निम्नलिखित शब्दों के रूप लिखिए-**

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उत्तर	अध्यापक:	**अध्यापकौ**	**अध्यापका:**
	हे अध्यापक!	**हे अध्यापकौ!**	**हे अध्यापका:!**
	अध्यापिका	**अध्यापिके**	**अध्यापिका:**
	हे अध्यापिका!	**हे अध्यापिके!**	**हे अध्यापिका:!**
	माला	**माले**	**माला:**
	हे माले!	**हे माले!**	**हे माला:!**
	अम्बा	**अम्बे**	**अम्बा:**
	हे अम्बा!	**हे अम्बे!**	**हे अम्बा:!**
	मित्रम्	**मित्रे**	**मित्राणि**
	हे मित्र!	**हे मित्रे!**	**हे मित्राणि!**

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

सिंह: मूषक: च (केवलं पठनाय मनोरञ्जनाय च)

हिन्दी अनुवाद-

एक शेर जंगल में रहता है।
एक बार वह पेड़ के नीचे सोता है।

शेर चूहे पर क्रोध करता है और कहता है—
अरे तुच्छा! क्या करते हो तुम? तेरी मृत्यु तो समीप ही है।

शेर हँसता है और उसे छोड़ता है।
एक बार शेर शिकारी के जाल में बँध (फँस) जाता है।

हिन्दी अनुवाद-

एक चूहा आता है। उसके शरीर पर इधर-उधर नाचता है। उससे शेर जाग जाता है।

चूहा रोता है और बोलता है—
हे वनराज! मुझ पर दया करो। समय आने पर मैं तुम्हारी सहायता करूँगा।

शेर जोर से दहाड़ता है। अचानक चूहा वहाँ आता है। और बोलता है।—
हे वनराज! दुख मत करो। मैं यह जाल काट दूँगा।

शेर जाल से आजाद होता है और बोलता है—
हे मित्र चूहे! छोटे जीव का भी उपयोग होता है। यह मैंने आज समझ लिया है।

10 विद्यायाः महत्त्वं

हिन्दी अनुवाद–

वे माता-पिता शत्रु हैं, जिन्होंने अपने बालक को नहीं पढ़ाया क्योंकि ऐसा बालक विद्वानों की सभा में वैसे ही शोभा नहीं पाता है– जैसे हंसों के मध्य बगुला।

सुख चाहने वाले को विद्या कहाँ, विद्या चाहने वाले को सुख कहाँ। सुख चाहने वाला विद्या छोड़ दे अथवा विद्या चाहने वाला सुख छोड़ दे।

विद्वान और नृपत्व (राजापन) कभी भी एक समान नहीं हो सकते; क्योंकि राजा तो अपने देश में पूजा जाता है किंतु विद्वान सब जगह पूजा जाता है।

कोयलों का रूप उनका स्वर (आवाज) है, नारी का रूप पतिव्रत, कुरूपों का रूप विद्या (ज्ञान) है, तपस्वियों का रूप क्षमा है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) शत्रुः (ख) शोभते

(ग) त्यजेद् (घ) विद्वान्

2. **निम्नलिखित श्लोकों की पक्तियों को पूरा कीजिए–**

उत्तर (क) माता शत्रुः पिता **बैरी**,
येन **बालो** पठिताः।
न शोभते **सभा** मध्ये,
हंस मध्ये **बको** यथा।

(ख) कोकिलानां स्वरो **रूपं**
नारी रूपं **पतिव्रतम्**।

(ग) विद्या रूपं **कुरूपाणाम्**।
क्षमा रूपं **तपस्विनाम्**।।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर (क) माता पिता बैरी येन बालो न पाठितः।

(ख) राजा स्वदेशे पूज्यते।

(ग) कुरूपाणां रूपं विद्या।

(घ) विद्यार्थी सुख त्यजेद्।

भाषा-बोध

1. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।**

उत्तर (क) सुखार्थिनः कुतो विद्या।

(ख) विद्वांसः सर्वत्र पूज्यन्ते।

(ग) कोकिलायाः रूपं स्वरेण ज्ञायते।

(घ) तपस्विनः रूपं क्षमया ज्ञायते।

2. **निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

उत्तर (क) वह विद्वानों की सभा के मध्य वैसे ही शोभा नहीं पाता है– जैसे हंसों के मध्य बगुला

(ख) सुख चाहने वाला विद्या छोड़ दे।

(ग) राजा स्वदेश में पूजा जाता है।

(घ) कुरूपों का रूप विद्या है।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

11 अस्माकं संस्कृतिः

हिन्दी अनुवाद–

हमारी संस्कृति सदा गतिशील है। सभी धर्मों का सम्मान, वृद्ध लोगों की सेवा, आज्ञा का पालन, कर्तव्यपालन इत्यादि हमारी संस्कृति का मूल तत्व है। यह कर्म वीरों की संस्कृति है। ''कर्म करते हुए जीने की इच्छा रखे'' ऐसा इसका उद्घोष है। 'पहले कर्म, उसके बाद फल' ऐसी हमारी संस्कृति है। हमारी संस्कृति का निर्देश है– अपने श्रम का फल भोगना चाहिए, दूसरे के श्रम का शोषण पूरी तरह वर्जित है। भारत देश में वाराणसी नगरी एक धार्मिक नगरी है। यहाँ अनेक पर्यटक आते हैं और ज्ञान बढ़ाते हैं। हमारी संस्कृति ''हम सभी लोग भारतीय है'' ऐसी भावना को बढ़ाती है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) गतिशीला (ख) पर्यटकाः

(ग) भावनाम्

2. **निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

उत्तर (क) अस्माकं **संस्कृतिः** सदा गतिशीला वर्तते।

(ख) अन्यस्य **श्रमस्य** शोषणं सर्वथा वर्जनीयम्।

(ग) वाराणसी एका धार्मिका **नगरी** अस्ति।

(घ) वयं सर्वे जनाः **भारतीयाः**।

(ङ) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं इति **अस्याः** उद्घोषः।

(च) निजस्य श्रमस्य फलम् भोग्यम्।

3. **सत्य कथन के सामने सही (✓) तथा असत्य कथन के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए-**

उत्तर (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗

(घ) ✗ (ङ) ✓ (च) ✗

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर कीजिए-**

उत्तर (क) अस्माकं संस्कृति गतिशीला अस्ति।

(ख) पूर्व कर्म, तदनन्तरं फलम् इति अस्माकं संस्कृतेः नियमः।

(ग) वाराणसी नगरी धार्मिका नगरी अस्ति।

(घ) एषा संस्कृति भारतदेशस्य अस्ति।

भाषा-बोध

- **निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए-**

उत्तर (क) हमारी संस्कृति सदा गतिशील है।

(ख) पहले कार्य उसके बाद फल।

(ग) यहाँ अनेक पर्यटक आते हैं और ज्ञान बढ़ाते हैं।

(घ) वाराणसी धार्मिक नगरी है।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

12 मूर्ख वानरः

हिन्दी अनुवाद-

यमुना नदी के किनारे एक बरगद का पेड़ था। उस वृक्ष पर अपने परिश्रम से बनाए घोंसलों में पक्षी सुख से रहते थे। वहाँ पेड़ के नीचे कोई बंदर भी रहता था। एक बार बंदर बारिश के जल से बहुत ही गीला हो गया और काँपने लगा। पक्षियों ने ठंड से काँपते उस बंदर को बोला- "हे बंदर! तुम कष्ट महसूस कर रहे हो। तुम क्यों घर का निर्माण नहीं करते हो?" 'उस बंदर ने यह सुनकर सोचा- 'ओह! ये तुच्छ पक्षी मुझे भला बुरा कह रहे हैं।'

इसलिए उस बंदर ने गुस्से से पक्षियों के घोंसले पेड़ से नीचे गिरा दिए और नष्ट कर दिए। घोंसलों के साथ पक्षियों के अंडे भी नष्ट हो गए।

कहा भी गया है- "निश्चित ही मूर्ख को उपदेश देना उसके क्रोध को बढ़ाना है, शांति को नहीं।"

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए-**

उत्तर (क) वटः (ख) वानरः

(ग) खगाः

2. **निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

उत्तर (क) यमुनातीरे एकः **वटवृक्षः** आसीत्।

(ख) एकदा **वानरः** वृष्टिजलेन अतीव आर्द्रः **कम्पितः** च अभवत्।

(ग) त्वं कथं **गृहस्य** निर्माणं न करोषि?

(घ) एते क्षुद्राः **खगाः** मां निन्दन्ति।

(ङ) नीडैः सह खगानाम् **अण्डानि** अपि नष्टानि जातानि।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) वटवृक्षः यमुनातीरे आसीत्।

(ख) वानरः वृक्षतले वसति स्म।

(ग) वृष्टिजलेन आर्द्रो भूय शीतेन कम्पते स्म वानरः।

(घ) वानरं खगाः निन्दन्ति स्म।

(ङ) उपदेशः मूर्खाणां प्रकोपाय भवति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर (क) तत्र — **तत्र** एकः वानरः अपि वसति स्म।

(ख) अपि — अहो! एते खगाः **अपि** मां निन्दन्ति।

(ग) वानरः — **वानरः** एतत् श्रुत्वा क्रुद्धोऽभवत्।

(घ) वृक्षः — वने एकः वटस्य **वृक्षः** आसीत्।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) यमुना के किनारे एक बरगद का पेड़ था।

(ख) एक बार बंदर बारिश के जल से बहुत ही गीला हो गया।

(ग) ये तुच्छ पक्षी मुझे भला-बुरा कह रहे हैं।

(घ) उसने उनके घोंसले नीचे गिरा दिए।

(ङ) मूर्ख को उपदेश नहीं देना चाहिए।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

13 परिशिष्ट

उत्तर– विद्यार्थी स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र - 1

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) वने (ख) श्लोकान्
(ग) खड्गेन (घ) ग्रामात्

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) उपवनम् **रमणीयम्** अस्ति।
(ख) यूयं **पुस्तकानि** पठिष्यथ।
(ग) कृषक: **अन्याय** क्षेत्रं कर्षति।
(घ) भिक्षुक: **पादेन** खञ्ज: अस्ति।

3. निम्नलिखित शब्दों के षष्ठी विभक्ति के रूप लिखिए–

	शब्द:	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
उत्तर	(क) छात्र	छात्रस्य	छात्रयो:	छात्राणाम्
	(ख) लता	लताया:	लतयो:	लतानाम्
	(ग) वृक्ष	वृक्षस्य	वृक्षयो:	वृक्षाणाम्

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर(क) वृक्षेषु खगा: निवसन्ति।
(ख) शिक्षक: छात्रेभ्य: ज्ञानं ददाति।
(ग) ग्रामात् कृषक: आगच्छति।
(घ) बालक: सत्यं वदिष्यति।

आदर्श प्रश्न-पत्र - 2

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) उद्यानम् (ख) क्षेत्रेषु
(ग) भावनाम् (घ) खगा:

2. सत्य कथन के सामने सही (✓) तथा असत्य कथन के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✗ (ख) ✓
(ग) ✗ (घ) ✗

3. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त विभक्ति तथा वचन बताइए–

	शब्द:	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
उत्तर	(क) मित्रस्य	षष्ठी	एकवचनम्	
	(ख) वृक्षान्	द्वितीया	बहुवचनम्	
	(ग) पर्यटनाय	चतुर्थी	एकवचनम्	

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) ग्रामेषु मुख्यत: कृषका: वसन्ति।
(ख) स्वदेशे राज्य पूज्यते।
(ग) वानर: वृक्षतले वसति स्म।
(घ) उद्यानं रामस्य अस्ति।

1 ईशवन्दना

उत्तर– विद्यार्थी स्वयं करें।

2 मम विद्यालय:

हिन्दी अनुवाद–

यह मेरा विद्यालय है। इसका भवन विशाल है। विद्यालय के चारों ओर वृक्ष हैं। यहाँ एक हजार छात्र पढ़ते है। सभी शिक्षक योग्य हैं। वे स्नेह से छात्रों को पढ़ाते है। विद्यालय का वातावरण सुंदर है।

मेरे विद्यालय में एक पुस्तकालय है। यहाँ विविध विषयों की पुस्तकें हैं। छात्रा यहाँ चुप रहते हैं और समाचार पत्र पढ़ते हैं।

विद्यालय में एक विज्ञान प्रयोगशाला है। छात्र यहाँ विज्ञान के प्रयोग करते हैं।

मेरे विद्यालय में एक विशाल खेल का मैदान है। व्यायाम शिक्षक व्यायाम कराते हैं। उसके बाद योग का अभ्यास कराते हैं। खेल के घंटे के समय छात्र यहाँ खेलते हैं।

मेरे विद्यालय में एक सुंदर उपवन है। वहाँ विविध प्रकार के वृक्ष, और विविध प्रकार की लताएँ हैं। फूलों की सुगंध से विद्यालय की सुंदरता दुगनी हो जाती है। यहाँ पढ़कर हम गौरव का अनुभव करते हैं।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) विद्यालय: (ख) पुस्तकालय:
(ग) व्यायामम् (घ) उपवनम्

2. कोष्ठक में से दिए गए शुद्ध शब्द पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) **विद्यालयं** परित: वृक्षा: सन्ति।
(ख) विद्यालयस्य भवनं **विशालम्** अस्ति।
(ग) छात्रा: **क्रीडाक्षेत्रे** क्रीडन्ति।
(घ) सर्वे शिक्षका: **योग्या:** सन्ति।
(ङ) शिक्षका: **स्नेहेन** छात्रान् पाठयन्ति।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) विद्यालयं परित: वृक्षा: सन्ति।
(ख) पुस्तकालये विविधानां विषयाणां पुस्तकानि सन्ति।
(ग) छात्रा: क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति।
(घ) विद्यालये सहस्रं छात्रा: सन्ति।
(ङ) छात्रा: विज्ञानास्य प्रयोगा: विज्ञानप्रयोगशालायां कुर्वन्ति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर (क) परित: मन्दिरं **परित:** लघुदीर्घा: विविधा: वृक्षा: सन्ति।
(ख) अत्र **अत्र** एक: सरोवर: अपि अस्ति:
(ग) तूष्णीम् देवालये रूर्वे जना: **तूष्णीं** तिष्ठन्ति।
(घ) च भक्ता: पूजक: **च** श्रद्धया प्रभुं स्मरन्ति।

2. निर्देशानुसार वचन बदलकर लिखिए–

उत्तर (क) (बहुवचने) छात्रा: विद्यालये पठन्ति।
(ख) (एकवचने) शिक्षक: योग्य: अस्ति।
(ग) (द्विवचने) छात्रौ तूष्णीं तिष्ठत:।
(घ) (द्विवचने) विद्यालयं परित: वृक्षौ स्त:।
(ङ) (बहुवचने) छात्रा: विज्ञानस्य प्रयोगान् कुर्वन्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) विद्यालय का भवन विशाल है।
(ख) पुस्तकालय में छात्र चुपचाप बैठते हैं।
(ग) व्यायाम शिक्षक योग का अभ्यास कराते हैं।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

3 चतुर: काक:

हिन्दी अनुवाद–

एक वन में कौआ रहता था। वह चतुर था। एक बार वह प्यास से बेचैन हो गया। कौआ जल के लिए इधर-उधर घूमा किंतु जल नहीं मिला। तब उसने एक घड़ा देखा। वह जल्दी से उसके पास गया।

किंतु घड़े में जल कम था। इसलिए कौआ जल पीने में समर्थ नहीं हुआ। तब उसने एक उपाय सोचा। वह दूर से एक पत्थर का टुकड़ा लाया। उसने बार-बार पत्थर के टुकड़ों को घड़े में फेंका। धीरे-धीरे जल ऊपर आ गया।

कौए ने जल पीया। उसकी प्यास शांत हो गई। जल पीकर वह संतुष्ट और सुखी हुआ। वह अपने परिश्रम से सफल हुआ। जो परिश्रम करता है, वह सदैव संतुष्ट होता है। कौए ने परिश्रम किया; इसलिए वह शीतल जल पीने में समर्थ हो गया। इसलिए सभी को परिश्रम करना चाहिए।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) काक: (ख) घटम्
(ग) जलम् (घ) आलस्यम्

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप बनाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) एकस्मिन **वने** एक: काक: निवसति सम।

(ख) काक: **जलाय** इतस्तत: अभ्रमत्।

(ग) तदा स: एकं घटम् **अपश्यत्।**

(घ) स: **दूरात्** एकम् एकं प्रस्तरखण्डम् आनयत्।

(ङ) स: निजेन **परिश्रमेण** सफल: अभवत्।

(च) **सर्वेभ्य:** परिश्रमं करणीयं स्यात्।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) काक: वने निवसति स्म।

(ख) काक: पिपासया व्याकुल: अभवत्।

(ग) स: घटम् अपश्यत्।

(घ) स: घटे प्रस्तरखण्डानि अक्षिपत्।

(ङ) काक: स्व परिश्रमेण सफल: अभवत्।

(च) अस्माभि: परिश्रमं करणीयं स्यात्।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

	अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
उत्तर	(क) एकास्मिन्	**एकस्मिन्**	(ख) पिपासया:	**पिपासया**
	(ग) समिपम्	**समीपम्**	(घ) शीध्रमेव	**शीघ्रमेव**
	(ङ) सर्मथ:	**समर्थ:**	(च) दुरात्	**दूरात्**
	(छ) कम्रेण	**क्रमेण**	(ज) पित्वा	**पीत्वा**
	(झ) पनाय	**पानाय**	(ञ) करनीयम्	**करणीयम्**

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) वह प्यास से बेचैन हो गया।

(ख) कौआ उसके पास गया।

(ग) कौए ने जल पीया।

(घ) जल पीकर वह संतुष्ट होता है।

(ङ) सभी को परिश्रम करना चाहिए।

3. लङ् लकार (भूतकाल) में 'भू-भव्' धातु के उचित रूप बनाकर लिखिए–

	पुरुष:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उत्तर	(क) प्रथम	अभवत्	अभवताम्	अभवन्
	(क) मध्यम	अभव:	अभवतम्	अभवत
	(क) उत्तम	अभवम्	अभवाव	अभवाम

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

4 असत्यस्य परिणामः

हिन्दी अनुवाद–

एक बार एक गाँव में एक ग्वाला रहता था। उसका नाम घनश्याम था। वह प्रतिदिन वन में अन्य ग्वालों के साथ अपने पशु भी ले जाता था। वहाँ वन में बहुत सारे पशु-पक्षी और बाघ, सिंह आदि हिंसक पशु रहते थे।

एक बार घनश्याम पशुओं को चरा रहा था। अचानक ही ग्रामीणों के साथ मजाक करने की सोची। वह जोर से बोला– "शेर, शेर, मेरी रक्षा करो, रक्षा करो। वह मेरे पशुओं को खा जाएगा; उससे मेरे पशुओं को बचाओ।"

ग्वाले की बात सुनकर बहुत सारे किसान उसकी सहायता के लिए हाथ में डंडा लेकर वहाँ जल्दी आए। उन किसानों को देखकर वह किसानों को बोला– "मैं तो केवल मजाक कर रहा था।" उसकी बात सुनकर वे किसान लज्जित हो गए और अपने खेत को लौट गए।

दूसरे दिन भी घनश्याम ने वैसा ही किया। किसान फिर भी उसके पास गए किंतु वे फिर लज्जित होकर अपने खेत को लौट आए। इस प्रकार वह ग्वाला बार-बार करता था। एक बार सच में ही वहाँ शेर आ गया जहाँ ग्वाला पशुओं को चरा रहा था। उसने जोर-जोर से आवाज की किंतु किसान झूठ मानकर उसकी आवाज सुनकर भी वहाँ नहीं आए।

उसके बाद शेर ने घनश्याम को मार दिया। इस प्रकार ग्वाले ने झूठ बोलने का फल पाया।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) घनश्यामः (ख) उक्त सर्वे
(ग) सिंहः (घ) लज्जिताः

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) एकस्मिन् ग्रामे एकः **गोपालकः** आसीत्।
(ख) तस्य नाम **घनश्यामः** आसीत्।
(ग) एकदा घनश्यामः **पशून्** वने चारयति स्म।
(घ) सः गोपालकः **मुहुर्मुहुः** करोति स्म।
(ङ) ततः **सिंहः** गोपालकं हतवान्।

3. निम्नलिखित को सुमेल कीजिए–

उत्तर
(क) घनश्यामः → (iii) गोपालकः
(ख) व्याघ्राः, सिंहाः → (iv) हिंसकाः पशवः
(ग) रक्षत, रक्षत → (v) उच्चैः स्वरैः
(घ) लज्जिताः → (i) कृषकाः
(ङ) गोपालकं → (ii) हतवान्

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) गोपालकस्य नाम घनश्यामः आसीत्।
(ख) वने पशुपक्षिणः, व्याघ्राः, सिंहादयश्च हिंसकाः पशवः वसन्ति स्म।
(ग) सिंहे आगते गोपालकः स्व रक्षणाय उच्चैः शब्दम् अकरोत्।
(घ) सिंहः घनश्यामं कृतवान्।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों को हिंदी में लिखिए–

उत्तर (क) आसीत् **था** (ख) ग्रामे **गाँव में**
(ग) पशवः **बहुत-से पशु** (घ) अचिन्तयत् **सोचा**
(ङ) दृष्ट्वा **देखकर** (च) नीत्वा **लेकर**

2. दी गई तालिका को 'नय्' धातु के लङ् लकार के रूप लिखकर पूरा कीजिए–

उत्तर

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) प्रथम पुरुषः	अनयत्	**अनयताम्**	**अनयन्**
(ख) मध्यम पुरुषः	**अनयः**	अनयतम्	**अनयत**
(ग) उत्तम पुरुषः	अनयम्	**अनयाव**	अनयाम

3. **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त विभक्ति तथा वचन लिखिए–**

	शब्दः	**विभक्तिः**	**वचनम्**
उत्तर (क)	ग्रामे	सप्तमी	एकवचनम्
(ख)	तस्य	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	व्याघ्राः	प्रथमा	बहुवचनम्
(घ)	तस्मात्	पञ्चमी	एकवचनम्
(ङ)	मम	षष्ठी	एकवचनम्
(च)	क्षेत्रात्	पञ्चमी	एकवचनम्

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

5 गोदुग्धम्

हिन्दी अनुवाद–

हम नाना प्रकार के भोजन खाते हैं। उन आहारों में गाय का दूध बहुत ही बुद्धिवर्धक, पौष्टिक रोग को हरने वाला, ठंडक देने वाला, मधुर और अमृत के समान है। यह प्यास को शांत करता है और भूख बढ़ाता है।

इससे बना दही सर्वथा लाभप्रद है। यह दुर्बलता हरता है। दही रात को नहीं खाना चाहिए। दिन में घी, शहद, चीनी, मूंग की दाल अथवा आँवले के साथ यह अनेक रोगों को हरता है।

मट्ठा पेट के रोगों को दूर करता है। पीलिया रोग में यह विशेष रूप से हितकर है। मक्खन भूख बढ़ाता है, अरुचि को नष्ट करता है, हृदय को सबल करता है। घी स्मृति, बुद्धि और शक्ति को पुष्ट करता है। वात, पित्त और पुराने बुखार को नष्ट करता है। विधिपूर्वक प्रयुक्त घी हजार गुनी मात्रा में लाभकारी होता है।

मात्रानुसार भोजन करना चाहिए। अधिक मात्रा में लिया गया अमृत भी विष बन जाता है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) गोदुग्धम् (ख) दधि

(ग) दधि (घ) अमृतम्

2. **निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर (क) वयं नानाविधम् **आहारंम** खादामः।

(ख) **दधि** नक्तं न भुञ्जीत।

(ग) **तक्रम्** उदररोगान् दूरी करोति।

(घ) अतिमात्रायां गृहीतम् अमृतम् अपि **विषं** भवति।

(ङ) **घृतं** स्मृतिम्, बुद्धिं शक्तिं च पोषयति।

3. **निम्नलिखित को सुमेल कीजिए–**

उत्तर

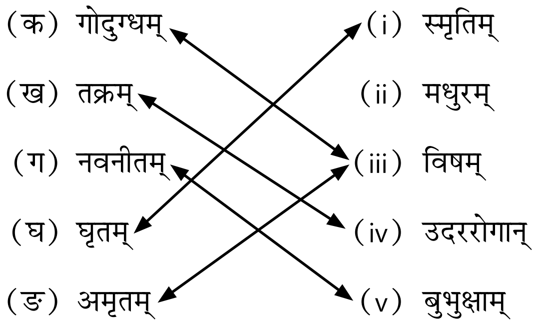

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर (क) आहारेषु गोदुग्धं बुद्धिवर्धकम् अस्ति।

(ख) दधि रात्रौ न भोक्तव्यम्।

(ग) पाण्डुरोगे तक्रं हितकरम्।

(घ) अतिमात्रायां गृहीतम् आहारं विषं भवति।

भाषा-बोध

1. **निम्नलिखित क्रियापदों के वचन तथा पुरुष लिखिए–**

	क्रियापदम्	**वचनम्**	**पुरुषः**
उत्तर (क)	खादामः	**बहुवचनम्**	**उत्तमः**
(ख)	अस्ति	**एकवचनम्**	**प्रथमः**
(ग)	वर्धयति	**एकवचनम्**	**प्रथमः**
(घ)	नाशयति	**एकवचनम्**	**प्रथमः**
(ङ)	भवति	**एकवचनम्**	**प्रथमः**

2. निम्नलिखित शब्द रूपों में प्रयुक्त विभक्ति तथा वचन लिखिए–

	शब्दः	विभक्तिः	वचनम्
उत्तर (क)	आहारेषु	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
(ख)	पाण्डुरोगे	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
(ग)	तक्रम्	**प्रथमा, द्वितीया**	**एकवचनम्**
(घ)	विशेषेण	**तृतीया**	**एकवचनम्**

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) यह प्यास शांत करता है और भूख बढ़ाता है।

(ख) मट्ठा पेट के रोगों को दूर करता है।

(ग) यह दूध अरुचि को नष्ट करता है, हृदय को सबल करता हैं

(घ) विधिपूर्वक प्रयुक्त घी हजार गुनी मात्रा में लाभकारी होता है।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

6 सुभाषितानि

हिन्दी अनुवाद–

नित्य अभिवादन (प्रणाम, सत्कार आदि) करने वाले और बड़े बुजुर्गों की सेवा करने वाले की चार चीजें बढ़ती हैं– आयु, विद्या, यश, बल।

कौआ काला, कोयल काली, कौए-कोयल में क्या भेद है? वसंत ऋतु के आने पर कौआ, कौआ होता है और कोयल, कोयल।

भोजन प्राप्त होने पर ब्राह्मण, बादलों के गरजने पर मोर, दूसरों की उन्नति पर सज्जन तथा दुष्ट लोग दूसरों की विपत्ति में संतुष्ट होते हैं।

अट्ठारह पुराणों में व्यास के दो वचन हैं– परोपकार पुण्य के लिए तथा दूसरों को सताना पाप के लिए होता है।

जन्म देने वाले (उत्पत्ति कर्ता) ब्रह्मा, पालन करने वाले विष्णु और संसार के संहारकर्ता शिवजी को नमस्कार है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) वृद्धोपसेविनः (ख) वसन्तसमये

(ग) पुराणेषु (घ) पालियतेः

2. निम्नलिखित श्लोकों को पूरा कीजिए–

उत्तर (क) अभिवादनशीलस्य **नित्यं वृद्धोपसेविनः**।

चत्वारि **तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्यायशोबलम्**।।

(ख) काक **कृष्णः पिकः** कृष्णः, को भेदः **पिककाकयोः**।

वसन्तसमये **आगते काकः** काकः **पिकः पिकः**।।

(ग) तुष्यन्ति **भोजने विप्राः** मयूराः **घनगर्जने**।

साधवः **परसम्पत्तौ**, खला **परविपत्तिषु**।।

3. उचित विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) **(देशाय (✓) / देशे)** प्राणान् त्यजति।

(ख) **(कल्याणेषु / कल्याणम् (✓))** आचरति।

(ग) **(लोके (✓) / लोकम्)** विन्दति।

(घ) **(पीडितानाम् (✓)/ पीडितै)** सहायकः।

4. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ लिखिए–

उत्तर (क) कौआ काला, कोयल काली, कौए-कोयल में क्या भेद है? वसंत ऋतु के आने पर कौआ, कौआ होता है और कोयल, कोयल।

(ख) जन्म देने वाले (उत्पत्ति कर्ता) ब्रह्मा, पालन करने वाले विष्णु और संसार के संहारकर्ता शिवजी को नमस्कार है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) ज्ञानं दानाय भवति।

(ख) सूर्याय नमः।

(ग) सुधीरः गवे कदलीफलं ददाति।

(घ) वीरेभ्यो नमः।

(ङ) खलाः परवित्तिषु मोदन्ते।

2. निम्नलिखित क्रियापदों के पुरुष और वचन लिखिए

	क्रियापदम्	पुरुषः	वचनम्
उत्तर	(क) त्यजति	प्रथम पुरुषः	एकवचनम्
	(ख) विन्दति	प्रथम पुरुषः	एकवचनम्
	(ग) तुष्यन्ति	प्रथम पुरुषः	बहुवचनम्
	(घ) आचरति	प्रथम पुरुषः	एकवचनम्

3. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त विभक्ति लिखिए–

	शब्दः	विभक्तिः
उत्तर	(क) काकः	प्रथमा
	(ख) देशाय	चतुर्थी
	(ग) लोके	सप्तमी
	(घ) विद्या	प्रथमा
	(ङ) पिकः	प्रथमा
	(च) सहायकः	प्रथमा
	(छ) पीडितानाम्	षष्ठी

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

7 यक्ष-युधिष्ठिर सम्वादः

हिन्दी अनुवाद–

राजा पांडु के पाँच पुत्र थे। एक बार वे वन में प्यासे हो गए। युधिष्ठिर ने भीम को जल लाने के लिए कहा। वहाँ उन्होंने यक्ष की वाणी की उपेक्षा करके जल पीया और मृत्यु को प्राप्त हुए। इनके बाद अर्जुन, नकुल और सहदेव भी मृत्यु को प्राप्त हुए। अंत में युधिष्ठिर अपने भाइयों को मृत मानकर व्याकुल हो गए। वहाँ यक्ष ने युधिष्ठिर को अनेक प्रश्न पूछे।

यक्ष – मनुष्य का सहयोगी कौन है?

युधिष्ठिर – धैर्य।

यक्ष – वायु से तीव्र क्या है?

युधिष्ठिर – मन।

यक्ष – यश का एकमात्र साधन क्या है?

युधिष्ठिर – दान।

यक्ष – भूमि से अधिक क्षमा प्रदान करने वाली क्या है?

युधिष्ठिर – माता।

यक्ष – विदेशों में मित्र कौन है?

युधिष्ठिर – विद्या।

यक्ष – किसे छोड़कर मनुष्य सभी का प्रिय होता है?

युधिष्ठिर – अहंकार।

यक्ष – सर्वोत्तम लाभ क्या है?

युधिष्ठिर – आरोग्य।

यक्ष – किसके लुप्त होने पर दुख नहीं होता है?

युधिष्ठिर – क्रोध के।

यक्ष – संसार में धर्म से श्रेष्ठ क्या है?

युधिष्ठिर – उदारता।

यक्ष – किसके साथ मित्रता होनी चाहिए?

युधिष्ठिर – सज्जन के साथ।

यक्ष – सर्वाधिक आश्चर्य क्या है?

युधिष्ठिर – मृत्यु के विषय में जानकर भी जीने की इच्छा।

युधिष्ठिर के उत्तर सुनकर यक्ष, प्रसन्न हुआ और उसके सभी भाइयों को जीवित कर दिया। यमराज ने उपदेश दिया– ''अहंकार कभी नहीं करना चाहिए''।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) धैर्यः (ख) दानम्

(ग) आरोग्यः (घ) सज्जनेन

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) त्वं **किं** करोषि?

(ख) राम: **कस्य** पुत्र: आसीत्?

(ग) **कस्मात्** विना सफलतां न भवति?

(घ) ताजमहल: **कुत्र** अस्ति?

(ङ) श्रीनगर: **कस्मिन्** प्रान्ते अस्ति?

(च) स: **काभ्यां** बधिर: अस्ति?

(छ) मोहन: **कदा** उत्तिष्ठति?

(ज) पिता **केन** सह गच्छति?

3. मञ्जूषा से उचित अव्यय पद चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) **यथा** राजा तथा प्रजा।

(ख) माता-पिता **च** शिशून् पालयत:।

(ग) सत्यम् **एव** जयते।

(घ) महात्मा गांधी असत्यं **न** अवदत्।

(ङ) गर्वं **मा** कुरु।

4. एक पद में उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) धैर्य:।

(ख) माता।

(ग) क्रोधस्य।

(घ) सज्जनेन।

भाषा-बोध

1. रेखांकित पद के आधार पर प्रश्न-निर्माण कीजिए–

उत्तर (क) **किं** यश: एकमात्रं साधनम् अस्ति?

(ख) **कस्य** लुप्ते दु:खं न भवति?

(ग) **का** लोके सर्वश्रेष्ठा अस्ति?

(घ) **केन** सह मित्रता भवेत्?

(ङ) माता **कस्मै** दुग्धं यच्छति?

(च) स: **कुत्र** निवसति?

(छ) **कस्मात्** विना जीवनं निरर्थकं भवति?

(ज) माता! **कस्मै** मोदकं रोचते?

2. सही मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) धैर्य:	(i) अप्रिय:
(ख) माता	(ii) हानि:
(ग) प्रिय:	(iii) शान्ति:
(घ) लाभ:	(iv) दुर्जन:
(ङ) क्रोध:	(v) अनिच्छा
(च) सज्जन:	(vi) कृपणता
(छ) उदारता	(vii) अधैर्य:
(ज) इच्छा	(viii) पिता

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

8 महात्मा गांधी:

हिन्दी अनुवाद–

महात्मा गांधी का जन्म गुजरात राज्य के पोरबंदर नगर में अक्टूबर महीने की दूसरी ता० में 1869 ई० में हुआ था। उनका नाम मोहनदास था। उनके पिता का नाम करमचंद गांधी था।

पोरबंदर नगर में उन्होंने प्राथमिक शिक्षा पाई। एक बार उनके विद्यालय में शिक्षा विभाग के निरीक्षक आए। उन्होंने गांधी जी की कक्षा में छात्रों को अंग्रेजी भाषा का शब्द 'केटल' लिखने का आदेश दिया।

अध्यापक ने उन्हें अन्य छात्र की पुस्तिका देखकर वैसा नकल करने के लिए कहा। किंतु उन्होंने अनुचित मानकर यह नहीं किया।

उच्च शिक्षा के लिए वे इग्लैंड जाकर 'बैरिस्टर' उपाधि पाकर भारत वापस लौट आए। यहाँ अहिंसा का सहारा लेकर अपने देश की आजादी के लिए 'सत्याग्रह आन्दोलन' किया।

विदेशी शासकों ने अनेक बार उन्हें जेल में बंदी किया। इन महापुरुषों के प्रयत्नों से अंग्रेजों ने 1947 ई० में जनवरी महीने की 15 ता० में भारत को आजाद किया। 1948 ई० में जनवरी महीने की 30 ता० में नाथूराम गोडसे नामक युवक की गोली के प्रहार से घायल होकर 'हे राम' ऐसा उच्चरण करते हुए उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए। आज वे महापुरुष भारत के 'राष्ट्रपिता' कहलाते हैं। ये महापुरुष धन्य हैं।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) गुजरातराज्ये (ख) करमचन्द:

(ग) आंग्लशासका: (घ) नाथूरामगोडसे

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) महात्मा गांधी भारतस्य **राष्ट्रपिता** अस्ति।

(ख) पोरबन्दर नगरे स: **प्राथमिकी** शिक्षाम् अलभत्।

(ग) विदेशीया: शासका: तम् अनेकवारं **कारागारे** अक्षिपन्।

(घ) तस्य पितु: नाम **करमचन्द** गांधी आसीत्।

(ङ) धन्य: एष: **महापुरुषः**।

3. निम्नलिखित को सुमेल कीजिए-

उत्तर

(क) गुजरात	(i) इंग्लैंडदेशात्
(ख) पोरबंदर	(ii) महात्मा गांधी
(ग) करमचंद गांधी:	(iii) राज्ये
(घ) बैरिस्टर उपाधि:	(iv) नगरे
(ङ) राष्ट्रपिता	(v) पितु: नाम

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

उत्तर (क) देशस्य स्वतन्त्रतायै गान्धि: सत्याग्रह आन्दोलनम् अकरोत्।

(ख) भारत: 1947 तमे वर्षे अगस्तमासस्य 15 दिनाङ्के स्वतन्त्र: अभवत्।

(ग) निरीक्षक: छात्रान् 'केटल' इति शब्दं लेखितुम् आदिशत्।

(घ) महात्मागान्धिन: घातकस्य नाम नाथूराम गोडसे आसीत्।

(ङ) 'हे राम' इति उच्चारयन् महात्मा गांधी स्वप्राणान् अत्यजत्।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त वचन तथा विभक्ति लिखिए-

	शब्द:	वचनम्	विभक्ति:
उत्तर	(क) भारतस्य	**एकवचनम्**	**षष्ठी**
	(ख) विद्यालये	**एकवचनम्**	**सप्तमी**
	(ग) सुखाय	**एकवचनम्**	**चतुर्थी**
	(घ) जना:	**बहुवचनम्**	**प्रथमा**
	(ङ) तम्	**एकवचनम्**	**द्वितीया**

2. निम्नलिखित रंगीन सर्वनाम पद किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं? लिखिए-

उत्तर (क) महात्मागान्धिन: कृते

(ख) महात्मागान्धिनम्

(ग) महात्मा गान्धि:

(घ) महात्मा गान्धि:

(ङ) शिक्षाविभागस्य निरीक्षकाय

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

उत्तर (क) तम् = **तं** बालक पाठयतु।

(ख) स: = **स:** छात्र: अतीव बुद्धिमान् आसीत्।

(ग) तस्मात् = **तस्मात्** वृक्षात् आम्राणि आनय।

(घ) केन = अयं जन: **केन** सह गमिष्यति?

(ङ) तस्या: = **तस्याः** महिलाया: गीतम् अतीव मधुरम् आसीत्।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

9 मम ग्रामः

हिन्दी अनुवाद–

यह मेरा गाँव है। मेरे गाँव का नाम गोपालपुर है। मेरा गाँव बहुत ही सुंदर है। यह न बहुत छोटा है और न बहुत बड़ा है। गाँव के लोग बहुत सरल होते हैं। वे प्राय: किसान हैं। किसनों का जीवन-बहुत सरल और पवित्र होता है। वे सभी के लिए अन्न और फल उगाते हैं।

मेरे गाँव में एक मंदिर और एक बड़ा विद्यालय है। विष्णु गुप्त जी विद्यालय के प्रधानाध्यापक हैं। विद्यालय में पाँच शिक्षक भी हैं। वहाँ लड़के और लड़कियाँ पढ़ती हैं। सभी अध्यापक स्नेह और ध्यान से पढ़ाते हैं। विद्यालय मे एक खेल का मैदान भी है। इम सभी खेल के मैदान में फुटबॉल से खेलते हैं। विद्यालय के चारों ओर अनेक वृक्ष हैं। वृक्षों पर तोते, कोयल आदि पक्षी कूजते हैं। कुछ पौधे भी हैं। उन पर विभिन्न रंगों के फूल खिलते हैं।

ग्रामीण सदाचारी और धार्मिक होते हैं। वे परस्पर स्नेह से रहते हैं। गाँव का जीवन स्वास्थ्य प्रदान करने वाला होता है। वातावरण स्वच्छ और शुद्ध होता है। हमें ग्रामीणों का सम्मान करना चाहिए।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) गोपालपुर: (ख) विष्णुगुप्त:
(ग) सरला: (घ) वृक्षा:

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) अयं मम **ग्राम:** अस्ति।
(ख) मम **ग्रामस्य** नाम गोपालपुर: अस्ति।
(ग) ग्रामस्य **जना:** अति सरला: भवन्ति।
(घ) **विद्यालये** एकं क्रीडाङ्गनम् अपि अस्ति।
(ङ) ग्रामीणा: **सदाचारिण:** धार्मिका: च भवन्ति।

3. निम्नलिखित को सुमेल कीजिए–

उत्तर

(क) अति सुन्दरम्	(i) प्रधानाध्यापक:
(ख) सरला:	(ii) पुष्पाणि
(ग) ग्रामीणा:	(iii) ग्राम:
(घ) विष्णुगुप्त:	(iv) ग्रामीणा:
(ङ) विभिन्नवर्णानि	(v) कृषका:

(क) अति सुन्दरम् ↔ (iii) ग्राम:
(ख) सरला: ↔ (iv) ग्रामीणा:
(ग) ग्रामीणा: ↔ (v) कृषका:
(घ) विष्णुगुप्त: ↔ (i) प्रधानाध्यापक:
(ङ) विभिन्नवर्णानि ↔ (ii) पुष्पाणि

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) ग्रामास्य नाम गोपालपुर: अस्ति।
(ख) ग्राम: नाति लघु: न च अति विशाल: अस्ति।
(ग) प्रधानाध्यापकस्य नाम विष्णुगुप्त: अस्ति।
(घ) विद्यालयं परित: अनेके वृक्षा: सन्ति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति तथा वचन लिखिए–

	शब्द:	विभक्ति:	वचनम्
उत्तर (क)	ग्रामस्य	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
(ख)	सर्वेभ्य:	**चतुर्थी, पञ्चमी**	**बहुवचनम्**
(ग)	ग्रामीणानाम्	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
(घ)	वृक्षेषु	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

2. निम्नलिखित शब्दों के पुरुष, वचन तथा लकार लिखिए–

उत्तर (क)	अस्ति	**प्रथम पुरुष:**	**एकवचनम्**	**लट्लकार:**
(ख)	भवन्ति	**प्रथम पुरुष:**	**बहुवचनम्**	**लट्लकार:**
(ग)	कुर्याम	**उत्तम पुरुष:**	**बहुवचनम्**	**विधिलिङ् लकार:**

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

10 रक्षाबंधनम्

हिन्दी अनुवाद–

हमारा भारतवर्ष उत्सवों का देश कहलाता है। यहाँ अनेक महोत्सव आयोजित किए जाते हैं। यहाँ विजयादशमी, दीपावली, होली, रक्षाबंधन, इत्यादि महोत्सव होते हैं। इन उत्सवों में 'रक्षाबंधन' प्रमुख महोत्सव है। रक्षाबंधन प्रतिवर्ष श्रावण महीने की पूर्णिमा में होता है। यह उत्सव लोगों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। सब जगह आनंद होता है।

राखी बहनों के प्रेम का प्रतीक है। बहने भाइयों के हाथों में राखियाँ बाँधती हैं। बहनें इस अवसर पर भाइयों की लंबी आयु के जीवन की कामना करती हैं। भाई बहनों को उपहार देते हैं।

हमारे भारतीय समाज में रक्षाबंधन का बहुत महत्त्व है। रक्षाबंधन के महत्त्व के विषय में एक दृष्टात मिलता है। रानी कर्मवती ने हुमायूँ नामक मुगल शासक को अपना भाई मानकर उसके पास राखी भेजी। हुमायूँ ने राखी स्वीकार करके रानी कर्मवती के सम्मान का रक्षा की। रक्षाबंधन एकता और अखंडता का द्योतक है।

हिंदुओं का यह उत्सव विशिष्ट है। रक्षाबंधन परस्पर स्नेह का प्रतीक है। रक्षाबंधन के दिन लोग नदी तट पर श्रावणी कर्म करते हैं।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) पूर्णिमायाम् (ख) रक्षासूत्रम्
(ग) हुमायूँम्

2. निम्नलिखित शब्दों का हिंदी में अर्थ लिखिए–

उत्तर (क) उत्सवः **उत्सव** (ङ) भारतवर्षे **भारतवर्ष में**
(ख) रक्षासूत्रम् **राखी** (च) अस्ति **है**
(ग) सर्वत्र **सब जगह** (छ) मत्वा: **मानकर**
(घ) राज्ञी **रानी** (ज) द्योतक: **द्योतक**

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) उत्सवेषु 'रक्षाबन्धनम्' उत्सवः प्रमुखः अस्ति।
(ख) प्रतिवर्षं श्रावणमास्य पूर्णिमायां रक्षाबन्धनं भवति।
(ग) रक्षासूत्रं भगिन्यः प्रेम्णः प्रतीकम् अस्ति।
(घ) भगिन्यः भ्रातृणां जीवनस्य दीर्घायुष्यं कामयन्ति।
(ङ) भ्रातरः भगिनीभ्यः उपहाराणि यच्छन्ति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर (क) महोत्सवाः– भारतदेशे अनेके **महोत्सवाः** आयोज्यन्ते।
(ख) प्रेम्णः – रक्षासूत्रं महोत्सवः **प्रेम्णः** प्रतीकम् अस्ति।
(ग) अस्माकम्–**अस्माकं** गृहे अनेकानि पुष्पाणि सन्ति।
(घ) रक्षाबंधनम्–**रक्षाबन्धनं** प्रतिवर्षम् आयोज्यते।

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) सर्वत्र आनन्दं भवति।
(ख) एषु उत्सवेषु रक्षाबन्धनं प्रमुखः महोत्सवः अस्ति।
(ग) रक्षासूत्रं भगिनीनां प्रेम्णः प्रतीकम् अस्ति।
(घ) भ्रातरः भगिनीभ्यः उपहाराणि यच्छन्ति।
(ङ) रक्षाबन्धनम् एकतायाः अखण्डतायाः च प्रतीकम् अस्ति।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

11 प्रश्न-निर्माणम्

हिन्दी अनुवाद–

पुंल्लिङ्ग – 1. नट नाचता है। कौन नाचता है?
2. दो सैनिक रक्षा करते है। कौन रक्षा करते हैं?
3. छात्र नमस्कार करते हैं। कौन नमस्कार करते हैं?

स्त्रीलिङ्ग – 1. लड़की पढ़ती है। कौन पढ़ती है?
2. दो लड़कियाँ हँसती हैं। कौन हँसती हैं?
3. औरतें पकाती हैं। कौन पकाती हैं?

नपुंसकलिङ्ग – 1. पहिया घूमता हैं। कौन घूमता है?
2. दो पत्ते गिरते हैं। कौन दो गिरते हैं?
3. फूल खिलते हैं। कौन खिलते हैं?

कुत्र (कहाँ)

1. अध्यापक विद्यालय जाता है। अध्यापक कहाँ जाता है?
2. दो आदमी बगीचे को जाते है। दो आदमी कहाँ जाते हैं?
3. बंदर पेड़ पर कूदते हैं। बंदर कहाँ कूदते हैं?

कुतः (कहाँ से)

1. फल पेड़ से गिरते हैं। फल कहाँ से गिरते है?
2. गंगा हिमालय से निकलती है। गंगा कहाँ से निकलती है?

कथम् (कैसे)

1. हाथी धीरे चलता है। हाथी कैसे चलता है?
2. शिशु धीरे-धीरे चलता है। शिशु कैसे चलता है?
3. बालक जोर से हँसते हैं। बालक कैसे हँसते है?

कति (कितने)

1. बगीचे में चार पक्षी चहचहाते हैं।
   बगीचे में कितने पक्षी चहचहाते हैं?
2. बगीचे में अनेक फूल खिलते हैं।
   बगीचे में कितने फूल खिलते हैं?
3. पेड़ पर तीन पक्षी बैठते हैं।
   पेड़ पर कितने पक्षी बैठते हैं?

कदा (कब)

1. माता पाँच बजे उठती है। माता कब उठती हैं?
2. दादा जी सुबह घूमने के लिए जाते हैं।
   दादा जी कब घूमने जाते हैं?
3. राम रात को पढ़ता है। राम कब पढ़ता हैं?

अभ्यास

पाठ-बोध

- **रंगीन छपे पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण कीजिए-**

उत्तर (क) **का** विशाला अस्ति?

(ख) चटकाः **केषु** तिष्ठन्ति?

(ग) **का** दुग्धं पिबति?

(घ) **केभ्यः** फलानि पतन्ति?

(ङ) **के** गर्जन्ति?

(च) रामः **केन** क्रीडति?

(छ) **कः** स्थूलः अस्ति?

(ज) **कौ** उद्याने व्यायामं कुरुतः?

(झ) **कस्मात्** आगत्य सः स्नानं करोति?

(ञ) गृहं परितः **के** सन्ति?

(ट) एषः **कः** अस्ति?

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

12 कः समयः?

हिन्दी अनुवाद-

(एक बजे का समय) **(सवा दो बजे का समय)**

(अढ़ाई बजे का समय)

(पौने तीन बजे का समय) **(बाहर बजे का समय)**

यह काव्या है।
काव्या कब क्या करती है?
वह प्रातः पाँच बजे उठती है।

वह सवा पाँच बजे बगीचे को जाती है।
बगीचे से आकर वह साढ़े छह बजे स्नान करती है।

वह पौने सात बाजे दूध पीती है।

वह सात बजे विद्यालय जाती है।

वह छात्रों के साथ साढ़े सात बजे ईश्वर की प्रार्थना करती है।

ग्याहर बजे आधी छुट्टी होती है। वह अपनी सहेलियों के साथ विद्यालय में खेलती है।

एक बजे छुट्टी होती है।

वह घर आती है। उसके बाद भोजन करती है। दो बजे विश्राम करती है।

वह शाम को पौने पाँच बजे बगीचे में खेलने जाती है।

वह साढ़े आठ बजे रात को भोजन करती है।

वह सवा नौ बजे पढ़ाई करती है।

वह दस बजे सोती है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) चतुर्थांश (ख) एक घंटा

(ग) पञ्चवादने (घ) पादोनसप्तवादने

2. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थान भरिए-

उत्तर (क) रवि - त्वं प्रात: कति वादने **उत्तिष्ठसि**?

(ख) चित्रा - अहं प्रात: **पञ्चवादने** उत्तिष्ठामि।

(ग) रवि - किं त्वं प्रात:काले उद्याने **गच्छसि**?

(घ) चित्रा - अहं प्रतिदिनम् उद्याने गच्छामि। उद्यानात् अहं **दुग्धं** पिबामि।

3. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

उत्तर (ख) अधुना: क: समय:?

अधुना **एकवादनम्**।

केशव: **एकवादने** विद्यालयात् आगच्छति।

(ग) अधुना: क: समय:?

अधुना **सपादनववादनम्**।

राम: **सपादनववादने** दुग्धं पिबति।

(घ) अधुना क: समय:?

अधुना **सार्ध अष्टवादनम्**।

केशव: रात्रौ **सार्धअष्टवादने** भोजनं खादति।

(घ) अधुना क: समय:?

अधुना **दशवादनम्**।

श्याम: **दशवादने** शयनाय गच्छति।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

13 सूक्तय:

हिन्दी अनुवाद-

1. उदार हृदय वालों के लिए तो सारी पृथ्वी ही कुटुंब है।
2. परोपकार पुण्य के लिए, दूसरों को सताना पाप के लिए।
3. हितकारी और मनोहरी वचन दुर्लभ हैं।
4. लक्ष्मी (धन) परिश्रमी सिंह पुरुष को प्राप्त होती है।
5. महापुरुष जिससे गए वह अच्छा मार्ग है।
6. आलस्य मनुष्यों के शरीर में रहने वाला सबसे बड़ा शत्रु है।
7. यह पृथ्वी वीरों के भोगने योग्य है।
8. विनाश के समय बुद्धि विपरीत हो जाती है।
9. विद्या विनम्रता देती है।
10. धर्म की रक्षा करने वाले की रक्षा स्वयं धर्म करता है।
11. धूर्त के साथ धूर्तता का व्यवहार करना चाहिए।
12. परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मनोरथों से नहीं।

अभ्यास

पाठ-बोध

1.सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) वसुधैव (ख) मनोहारि

(ग) गत: (घ) वीरभोग्या

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) **उदारचरितानां** तु वसुधैव कुटुम्बम्।

(ख) हितं मनोहारि च **दुर्लभं** वच:।

(ग) उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपेति **लक्ष्मी**।

(घ) **वीरभोग्या** वसुन्धरा।

(ङ) धर्मो **रक्षति** रक्षित:।

(च) शठे शाठ्यं **समाचरेत्**।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर (क) परोपकार: पुण्याय भवति।

(ख) महाजनो येन गत: स पन्था।

(ग) आलस्यं मनुष्याणां शरीरस्थो महारिपु:।

(घ) विपरीतबुद्धि: विनाशकाले भवति।

(ङ) विद्या विनयं ददाति।

(च) उद्यमेन कार्याणि सिद्धयन्ति।

भाषा-बोध

1. **निम्नलिखित सूक्तियों का हिंदी अनुवाद कीजिए–**

उत्तर (क) हितकारी और मनोहारी वचन दुर्लभ हैं।

(ख) महापुरुष जिससे गए वह अच्छा मार्ग है।

(ग) यह पृथिवी वीरों के भोगने योग्य है।

(घ) धूर्त के साथ धूर्तता का व्यवहार करना चाहिए।

(ङ) धर्म की रक्षा करने वाले की रक्षा स्वयं धर्म करता है।

2. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

उत्तर (क) हितम् = सज्जना: सदैव **हितम्** आचरन्ति।

(ख) रिपु: = अलस्यं मनुष्यस्य **रिपु:** अस्ति।

(ग) धर्म: = अहिंसा परमो **धर्म:**।

रचनात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

14 परिशिष्टम्

उत्तर– विद्यार्थी स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र - 1

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) विद्यालय: (ख) काक:

(ग) पुराणेषु (घ) सिंह:

2. **सत्य कथन के सामने सही (✓) तथा असत्य कथन के सामने गतल (✗) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर

(क) गोदुग्धम्	(i) स्मृतिम्
(ख) तक्रम्	(ii) विषम्
(ग) नवनीतम्	(iii) मधुरम्
(घ) घृतम्	(iv) उदररोगान्
(ङ) अमृतम्	(v) बुभुक्षाम्

3. **निम्नलिखित क्रियापदों के पुरुष और वचन लिखिए–**

		पुरुष:	वचनम्
उत्तर	(क) त्यजति	**प्रथम:**	**एकवचनम्**
	(ख) विन्दति	**प्रथम:**	**एकवचनम्**
	(ग) तुष्यन्ति	**प्रथम:**	**बहुवचनम्**

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर (क) छात्रा: क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति।

(ख) काक: वने निवसति स्म।

(ग) सिंह: घनश्यामं हतवान्।

आदर्श प्रश्न-पत्र - 2

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए-**

उत्तर (क) धैर्य: (ख) करमचन्द:

(ग) रक्षासूत्रम् (घ) वसुधैव

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

उत्तर (क) गर्वं **मा** कुरु।

(ख) महात्मा गान्धि भारतस्य **राष्ट्रपिता** अस्ति।

(ग) **वीरभोग्या** वसुन्धरा।

(घ) धर्मो **रक्षति** रक्षित:।

3. **निम्नलिखित शब्दों के विभक्ति के रूप लिखिए-**

शब्द:	विभक्ति:
उत्तर (क) भारतस्य	**षष्ठी**
(ख) स्वसुखाय	**चतुर्थी**
(ग) जना:	**प्रथमा**
(घ) विद्यालये	**सप्तमी**

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

उत्तर (क) देशस्य स्वतन्त्रतायै गान्धिमहोदय: सत्याग्रह आन्दोलनम् अकरोत्।

(ख) भगिन्य: भ्रातृणां दीर्घायुष्यं कामयन्ति।

(ग) विद्या विनयं ददाति।

(घ) परोपकार: पुण्याय भवति।

संस्कृत भाग 5

1 मङ्गलाचरणम्

उत्तर- विद्यार्थी स्वयं करें।

2 त्यज दुर्जनसंसर्गम्

हिन्दी अनुवाद-

मगध देश में एक राजा रहता था। उसका नाम चित्रसेन था। वह प्राय: आखेट के लिए वन को जाता था। एक बार वन में वह सोने का मृग देखकर उसके पीछे जा रहा था। शीघ्र ही वह चोरों के निवास स्थान पर पहुँच गया। वहाँ एक पेड़ पर एक तोता बैठा था। राजा को देखकर तोता ऊँची आवाज में बोला—"मारो, मारो, प्रहार करो, प्रहार करो।" तोते की बातें सुनकर राजा विस्मित हो गया।

कुछ समय बाद राजा दूसरे स्थान पर गया। वहाँ एक आश्रम था। इस आश्रम में मुनि और ब्रह्मचारी रहते थे। यहाँ भी एक दूसरा तोता था। वह राजा को देखकर मधुर आवाज में बोला- "आर्य! आओ, स्वागत है। अरे! आर्य के लिए शीतल जल और मधुर फल लाओ।" यह सुनकर राजा विस्मित हो गया। उसने तोते को पूछा कि इसी वन में एक दूसरा तोता रहता है। वह कठोर वचन बोलता है और तुम मीठे वचन बोलते हो। तुम दोनों तोते हो। तुम दोनों समान जाति के हो। तुम दोनों के आचरण में भिन्नता कैसे है? इसका कारण बताओ।

तोते ने उत्तर दिया- महोदय! हम दोनों सगे भाई हैं। वह चोरों के साथ रहता है, उनकी बातें सुनता है और मैं मुनियों के साथ रहता हूँ और उनकी बातें सुनता हूँ। इसीलिए हम दोनों का स्वभाव भिन्न है। यह संगति का ही प्रभाव है। सच ही कहा गया है यह- दुर्जनों का साथ छोड़ें दो, सज्जनों का साथ करो। दिन-रात पुण्य करो, नित्य उस अनित्य (ईश्वर) को याद करो।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए-**

उत्तर (क) नृप: (ख) चित्रसेन

(ग) अस्य (घ) सहोदरौ

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) तस्य नाम **चित्रसेन** आसीत्।

(ख) एषः एकः **आश्रमः** आसीत्।

(ग) अत्रापि एकः अन्य **शुकः** आसीत्।

(घ) सः परुषाणि **वचनानि** वदति।

(ङ) अतएव आवयोः **शीलं** भिन्नम्।

3. एक पद में उत्तर लिखिए-

उत्तर (क) मगधदेशस्य।

(ख) काञ्चनमृगम्।

(ग) शुकौ।

(घ) शुकयोः।

4. निम्नलिखित वाक्यों को किसने, किसके प्रति कहा?

उत्तर (क) प्रहरत, प्रहरत।

शुकेन, नृपं प्रति

(ख) कथं युवयोः आचरणे भिन्नता अस्ति?

नृपेण, द्वितीयं शुकं प्रति।

(ग) "आर्य! प्रविश, स्वागतम्!"

द्वितीयेन शुकेन, नृपं प्रति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित पदों की विभक्ति और वचन लिखिए-

	पदम्	विभक्तिः	वचनम्
उत्तर (क)	तस्य	षष्ठी	एकवचनम्
(ख)	वृक्षस्य	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	आर्याय	चतुर्थी	एकवचनम्
(घ)	आश्रमे	सप्तमी	एकवचनम्
(ङ)	सहोदरौ	प्रथमा, द्वितीया	द्विवचनम्
(च)	मृगम्	द्वितीया	एकवचनम्
(छ)	नृपः	प्रथमा	एकवचनम्

2. रंगीन पदों को आधार मानकर प्रश्न-निर्माण कीजिए-

उत्तर (क) वृक्षे **कः** अतिष्ठत्?

(ख) **कयोः** आचरणे भिन्नता अस्ति?

(ग) एकः **कः** आसीत्?

(घ) एकः **किम्** आसीत्?

(ङ) आर्याय **कीदृशं** जलम् आनय?

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

3 कृष्णः सुदामा

हिन्दी अनुवाद-

द्वापर युग में सांदीपनी के आश्रम में सुदामा और कृष्ण विद्या अध्ययन करते थे। कालांतर में श्रीकृष्ण तो द्वारिका के राजा बने किंतु सुदामा एक निर्धन ब्राह्मण ही रहे।

धीरे-धीरे सुदामा बहुत निर्धन हो गए। उनका परिवार भूख से पीड़ित हो गया। उनकी पत्नी जानती थीं कि उनके पति के मित्र श्री कृष्ण हैं। इसलिए एक बार उन्होंने अपने पति को निवेदन किया कि वे श्री कृष्ण के पास सहायता के लिए जाएँ।

अपनी पत्नी के आग्रह से सुदामा श्रीकृष्ण के पास जाने के लिए तैयार हो गए। उनकी पत्नी कुछ भेंट ले जाने के लिए पड़ोस वाले घर को गईं और वहाँ से चार मुट्ठी चावल लाईं। चावलों को एक कपड़े में बाँधकर सुदामा द्वारिका की ओर चल दिए। सुदामा की दशा देखकर द्वारपालों ने उन्हें बाहर ही रोक दिया। किंतु जब संदेश वाहक ने श्रीकृष्ण को सुदामा का नाम कहा तो श्रीकृष्ण दौड़ते हुए बाहर आए और अपने मित्र को बाँहों में भरकर आलिंगन किया। महल ले जाकर श्रीकृष्ण ने अपने मित्र के पैरों को धोया। फिर स्नान और भोजन कराकर उन दोनों मित्रों ने बातचीत की। श्रीकृष्ण ने यह जान लिया कि सुदामा कुछ छुपा रहे हैं। इसलिए उन्होंने उन्हें कहा- "क्या भेंट लाए हो, मुझे दो।" लज्जित सुदामा उन चावलों को श्रीकृष्ण को देने के इच्छुक नहीं थे। किंतु श्रीकृष्ण ने स्वयं ही चावल झपटकर स्नेह से खाने शुरू कर दिए।

लज्जावश सुदामा ने मित्र से कुछ भी नहीं माँगा। दो दिन बाद निराश होकर सुदामा ने अपने घर जाने के लिए आज्ञा माँगी। किंतु

श्रीकृष्ण के महल से चलकर जब सुदामा अपनी कुटिया को लौटे तो वे अपनी कुटी के स्थान पर भव्य महल देखकर बहुत ही चकित हुए। यह देखकर उन्होंने जान लिया कि यह सब मित्र श्रीकृष्ण की कृपा से ही हुआ है। ऐसी होती है आदर्श मैत्री।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) निर्धनः (ख) निर्धनो

(ग) परिवारः (घ) श्रीकृष्णः

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) श्रीकृष्णः तु **द्वारिकाधीशः** अभवत्।

(ख) तस्य परिवारः **क्षुधापीडितः** आसीत्।

(ग) द्वारपालैः सः **बहिः** अवरोधयत्।

(घ) सुदामा **निराशः** भूत्वा स्व गृहं प्रत्यागच्छत्।

3. उचित मिलान कीजिए-

उत्तर	**शब्दः**	**अर्थः**
	(क) बहिः	(i) छीनकर
	(ख) आनीतम्	(ii) तैयार
	(ग) आहृत्य	(iii) भेंट
	(घ) प्रवृत्तः	(iv) बाहर
	(ङ) उपायनम्	(v) लाया/लाए

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

उत्तर (क) मुनेः सन्दीपनेः आश्रमे सुदामाकृष्णौ विद्याध्ययनं कुरुतः स्म।

(ख) सुदामा सहायतार्थं श्रीकृष्णस्य समीपम् अगच्छत्।

(ग) सुदामा तण्डुलानाम् उपायनं नीत्वा कृष्णस्य समीपम् अगच्छत्।

(घ) स्व कुटीरम् आगत्य सुदामा अपश्यत् यत् तस्य कुटीरस्य स्थाने भव्यं प्रासादम् आसीत्।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवद कीजिए-

उत्तर (क) श्रीकृष्णः द्वारिकायाः राजा आसीत्।

(ख) सुदामा निर्धनः ब्राह्मणः आसीत्।

(ग) प्रासादं दृष्ट्वा सुदामा प्रसन्नः अभवत्।

(घ) सुदामा श्रीकृष्णस्य मित्रम् आसीत्।

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) धीरे-धीरे सुदामा बहुत निर्धन हो गए।

(ख) अपनी पत्नी के आग्रह से सुदामा श्रीकृष्ण के पास जाने के लिए तैयार हो गए।

(ग) लज्जित सुदामा उन चावलों को श्रीकृष्ण को देने के लिए इच्छुक नहीं थे।

(घ) ऐसी होती है आदर्श मैत्री।

3. निम्नलिखित 'भू' धातु के लट् लकार के रूप याद कीजिए-

उत्तर विद्यार्थी स्वयं करें।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

4 श्रेष्ठा बुद्धिः

हिन्दी अनुवाद-

एक जंगल में भीमासुर नाम का एक शेर रहता थां वह निर्दयी और दुष्ट था। वह रोज एक पशु खा जाता था। उसके अत्याचार से सभी वन्य जीव भयभीत थे।

एक बार शेर बहुत भूखा था। वहाँ एक खरगोश देर से आया। वह बहुत चतुर था। शेर को देखकर खरगोश भय से विलाप करने लगा। शेर ने उसका रोना पूछा- "तुम क्यों विलाप कर रहे हो?" खरगोश बोला- "महाराज, जंगल में एक दूसरा शेर है। उसने मेरे पुत्रों को खा लिया। इसलिए मैं विलाप कर रहा हूँ।" "शेर ने कहा- "दूसरा शेर कहाँ है?" खरगोश बोला- "कुएँ में रहता है।" क्रुद्ध शेर ने कहा- "मैं वहाँ जाकर देखूँगा।"

खरगोश शेर को कुएँ के पास ले आया। शेर ने कुएँ के पानी में अपनी परछाई देखी। उसे मारने के लिए वह कुएँ में कूद गया और मृत्यु को प्राप्त हुआ।

खरगोश ने अपने बुद्धि बल से अपनी रक्षा की।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) सिंह: (ख) दुष्ट:
(ग) पशुम् (घ) पुत्रान्
(ङ) विलपामि

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर (क) एकदा सिंह: अति **क्षुधित:** आसीत्।
(ख) शशक: भयात् **विलापम्** अकरोत्।
(ग) तस्य अत्याचारेण सर्वे **वन्यजीवा:** भयभीता: आसन्।
(घ) सिंह: कूपस्य जले **स्व प्रतिबिम्बम्** अपश्यत्।
(ङ) शशक: स्व बुद्धिबलेन **आत्मरक्षाम्** अकरोत्।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर (क) सिंह: वने अवसत्।
(ख) शशक: चतुर: आसीत्।
(ग) शशक: स्वबुद्धिबलेन आत्मरक्षाम् अकरोत्।
(घ) वन्यजीवा: सिंहस्य अत्याचारेण भयभीता: आसन्।

भाषा-बोध

1. **वद् (बोलना) के लङ् लकार के धातु रूप लिखिए–**

	पुरुष:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उत्तर (क)	प्रथम पुरुष	अवदत्	अवदताम्	अवदन्
(ख)	मध्यम पुरुष	अवद:	अवदतम्	अवदत
(ग)	उत्तम पुरुष	अवदम्	अवदाव	अवदाम

2. **निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर (क) वह निर्दयी और दुष्ट था।
(ख) एक बार शेर बहुत भूखा था।
(ग) खरगोश बहुत चतुर था।
(घ) खरगोश शेर को कुएँ के पास ले आया।
(ङ) शेर ने कुएँ के जल में अपनी परछाई देखी।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

5 सुभाषितानि

हिन्दी अनुवाद–

परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मन में इच्छा करते रहने से नहीं, क्योंकि सोए हुए शेर के मुँह में पशु स्वयं प्रवेश नहीं करते हैं अपितु उसे भी परिश्रम करना पड़ता है।

कौआ काला, कोयल काली तो कौए-कोयल में भेद क्या? किंतु वसंत ऋतु के आने पर कौआ, कौआ होता है तथा कोयल, कोयल अर्थात् इनकी आवाज से इनकी पहचान होती है।

जिनके पास विद्या, तप, दान, ज्ञान, शील, गुण और धर्म नहीं है, वे इस मृत्युलोक में भूमि पर भार स्वारूप मनुष्य रूप में पशु समान विचरण करते हैं।

जैसे प्रत्येक पर्वत पर माणि नहीं होती, प्रत्येक हाथी में मोती नहीं होता तथा प्रत्येक वन में चंदन नहीं होता है, वैसे ही सज्जन भी सब जगह नहीं होते हैं।

आलसी को विद्या कहाँ, विद्याहीन को धन कहाँ, धनहीन को मित्र कहाँ, मित्रहीन को सुख कहाँ अर्थात् आलस्य का त्याग करके हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

जैसे क्रमश: जल की एक-एक बूँद गिरते रहने से घड़ा भर जाता है, उसी प्रकार धर्म और धन का कारण विद्या है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–**

उत्तर (क) मृगा: (ख) वसन्तसमये
(ग) गजे गजे (घ) घट:

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर (क) उद्यमेन हि सिद्धयन्ति **कार्यणि न मनोरथै:**
(ख) ते मर्त्यलोके **भुवि** भारभूता।
(ग) **चन्दनं** न वने वने।
(घ) अलसस्य **कुतो** विद्यां।
(ङ) स **हेतु:** सर्वविद्यानां **धर्मस्य** च धनस्य च।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**

उत्तर (क) कार्याणि उद्यमेन सिद्धयन्ति।
(ख) वसन्तसमये पिककाकयो: भेद: स्पष्टं भवति।
(ग) विद्याहीना: मृगरूपेण भुवि चरन्ति।
(घ) सर्वत्र साधव: न भवन्ति।
(ङ) अमित्रस्य सुखं न भवति।
(च) जलबिन्दुनिपातेन घट: पूर्यते।

भाषा-बोध

1. **उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित श्लोकांशों से संस्कृत वाक्य बनाकर लिखिए-**

उत्तर (क) प्रत्येके वने चन्दनं न भवति।

(ख) कार्याणि उद्यमेन एव सिद्धयन्ति मनोरथैः न।

(ग) सुप्तस्य सिंहस्य मुखे मृगाः न प्रविशन्ति।

(घ) पिकः कृष्णः भवति।

(ङ) प्रत्येके शैले माणिक्यं न भवति।

2. **निम्नलिखित विशेषण तथा विशेष्यों के सही जोड़े बनाकर लिखिए-**

उत्तर

विशेषणम्	**विशेष्यम्**
(क) हरितम्	(i) घटः
(ख) प्रसन्नः	(ii) शस्यम्
(ग) रक्तः	(iii) सिंहस्य
(घ) पूर्यते	(iv) बालकः
(ङ) सुप्तस्य	(v) काकः
(च) कृष्णः	(vi) सूर्यः

3. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

उत्तर (क) राम पुस्तक पढ़ता है।

रामः पुस्तकं पठति।

(ख) लक्ष्मण राम के साथ जाता है।

लक्ष्मणः रामेण सह गच्छति।

(ग) राम ने रावण को मारा।

रामः रावणम् अहनत्।

(घ) सत्य की जीत होती है।

सत्यस्य विजयः भवति।

(ङ) आलसी को विद्या कहाँ।

अलसस्य कुतो विद्या।

4. **निम्नलिखित 'गम्' धातु के विधिलिङ् लकार के रूपों को याद कीजिए-**

उत्तर विद्यार्थी स्वयं करें।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

6 लौहपुरुषः

हिन्दी अनुवाद–

इस संसार में अनेक देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी हुए। भारत भूमंडल पर ऐसे एक सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल थे। इनका जन्म गुजरात प्रांत में 'करद' नामक गाँव में अक्टूबर महीने की 31 ता० में 1875 ई में हुआ था। इन बालक की प्रारंभिक शिक्षा 'नाडियाड' नगर के विद्यालय में हुई।

जनपद की वकील-परीक्षा पास करके 'मडिल टैम्पिल' नामक विद्यालय में कानून की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड देश को गए। उन्होंने 1931 ई० में अहमदाबाद नामक नगर में वकालत का कार्य प्रारंभ किया। उसके बाद उन्होंने साबरमती नदी के किनारे 'सत्याग्रह' नामक आश्रम की भी स्थापना की। उसके बाद 1924 ई० में 'बारदोली' नामक गाँव में स्वराज्य आश्रम की भी स्थापना की।

उस वर्ष ही किसानों का संगठन करके कर विरोधी आंदोलन भी संचालित किया। अखिल भारतीय कांग्रेस महासभा पटेल जी को लौहपुरुष मानती थी। वास्वत में पटेल जी लौहपुरुष ही थे। सरदार जी स्पष्टवक्ता, अनुशासनप्रिय, कर्तव्यपरायण और वचन का पालन करने वाले थे। स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के वे दाहिने हाथ थे। छात्र महापुरुषों के चरित्र को जानकर सदाचारी बनते हैं। इसलिए लोक के कल्याण के लिए हम सदा सत्कार्यों के लिए प्रयास करें।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए-**

उत्तर (क) देशभक्ताः (ख) गुजरातप्रान्ते

(ग) कल्याणार्थं

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

उत्तर (क) भारतभूमण्डले एकः सेनानी **सरदार वल्लभभाई पटेलः** आसीत्।

(ख) अस्य बालकस्य प्रारम्भिकी शिक्षा **नाडियाड** नगरस्य विद्यालये अभवत्।

(ग) स: 1913 तमे वर्षे **'अहमदाबाद'** नामके नगरे वकालतकार्य प्रारम्भम् अकरोत्।

(घ) अखिलभारतीय कांग्रेसमहासभा पटेलमहोदयं **लौहपुरुषः** मन्यते स्म।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

उत्तर (क) सरदार वल्लभभाईपटेलस्य जन्म गुजराप्रान्ते 'करद' नामके ग्रामे अभवत्।

(ख) साबरमती नदीतटे 'सत्याग्रह' नामकस्य आश्रमस्य स्थापना अभवत्।

(ग) अनेन महाभागेन कृषकाणां करविरोधी आन्दोलनं कृतम्।

(घ) 1924 तमे वर्षे 'बारदोली' नामके ग्रामे च अयं महाभाग: स्वराज्याश्रमस्य स्थापनाम् अकरोत्।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) ऐक्यभावनया कठिनानि कार्याणि अपि सफलानि भवन्ति।

(ख) कृषकाणां साहाय्यने आन्दोलनं सञ्चालितम्।

(ग) पटेल महाभागस्य शिक्षा नाडियाड ग्रामे अभवत्।

(घ) वयं सङ्गठितो भूय कार्यं कुर्यात्।

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) इस संसार में अनेक देशभक्त पैदा हुए।

(ख) भारत भूममंडल पर एक सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल थे।

(ग) उन्होंने 1931 ई० में 'अहमदाबाद' नामक शहर में कार्य प्रारंभ किया।

(घ) छात्र महापुरूषों के चरित्र को जानकर सदाचारी बनते हैं।

(ङ) इसलिए संसार के कल्याण के लिए हम सदा प्रयास करें।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

7 चतुरः मूषकः

हिन्दी अनुवाद–

बिल्ली – बेटे चूहे! आओ, खेलते हैं।
चूहा – नहीं, नहीं, तुम मुझे खाओगी।
बिल्ली – नहीं खाऊँगी।
चूहा – (मन में) यह मुझे खाएगी। रक्षा का उपाय करता हूँ।
बिल्ली – क्या सोच रहे हो? आओ खेलो।
चूहा – मैं आँख-मिचौली का खेल जानता हूँ।
बिल्ली – मैं भी जानती हूँ। आओ खेलते हैं। आँखे बंद करो।
चूहा – नहीं, नहीं, पहले तुम आँखे बंद करो।
बिल्ली – हाँ। बंद करती हूँ।
(बिल्ली आँखें बंद करती है। चूहा दौड़ता है और बिल में घुस जाता है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) मूषकं (ख) खादिष्यसि

(ग) रक्षाया: (घ) मूषक:

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) वत्स **मूषक! आगच्छ, क्रीडकाः।**

(ख) अहं **तु नेत्रनिमीलनक्रीडां** जानामि।

(ग) प्रथमं त्वं **नेत्रे** निमीलय।

(घ) मूषक: धावति **बिले** च प्रविशति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) आगच्छ, नेत्रनिमीलनक्रीडां क्रीडाव:।

(ख) उभे नेत्रे निमीलय।

(ग) किं विचारयसि?

(घ) अहं त्वां न खादिष्यामि।

(ङ) नहि, त्वं मां खादिष्यसि।

2. **निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए-**

उत्तर (क) मैं तो आँख-मिचौली का खेल जानता हूँ।

(ख) रक्षा का उपाय करता हूँ।

(ग) नहीं, नहीं! तुम मुझे खा जाओगी।

(घ) चूहा दौड़ता है और बिल में घुस जाता है।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

8 मम उद्यानम्

हिन्दी अनुवाद-

यह मेरा बगीचा है। बगीचे में फलों और फूलों के पेड़ हैं। बरगद, आम, अशोक, पीपल, कदंब, नीम और अन्य पेड़ छाया देते हैं। पेड़ से पत्ते और फल गिरते हैं। बगीचे में लताएँ भी हैं। लताओं पर फूल खिलते हैं।

फूल सुंदर हैं। पेड़ों पर पक्षी रहते हैं और शाम को चहचहाते हैं। बगीचे में बंदर पेड़ों से फल तोड़ते हैं और खाते हैं। बगीचे में माली- पेड़ों और लताओं को सींचते हैं। बगीचे में बेला, चाँदनी, गेंदा, गुलाब, मौलसिरी, रात की रानी, कनेर और दूसरे फूल चित्त को हरते हैं।

बगीचे में एक तालाब है। तालाब में कमल खिलते हैं। कमलों पर भौंरे गुनगुनाते हैं। तालाब में मछलियाँ भी हैं। बगीचे में बालक परस्पर खेलते हैं और खुश होते हैं। सभी लोग बगीचे में शांति महसूस करते हैं। बगीचा वायु शुद्ध करता है। बगीचे की शुद्ध वायु बहुत स्वास्थ्य प्रदान करने वाली है। बगीचे पर्यावरण को शुद्ध करते हैं और हमारे मनों को हरते हैं।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए-**

उत्तर (क) पुष्पाणाम् (ख) छायाम्

(ग) तड़ाग: (घ) बालका:

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

उत्तर (क) उद्याने **लता:** अपि सन्ति।

(ख) तड़ागे **कमलानि** विकसन्ति।

(ग) कमलेषु **भ्रमरा:** गुञ्जन्ति।

(घ) सर्वे जना: उद्याने **शान्तिम्** अनुभवन्ति।

(ङ) उद्यानं वायुं **शुद्धं** करोति।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-**

उत्तर (क) वृक्षात् पत्राणि फलानि च पतन्ति।

(ख) खगा: वृक्षेषु निवसन्ति।

(ग) मालाकार: वृक्षान् लता: च सिञ्चति।

(घ) उद्याने वानरा: वृक्षेभ्य: फलानि त्रोटयन्ति खादन्ति च।

भाषा-बोध

1. **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त वचन तथा विभक्ति लिखिए-**

	शब्द:		**वचनम्**	**विभक्ति:**
उत्तर (क)	उद्याने:	=	एकवचनम्	सप्तमी
(ख)	वृक्षा:	=	बहुवचनम्	प्रथमा
(ग)	तडागम्	=	एकवचनम्	द्वितीया
(घ)	मत्स्या:	=	एकवचनम्	प्रथमा
(ङ)	उद्यानस्य	=	एकवचनम्	षष्ठी
(च)	अस्माकम्	=	बहुवचनम्	षष्ठी
(छ)	सायङ्काले	=	एकवचनम्	सप्तमी
(ज)	जना:	=	बहुवचनम्	प्रथमा

2. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

उत्तर (क) इदं मम उद्यानम् अस्ति।

(ख) वृक्षेभ्य: फलानि पुष्पाणि च पतन्ति।

(ग) लतासु पुष्पाणि विकसन्ति।

(घ) कमलेषु भ्रमरा: गुञ्जन्ति।

3. **निम्नलिखित शब्दों को उदाहरणानुसार लिखिए-**

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
उत्तर (क)	राम:	रामौ	रामा:
(ख)	बालक:	बालकौ	बालका:
(ग)	गज:	गजौ	गजा:
(घ)	वृक्ष:	वृक्षौ	वृक्षा:
(ङ)	खग:	खगौ	खगा:
(च)	भ्रमर:	भ्रमरौ	भ्रमरा:

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

9 गणतन्त्रदिवसः

हिन्दी अनुवाद–

जनवरी महीने की 26 ता० से भारतीय संविधान के अनुसार स्वतंत्र भारत में शासन का श्री गणेश हुआ। प्रभुसत्ता संपन्न गणतंत्र की घोषणा इसी दिन हुई। इसीलिए यह दिन गणतंत्र दिवस कहलाता है। 'गणतंत्र' शब्द का अर्थ है– वह शासन विधान जिससे शासन संबंधी सभी कार्य जनसमूह द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि करते हैं। इस दिन हम उन महापुरुषों को याद करते हैं जिन्होंने देश की आजादी के लिए सहर्ष अपने प्राण छोड़ दिए। हम उनके संघर्ष और देश के अभिमान की गाथा गाते हैं। हम इस दिन दृढ़ प्रतिज्ञा करते हैं कि हम सभी भारतीय देश की आजादी की रक्षा करेंगे और राष्ट्र के उत्थान के लिए योगदान देंगे।

हमारे विद्यालय में प्रतिवर्ष यह महोत्सव उल्लासपूर्वक मनाया जाता है। सभी छात्र और अध्यापक विद्यालय के प्रांगण में उपस्थित होते हैं। वहाँ प्राचार्य महोदय ध्वजारोहण करते हैं। उसके बाद एकत्र हो कर सभी अपने–अपने विचार प्रकट करते हैं। आत्मोत्सर्ग करने वालों और महापुरुषों को श्रद्धांजलि समर्पित करते हैं। उसके बाद मिठाई बाँटकर सभा का समापन होता है। इसी दिन प्रात: काल राष्ट्र ध्वज लेकर लोग नगर का भ्रमण करते हैं और जय–जयकार करते हुए आजादी का नारा लगाते हैं।

वास्तव में भारतवासियों के लिए यह बहुत ही सौभाग्य का अवसर है। जब वे देश की स्वतंत्रता और अखंडता की रक्षा के लिए तैयार होकर प्रतिज्ञा करते हैं और आत्मोत्सर्ग करने वाले पुरुषों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

अभ्यास

पाठ–बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) श्रीगणेश: (ख) गणतन्त्र
(ग) स्मराम: (घ) ध्वजारोहणम्

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) अस्मिन् दिने वयं तान् **महापुरुषान्** स्मराम:।
(ख) वयं राष्ट्रस्य उत्थानाय योगं **दास्याम:**।
(ग) सजयजयकारं **स्वतन्त्राघोषम्** उद्घोषयन्ति।
(घ) आमोत्सर्गकारिणिन् पुरुषान् प्रति च **कृतज्ञता** प्रकटयन्ति।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) गणतन्त्रदिवस: जनवरीमासस्य 26 तमे दिनाङ्के मन्यते।
(ख) 'गणतन्त्र' शब्दस्य अर्थ: अस्ति तत् शासनविधानं येन शासनसम्बन्धीनि सर्वाणि अपि कार्याणि जनसमूहेन निर्वाचिता: प्रतिनिधय: कुर्वन्ति।
(ग) विद्यालये प्राचार्य महोदय: ध्वजारोहणं करोति।
(घ) अस्मिन् दिने जना: प्रात:काले राष्ट्रध्वजम् आदाय जना: नगरभ्रमणे कुर्वन्ति सजयजयकारं च उद्घोषयन्ति।

भाषा–बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) अद्य वयं स्वतन्त्रा: स्म:।
(ख) अस्माकं स्वकीयं संविधानम् अस्ति।
(ग) वयं स्वदेशस्य रक्षा करिष्याम:।
(घ) अस्माकं देश: सर्वश्रेष्ठ: अस्ति।

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) 'गणतंत्र' शब्द का अर्थ है– वह शासन विधान जिससे शासन संबंधी सभी कार्य जनसमूह द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि करते हैं।
(ख) हम इस दिन दृढ़ प्रतिज्ञा करत हैं कि सभी हम भारतीय देश की स्वतंत्रता रक्षा करेंगे।
(ग) इसी दिन प्रात: राष्ट्रध्वज लेकर लोग नगर–भ्रमण करते हैं, जय जयकार और नारे लगाते हैं।
(घ) आत्मोत्सर्ग करने वालों और महापुरुषों को श्रद्धांजलि समर्पित करते हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ हिंदी में लिखिए–

	शब्द:	अर्थ:
उत्तर (क)	आदाय	लेकर
(ख)	एकत्रीभूय	इकट्ठे
(ग)	उद्घोषयन्ति	नारे लगाते हैं
(घ)	बद्धपरिकरा:	तैयार
(ङ)	दास्याम:	देंगे

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

10 दीपावलिः

हिन्दी अनुवाद–

भारतवर्ष में अनेक उत्सव मनाए जाते हैं। उन उत्सवों में दीपावली एक प्रमुख उत्सव है। यह उत्सव कार्तिक मास की अमावस्या में होता है। इस दिन श्रीरामचंद्र लंका के राजा रावण को मारकर लक्ष्मण और सीता के साथ अयोध्या वापस लौटे।

लोगों ने उनके स्वागत के लिए दीपों को प्रज्वलित किया। इस दिन लोग अपने-अपने घर साफ करते हैं। लोग नए कपड़े पहनते हैं। शाम को अपने घर में दीपकों को प्रज्वलित करते हैं। रात को लक्ष्मीपूजन होता है। तत्पश्चात् लोग परस्पर मिठाई बाँटते हैं। इस अवसर पर लोग दूसरे मित्रो को अभिनंदन पत्र भेजते हैं। सभी लोग-हर्ष अनुभव करते हैं। इस महोत्सव में एक दोष भी दिखाई देता है। बहुत-से लोग जुए का आयोजन करते हैं, जो अनर्थकारी होता है। बहुत सारे लोग इस अवसर पर विस्फोटक पदार्थों और फुलझड़ियों को चलाते हैं। इससे वायु और ध्वनि प्रदूषण होता है। प्रदूषण जीवन के लिए घातक है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) अमावस्यायाम् (ख) श्री रामचन्द्रः
(ग) द्यूतक्रीडा

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) भारतवर्षे अनेके **उत्सवाः** मानयन्ते।
(ख) तेषु उत्सवेषु **दीपावलिः** एकः प्रमुखः उत्सवः अस्ति।
(ग) जनाः तेषां **स्वागताय** दीपान् प्राज्वालयन्।
(घ) सर्वे जनाः **हर्षम्** अनुभवन्ति।
(ङ) प्रदूषणं **जीवनाय** घातकम् अस्ति।

3. सही मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) दीपावलिः	(i) ध्वनिवायु प्रदूषणम्
(ख) कातिकमासस्य	(ii) प्रमुखः उत्सवः
(ग) रावणस्य वधम्	(iii) द्यूतक्रीडा
(घ) विस्फोटकपदार्थाः	(iv) अमावस्यायाम्
(ङ) प्रमुखः दोषः	(v) श्रीरामचन्द्रः

(क) → (ii), (ख) → (iv), (ग) → (v), (घ) → (i), (ङ) → (iii)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) दीपावलिः कार्तिकमासस्य अमावस्यायां तिथौ भवति।
(ख) दीपावलिः दिवसे देव्याः लक्ष्म्याः पूजा भवति।
(ग) जनाः सायङ्काले स्व गृहे दीपान् प्रजवालयन्ति।
(घ) जनाः विस्फोटकपदार्थान् पुष्पझरिकाः च चालयन्ति।
(ङ) श्रीरामलक्ष्मणसीतानां स्वागतार्थं जनाः दीपाः प्राज्वालयन्।
(च) अस्मिन् महोत्सवे द्यूतक्रीडायाः दोषः दृश्यते।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द कोष्ठक में दिए शब्दों में से छाँटकर लिखिए–

	शब्दः	विलोमः
उत्तर (क)	मलिनम्	**निर्मलम्**
(ख)	पूर्णिमायाम्	**अमावस्यायाम्**
(ग)	निरर्थकम्	**सार्थकम्**
(घ)	अन्धकारः	**प्रकाशः**
(ङ)	गुणः	**दोषः**
(च)	आरम्भम्	**समाप्तम्**

2. निम्नलिखित धातु रूपों के बहुवचन लिखिए–

	एकवचनम्	बहुवचनम्
उत्तर (क)	पश्यति	**पश्यन्ति**
(ख)	भवति	**भवन्ति**
(ग)	चालयति	**चालयन्ति**
(घ)	अस्ति	**सन्ति**
(ङ)	प्रज्वालयति	**प्रज्वालयन्ति**
(च)	गमिष्यति	**गमिष्यन्ति**

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) भारतवर्ष में अनेक उत्सव मनाए जाते हैं।
(ख) दीपावली एक प्रमुख उत्सव है।
(ग) शाम को अपने घर में दीपक प्रज्वलित करते हैं।

(घ) रात को लक्ष्मी पूजन होता हैं

(ङ) सभी लोग खुशी अनुभव करते हैं।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

11 यात्रायाः साधनानि

हिन्दी अनुवाद–

प्राचीन काल में मनुष्य पैरों से दूर स्थान को जाता था जिससे उसके पैर थके जाते थे। इस प्रकार वह बहुत कष्ट महसूस करता था। लोग प्राचीन काल में रथों, बैलगाड़ियों, घोड़ों, गधों, हाथियों और ऊँटो से दूर स्थानों को जाते थे। उस समय लोग नदियाँ नावों से पार करते थे।

किंतु इस समय यात्रा के नए साधन हैं। इनमें रेलगाड़ी, हवाई जहाज, मोटर गाड़ी इत्यादि साधन उपलब्ध हैं। इनसे लोग शीघ्राति शीघ्र दूर स्थानों को जाते हैं। अब यात्रा लोगों कुछ भी कष्ट नहीं देती है। लोग जैसे घर में भोजन, विश्राम और सोना करते हैं, वैसे ही जहाज में, रेलगाड़ी में और हवाई जहाज में करते हैं। जहाँ रेलगाड़ी नहीं जाती है, वहाँ लोग मोटरगाड़ी से यात्रा करते हैं। मरुस्थल प्रदेश में ऊँट ही यात्रा का साधन है। पर्वतीय क्षेत्र में लोग घोड़ों से इधर-उधर जाते हैं।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) पादाभ्याम् (ख) कष्टम्

(ग) नवीनानि (घ) अश्वैः

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) जनाः प्राचीनकाले **रथैः, शकटैः, अश्वैः**, गर्दभैः, गजैः उष्ट्रैः च दूरस्थानानि गच्छन्ति स्म।

(ख) तस्मिन् काले जनाः नद्यः **नौकाभिः** तरन्ति स्म।

(ग) अधुना यात्रा जनेभ्यः किमपि **कष्टं** न ददाति।

(घ) मरुस्थले प्रदेशे **उष्ट्रः** एव यात्रायाः साधनम् अस्ति।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

उत्तर (क) प्राचीनकाले जनाः रथैः, शकटैः, अश्वैः, गर्दभैः, गजैः उष्ट्रैः च यात्रां कुर्वन्ति स्म।

(ख) प्राचीनकाले जनाः पदातिरेव चलनेन यात्रायां कष्टम् अनुभवन्ति स्म।

(ग) वर्तमानकाले लौहपथगामिनी, वायुयानम्, मोटरयानम् इत्यादि नवीनानि साधनानि सन्ति।

(घ) यत्र लौहपथगामिनी न गच्छति तत्र जनाः मोटरयानेन यात्रां कुर्वन्ति।

(ङ) पर्वतीये क्षेत्रे जनाः आवागमनम् अश्वैः कुर्वन्ति।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) प्राचीनकाले जनाः पदातिरेव यात्रां कुर्वन्ति स्म।

(ख) प्राचीनकाले मानवाः नद्यां नौकया यात्रां कुर्वन्ति स्म।

(ग) वायुयानेन जनाः दूरस्थस्य यात्रा अल्पकाले कुर्वन्ति।

(घ) वर्तमाने यात्रायाः बहूनि साधनानि विद्यमानानि सन्ति।

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) किंतु इस समय यात्रा के नए साधन हैं।

(ख) मरुस्थल प्रदेश में ऊँट ही यात्रा का साधन है।

(ग) पर्ततीय क्षेत्र में लोग घोड़ों से इधर-उधर जाते थे।

(घ) प्राचीनकाल में मनुष्य पैदल दूर स्थान को जाते थे।

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग, वचन तथा विभक्ति लिखिए-

	शब्दः		लिङ्गम्	वचनम्	विभक्तिः
उत्तर (क)	अनेन	=	पुंल्लिङ्गम्	एकवचनम्	तृतीया
(ख)	एतैः	=	पुंल्लिङ्गम्	बहुवचनम्	तृतीया
(ग)	नौकाभिः	=	स्त्रीलिङ्गम्	बहुवचनम्	तृतीया
(घ)	जनेभ्यः	=	पुंल्लिङ्गम्	एकवचनम्	चतुर्थी

4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क) मनुष्यः = म्+अ+न्+उ+ष्+य्+अः

(ख) जनः = ज्+अ+न्+अः

(ग) नवीनानि = न्+अ+व्+ई+न्+आ+न्+इ

(घ) किमपि = क्+इ+म्+अ+प्+इ

(ङ) शयनम् = श्+अ+य्+अ+न्+अ+म्

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

12 विद्वान् सर्वत्र पूज्यते

हिन्दी अनुवाद–

1. विद्या विनम्रता देती है, विनम्रता से योग्यता आती है, योग्यता से धन आता है, धन से धर्म और उसके बाद सुख की प्राप्ति होती है।
2. सुखार्थी को विद्या कहाँ, विद्यार्थी को सुख कहाँ सुखार्थी या तो विद्या छोड़े दे अथवा विद्यार्थी सुख छोड़ दे।
3. हे सरस्वती! आप का यह कोश (ज्ञान कोश) अद्भुत है, यह खर्च करने पर वृद्धि को प्राप्त करता है और इकट्ठा करने से नष्ट हो जाता है।
4. सुंदर, सुशील, कुलीन और अमीर व्यक्ति बिना विद्या के शोभा नहीं पाता है, क्योंकि विद्या सभी का आभूषण है।
5. विद्वत्ता और राजपन कभी भी एक समान नहीं हो सकते हैं क्योंकि राजा तो अपने देश में पूजा जाता है और विद्वान सभी जगह पूजा जाता है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) विनयादायाति (ख) विद्या
(ग) विद्यार्थिन: (घ) पूज्यते
(ङ) विद्वान्

2. सत्य कथन पर सही (✓) तथा असत्य कथन पर गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓
(ङ) ✗

3. शब्दार्थों का मिलान कीजिए–

उत्तर शब्दः	अर्थः
(क) सुशील:	(i) विद्यारहित:
(ख) भूषणम्	(ii) अद्वितीय:
(ग) भारती	(iii) निधि:
(घ) कोश:	(iv) सरस्वती
(ङ) अपूर्व:	(v) अलङ्कारम्
(च) विद्याहीन:	(vi) सदाचारी

4. श्लोकांशों का मिलान कीजिए–

उत्तर (अ)	(ब)
(क) सुखार्थिन: कुतो विद्या	(i) क्षयमायाति सञ्चयात्।
(ख) स्वदेशे पूज्यते राजा	(ii) विनयादायाति पात्रताम्।
(ग) व्ययतो वृद्धिमायाति	(iii) विद्यार्थिन: कुतो सुखम्।
(घ) विद्याा ददाति विनयं	(iv) विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।

5. एक पद में उत्तर लिखिए–

उत्तर (क) विद्या
(ख) सर्वस्य।
(ग) सुखम्।
(घ) धनम्।
(ङ) सर्वत्र।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के लिंग, विभक्ति और वचन उदाहरणानुसार लिखिए–

	शब्द:		लिङ्गम्	विभक्ति:	वचनम्
उत्तर (क)	भूषणम्	=	नपुसकलिङ्गम्	प्रथमा	एकवचनम्
(ख)	कोश:	=	पुंल्लिङ्गम्	प्रथमा	एकवचनम्
(ग)	विद्याम्	=	स्त्रीलिङ्गम्	द्वितीया	एकवचनम्
(घ)	विद्वान्	=	पुंल्लिङ्गम्	प्रथमा	एकवचनम्
(ङ)	सुखार्थी	=	पुंल्लिङ्गम्	प्रथमा	एकवचनम्

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) सुखार्थी को विद्या कहाँ, विद्यार्थी को सुख कहाँ सुखार्थी या तो विद्या छोड़े दे अथवा विद्यार्थी सुख छोड़ दे।

(ख) सुंदर, सुशील, कुलीन और अमीर व्यक्ति बिना विद्या के शोभा नहीं पाता है, क्योंकि विद्या सभी का आभूषण है।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

13 पर्यावरणम्

हिन्दी अनुवाद–

प्रकृति द्वारा प्रदत्त प्राण तत्व और रक्षाकवच पर्यावरण कहलाता है। इसी कारण पर्यावरण प्राणियों के जीवन का मूल आधार है। इसलिए संपूर्ण प्राणीमात्र के विकास के लिए पर्यावरण की शुद्धि अत्यावश्यक है। स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन की संभावना हो सकती है। वन, पर्वत, नदियाँ, जलाशय, सागर, पशु, पक्षी और जल-जीव पर्यावरण का संतुलन स्थापित करते हैं। इसी से मानवों के जीवन की रक्षा होती है।

आधुनिक युग में न केवल हमारे देश में अपितु-संपूर्ण पृथ्वी पर प्रकृति का असंतुलन उत्पन्न हो गया है। कहीं अकाल होता है और तो कहीं अतिवृष्टि। धरती पर जल, वायु, ध्वनि प्रदूषण मुख्य रूप से उत्पन्न होते हैं। वायु द्वारा कीटाणु इधर-उधर ले जाए जाते हैं। वाहन विषयुक्त धुएँ को वायु में मिलाते हैं। उद्योगों के विकास से दूषित पदार्थ नदियों और जलाशयों में गिराए जाते हैं। इससे नदी-जलाशयों का जलदूषित होता है एवं पर्यावरण के असंतुलन से अनेक गंभीर रोग पैदा होते है।

इसके अतिरिक्त मनुष्य स्वार्थ के लिए वृक्षों को काटते हैं। इससे प्रकृति की सुरक्षा विकृत हो जाती है। वनों के नाश से सिंह, बाघ आदि वन्य पशु कम हो गए हैं। पक्षियों का शोर वहीं होता है। प्राचीन काल में हमारे पूर्वज पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधों को लगाते थे और यज्ञ आदि करते थे। इसलिए हम भी विद्यालयों में, बगीचों, खेतों में और अन्य स्थलों पर वृक्षारोपण करें।

शास्त्रों में कहा गया है–

वृक्षों को काटना पाप है, वृक्षों को लगाना पुण्य है। वृक्षों से अच्छी बारिश होती है। ऐसा विज्ञान के विद्वानों ने कहा है।

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर (क) रक्षाकवचम् (ख) पर्यावरणम्

(ग) नदीषु, जलाशयेषु च (घ) पादपान्

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) पुरा **अस्माकं पूर्वजाः** पादपान् आरोपयन्ति स्म।

(ख) अनेनैव मानवानां **जीवनरक्षा** भवति।

(ग) मानवा: स्वार्थाय वृक्षान् **छिन्दन्ति**।

(घ) वनानां नाशेन वन्यजीवा: **न्यूनाः** भवन्ति।

3. सही मिलान कीजिए–

उत्तर

(अ)	(ब)
(क) रक्षाकवचम्	(i) पदार्थाः
(ख) अत्यावश्यका	(ii) रोगाः
(ग) पशवः	(iii) पर्यावरणम्
(घ) दूषिता:	(iv) पर्यावरणस्य शुद्धिः
(ङ) गम्भीरा:	(v) पक्षिणः

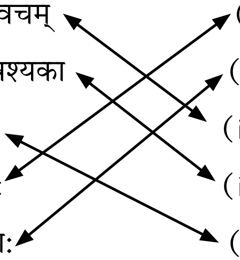

4. सत्य कथन पर सही (✓) तथा असत्य कथन पर गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗

(ङ) ✓

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर (क) प्रकृत्या प्रदत्तं प्राणतत्वें रक्षाकवचं च पर्यावरणं कथ्यते।

(ख) प्राणिनां जीवनस्य मूलाधारं पर्यावरणम् अस्ति।

(ग) पर्यावरणस्य असन्तुलनेन गम्भीरा: रोगा: जायन्ते।

(घ) उद्योगैः निष्कासिता: दूषितपदार्था: नदीषु निपतन्ति।

(ङ) वायुना इतस्तत: कीटाणव: नीयन्ते।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त विभक्ति तथा वचन लिखिए–

उत्तर

शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
(क) जीवनस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
(ख) विकासाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
(ग) जलाशयेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**
(घ) रक्षायै	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
(ङ) वृक्षाणाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) प्रकृति द्वारा प्रदत्त प्राणतत्व और रक्षाकवच पर्यावरण कहलाता है।

(ख) इसी से मानवों की जीवन रक्षा होती है।

(ग) वायु द्वारा कीटाणु इधर-उधर ले जाए जाते हैं।

(घ) वाहन विषयुक्त धुएँ को वायु में मिलाते हैं।

(ङ) उससे नदी, जलाशयों का जल दूषित होता है।

3. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद याद कीजिए-

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

क्रियात्मक गतिविधि

उत्तरम्- विद्यार्थी स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न-पत्र- 1

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) अस्य (ख) श्रीकृष्णः

(ग) विलपामि (घ) गुजरातप्रान्ते

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) तस्य नाम **चित्रसेनः** आसीत्।

(ख) श्रीकृष्णः तु **द्वारिकाधीशः** अभवत्।

(ग) सिंहः अति **क्षुधितः** आसीत्।

(घ) अलसस्य **कुतो** विद्या।

3. निम्नलिखित पदों की विभक्ति और वचन लिखिए-

	पदम्	विभक्तिः	वचनम्:
उत्तर	(क) तेषाम्	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
	(ख) वृक्षात्	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
	(ग) आर्याय	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
	(घ) आसश्रमेषु	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

4. एक पद में उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) **मगध देशस्य।**

(ख) **चतुरः।**

(ग) **करदग्रामे।**

(घ) **साधवः।**

आदर्श प्रश्न-पत्र- 2

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए-

उत्तर (क) खादिष्यसि (ख) पुष्पाणाम्

(ग) गणतन्त्र (घ) अमावस्यायाम्

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) तडागे **कमलानि** विकसन्ति।

(ख) अस्मिन् दिने वयं तान् **महापुरुषान्** स्मरामः।

(ग) पुरा **अस्माकं पूर्वजाः** पादपान् अरोपयन्ति स्म।

(घ) मानवाः स्वार्थाय वृक्षान् **छिन्दन्ति।**

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) खगाः वृक्षेषु निवसन्ति।

(ख) दीपावलिः कार्तिकमासस्य अमावस्यायां तिथौ भवति।

(ग) पर्वतीये क्षेत्रे जनाः आवागमनं मोटरयानेन कुर्वन्ति।

(घ) वायुना इतस्ततः कीटाणवः नीयन्ते।

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

उत्तर (क) आदाय- **लेकर** (ख) एकत्रीभूय- **इकट्ठे होकर**

(ग) उद्घोषयन्ति- **घोषणा करते हैं**

(घ) बद्धपरिकराः- **तैयार** (ङ) दास्यामः- देंगे

5. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क) मनुष्यः = म्+अ+न्+उ+ष्+य्+अः

(ख) जनः = ज्+अ+न्+अः

(ग) नवीनानि = न्+अ+व्+ई+न्+आ+न्+इ

(घ) किमपि = क्+इ+म्+अ+प्+इ

(ङ) शयनम् = श्+अ+य्+अ+न्+अ+म्

संस्कृत भाग 6

1 वन्दना

हिन्दी अनुवाद–

जिसने हंस को सफेद किया, सागर को खारा बनाया, सूर्य को हजारों किरणों वाला बनाया, उस सर्वात्मा परमपिता को नमस्कार है।

जिसने फूल को रंग-बिरंगा, चंद्रमा को शीतल और पृथ्वी को सब सहने वाली किया, उस विश्वात्मा को नमस्कार है।

जिसने प्राण देने वाली शीतल वायु, जीवन देने वाले जल और अन्न देने वाली माता पृथ्वी को बनाया, उसे नमस्कार करता हूँ।

पिता के समान यह महान आकाश वंदनीय है, माता के समान यह वसुंधरा पूजनीय है, मैं सदा उस परब्रह्म का ध्यान करता हूँ, जिसने यह सारा संसार धारण कर रखा है।

सभी सुखी हों, सभी-निरोग हों, सभी कल्याणकारी देखें, कोई भी दुख का भागी न हो।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) श्वेत: हंस:।

(ख) लवणाक्त: महोदधि:।

(ग) सहस्रांशु: सूर्य:।

(घ) परमात्मना पुष्पं विचित्रितम्।

(ङ) अन्नदा पृथ्वी।

2. निम्नलिखित श्लोकों को पूरा कीजिए–

उत्तर (क) शीतलं वायुं जीवदं निर्मलं जलम्।
अन्नदां मातरं पृथ्वीं यश्चकार नमामि तम।।

(ख) महाकाशों पूज्या माता वसुनधरा।
ध्येयं सदा परं ब्रह्म येनेदं धार्यतेऽखिलम्।।

व्याकरण कौशल

3. प्रत्येक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उत्तर (क) पृथ्वी = **धरा, वसुधा**

(ख) वायु: = **मरुत्, समीर:**

(ग) चन्द्र: = **सोम:, शशि**

(घ) सूर्य: = **रवि: दिनकर:**

(ङ) महोदधि: = **सागर:, जलधि:**

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए-

उत्तर (क) विश्वात्मने = **चतुर्थी विभक्ति: एकवचनम्**

(ख) येन = **तृतीया विभक्ति: एकवचनम्**

(ग) तस्मै = **चतुर्थी विभक्ति: एकवचनम्**

(घ) सर्वे = **प्रथमा विभक्ति: बहुवचनम्**

(ङ) भद्राणि = **प्रथमा, द्वितीया विभक्ति: बहुवचनम्**

5. निम्नलिखित के अर्थ लिखिए-

उत्तर (क) जिसने पृथ्वी को सब सहने वाली किया, उस विश्वात्मा को नमस्कार है।

(ख) जिसने अन्न देने वाली माता पृथ्वी को बनाया, उसे नमस्कार करता हूँ।

(ग) जिसने हंस को सफेद और सागर को खारा किया।

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) परमेश्वर एव अस्य संसारस्य पालक: अस्ति।

(ख) निर्मलं जलं दातारं परमेश्वरं वयं नमाम:।

(ग) येन सूर्य: सहस्रांशु: कृत: तस्मै नम:।

(घ) वसुधा माता इव पूजनीया अस्ति।

2 नील: श्रृगाल:

हिन्दी अनुवाद–

किसी वन में विपाक नाम का एक गीदड़ रहता था, एक दिन वन में घूमते हुए उसे भोजन के लिए कुछ भी नहीं मिला। भूख से पीड़ित वह नगर की ओर गया। गीदड़ को वहाँ देखकर कुत्ते उसके पीछे दौड़े। कुत्तों से डरा वह तेजी से दौड़ता। प्राण बचाने के लिए वह एक धोबी के घर में घुस गया और एक नीले रंग से भरे पात्र में गिर गया। कुत्ते भी उसे न देखकर दूसरी जगह चले गए। नीले रंग के बरतन से बाहर आकर वह स्वयं को नील वर्ण का देखकर चकित हुआ। वहाँ से भागकर वह शीघ्र ही वन को आ गया।

उसे नीले रंग का देखकर जंगली पशु डर से इधर-उधर दौड़ने लगे। भागते हुए पशुओं को देखकर वह बहुत खुश हुआ। तब सभी को संबोधित करके विपाक बोलता है— "अरे डरो मत, डरो मत! आओ सभी मेरी बातें सुनो।" उसकी वह बात सुनकर डरे हुए पशु धीरे-धीरे उसके समीप आए। विपाक सभी को संबोधित करके बोला- "भगवती वनदेवी ने मुझे वन के राजपद पर नियुक्त किया है। वनदेवी ने मुझे आदेश दिया कि तुम वन्य जीवों की रक्षा और पालन करो और तुम वैसा करना जिसने वन्य प्राणियों में कलह न हो, इसलिए इस समय से मैं तुम्हारा राजा हूँ।"

उसकी वह बात सुनकर और सुंदर रंग देखकर सभी सिंह, व्याघ्र आदि ने उसे नमस्कार किया और उसके आदेश से वन में घूमना और भोजन आदि करना आरंभ किया। इस प्रकार छल से उसने वन में शासन करना शुरू किया। एक बार उसने गीदड़ों का कोलाहल सुना। उनकी आवाज सुनकर वह पुलकित हो गया। वह भूल गया कि वास्तव में वह गीदड़ ही है जो धोखे से वन का राजा बन गया। प्रसन्नता से उसने भी उठकर उच्च स्वर से आवाज करनी शुरू की। उसकी आवाज सुनकर वन के सभी पशु आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने कहा, "ओह! इस धूर्त गीदड़ ने हमें ठग लिया।" वन्यप्राणियों का यह मत जानकर शीघ्र ही बाघ ने उसे वंचक गीदड़ को मार दिया। सच ही कहा है- सभी का स्वभाव परखा जाता है, दूसरे गुण नहीं। निश्चित ही सभी गुणों से स्वभाव सर्वोपरि है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) विपाक: वने वसति स्म।

(ख) रजकस्य गृहे स: नीलरसपूर्णे पात्रे अपतत्।

(ग) तस्य सुन्दरं वर्णं दृष्ट्वा तस्य वचनं च श्रुत्वा वन्यपशव: तं नमस्कारम् अकुर्वन् तस्यादेशेन च भ्रमणभोजनादिकं कर्तुम् आरब्धवन्त:।

(घ) श्रृगालवृन्दस्य वचनं श्रृत्वा सोऽपि उत्थाय शब्द मकरोत्।

(ङ) सर्वेषां स्वभावा: परीक्ष्यन्ते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) **क्षुधापीडित** स: नगरं प्रति अगच्छत्।

(ख) कुक्कुरा: अपि तम् **अदृष्ट्वा** अन्यत्र अगच्छन्।

(ग) मा **भैषी:**, मा **भैषी:**।

(घ) तेषां शब्दं श्रुत्वा स: **पुलकित:** अभवत्।

(ङ) व्याघ्र: तं **वञ्चकं** श्रृगालं **व्यापादयामास**।

3. नीचे लिखे वाक्यों को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए–

उत्तर (क) एकस्मिन् वने विपाक: नाम्न एक: श्रृगाल: वसति स्म।

(ख) तेन विस्मृतं यत् स: वस्तुत: श्रृगाल: एव अस्ति।

(ग) सोऽपि उत्थाय उच्चस्वरेण शब्द कर्तुमारभत।

(घ) तस्य शब्दान् श्रुत्वा वन्यपशव:आश्चर्यचकिता: अभवन्।

(ङ) व्याघ्र: तं वञ्चकं श्रृगालं व्यापादयामास।

व्याकरण कौशल

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर (क) भ्रमन् = एकदा एक:शशक: **भ्रमन्** बहु दूरम् अगच्छत्।

(ख) अन्वधावन् = कुक्कुरा: तं श्रृगालम् **अन्वधावन्**।

(ग) पलायित्वा = बाल: **पलायित्वा** एकस्मिन् गृहे निलीन:।

(घ) कोलाहलम् = **कोलाहलं** श्रुत्वा सर्वे जना: गृहात् बहि: आगता:।

(ङ) उत्थाय = सोऽपि **उत्थाय** शब्दं कर्तुमारभत।

5. रंगीन शब्दों के आधार पर प्रश्नों का निर्माण कीजिए-

उत्तर (क) क्षुधापीडित: स: **कुत्र** अगच्छत्?

(ख) **केभ्य:** भीत: स: वेगेन अधावत्?

(ग) **का** दृष्ट्वा स: प्रसन्न: अभवत्?

(घ) विपाक: वने **किं** कर्तुम् आरब्धवान्?

(ङ) **किं** श्रुत्वा वन्यपशव: आश्चर्यचकिता: अभवन्?

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) भूख से परेशान वह नगर की ओर गया।

(ख) गीदड़ को देखकर कुत्ते उसकी ओर दौड़े।

(ग) और वहाँ एक नीले रंग से भरे बरतन में गिर गया।

(घ) वहाँ से भागकर वह शीघ्र ही वन को आ गया।

(ङ) तुम वन्य जीवों की रक्षा और पालन करो।

3 पर्यावरणम्

हिन्दी अनुवाद–

इस समय हम अनुभव करते हैं कि यथासमय वर्षा नहीं होती है, धूप प्रचंड होती है। शीत का प्रकोप प्रतिवर्ष बढ़ रहा है। न केवल भारत में अपितु संपूर्ण विश्व में मौसम के चक्र की अनिश्चित स्थिति है। कहीं अतिवृष्टि के कारण आई भीषण बाढ़ से बहुत सारा धन और जीवन नष्ट हो जाता है, कहीं अनावृष्टि से अनाहार दशा आ जाती है। कहीं अधिक हिमपात जनजीवन को त्रस्त कर देता है। प्रकृति के ऐसे परिवर्तन से सभी प्राणी पीडित हैं और वैज्ञानिक चिंतित।

इस दुर्दशा का कारण क्या है? ''प्रकृति अथवा पर्यावरण की असंतुलित स्थिति यहाँ कारण है'', 'ऐसा वैज्ञानिक बोलते हैं। यह स्थिति विविध प्रदूषणों के कारण आई है। पर्यावरण में प्रदूषण के मुख्यत: चार क्षेत्र हैं- भूमि, वायु, जल और ध्वनि। फसली खेतों, आवासों और उद्योग केंद्रों के लिए वृक्षों अथवा वनों की कटाई निरंतर हो रही है। फसलों खेतों में खादों के अत्यधिक प्रयोग से भूमि प्रदूषित होती है। वायुमडंल में प्रक्षेपास्त्र आदि और विस्फोटकों के प्रक्षेपण से भी वायु प्रदूषण होता है। नगरों के मलिन पदार्थ नदियों में निष्कासित करने से और उद्योगों के विषाक्त अवशिष्ट पदार्थों के फेंकने से जल में प्रदूषण बढ़ता है। उद्योगों में कार्यरत यंत्रों और द्रुतगामी यानों की उच्च ध्वनि से आकाश प्रदूषित होता है और जनजीवन में शांति नष्ट होती है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए पर्यावरण सुरक्षित करना है। उसके लिए हमें रासायनिक खादों का प्रयोग कम करना चाहिए। उद्योगों में चिमनियाँ अत्यधिक ऊँची होनी चाहिए। उद्योगों आदि और यानों का धुआँ परिष्कृत होना चाहिए। गंदे पदार्थों का निष्कासन नदियों में नहीं करना चाहिए। सर्वोपरि वनों और वृक्षों की रक्षा करनी चाहिए। न केवल यह अपितु वृक्षारोपण भी करना चाहिए। स्वयं गंदगी की वृद्धि नहीं करनी चाहिए और उसे दूर करने में सहयोग करना चाहिए।

इन उपायों से भूमि आदि पर्यावरण सुरक्षित होगा। उससे सभी का जीवन सुरक्षित, सुखमय और शांत होगा। इसके लिए ही प्राचीन ऋषियों ने कहा–

द्युलोक में शांति हो, अंतरिक्ष में शांति हो, पृथ्वी पर शांति हो, जलों में शांति हो, औषधियों में शांति हो, वनस्पतियों में शान्ति हो, विश्व में शांति हो, इस ब्रह्मांड में शांति हो, सब जगह शांति–ही–शांति हो, हे ईश्वर! मुझे भी शांति प्रदान करो। ओउम् शांति, शांति, शांति।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) अनावृष्ट्या अनाहारदशा भवति।

(ख) प्रदूषणस्य चत्वारि क्षेत्राणि सन्ति; तद्यथा भूमि:, वायु:, जलं ध्वनिश्च।

(ग) शस्यक्षेत्राणां भूमि: उर्वरकाणाम् अत्यधिकप्रयोगेन प्रदूषिता भवति।

(घ) नगरणां मलिनपदार्थनाम् उद्योगानां च विषाक्तानाम् अपशिष्टानां पदार्थानां नदीषु निष्कासनेन क्षेपणेन वा जले प्रदूषणं वर्धते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) वृक्षाणां निरन्तरं **कर्तनम्**।

(ख) विस्फोटकानां प्रक्षेपणै: वायो: **प्रदूषणं** भवति।

(ग) द्रुतगामिनां यानानां ध्वनिना **आकाशः** प्रदूषितो भवति।

(घ) मलिनानां विषाक्तानां च पदार्थानां निष्कासनं **नदीषु** न करणीयम्।

3. सही कथनों पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✓ (ख) ✗

(ग) ✗ (घ) ✓

व्याकरण कौशल

4. दिए गए शब्दों के विपरीतार्थक शब्द चुनिए और लिखिए–

उत्तर (क) अतिवृष्टि : **अनावृष्टि**

(ख) आगत : **अनागतः**

(ग) अनिश्चितता : **निश्चितता**

(घ) प्राचीना : **नवीनाः**

5. रंगीन शब्दों का संशोधन कीजिए–

उत्तर (क) शिक्षकः छात्रं **पाठयति**।

(ख) माता **शिशवे** मोदकं यच्छति।

(ग) बालकः चित्राणि **द्रष्टुम्** इच्छति।

(घ) पितामहः मनिदरात् **आगत्य** खादति।

(ङ) सीता रामेण सह वनं **गतवती**।

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) एतैः परिवर्तनैः सर्वे प्राणिनः पीडिताः सन्ति।

(ख) अस्याः दुर्दशायाः किं कारणम् अस्ति?

(ग) पर्यावरणस्य सुरक्षा अस्माकं कर्तव्यम् अस्ति।

(घ) प्रदूषणं प्रतिवर्षं वर्धते।

(ङ) वयं विषाक्तानाम् उर्वरकाणां प्रयोगं न करिष्यामः।

4 गङ्गायाः जलम्

हिन्दी अनुवाद–

प्राचीन ग्रंथों में गंगा का महत्त्व वर्णित है। गंगा भारत की पवित्रतम नदी है। गंगा हिमालय से निकलती हुई गाँव-गाँव, शहर-शहर अथवा कस्बे में होकर कोलकाता शहर के पास बंगोपसागर से मिलती है। यह स्थल 'गंगा सागर' कहलाता है।

गंगा के किनारे अनेक तीर्थस्थल हैं– वाराणसी, हरिद्वार, ऋषिकेश, प्रयाग इत्यादि। इन तीर्थों में प्रतिदिन असंख्य लोग गंगा जल में स्नान करते हैं। पौराणिका कथा के अनुसार काशी पृथ्वी पर सर्वश्रेष्ठ है।

प्रयाग 'तीर्थराज' नाम से विश्व प्रसिद्ध है। तीर्थराज में गंगा, यमुना, सरस्वती ये तीन नदियाँ हैं। इलाहाबाद शहर में गंगा, यमुना और सरस्वती एक स्थान पर मिलकर बहती हैं। संगम स्थल पर स्नान महान पुण्य प्रदान करने वाला होता है। कुंभ मेला आदि अवसरों पर लाखों लोग गंगा स्नान करते हैं।

प्रतिवर्ष माघ महीने में लाखों ऋषि, मुनि, साधु और श्रद्धालु त्रिवेणी में स्नान के लिए आते हैं। गंगा जल में अनेक सुंदर नावें तैरती हैं। उन नावों में लोग जल विहार भी करते हैं। उत्तर भारत में विशाल क्षेत्रों में गंगाजल का सेवन होता है। गंगा सभी नदियों में सबसे श्रेष्ठ है। गंगा के किनारे गाँव और नगर जल पाने के लिए गंगा पर आश्रित हैं। वास्तव में ये नदियाँ हमारा बहुत उपकार करती हैं। इसके महान महत्त्व को ही ध्यान में रखते हुए शास्त्र में कहा गया है– 'जय गंगे, जय गंगे' ऐसा सौ योजन से भी दूर रहकर जो बोले, वह सभी पापों से मुक्त हो जाता है और विष्णुलोक को जाता है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. प्रश्नों के उत्तर रिक्त स्थानों में लिखिए–

उत्तर (क) **गङ्गा** हिमालयात् निः सरिता ग्रामे ग्रामे, नगरे नगरे उपनगरे वा भूयः कोलकाता नगरस्य समीपे बङ्गोपसागरेण सह मिलति।

(ख) हरिद्वारादिषु तीर्थेषु जनाः **गङ्गायाः** जले स्नानं कुर्वन्ति।

(ग) **इलाहाबाद** नगरे गङ्गा, यमुना सरस्वती च एकस्मिन् स्थाने संगम्य प्रवहन्ति।

2. **इनमें से उचित पद का प्रयोग करके प्रश्न-निर्माण कीजिए–**

उत्तर (क) हरिद्वार: **कुत्र** स्थित: अस्ति?

(ख) गृहे **के** सन्ति?

(ग) ईश्वरं **कदा** नमथ?

(घ) गृहे **का** ज्वलति?

व्याकरण कौशल

3. **निर्देश के अनुसार मेल कीजिए-**

उत्तर

(क) खे	हंसा:	पठन्ति।
(ख) न्यायालये	सूर्य:	भोजनं पचति।
(ग) सरोवरे	पाचक:	प्रचण्ड: तपति।
(घ) विद्यालये	न्यायाधीश:	तरन्ति।
(ङ) क्रीडाक्षेत्रे	क्रीडक:	पादकन्दुकेन क्रीडति।
(च) भोजनालये	छात्रा:	निर्णयं करोति।

4. **रंगीन शब्दों का संशोधन कीजिए-**

उत्तर (क) **गङ्गाजले** अनेका: शोभना: नौका: तरन्ति।

(ख) मम **पठनाय** अभिलाषा अस्ति।

(ग) **धर्माय** अभिलाषा कुरु।

(घ) स: **सायङ्काले** ईश्वरं भजति।

5. **उच्चारण कीजिए-**

उत्तर **विद्यार्थी स्वयं करें।**

अनुवाद कौशल

6. **हिंदी में अनुवाद कीजिए-**

उत्तर (क) गंगा हिमालय से निकली है।

(ख) गंगा के किनारे अनेक तीर्थ हैं।

(ग) गंगा के जल में नहाकर लोग स्वयं को पवित्र करते हैं।

(घ) गंगा के जल में अनेक नावें तैरती हैं।

5 समाचारपत्रम्

हिन्दी अनुवाद–

मैं एक दैनिक समाचार-पत्र हूँ। मुझमें देश और विदेशों की घटनाएँ सचित्र लिखी हैं। संसार में प्रतिदिन नई-नई घटनाएँ होती हैं इसलिए प्रतिदिन मैं नए रूप में आता हूँ। पृथ्वी पर असंख्य भाषाओं में मेरा प्रकाशन होता है। संचार माध्यमों में मेरा प्रमुख स्थान है।

मैं प्रतिदिन प्रात: काल बहुत-से घरों में जाता हूँ। नगर हो अथवा गाँव, मेरा सब जगह आदर है। सभी मुझमें लिखे विषय पढ़ते हैं, मेरे चित्रों को भी देखते हैं। मेरे हृदय में जाति-धर्म आदि का भेद विचार नहीं हैं। मुझमें तत्कालिक समाचार तो होते ही हैं, बच्चों के लिए मनोरम बाल कथाएँ और चित्र भी होते हैं। खेल, विज्ञान, चलाचित्र (सिनेमा), राजनीति इत्यादि यहाँ सब संभव है।

सुख हो अथवा दुख: किसी नेता का सम्मान होता है अथवा मृत्यु, रमणीय उत्सव हो अथवा भयंकर भूकंप, सभी विषयों में समान रूप से व्यवहार करता हूँ।

मित्रो! मैं आपका एक मित्र हूँ। इस समय आप ही विचार करें- 'मेरे जैसे मित्र का उपयोग कैसे हो? कैसे अशिक्षित ग्रामीण लोग भी मेरे माध्यम से जागरूक हो? कैसे मुझमें प्रकाशित विज्ञान, साहित्य, संसार के हित के लिए आए?'

सजग पाठकों के इन विचारों से ही मेरा देश-सेवा का मार्ग प्रशस्त होगा। देश-सेवा ही मेरा सब कुछ है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

उत्तर (क) समाचारपत्रं प्रतिदिनं प्रात: बहुषु गृहेषु गच्छति।

(ख) समाचारपत्रस्य आदर: ग्रामनगरेषु भवति।

(ग) समाचारपत्रस्य हृदये जातिधर्मादीनां भेदविचार: नास्ति।

(घ) समाचारपत्रम् अस्माकं मित्रम् अस्ति।

(ङ) समाचारपत्रस्य सर्वस्वं देशसेवा अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) **अहमेकं** दैनिकं समाचारपत्रमस्मि।

(ख) **सञ्चारमाध्यमेषु** मम प्रमुखं स्थानम्।

(ग) मयि **तात्कालिका:** समाचारा: तु भवन्त्येव।

(घ) मादृशस्य **मित्रस्य** कथम् **उपयोग:** भवेत्?

(ङ) देशसेवा एव मम **सर्वस्वम्**।

व्याकरण कौशल

3. निर्देशानुसार शब्द रूप लिखिए–

उत्तर (क) नीति: तृतीया विभक्ति: **नीत्या नीतिभ्याम् नीतिभि:**

(ख) मृत्यु: द्वितीया विभक्ति: **मृत्युम् मृत्यू मृत्यू:**

(ग) अस्मद् सप्तमी विभक्ति: **मयि आवयो: अस्मासु**

(घ) युष्मद् तृतीया विभक्ति: **त्वया युवाभ्याम् युष्माभि:**

(ङ) पत्रम् षष्ठी विभक्ति: **पत्रस्य पत्रयो: पत्राणाम्**

4. निर्देशानुसार शब्दों में संधि कीजिए–

उत्तर (क) भवन्ति + एव = **भवन्त्येव**

(ख) च + अत्र = **चात्र**

(ग) सर्वेषु + एव = **सर्वेष्वेव**

(घ) इति + आदय: = **इत्यादय:**

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर (क) रमणीय = **सुंदर, सुहावना**

(ख) प्रशस्त: = **प्रशस्त**

(ग) मादृशस्य = **मेरे जैसे का**

(घ) सर्वस्वम् = **सब कुछ**

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) वयं समाचारपत्रं प्रतिदिनं पठेम।

(ख) एषा बालिका गृहं गच्छेत्।

(ग) त्वम् एकं पत्रं लिखे:।

(घ) कश्चिदपि दु:खित: न भवेत्।

6 वृक्षाणां वैशिष्ट्यम्

हिन्दी अनुवाद–

पृथ्वी पर अनेक रत्न हैं। उनमें वृक्ष सबसे श्रेष्ठ है। वृक्ष सभी जीवों को जीवन देता है। यह कार्बन को ग्रहण करता है और ऑक्सीजन प्रदान करता है। वन-उपवनों की शोभा वृक्षों से ही होती है। संस्कृत भाषा में वृक्ष के अनेक पर्याय हैं; जैसे- तरू, पादप, द्रुम, विटप, शाखिन्।

वृक्ष के मुख्यत: दो प्रकार हैं। कुछ फल वाले वृक्ष जैसे- बेर के वृक्ष, शहतूत के वृक्ष, इमली के वृक्ष, खजूर के वृक्ष, जामुन के वृक्ष, नारियल के वृक्ष, अमरूद के वृक्ष, अनार के वृक्ष, सेब के वृक्ष, महुआ, संतरे, अखरोट, बादाम आदि के वृक्ष ये सब फल प्रदान करने वाले हैं। ये वृक्ष छाया भी देते हैं। इनमें से कुछ वृक्ष विशाल आकार के होते हैं और कुछ छोटे आकार के।

पीपल, हरसिंगार, बरगद, सेमल, शीशम, देवदार, पलाश, मौलश्री के वृक्ष केवल छाया प्रदान करने वाले वृक्ष हैं। ये वृक्ष विविध उपकार करते हैं। वृक्ष आश्रय प्रदान करते हैं, छाया फैलाते हैं, नाना रंग के फूल लोगों के मनों को प्रसन्न करते हैं, स्वास्थ्यवर्धक फल देते हैं, जो वस्तुएँ हमारे लिए आवश्यक हैं उसके लिए लकड़ी देते हैं। ये गर्मी हरते हैं और ठंडक देते हैं। ये प्रदूषित वातावरण को स्वच्छ करते हैं।

विविध लताएँ वृक्ष का आश्रय लेती हैं। पक्षी वृक्षों पर घोंसले बनाते हैं, मधुर कूकते हैं, फलों का स्वाद लेते हैं। मधुमक्खियाँ फूलों का रस पीती हैं और बाद में शहद देती हैं।

ऐसे दानशील वृक्षों को नमस्कार है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) वृक्षै: वनोपवनस्य शोभा भवति।

(ख) संस्कृतभाषायां वृक्षस्य पर्याया: सन्ति— तरु:, पादप:, द्रुम:, विटप्, शाखिन्।

(ग) फलवन्तः वृक्षाः सन्ति— बदरीवृक्षाः, तूदवृक्षाः (शहतूत), अल्मिकावृक्षाः (इमली), खर्जूरवृक्षाः जम्बूवृक्षाः, नारिकेल वृक्षा, पेरूकवृक्षाः (अमरूद), दाडिमवृक्षाः, सेबवृक्षाः, मधूकवृक्षाः (महुआ) नारङ्गवृक्षाः, अक्षोटवृक्षाः (अखरोट) वातादवृक्षाः इति।

(घ) वृक्षाः जनानाम् उपकारं निम्नप्रकारेण कुर्वन्ति तद्यथा– एते आश्रयं प्रयच्छन्ति, छायां प्रसरन्ति, नानावर्णैः पुष्पैः लोकानां मनांसि रञ्जयन्ति, स्वास्थ्यवर्द्धकानि फलानि यच्छन्ति। यानि वस्तूनि अस्मभ्यम् आवश्यकानि सन्ति तदर्थं काष्ठं यच्छन्ति। एते आतपं हृत्य शैत्यं यच्छन्ति प्रदूषितं वातावरणं च स्वच्छं कुर्वन्ति।

(ङ) मधुमक्षिकाः पुष्परसं पीत्वा पश्चात् च मधु यच्छन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) वृक्षः सर्वेभ्यः जीवेभ्यः **जीवनं** ददाति।

(ख) वनोपवनानां शोभा **वृक्षैः** एव भवति।

(ग) एतेषु केचित् वृक्षाः **फलवन्तः** भवन्ति केचित् च केवलं **छायाप्रदाः** भवन्ति।

(घ) विविधाः लताः वृक्षस्य **आश्रयं** नयन्ति।

(ङ) मधुमक्षिकाः **पुष्परसं** पिबन्ति।

3. सही कथनों पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✓ (ख) ✓

(ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

व्याकरण कौशल

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए–

उत्तर (क) सर्वेभ्यः	=	**चतुर्थी, पञ्चमी**	**बहुवचनम्**
(ख) वृक्षैः	=	**तृतीया**	**बहुवचनम्**
(ग) अनेके	=	**प्रथम**	**बहुवचनम्**
(घ) मधुमक्षिकाः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
(ङ) वृक्षेषु	=	**सप्तमी**	**बहुवचनम्**

5. दिए गए शब्दों को अर्थ सहित अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर (क) केचित् = **कुछ**

केचित् जनाः परोपकारिणः भवन्ति।

(ख) काष्ठम् = **लकड़ी**

वयं **काष्ठं** वृक्षेभ्यः प्राप्नुमः।

(ग) फलवन्तः = **फल देने वाले**

फलवन्तः वृक्षाः छायामपि यच्छन्ति।

(घ) शोभमन् = **सुंदर**

इदम् उपवनम् अति **शोभनम्** अस्ति।

(ङ) ददाति = **देता है**

वृक्षः अस्मभ्यं जीवनं **ददाति**।

अनुवाद कौशल

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) वृक्ष सभी जीवों को जीवन देता है।

(ख) ये वृक्ष छाया भी देते हैं।

(ग) इनमें कुछ वृक्ष विशाल आकार के होते हैं।

(घ) विविध लताएँ वृक्ष का आश्रय लेती हैं।

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) सर्वेषु रत्नेषु वृक्षाः श्रेष्ठतमाः सन्ति।

(ख) केचित् वृक्षाः फलवन्तः लघवश्च भवन्ति।

(ग) केचित् वृक्षाः विशालाः केचित् च लघवः भवन्ति।

(घ) खगाः वृक्षेषु नीडानि रचयन्ति।

(ङ) वृक्षाः उष्णतां हृत्य शैत्यं प्रयच्छन्ति।

7 सुभाषितानि

हिन्दी अनुवाद–

पुस्तकीय ज्ञान और दूसरे के हाथ में गया हुआ धन, कार्य पड़ने पर किसी काम का नहीं होता अर्थात् वह ज्ञान और वह धन कार्य पड़ने काम नहीं आता है।

हाथ का गहना दान है, कंठ का गहना सत्य है, कान का गहना शास्त्र है तो कृत्रिम गहनों का प्रयोजन क्या है अर्थात् कृत्रिम गहने व्यर्थ हैं।

जो–जो दूसरे के अधीन कार्य है, वह यत्नपूर्वक छोड़ देना चाहिए। जो–जो आत्मवश हो उसे यत्नपूर्वक करना चाहिए।

जिस देश में न सम्मान, न स्नेह, न बंधु और न कोई विद्वान हो, उस देश में एक दिन भी नहीं रहना चाहिए।

सभी सुखी हो, सभी नीरोग हों, सभी कल्याणकारी देखें, कोई भी दुख का भागी न हो।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) हस्तस्य भूषणं दानं भवति।

(ख) श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं भवति।

(ग) कण्ठस्य भूषण सत्यं भवति।

(घ) यस्मिन् देशे न सम्मानः, न सनेहः, न बन्धु न च विद्वान् भवेत् तत्र न वसेत्।

(ङ) सर्वे जनाः सुखिनः, निरोगाः भवेयुः कल्याणकरं च पश्येयुः, कश्चिदपि दुःखभागी न भवेत्।

2. निम्नलिखित श्लोकों को पूरा कीजिए–

उत्तर (क) पुस्तकस्था तु या विद्या **परहस्तगतं धनम्।**

(ख) यत् यत् **परवशं कर्म तत् तत् यत्नेन वर्जयेत्।**

(ग) हस्तस्य भूषणं दान **सत्यं कण्ठस्य भूषणम्।**

(घ) यस्मिन् बान्धवाः देशे न सम्मानो न प्रीतिः न च बानधवाः

(ङ) सर्वे भद्राणि पश्यन्त **मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।**

3. सही वाक्य के सामने 'आम्' तथा गलत वाक्य के सामने 'न' लिखिए–

उत्तर (क) पुस्तकस्था विद्या कार्यकाले लाभकारी भवति। **न**

(ख) हस्तस्य भूषणं दानम् अस्ति। **आम्**

(ग) सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। **आम्**

(घ) सर्वे सुखिनः न भवन्तु। **न**

(ङ) असत्यः कण्ठस्य भूषणम् अस्ति। **न**

व्याकरण कौशल

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर (क) विद्या = **विद्या** सर्वधनं प्रधानं कथ्यते।

(ख) सत्यः = **सत्यः** सदा जयति।

(ग) कर्म = मानवः सदा सत् **कर्म** एव कुर्यात्।

(घ) सम्मानः = वार्षिकोत्सवे शिक्षामन्त्री महोदयस्य **सम्मानः** अभवत्।

(ङ) निरामयाः = सर्वे मानवाः **निरामयाः** भवेयुः।

अनुवाद कौशल

5. श्लोकों के अंशों का सही मिलान कीजिए और अर्थ लिखिए–

उत्तर

(क) श्रोत्रस्य भूषणम्	(i) या विद्या
(ख) मा कश्चित्	(ii) दानम्
(ग) पुस्तकस्था तु	(iii) शास्त्रम्
(घ) हस्तस्य भूषणं	(iv) न सम्मानो
(ङ) यस्मिन् देशे	(v) दुःखभाग् भवेत्

8 डॉ० राजेन्द्रप्रसादः

हिन्दी अनुवाद–

देशरत्न डॉ० राजेन्द्रप्रसाद स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। उनका कार्यकाल प्रायः दस वर्षों का था। उस समय देश की उत्तम प्रगति थी।

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद का जन्म 1884 ई० में दिसंबर महीने की 3 ता० में बिहार के सारण मंडल में जीरादेई गाँव में हुआ था। शिक्षा के प्रारंभिक काल से ही ये बहुत मेधावी थे। 1900 ई० में 'इंट्रेन्स' परीक्षा में इन्होंने संपूर्ण कोलकाता विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पाया। इन्होंने एम० ए०, एम० एल० परीक्षाओं में भी सर्वप्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी उनकी योग्यता और विद्वत्ता से मुग्ध थे। शिक्षा समाप्त करके वे शुरू में कोलकाता में उसके बाद पटना शहर में उचच न्यायालय में वकील बने। वकीलों में उनकी प्रतिष्ठा उत्तम और धनार्जन अत्याधिक था।

किंतु महापुरुषों का जन्म आत्मसुख के लिए नहीं होता है।

महापुरुष तो सभी के सुख और हित के लिए जीते है। 1917 ई० में बिहार के चम्पारण में गाँधी जी ने अंग्रेजी शासन के विरोध में आन्दोलन शुरू किया तब राजेन्द्र जी उनके शिष्य बने। उन्होंने वकील का पद और धनार्जन छोड़ दिया और देश सेवा का व्रत स्वीकार किया 1934 ई० में जब बिहार में भीषण भूकंप आया तब उन्होंने लोगों को बड़ी सेवा की।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में गाँधी जी के अनुयायियों में राजेंद्र जी विशिष्ट थे। वे निष्ठावान, उत्साही, परिश्रमी और स्वत्रंता संग्रामी थे। 1921 ई० के असहयोग आन्दोलन में, 1942 ई० के 'भारत छोड़ो आन्दोलन में और अन्य स्वतंत्रता अन्दोलनों में उन्होंने बहुत बार कारावास भी सहा। 1947 ई० में जब देश स्वतंत्र हो गया तब राजेन्द्र जी प्रथम खाद्यमंत्री बने। उसके बाद उन्होंने देश के प्रथम राष्ट्रपति का पद अलंकृत किया। 28 फरवरी, 1963 ई० में उनका देहावसान हो गया।

राजेंद्र प्रसाद स्वभाव से सरल और मधुर भाषी थे। वे भारतीय संस्कृति के प्रशंसक और संवर्धक थे। 'सरल जीवन, उच्च विचार' इनका प्रत्यक्ष उदाहरण था। उन्होंने आजीवन भारतीय वस्त्र पहने। सत्य और सरलता उनके जीवन के मंत्र थे। इन महापुरुष की महान देश सेवा और उत्तम चरित्र हमारे द्वारा अनुकरणीय है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) डॉ० राजेन्द्रप्रसादस्य जन्म बिहारस्य सारणमण्डले 'जिरादेई' ग्रामेऽभवत्।

(ख) एषः महाभागः पटनानगरे उच्चन्यायालये अधिवक्ता अभवत्।

(ग) राजेन्द्रमहोदयः निष्ठावान् उत्साही, परिश्रमी स्वतन्त्रता सङ्ग्रमी च आसीत्।

(घ) 28 फरवरी 1963 तमे ईसवीये अस्य महाभागस्य देहावसानमभवत्।

(ङ) राजेन्द्र महोदयस्य सत्यः सरलता च जीवनमन्त्रौ आस्ताम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) डॉ० राजेन्द्रप्रसादः **स्वतन्त्रभारतस्य** प्रथमः राष्ट्रपतिः आसीत्।

(ख) एषः सम्पूर्णे **कोलकाता विश्वविद्यालये** प्रथमं स्थनमलभत।

(ग) ततः सः देशस्य प्रथमं **राष्ट्रपतिपदं** चालङ्कृतवान्।

(घ) **सत्यः** सरलता च तस्य जीवनमन्त्रौ आस्ताम्।

(ङ) स्वतन्त्रतायाः आन्दोलनेषु सः बहु वारं **कारावासमपि** असहत।

3. निम्नलिखित वाक्यों मे ंअनुचित क्रियाओं पर (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) डॉ० राजेन्द्रप्रसादः प्रथमः राष्ट्रपतिः आसीत्/अ✗न्।

(ख) महापुरुषाणां जन्म आत्मसुखाय न भवति/भ✗।

(ग) वयं डॉ० राजेन्द्रप्रसादस्य आत्मकथां पठिष्यामः/पठि✗न्ति।

(घ) आश्रमे शिष्याः व्यायामं प्रार✗धवान्/प्रारब्धवन्तः।

(ङ) यूयं विद्यालये इतस्ततः धावनं न करिष्यथ/करि✗ामः।

व्याकरण कौशल

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर (क) अधिवक्ता = **वकील**

डॉ० प्रसाद महोदयः प्रसिद्धः **अधिवक्ता** आसीत्।

(ख) राष्ट्रभक्तः = **राष्ट्र का भक्त**

भगत सिंहः महान्–**राष्ट्रभक्तः** आसीत्।

(ग) निष्ठावान् = **निष्ठा वाले**

महात्मा विदुर **निष्ठावान्** आसीत्।

(घ) अनुकरणीयः = **अनुकरण के योग्य**

अस्य महाभागस्य विचारम् : **अनुकरणीयः** अस्ति।

(ङ) संवर्धक = **बढ़ाने वाला**

एषःदेशस्य महान् **संवर्धकः** आसीत्।

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर (क) दशवर्षाण्यासीत् = **दस वर्षों का था**

(ख) अधिवक्ता = **वकील**

(ग) प्रारब्धवान् = **प्रारंभ किया**

(घ) कारावासः = **जेल**

6. संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क) एषाऽतीव = एषा + अति + इव

(ख) इत्येतस्य = इति + एतस्य

(ग) परीक्षयोरपि = परीक्षयो: + अपि +

(घ) जनसेवामकरोत् = जन + सेवाम् + अकरोत्

(ङ) अनुकरणीयमेवास्ति = अनुकरणीयम् + एव + अस्ति

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) अस्माकं प्रथमस्य राष्ट्रपते: जन्म कदा अभवत्?

(ख) डॉ॰ राजेन्द्रप्रसाद: एक: प्रमुख: स्वतन्त्रता सङ्ग्रामी आसीत्।

(ग) गान्धिमाहभगेन सह राजेन्द्रप्रसाद: कारावासेऽपि अगच्छत्।

(घ) महापुरुषाणां जीवनं सरलं विचाराश्च उच्चा: भवन्ति।

(ङ) अध्ययनं समाप्य राजेन्द्र प्रसाद: अधिवक्ता अभवत्।

9 परिश्रमस्य फलम्

हिन्दी अनुवाद–

एक गाँव में एक धनी आदमी था। उसका नाम लक्ष्मीदास था। लक्ष्मीदास के पास अनेक खेत थे। उसने अपने खेतों के खेती कार्य में अनेक नौकरों और सेवकों को लगा रखा था। किंतु लक्ष्मीदास बहुत आलसी था। वह कभी-कभी अपने खेत के निरीक्षण के लिए जाना चाहता था। वह हमेशा अपने नौकरों और सेवकों को भेजकर सभी कृषि-कार्य कराता था।

खेतों में नौकर और सेवक स्वेच्छानुसार कार्य करते थे। वे खेतों में थोड़े समय के लिए काम करके बहुत समय तक इधर-उधर घूमते हुए और व्यर्थ की बातें करते हुए काम करते थे। परिणामस्वरूप लक्ष्मीदास के खेतों की उत्पादन क्षमता कम हो गई। खेतों में बहुत कम धान आदि हुआ। थोड़े समय में ही वह दरिद्र हो गया। उसी गाँव में चरणदास नाम का एक अन्य किसान भी रहता था। उसके पास खेत नहीं थे। वह लक्ष्मीदास की कुछ जमीन लेकर कृषि-कार्य करता था। वह बहुत परिश्रमी था। वह मजदूरों के साथ जाकर खेत में दृढ़ होकर परिश्रम करता था। वह ठीक प्रकार से सिंचाई आदि कार्य समय पर करता था। समय के अनुसार उपजाऊ शक्ति बढ़ाने वाले पदार्थ फेंकता था और श्रमिक बीज बोते थे। चरणदास के परिवार के सदस्य भी उसका सहयोग करते थे। उसने राजकर निकाल कर भी बहुत अन्न उगाया। थोडे समय में ही वह धनी हो गया।

लक्ष्मीदास जब निर्धन हो गया तब उस पर महाजनो का कर्जा आ गिरा। इस प्रकार एक बार वह भूमि बेचने के लिए तैयार हो गया। बेचने की बत सुनकर चरणदास उसके पास गया और बोला– ''मैंने सुना है कि आप अपनी भूमि बेचना चाहते हैं। कृपया आप अपनी भूमि मेरे हाथ दे दें मैं कम मूल्य नहीं दूँगा।'' लक्ष्मीदास ने आश्चर्य सहित पूछा– ''मित्र चरणदास! मेरे पास तो बहुत जमीन थी फिर भी मैं ऋणी हो गया किंतु तुमने यह धन किस रूप में प्राप्त किया और फिर तुम कुछ भूमि लेकर ही कृषि-कार्य आदि करते हो और इसी कार्य से राजकीय ऋण भी दे दिया, गृहस्य धर्म का भी पालन किया, फिर भी भूमि खरीदने के लिए मूल्य देने के लिए कैसे कह रहे हो?'' चरणदास बोला– ''यह धन मुझे किसी भी ने नहीं दिया धन तो मैंने परिश्रम करके उगाए धान्यों से पाया है। अब लक्ष्मीदास समझ गया कि धन-धान्य आदि परिश्रम से ही पाया जाता है, आलसी होकर नहीं।''

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) लक्ष्मीदास: कृषिकर्मणि अनेकान् भृत्यान् सेवकाञ्च नियोजितवान्।

(ख) लक्ष्मीदासस्य भृत्या: सेवका: च अलसा: कर्मचौराश्च आसन्।

(ग) चरणदास: स्व परिश्रमेण धनिक: अभवत्।

(घ) निर्धनो ऋणी च भूराा लक्ष्मीदास: भूमिं विक्रेतुम् उद्यतो जात:।

(ङ) चरणदास: लक्ष्मीदासम् अवदत् यत् 'एतद् धनं मह्यं केनापि न प्रदत्तम्। एतद् धनं तु मया परिश्रमं कृत्वा उत्पादनधान्यै: प्राप्तम् इति।'

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) लक्ष्मीदास: बहु **प्रमादी** आसीत्।

(ख) क्षेत्रेषु **भृत्या: सेवका:** च स्वेच्छानुसारं **कार्यं** कुर्वन्ति स्म।

(ग) परिणामत: लक्ष्मीदास स्म **क्षेत्रोत्पादन** क्षमता **क्षीणा** अभवत्

(घ) अल्प **काले** स: धनिक: अभवत्।

(ङ) मम पार्श्वे तु **बहुभूमिरासीत्** पुनरपि अहम् ऋणी जात:।

व्याकरण कौशल

3. संधि कीजिए–

उत्तर (क) पुन: + च = पुनश्च

(ख) निर्धन: + अभूत् = निधनोऽभूत्

(ग) केन + अपि = केनापि

(घ) भूमि: + आसीत् = भूम्रिासीत्

(ङ) ऋणम् + अपि = ऋणमपि

(च) तस्य + उपरि = तस्योपरि

4. संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) निधनोऽभूत् = निर्धन: + अभूत्

(ख) सेवकाञ्च = सेवकान् + च

(ग) तस्योपरि = तस्य + उपरि

(घ) अनेनैव = अनेन + एव

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए–

उत्तर (क) ऋणभारम् = **कर्ज का भार**

शनै: शनै: तस्योपरि **ऋणभारम्** अभवत्।

(ख) कृषिकार्यादिकम् = **कृषिकार्य आदि**

स: परिश्रमेण **कृषिकार्यादिकं** करोति स्म।

(ग) श्रमिक: = **मजदूर**

एष: **श्रामिक:** बहु परिश्रमी अस्ति।

(घ) अल्पकाल: = **थोड़ा समय**

कार्यं शीघ्रं समापयत, **अल्पकाल:** एव अधुना।

(ङ) कालक्रम = **समय के अनुसार**

परीक्षाया: को **कालक्रम:**?

(च) विक्रेतुम् = **बेचने के लिए**

स: फलानि **विक्रेतु** प्रतिदिनं नगरं गच्छति।

6. निम्नलिखित क्रियाओं की मूल धातु, पुरुष और वचन लिखिए–

उत्तर

	क्रियापदम्		मूलधातु:	पुरुष	वचनम्
(क)	आसन्	=	अस्	प्रथम:	बहुवचनम्
(ख)	अपृच्छत्	=	पृच्छ्	प्रथम:	एकवचनम्
(ग)	अभवम्	=	भू	उत्तम:	एकवचनम्
(घ)	इच्छति	=	इष्	प्रथम:	एकवचनम्
(ङ)	अवसत्	=	वस्	प्रथम:	एकवचनम्
(च)	अवसत्	=	कृ	प्रथम:	एकवचनम्

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) लक्ष्मीदासस्य सेवका: भृत्याश्च इतस्तत: भ्रामान्ति।

(ख) अल्पसमये एव लक्ष्मीदास: निर्धनोऽभूत्।

(ग) चरणदास: स्व श्रमिकै: सह बहु परिश्रमं करोति स्म।

(घ) अहम् अल्पं मूल्यं न दास्यामि।

(ङ) मया एतत् धनं परिश्रमेण प्राप्तम्।

10 चन्द्रशेखर:

हिन्दी अनुवाद–

"तुम्हारा नाम क्या है?"

"आजाद!"

"तुम्हारे पिता कौन है?"

"स्वाभिमान।"

"तुम्हारा निवास-स्थान कहाँ है?"

"कारावास।"

ऐसा उत्तर था परम निर्भीक पंद्रह वर्षीय बालक चंद्रशेखर आजाद का। इन उत्तरों से क्रुद्ध अंग्रेज न्ययाधीश ने उन्हें पंद्रह बेंत मारने का आदेश दिया। चंद्रशेखर ने उस कठोर बेंत के प्रहार को सहर्ष सहा।

परमपुण्या वाराणसी नगरी महावीर चंद्रशेखर का जन्म स्थान थी। प्रसिद्ध 'क्वीन्स कॉलेज' नामक संस्कृत महाविद्यालय के

दीप्तिमान छात्र चंद्रशेखर ने स्वयं को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दिया था। 'जलियाँवाला' कांड में अंग्रेजी शासन की नृशंसता सुनकर, विचलित होकर उन्होंने उस क्रूर शासन से देश की मुक्ति के लिए संकल्प किया। सशस्त्र संग्राम के लिए धन इकट्ठा करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ आजाद ने। 'काकोरी' नामक स्थान पर राजकोष छीन लिया। लाला लाजपतराय जी के घातक 'साण्डर्स' नामक अंग्रेज को उन क्रांतिकारियों ने मार दिया। केंद्रीय विधान सभा में इनके विस्फोट से अंग्रेजी शासन भी भयाक्रांत हो गया।

किंतु ओह! काल की कुटिल गति! 1931 ई० फरवरी महीने की 22 ता० थी। परमवीर चंद्रशेखर प्रयागनगर के 'अल्फ्रेड' नामक उद्यान में बैठे थे। अचानक वे अंग्रेज सैनिकों से घेर लिए गए। फिर भी बड़े सहास से अपनी पिस्तौल से उन्होंने अनेक अंग्रेज सैनिको को मार गिराया। किंतु आजाद अकेले थे और सैनिक बहुत संख्या में। इसलिए जब उनके पास एक ही गोली बची तब उन्होनें उस गोली से स्वयं को मार लिया। ऐसी वीरगति पाकर आजाद अंततः 'आजाद' ही रहे।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) चन्द्रशेखरः 'क्वीन्स कॉलेज' नामकस्य महाविद्यालयस्य छात्रः आसीत्।
(ख) चन्द्रशेखरस्य जन्मस्थानं परमपुण्या वाराणसी नगरी आसीत्।
(ग) 'काकारी' काण्डे आजादः राजकीयकोषम् अपहृतवान्।
(घ) 'अल्फ्रेड' उद्यानं प्रयागनगरे अस्ति।
(ङ) अन्तिमया अवशिष्टया गुलिकया आजादः आत्मानं निहतवान्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) क्रुद्धः न्यायधीशः तस्मै **पञ्चदशवारं वेत्राघातम् आदिष्टवान्**।
(ख) देशस्य **मुक्तये** तेन सङ्कल्पः कृतः।
(ग) अनेन विस्फोटनेन शासनः अपि **भयाक्रान्तः** जातः।
(घ) अहो, कालस्य **कुटिला** गतिः।

3. सही कथनों पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗

व्याकरण कौशल

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर (क) वेत्राघातम् = बेंत का प्रहार
(ख) दीप्तिमान् = प्रतिभाशाली
(ग) मुक्तये = आजादी के लिए
(घ) गुलिका = गोली
(ङ) घातकः = मार देने वाला
(च) उपविष्टः = बैठा

5. संधि कीजिए–

उत्तर (क) महा + उदयस्य = महोदयस्य
(ख) आत्मानम् + एव = आत्मानमेव
(ग) सम् + कृतम् = संस्कृतम्
(घ) न्याय + अधीश = न्यायाधीशः

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) चन्द्रशेखरः आजादः एकः महान् क्रान्तिकारी आसीत्।
(ख) चन्द्रशेखरः वाराणस्यां जन्म अलभत।
(ग) आजादः संस्कृतस्य छात्रः आसीत्।
(घ) आजादः अन्ततः आजादः अतिष्ठत्।

11 गृध्रमार्जारयोः कथा

हिन्दी अनुवाद–

एक वन में एक विशाल बरगद का पेड़ था। वहाँ एक जरद्गव नामक का गिद्ध रहता था। दूसरे पक्षी उस जरद्गव को अपने आहार से थोड़ा-थोड़ा देते थे। वह भी पक्षियों के बच्चों की रक्षा करता था।

एक बार दीर्घकर्ण नामक एक बिलाव पक्षियों के बच्चों को खाने के लिए वहाँ आ गया। उसे देखकर बच्चों ने भय से कोलाहल किया। वह सुनकर जरद्गव ने बिलाव को पूछा– "कौन हो तुम? यहाँ कैसे आए हो?" वह बोला– "मै बिलाव हूँ।" गिद्ध बोला– "बिलाव तो मांसप्रिय होते है। यहाँ पक्षियों के शावक निवास करते हैं। इसलिए यहाँ से तुम दूर जाओ, अन्यथा तुम्हें मार डालूँगा।" बिलाव बोला– "मैं नित्य गंगा में स्नान करके अहिंसा-व्रत का आचरण करता हूँ। आप बहुत ही धर्मपरायण हैं जानता हूँ। इसलिए

यहाँ धर्मवार्ता सुनने आया हूँ। मेरा विचार है– "अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है।"

इस प्रकार उस दुष्ट बिलाव ने गिद्ध का विश्वास जीत लिया। उसके बाद वह बिलाव प्रतिदिन पक्षियों के बच्चों को कोटर में ले जाकर खाता था। क्रमश: शिशुओं के अभाव से चिंतित पक्षियों ने इधर-उधर खोज की। उन्होंने वृक्ष के कोटर में हड्डियाँ देखीं। उन्होंने सोचा कि जरद्गव ने ही शिशुओं को खा लिया। इसलिए उन्होंने मिलकर उस जरद्गव को मार दिया। इसीलिए कहा जाता है– "किसी भी अपरिचित को जिसके कुल, स्वभाव से परिचित न हों वास नहीं देना चाहिए।"

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) गृध्र: विशाले वटवृक्षे वसति स्म।

(ख) गृध: मार्जारम् अवदत् यत् 'मार्जारा: तु मांसप्रिया: भवन्ति। अत्र पक्षिशावका: निवसन्ति। अत: अस्मात् त्वं दूरं गच्छ, अन्यथा त्वां मारयिष्यामि।'

(ग) मार्जार: प्रतिदिनं खगशिशून् कोटरे नीत्वा खादति स्म।

(घ) खगा: जरद्गवं हतवन्त:।

(ङ) अज्ञातकुलशीलस्य वासो न देय।

व्याकरण कौशल

2. निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलिए–

उत्तर (क) **ते**ऽपि तस्मै स्वाहारात् किञ्चित् **यच्छन्ति** स्म।

(ख) **खगशिशव:** कोलाहलं **कृतवन्त**:।

(ग) **यूयं** दूरं **गच्छत**।

(घ) **ते अवदन्**– "**वयं** मार्जारा:।"

(ङ) **वयं** चन्द्रं **दृष्टवन्त**:।

(च) **बका:** जरद्गवं **हतवन्त**:।

3. संधि कीजिए–

उत्तर

(क) खग:	पञ्चमी विभक्ति:	= खगात्	खगभ्याम्	खगेभ्य:
(ख) शिशु:	द्वितीया विभक्ति:	= शिशुम्	शिशू	शिशून्
(ग) भय:	सप्तमी विभक्ति:	= भये	भययो:	भयेषु
(घ) गुरु:	चतुर्थी विभक्ति:	= गुरवे	गुरुभ्याम्	गुरुभ्य:
(ङ) कोटर:	सप्तमी विभक्ति:	= कोटरे	कोटरयो:	कोटरेषु
(च) मार्जार:	तृतीया विभक्ति:	= मार्जारेण	मार्जाराभ्याम्	मार्जारै:

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर (क) आगतवान् = किं वैभव: गृहम् **आगतवान्**?

(ख) खगशिशु = **खगशिशु:** कोलाहलं कृतवान्।

(ग) अवदत् = स: **अवदत्** यत् त्वम् इत: शीघ्रं गच्छ।

(घ) प्रतिदिनम् = स: **प्रतिदिनं** धावति।

(ङ) खादितवान् = मार्जार: अनेकान् खगशिशून् **खादितवान्**।

(च) अस्थीनि = तेन तानि **अस्थीनि** कोटरे स्थापितानि।

5. संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) स्वाहारात् = स्व + आहारात्

(ख) तत्रागतवान् = तत्र + आगतवान्

(ग) गृध्रोऽवदत् = गृध्र: + अवदत्

(घ) इतस्तत: = इत: + तत:

(ङ) सोऽवदत् = स: + अवदत्

(च) भवन्त्येव = भवन्ति + एव

6. संधि कीजिए–

उत्तर (क) स: + अपि = सोऽपि

(ख) महा + ऋषि: = महर्षि:

(ग) देव + देवालय: = देवालय:

(घ) यदि + अपि = यद्यपि

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) वने एक: वटवृक्ष: आसीत्।

(ख) गृध्रस्य नाम जरद्गव: आसीत्।

(ग) अहिंसा परमोधर्म:।

(घ) दीर्घकर्ण: एक: मार्जार: आसीत्।

(ङ) अक्षाताय आश्रायो न देय:।

12 महाकवि: कालिदास

हिन्दी अनुवाद–

संस्कृत साहित्य में महाकवि कालिदास सभी कवियों में श्रेष्ठ हैं। इन कवि ने कब और कहाँ जन्म पाया और इनके जीवन चरित्र आदि के विषय में विद्वानों के विविध मत हैं। कालिदास के विषय में एक प्रसिद्ध किंवदंती है। विद्योत्तमा नाम की एक विदुषी राजकुमारी थी। ''जो मुझे ज्ञान द्वारा पराजित करेगा वह मेरा पति होगा,'' ऐसी उसकी घोषणा थी। अनेक विद्वानों ने उसके साथ शास्त्रार्थ किया किंतु वे सभी पराजित हो गए। पराजय से कुपित उन्होंने कपट से एक मूर्ख व्यक्ति से विद्योत्तमा का विवाह करा दिया। एक बार रात को ऊँट की आवाज सुनकर 'उट्र: उट्र:, ऐसा उसने मूर्ख व्यक्ति ने कहा। उसके इस अशुद्ध उच्चारण से विद्योत्तमा जान गई कि उसका विवाह एक मूर्ख व्यक्ति के साथ हुआ है, न कि विद्वान के साथ। इससे दुखी विद्योत्तमा ने उसे अपमानित करके घर से निकाल दिया।

पत्नी के ऐसे व्यवहार से अत्यधिक दुखी उस व्यक्ति ने महाकाली देवी की पूजा की। देवी की कृपा से इन्होंने अनुपम विद्वत्ता और कवित्व पाया, उसके बाद ये 'कालिदास नाम से प्रसिद्ध हो गए। तदनंतर कालिदास अपनी पत्नी विद्योत्तमा के समीप गए उन्हें देखकर विद्योत्तमा ने पूछा, अस्ति, 'कश्चित्', वृग्विशेष:, इन तीन पदों पर आश्रित क्रमश: 'क्रमारसम्भवम्, 'मेघदूतम्', 'रघुवंशम्', ये तीन काव्य रचे। महाकवि कालिदास की अनेक कृतियाँ हैं– 'रघुवंशम्', 'कुमार सम्भवम्',। ये दो महाकाव्य, 'मेघदूतम्', 'ऋतु संहारम्', ये गीतकाव्य, 'मालविकाग्निमित्रम्', विक्रमोर्वशीयम् 'अभिज्ञानशाकुन्तलाम्' ये तीन नाटक। इन रचनाओं में 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्', सर्वश्रेष्ठ कृति मानी गई है।

कालिदास ने अपनी रचनाओं ने विविध कथाओं, स्थानों और पात्रों का सजीव चित्रण किया। मेघदूत में यक्ष का विरह, अभिशान शाकुनतलम्, में शकुन्तलता का पतिग्रहगमन, रघुवंश में दिलीप की गोसेवा इत्यादि वर्णन बहुत ही आकर्षक है। वन, नदी, मेघ, वर्षा इत्यादि प्रकृति के विविध अंगों का सरस चित्रण किसके चित्तत को प्रसन्न नहीं करता है। उपमा अलंकार के प्रयोग में महाकवि सबसे बढ़कर हैं। इसलिए 'उपमा कालिदासस्य' उक्ति विख्यात ही है।

कालिदास के काव्य और नाटक संस्कृत साहित्यागार में अमूल्य रत्नों के समान चमकते हैं। उन अनुपम काव्य रचनाओं द्वारा अमर ये महाकवि 'कविकुलगुरू' उपाधि से प्रतिष्ठित हैं।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) संस्कृतसाहित्ये महाकवि: कालिदास: कविकुलगुरु: कथ्यते।

(ख) कालिदासस्य विवाह: एकया विदुष्या राजकन्यया विद्योत्तमया सह अभवत्।

(ग) कालिदासस्य द्वे महाकाव्ये स्त: रघुवंशम्, कुमार सम्भवम्।

(घ) दिलीपस्य गोसेवा रघुवंशकाव्ये अस्ति।

(ङ) कालिदासस्य सर्वश्रेष्ठं नाटकं अभिज्ञानशाकुन्तलम् अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) महाकवि: कालिदास: सर्वेषु कविषु **श्रेष्ठोऽस्ति**।

(ख) य: मां **विद्यया** पराजेष्यति स: मम **पति:** भविष्यति।

(ग) तदनन्तरं कालिदास **स्वपत्नीं** विद्योत्तमां **निकषागच्छत्**।

(घ) उपमालङ्कारस्य प्रयोगे महाकवि: सर्वानतिशेते।

(ङ) **उपमा कालिदासस्य** इत्युक्ति: विख्यातैवास्ति।

व्याकरण कौशल

3. संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क)	विद्योत्तमा	=	विद्या	+	उत्तमा
(ख)	मूर्खेणैव	=	मूर्खेण	+	एव
(ग)	एषोऽनुपमम्	=	एष:	+	अनुपमम्
(घ)	इत्युक्ति:	=	इति	+	उक्ति:
(ङ)	रत्नानीव	=	रत्नानि	+	इव

4. निम्नलिखित विग्रहों के समस्तपद लिखिए–

	विग्रह:		समस्तपदम्
उत्तर (क)	महान् चायं कवि:	=	महाकवि:
(ख)	विद्यायाम् उत्तमा	=	विद्योत्तमा
(ग)	राज्ञ: कन्या	=	राजकन्या
(घ)	मूर्ख: चासौ जन:	=	मूर्खजन:
(ङ)	नास्ति मूल्यं येषां तानि	=	अमूल्यानि

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

उत्तर (क) श्रेष्ठ = **तुच्छः** (ख) विरह = **मेलनम्**
(ग) जन्म = **मृत्युः** (घ) अमरः = **मर्त्यः**
(ङ) पण्डितः = **अपण्डितः** (च) गुरु = **शिष्यः**
(छ) निकषा = **दूरम्** (ज) **कुपितः** = **प्रसन्नः**

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) कालिदासस्य विषये एका किंवदन्ती प्रसिद्धा अस्ति।
(ख) यः मां विद्यया पराजेष्यति स एव मम पतिः भविष्यति।
(ग) कालिदासेन त्रयाणां काव्यानां-रचना कृता।
(घ) कालिदासस्य उपमा प्रसिद्धा अस्ति।
(ङ) कालिदास कविकुलगुरुः नाम्ना प्रसिद्धः अस्ति।

13 उद्यान-भ्रमणम्

हिन्दी अनुवाद–

शिक्षक — माली! हम आपके बगीचे में आ रहे हैं। आपका बगीचा बहुत सुंदर है। अनेक लोग प्रतिदिन इस बगीचे में घूमने आते हैं। हम आपसे कुछ पूछना चाहते हैं।

माली — जैसा चाहो पूछो तुम सब। यदि मैं समर्थ होऊँगा तो दूँगा।

शिक्षक — माली! आपके बगीचे में कितने वृक्ष हैं?

माली — मेरे बगीचे में पाँच सौ से भी अधिक वृक्षा हैं।

एक छात्र — महाशय! आपके बगीचे में किस-किस फल के वृक्ष है?

माली — यहाँ आमों, केलों, जामुनों, शरीफों और शहतूतों के वृक्ष हैं।

दूसरा छात्र — क्या आपके बगीचे में लीचियों, सेबों, और नाशपातियों के के भी वृक्ष हैं?

माली — ये फल ठंडे प्रदेशों में होते हैं। मेरा बगीचा तो गर्म प्रदेश में स्थित है। लीचियाँ विशेष रूप से देहरादून में होती हैं। अन्य फल काश्मीर अथवा हिमाचल प्रदेश में उत्पन्न होते हैं।

तीसरा छात्र — क्या यहाँ नीम के वृक्ष नहीं हैं?

माली — वहाँ देखिए आप। वहाँ नीम, शीशम, सुहांजना, कचनार और दूसरे भी वृक्ष हैं। वे वृक्ष हमें छाया देते हैं।

शिक्षक — भद्र! तुम्हारे बगीचे में अब कौन-से फल पके हैं?

माली — अब तो आम और केले पके हैं।

शिक्षक — तो हमारे लिए आम लाओ। हम सभी कुएँ के जल से उन्हें धोकर खाएँगे और मूल्य देंगे।

माली — लाता हूँ कमरे से महोदय।

(माली जाता है, कुछ आम लाता है। लीजिए ये आम।

शिक्षक — अहा! बहुत सुंदर फल। ये फल बहुत मीठे होंगे।

माली — ये फल बहुत ही मीठे हैं।

शिक्षक — इनका कितना मूल्य है?

माली — केवल पचपन रुपये। (शिक्षक माली को पचपन रुपये देते हैं। उसके बाद सभी को आम देते हैं। छात्र कुएँ की ओर जाते हैं। वहाँ जल से आमों को धोकर सभी छात्र और शिक्षक उन्हें खाते हैं और प्रसन्न होते हैं।)

शिक्षक — मैं सभी के साथ इस समय बगीचे का आनंद अनुभव कर रहा हूँ। बगीचे में सुशोभित ये वृक्ष जैसे मधुर फल देते हैं, वैसे ही जीवनोपयोगी लकड़ी आदि भी देते हैं और वातावरण स्वच्छ करते हैं। ये वृक्ष हमारे जीवन के लिए बहुत आवाश्यक हैं। इसलिए हम सभी बगीचों के संरक्षण और संवर्धन में संलग्न हों "वृक्षों की कटाई पाप है, वृक्षों का रोपण कल्याणकारी है।"

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर (क) उद्याने आम्राणाम्, कदलीफलानाम्, जम्बूफलानाम् तूतानां च वृक्षा: सन्ति।

(ख) वातावरणं वृक्षा: स्वच्छं कुर्वन्ति।

(ग) मालाकार: कोष्ठात् आम्राणि आनयति।

(घ) मालाकारस्य उद्यानम् उष्णप्रदेशे स्थित: अस्ति।

(ङ) लीचीका: फलानि विशेषत: देहरादूननगरे भवन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर (क) वयं भवत: **उद्याने** आगच्छाम:।

(ख) अधुना तु आम्राणि **कदलीफलानि** च पक्वानि सन्ति।

(ग) अहं यदि **शक्ष्यामि** तर्हि उत्तरं दास्यामि।

(घ) छात्रा: **कूपं** प्रति गच्छन्ति।

(ङ) वयं सर्वे **उद्यानानां** संरक्षणे संवर्धने च संलग्ना: भवेम।

व्याकरण कौशल

3. **निम्नलिखित शब्दों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए–**

उत्तर (क) अधिका: = मम उद्याने शतादपि **अधिका:** वृक्षा: सन्ति।

(ख) वृक्षा: = **वृक्षा:** पर्यावरणसंशोधने सहायका: सन्ति।

(ग) फलस्य = भो:! **फलस्य** आवरणम् अवतार्य भक्षय।

(घ) मनोहराणि = एतानि पुष्पाणि तु अतीव **मनोहराणि** सन्ति।

(ङ) मूल्यम् = एतेषां फलानां कियत् **मूल्यम्**?

4. **निम्नलिखित शब्द रूपों के लिंग, विभक्ति एवं वचन लिखिए–**

	शब्द:	लिङ्गम	विभक्ति:	वचनम्
उत्तर (क)	भवन्त:	= पुंल्लिङ्गम्	प्रथमा	बहुवचनम्
(ख)	कस्य	= पुंल्लिङ्गम्, नपुंसकलिङ्गम्	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	मनोहराणि	= नपुंसकलिङ्गम्	प्रथमा, द्वितीया	बहुवचनम्
(घ)	अस्माभि	= उभयलिङ्गम्	तृतीया	बहुवचनम्

5. **हिंदी में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर (क) हम आपके बगीचे में आ रहे हैं।

(ख) आपके बगीचे में किस-किस फल के वृक्ष हैं?

(ग) हम आपसे कुछ पूछना चाहते हैं।

(घ) मेरा बगीचा तो गर्म प्रदेश में स्थित है।

(ङ) ये फल बहुत ही मधुर हैं।

14 राजा शिवि:

हिन्दी अनुवाद–

एक धार्मिक करुणावन शिवि नाम के राजा थे। उनके धर्म की प्रसिद्धि यहाँ वहाँ सब जगह थी। इंद्र ने उनके धर्म की प्रसिद्धि की परीक्षा लेनी चाही। इसलिए उन्होंने बाज का रूप धारण करके माया से अग्नि को कबूतर के रूप में बदलकर शीघ्र उसका पीछा किया। बाज मनुष्य की वाणी में बोला– ''राजन्! मैं भूखा हूँ। यह कबूतर तुम्हारी गोद में आ गया है, यह कबूतर छोड़ दो। नहीं तो मैं भूख से मर जाऊँगा।''

तब धर्म संकट में डूबे शिवि बाज को बोले– ''हे अतिथिराज! यह कबूतर मेरी शरण में आ गया है इसलिए मैं इसे छोड़ नहीं सकता हूँ।'' बाज बोला– ''किंतु महाराज! यह कबूतर तो मेरा भोजन है। और फिर मैं भी तुम्हारी शरण में हूँ। मेरे प्रति तुम्हारा शरणार्थी समान व्यवहार.........''

राजा बोले– ''क्षमा कीजिए अतिथि महोदय! क्षमा कीजिए! मैं इसके बराबर तुम्हें मांस देता हूँ।'' ऐसा कहकर उस राजा ने प्रसन्नता से तलवार लेकर स्वयं ही अपना मांस काटकर तराजू में रख दिया किंतु कबूतर का भार अधिक था। बाज की भूख दूर करने के लिए शिवि स्वयं तराजू में बैठ गए। तब स्वर्गलोक पुष्पवृष्टि हुई।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर (क) शिवि: धार्मिक: करुणापर: राजा आसीत्।

(ख) एकदा शिवे: परीक्षणाय इन्द्र: आगत:।

(ग) इन्द्र: श्येनरूपे आगत:।

(घ) कपोतस्य भार: मांसादधिक: आसीत्।

(ङ) राजा शिवि: श्येनस्य क्षुधार्थं स्वयं तुलायाम् उपविष्ठ:।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) इन्द्र: तस्य धर्मस्य **परीक्षणाय** ऐच्छत्।

(ख) अहं क्षुधित: **अस्मि**।

(ग) नोचेदहं नूनं क्षुधाया: **मृतो** भविष्यामि।

(घ) कपोतोऽयं **मम** शरणागत:।

(ङ) स: राजा प्रसन्नतया खड्गमादाय स्वयमेव आत्ममांसं समुत्कृत्य तुलायां **स्थापयत्**।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित कथन 'शुद्ध' है अथवा 'अशुद्ध'?

उत्तर (क) एक करुणापर: शिवि: धार्मिक: आसीत्। **शुद्ध**

(ख) कपोतरूपे इन्द्र: आसीत्। **अशुद्ध**

4. संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) तवाङ्के = तव + अङ्के

(ख) शरणागत: = शरण + आगत:

(ग) नासीत् = न + आसीत्

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर (क) ऐच्छत् = **चाहा**

(ख) धृत्वा = **धारण करके**

(ग) उवाच = **बोला**

(घ) क्षम्यताम् = **क्षमा कीजिए**

5. निम्नलिखि वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) शिवि: खगस्य वधं न अकरोत्।

(ख) राजा स्वात्मानम् अदण्डयत्।

(ग) राजा स्वशरीरं खड्गेन अकृन्तत्।

(घ) श्येनरूपे इनद्र: आसीत्।

(ङ) आकाशात् पुष्पवृष्टि: अभवत्।

15 कल्पित: भिक्षुक

हिन्दी अनुवाद–

एक भिक्षुक था। वह प्रतिदिन भिक्षाटन करता था। भिक्षा से संचित धन से वह गेहूँ का आटा खरीदता था। वह बहुत ही कंजूस था। इसलिए वह आटे को न खाकर एक मिट्टी के घड़े में इकट्ठा करता था। यह घड़ा उसके बिस्तर के पास खूँटी पर टँगा हुआ था।

एक बार उसने सोते हुए सोचा– ' शीघ्र ही गेहूँ के आटे से मैं घड़े को भर लूँगा। आटे से भरे घड़े को बाजार ले जाऊँगा। वहाँ सारा आटा बेचूँगा। उससे बहुत सारा धन आएगा। उस धन से एक गाय खरीदूँगा। गाय से पर्याप्त दूध होगा। दूध की एक बूँद भी बिना मूल्य के किसी को भी नहीं दूँगा। दूध बेचने से जो धन आएगा उससे एक सुंदर घर बनाऊँगा। उसके बाद विवाह करूँगा और सुख से रहूँगा।'

भिक्षुक ने आगे सोचा– 'कभी मेरी पत्नी अपने पिता के घर जाने के लिए बोलेगी। मैं मना करूँगा। वह अधिक प्रार्थना करेगी, बार–बार उसके लिए बोलेगी, मैं गुस्सा हो जाऊँगा। गुस्से से उस हठी पत्नी को पैर से मारूँगा।' ऐसा सोचते हुए उस भिक्षुक ने आटे से भरे उस घड़े को ही पैर से मार दिया। मिट्टी का घड़ा फूट गया और जमीन पर फैल गया। काल्पनिक के सुख का मूल ही नष्ट हो गया। इसी तरह परिश्रमहीन व्यक्ति का केवल कल्पना किया गया सुख दुख के लिए ही होता है। कहा है–

"परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मनोरथों से नहीं।"

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) भिक्षुक प्रतिदिनं भिक्षाटनं करोति स्म।

(ख) घट: एकस्मिन् नागदन्ते लम्बमान: आसीत्।

(ग) भिक्षुक: अचिन्तयत् यत् शीघ्रमेव गोधूमचूर्णेन अहं घटं पूरयिष्यामि। चूर्णपूरित घटं हट्टं नेष्यामि। तत्र सम्पूर्णं चूर्णं विक्रेष्यामि। तेन प्राप्तेन धनेन एकां धेनुं क्रेष्यामि। यस्या: दुग्धस्य बिन्दुमपि विना मूल्येन कस्मै

अपि न दास्यामि। सर्वं दुग्धं तेन धनेन एकं सुन्दरं भवनं निर्मापयिष्यामि। ततः विवाहं कृत्वा सुखेन निवसिष्यामि। यदा मम भार्या मभिनिषेधिते अपि स्व पितृगृहं गन्तुं, वारं वारं वदिष्यति तदा। क्रोधेन ताम् अबाध्यां पत्नीं पादेन ताडयिष्यामि इति।

(घ) चूर्णपूरितः घटः पादे ताडनेन भग्नः।

(ङ) दुःखाय कल्पितं सुखं भवति।

2. उपयुक्त शब्दों रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) भिक्षुकः अतीव **कृपणः** आसीत्।

(ख) पादेन **अबाध्यां** पत्नीं ताडयिष्यामि।

(ग) **कल्पितं** सुखं दुःखाय एव भवति।

(घ) **तेन** धनेन धेनुं क्रेष्यामि।

(ङ) भिक्षुकः **चूर्णपूरितं** घटमेव पादेन अताडयत्।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए।

उत्तर (क) भिक्षया = **भिक्षा द्वारा**

अयं साधु **भिक्षया** स्व जीवनं यापयति।

(ख) शय्यायाम् = **बिस्तर पर**

भिक्षुकः शीघ्रमेव शय्यांयां शयितः।

(ग) विक्रेष्यामि = **बेचूँगा**

अहम् एनां धेनुं न विक्रेष्यामि।

(घ) निर्मापयिष्यामि = **बनाऊँगा**

तेन धनेन अहं सुन्दरं गृहं निर्मापायिष्यामि।

(ङ) तदर्थम् = **उसके लिए**

सा तदर्थं मुहुर्मुहुः वदिष्यति।

(च) मनोरथैः = **मनोरथों से**

कार्याणि परिश्रमेण सिद्धयन्ति मनोरथैः न।

4. संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क)	मृद्घटे	=	मृद्	+	घटे
(ख)	चूर्णपूरितम्	=	चूर्ण	+	पूरितम्
(ग)	घटमेव	=	घटम्	+	एव
(घ)	गोधूमचूर्णम्	=	गोधूम	+	चूर्णम्
(ङ)	मूलमेव	=	मूलम्	+	एव

5. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण छाँटकर लिखिए–

उत्तर (क) कृपणः (ख) सुन्दरं

(ग) चूर्णपूरितः (घ) कल्पितं

(ङ) मधुरं

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) दुग्धस्य एकं बिन्दुमपि अहं कस्मै अपि न दास्यामि।

(ख) मम भार्या मुहुर्मुहुः गृहं गन्तुं कथयिष्यति।

(ग) अहं तां पादेन ताडयिष्यामि।

(घ) धनंम् एकत्रितं कृत्वा गृहं निर्मापयिष्यामि।

(ङ) परिश्रमेण कार्याणि सिद्धयन्ति।

16 आज्ञाकारी शिष्यः

हिन्दी अनुवाद–

प्राचीनकाल में एक धौम्य नाम के महर्षि थे। उनके अनेक शिष्य थे। उनमें आरुणि नाम का भी शिष्य था। एक बार बादल बरसने पर गुरु जी ने आरुणि को आदेश दिया– ''वत्स! खेत की मेड़ बाँधकर रक्षा करो।''

आरुणि वह सुनकर शीघ्र गया। वहाँ सभी जलमार्गों को मिट्टी से बाँधा किंतु एक मार्ग को बाँधने में असमर्थ रहा। मिट्टी जल के वेग से वहाँ ठहर न सकी। तब आरुणि स्वयं ही वहाँ लेट गया। उसके बाद जल का प्रवाह बंद हो गया।

वैसे रहते हुए वह दिन बीत गया। सायंकाल उसे न देखकर ऋषि ने शिष्यों को पूछा– ''कहाँ गया आरुणि।'' उन्होंने उत्तर दिया– ''आप ही ने भेजा खेत की मेंड बाँधने के लिए।'' तब ऋषि बोले– ''तो

हम सब वहाँ जाते है जहाँ वह आरुणि गया है।'' उसके बाद सभी खेत की ओर गए।

''हे आरुणि! कहाँ हो? वत्स! यहाँ आओ! गुरूजी ने उच्च स्वर से कहा।''

आवाज सुनकर आरुणि खेत की मेंड़ से उठकर गुरु जी के सामने उपस्थित हुआ और बोला–

''यह हूँ भगवन्! निकलते जल को रोकने के लिए खेत की मेंड़ में लेटा था। आज्ञा दीजिए अब क्या करूँ?''

आरुणि द्वारा ऐसा कहने पर ऋषि गुरु भक्ति से विस्मित हुए और स्नेह से बोले– ''वत्स! तुम मेरे अभूतपूर्व शिष्य हो तुम्हारा कल्याण हो! सभी वेद और शास्त्र तुम्हें प्रतिभासित हो जाएँ। यही मेरा आशीर्वाद है।''

उसके बाद आरुणि ने गुरु जी की कृपा से थोड़े समय में ही सभी विद्याएँ सीख लीं।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) आरुणि: महर्षे: धौम्यस्य शिष्य: आसीत्।

(ख) गुरु:आरुणिं केदारखण्डं बद्धुम् आदिशत्।

(ग) जलस्य प्रवाह: आरुणिणा जलमार्गे स्वयं शयिते रुद्धोऽभवत्।

(घ) आरुणिन: गुरुभक्त्या: विस्मितो भूत्वा गुरु: अवदत् यत्– ''वत्स! त्वं मम अभूतपूर्व: शिष्य:। कल्याणं ते भवतु! सर्वे वेदा: शास्त्राणि च तव प्रतिभान्तु। अयं हि मम आशीर्वाद:।''

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) आरुणि: तत् श्रुत्वा त्वरितम् अगच्छत्।

(ख) तथा संस्थितस्य तस्य तद्दिनं व्यतीतम्।

(ग) तदा आरुणि: स्वयमेव तत्र समाविशत्।

(घ) ततो जलस्य प्रवाहो रुद्धोऽभवत् ।

(ङ) तथा संस्थितस्य तद्दिनं व्यतीतम्।

3. सही कथनों पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✗ (ख) ✓

(ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

व्याकरण कौशल

4. निम्नलिखित शब्दों के काल और पुरुष लिखिए।

उत्तर (क) अभवत् = **भूतकाल:** **प्रथम: पुरुष:**

(ख) गत: = **भूतकाल:** **प्रथम: पुरुष:**

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) यह हूँ भगवन्!

(ख) आज्ञा दीजिए क्या करूँ अब?

(ग) वत्स! तुम मेरे अभूतपूर्व शिष्य हो।

(घ) तुम्हारा कल्याण हो।

(ङ) सभी वेद और शास्त्र तुम्हें प्रतिभासित हो जाएँ।

संस्कृत भाग 7

1 वन्दना

हिन्दी अनुवाद–

1. जो अपनी कृपा से गूँगे को बोलने में सक्षम बनाता है, लँगड़े को पर्वत लँघाता है, उस परम आनंद माधव (परमात्मा) को वंदन करता हूँ।

2. जो सभी प्राणियों का रक्षक है, सुख-शांति प्रदान करने वाला है, जिसके सभी लोग भक्त हैं, उस परमेश्वर की वंदना करता हूँ।

3. अनेक लोग जिसे राम कहते हैं, दूसरे रहीम कहते हैं, मैं सभी प्राणियों के उस एक ईश को सदा भजता हूँ।

4. एक ईश्वर हमारा पिता है, एक ही पृथ्वी माता है। उन दोनों को सादर प्रणाम करते हैं, हम सभी भाई हैं।

5. जिसके अनंत नाम हैं और बहुत सारे मंदिर और जिसे धर्म-मार्ग द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, उस प्रभु को मैं सदा नमन करता हूँ।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) परमानन्दमाधवः (परमात्मा) पङ्गुं गिरिं लङ्घयते।

(ख) सर्वलोकानां रक्षकः परमेश्वरः।

(ग) ईशं रामरहीम इति कथयन्ति।

(घ) वयं सादरं ईशधरे प्रणमामः।

(ङ) प्रभोः नामानि अनन्तानि।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) यत्कृपा तमहं **परमानन्दमाधवम्**।

(ख) रक्षकः **सर्वलोकानां सुखशान्ति** प्रदायकः।

(ग) रामं **कथयन्त्यनेकाः रहीम इति** चापराः।

(घ) सादरं **प्रणमामस्तौ वयं सर्वे** सदोहराः।

(ङ) यस्य **नामान्यनन्तानि मन्दिराणि बहूनि च।**

धर्ममार्गश्च यं प्राप्तुं तं नमामि सदा प्रभुम्।

3. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) मूकम्	(i) सर्वलोकानाम्
(ख) रक्षकः	(ii) धरा
(ग) जनाः	(iii) अनन्तानि
(घ) जननी	(iv) वाचालम्
(ङ) नामानि	(v) भक्ताः

व्याकरण कौशल

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) परमानन्दः	= **परम**	= **आनन्दः**
(ख) सर्वलोकानाम्	= **सर्व**	= **लोकानाम्**
(ग) चापराः	= **च**	= **अपराः**
(घ) एकैव	= **एक**	= **एव**
(ङ) सहोदराः	= **सह**	= **उदराः**

अनुवाद कौशल

5. नीचे लिखे श्लोक का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

एक ईश्वर हमारा पिता है, एक ही पृथ्वी माता है।

उन दोनों को सादर प्रणाम करते हैं, हम सभी भाई हैं।

2 गृहीत: चौर

हिन्दी अनुवाद–

प्राचीन समय में धर्मदास नाम का कोई किसान था। उसकी नंदिनी नाम की एक सुंदर गाय थी। वह उसे पूरे स्नेह और जी-जान से पालता था।

एक रात चोर उसकी गाय चुरा ले गया। सुबह उठकर धर्मदास देखता है कि उसकी गाय घर में नहीं है। उसने साचा कि निश्चित ही मेरी नंदिनी चुरा ली गई है। यहाँ-वहाँ जाकर वह गाय के चोरी हो जाने की बात कहता है और स्वयं उसकी खोज करता है। किंतु नंदिनी कहीं भी नहीं मिलती है। अपनी नंदिनी को न पाकर वह दुखी होता है।

अगले महीने वह दूसरी गाय खरीदने पशु-बाजार जाता है। वहाँ बेचने लाई गई एक गाय देखता है। जब वह उस गाय को लेने आगे जाता है तभी वह कहता है कि यह तो मेरी नंदिनी है। गाय भी स्वामी को देखकर उसकी ओर रँभाती है।

चोर बोलता है, ''अरे! यह तो बहुत सालों से मेरे पास है। ऐसी कोई दूसरी गाय होगी। यह आपकी नहीं है।''

यह सुनकर जल्दी से गाय की आँख बंद करके धर्मदास उस चोर को कहता है- ''यदि बहुत सालों से यह गाय तुम्हारे घर में थी तो तुम इससे ठीक तरह परिचित होगे। तो कहो यह किस आँख से कानी है। ''वह चुराई गाय के अंगों से परिचित नहीं था। इसलिए बोला, ''यह गाय बायीं आँख से कानी है।'' ''धर्मदास ने उसे फिर कहा, 'मित्र! ऐसे मत बोलो। यह बायीं आँख से कानी नहीं है। इसलिए सोच-विचारकर बोलो।'' अधिक भ्रमित चोर फिर बोला, ''हाँ, मैं भूल गया। मेरी यह गाय दायीं आँख से कानी है। मैंने गलती से पहले उलटा कह दिया। अब सच बोल रहा हूँ यह मेरी गाय दायीं आँख से कानी है।''

शीघ्र ही धर्मदास आँखों से हाथ हटाता है और जोर से बोलता है, ''देखो, लोगो देखो। यह आदमी चोर है। यह झूठ बोलता है, अब सिद्ध हो गया है। ये मेरी ही गाय किसी भी आँख से कानी नहीं है।'' तब सभी लोग ताली बजाते हैं, कहते हैं, ''ठीक पकड़ा चोर। ठीक पकड़ा।'' सैनिकों ने उस चोर को पकड़ लिया और गाय धर्मदास को दे दी।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर (क) धर्मदास: पूर्णस्नेहेन प्राणपणेन च नन्दिनी नाम्नीं धेनुं पालयति स्म।

(ख) धर्मदास: धेनुं क्रेतु पशुहट्टे गच्छति।

(ग) इयं धेनु: मम पार्श्वे बहुवर्षेभ्य: अस्ति इत्युक्त्वा चौर: धेनो: स्वामित्वं दर्शयति।

(घ) नहि, धेनु: काणा न आसीत्।

(ङ) चौरं राजपुरुषा: निगृहीतवन्त:।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर (क) धर्मदासस्य **नन्दिनी** नाम्ना एका धेनु: आसीत्।

(ख) कश्चिद् **चौर:** तस्य धेनुम् अपाहरत्।

(ग) भो! इयं धेनु: **बहु वर्षेभ्य:** मम पार्श्वे अस्ति।

(घ) वामेन लोचनेन **काणा** एषा धेनु:।

(ङ) इदानीं सिद्धं यत् अयम् **असत्यम्** अपि वदति।

3. **रेखांकित शब्दों के आधार पर प्रश्न बनाइए–**

उत्तर (क) **क:** तस्य धेनुम अपहरत्?

(ख) का **गेहे** नासीत्?

(ग) स: **कै: सह** आपणं गच्छति?

(घ) मया **कथं** विपरीतं कथितम्?

(ङ) **के** चौरं निगृहीतवन्त:?

व्याकरण कौशल

4. **संधि-विच्छेद कीजिए-**

उत्तर (क) कृषक: = कृषीवल: (ख) गौ: = धेनु:

(ग) शीघ्रम् = सत्वरम् (घ) अक्ष्णा = नेत्रेण

(ङ) गृहे = गेहे (च) अनृतम् = असत्यम्

4. **नीचे लिखे शब्द-युग्म से विशेषण शब्द को चुनकर लिखिए–**

उत्तर (क) शोभना (ख) सम्यक्

(ग) सम्भ्रान्त: चौर: (घ) दक्षिणेन

(ङ) गृहीत: (च) प्रसन्ना:

अनुवाद कौशल

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) धर्मदासस्य पार्श्वे एका नन्दिनी नाम्न्या: धेनु: आसीत्।

(ख) कश्चन चौर: धर्मदासस्य धेनुम् अपाहरत्।

(ग) इयं तु मम पार्श्वे बहु वर्षेभ्य: अस्ति।

(घ) धेनु दक्षिणेन लोचनेन काणा अस्ति।

(ङ) सैनिका: चौरं निगृहीतवन्त:।

(च) धर्मदासाय तस्य धेनु अलभत।

3 शोभनं करोति

हिन्दी अनुवाद–

प्राचीन काल में कोई राजा था। वह प्रजा को स्नेहपूर्वक पालता था। उससे सारी प्रजा संतुष्ट थी। उसके बहुत सारे मंत्री थे। वे सभी राजभक्त थे। उनमें एक बुद्धिसिंह नाम का मंत्री था। वह हमेशा कहता था कि ईश्वर जो करता है वह अच्छा ही करता है। एक बार उसका पुत्र मर गया उसने फिर भी कहा कि ईश्वर जो करता है वह अच्छा ही करता है।

एक बार राजा की उंगली कट गई। अन्य मंत्रियों ने शोक प्रकट किया किंतु बुद्धिसिंह ने कहा कि ईश्वर जो करता है वह अच्छा ही करता है। राजा बुद्धिसिंह से क्रुद्ध हो गया। समय के साथ राजा की पीड़ा शांत हो गई। उसने एकांत में बुद्धिसिंह को बुलाया। बुद्धिसिंह राजा के पास आया। राजा ने उसे पूछा, "मंत्री! तुम्हारा पुत्र मर गया और मेरी उंगली कट गई। अब बोलो कि ईश्वर ने कैसे अच्छा किया बुद्धिसिंह बोला "महाराज! यद्यपि इस विषय में मैं प्रमाण देने में असमर्थ हूँ। फिर भी समय आने पर आप स्वयं ही जान जाएँगे। मैं भी अनुभव करके आपको निवेदन करूँगा कि ईश्वर जो करता है वह अच्छा ही करता है।"

इसके बाद राजा बुद्धिसिंह के साथ शिकार के लिए वन को गया। वन में वे दोनों डाकुओं द्वारा पकड़ लिए गए और दस्युराज के पास ले गए। वहाँ देवी के लिए बलि-कार्य चल रहा था। बंदियों को देखकर दस्युराज प्रसन्न हो गया। उसने कहा, "अब बलि-कार्य पूरा होगा।" दस्युराज ने बुद्धिसिंह को पूछा, "तुम्हारा पुत्र है?" बुद्धिसिंह बोला, "था किंतु वह मर गया। अब मैं पुत्रहीन हूँ।"

दस्युराज ने अपने सेवकों कहा, "मूर्खो, इसे हटाओ। हमारी देवी पुत्र हीन की बलि नहीं चाहती है। इसे छोड़ो और दूसरे को लाओ।" सेवक राजा को भी दस्युराज के सामने ले गए। अचानक दस्युराज की दृष्टि राजा की कटी हुई उंगली पर पड़ी। क्रोधित दस्युराज सेवकों को बोला, "अरे मूर्खो! मेरी देवी अंगहीन की बलि नहीं चाहती है। इसलिए इसे भी छोड़ दो।"

शीघ्र ही वहाँ से वे दोनों भागकर दूर आ गए। तब राजा ने माना कि ईश्वर जो करता है वह अच्छा ही करता है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) नृपस्य सचिवा: राजभक्ता: आसन्।

(ख) ईश्वरस्य विषये दुद्धिसिंहस्य विचार: आसीत् यत् स: यत्करोति तत् शोभनं करोति।

(ग) नृप: बुद्धिसिंहश्च दस्युभि: गृहीतौ।

(घ) दस्युराज: बुद्धिसिंहस्य बलिं तस्य पुत्रहीनत्वात् न अयच्छत्।

(ङ) नृप: बलिकार्याय अत: अनुपयुक्त: आसीत् यतोहि तस्य अङ्गुलि छिन्ना आसीत्।

2. रेखांकित शब्दों के आधर पर प्रश्न बनाइए–

उत्तर (क) **कस्य** बहव: सचिवा: आसन्?

(ख) अपरे: मन्त्रिण: **किं** कृतवन्त:?

(ग) **केन** शोभनं न कृतम्?

(घ) नृप: **कस्यार्थं** वनं गतवान्?

(ङ) अधुना **किं** पूर्णं भविष्यति?

3. नीचे लिखे वाक्यों को घटना के क्रमानुसार लिखिए–

उत्तर (क) एक: नृप: स्नेहेन प्रजां पालयति स्म।

(ख) तस्य बुद्धिसिंह: नाम्न: सचिव: आसीत्।

(ग) स: सर्वदा कथयति स्म यत् ईश्वर: यत् करोति तत् शोभनम् एव करोति।

(घ) बुद्धिसिंहस्य पुत्र: मृत: नृपस्य च अङ्गुली छिन्ना जाता।

(ङ) एकदा नृप: सचिवश्च आखेटाय वनं गतवन्तौ।

(च) तत्र तौ दस्युभि: बलिकार्याय गृहीतौ।

(छ) दस्युराज: अकथयत्, ''अस्माकं देवी पुत्रहीनस्य बलिं न वाञ्छति।''

(ज) राजा अङ्गहीनतया बलिकार्याय अनुपयुक्त:।

(झ) उभौ तत: पलायितौ।

(ञ) तदा नृप: अमन्यत यत् ईश्वर: यत् करोति तत् शोभनम् एव करोति।

4. किसने किसको कहा–

उत्तर (क) ''ईश्वर: यत् करोति तत् शोभनम् करोति।''

बुद्धिसिंहेन, नृपम्

(ख) ''अधुना बलिकार्यं पूर्णं भविष्यति।''

दस्युराजेने, स्व सेवकान्

(ग) ''त्वं सत्यं वदसि।'' **राज्ञा, बुद्धिसिंहम्**

व्याकरण कौशल

5. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) छिन्ना	(i) दस्युराज:
(ख) शान्ता	(ii) प्रजा
(ग) राजभक्ता:	(iii) अङ्गुली
(घ) सन्तुष्टा	(iv) पीडा
(ङ) क्रुद्ध:	(v) सचिवा:

(क)→(iii), (ख)→(iv), (ग)→(v), (घ)→(ii), (ङ)→(i)

6. उदाहरणानुसार नीचे लिखे वाक्यों में सर्वनाम पद किसके लिए प्रयुक्त हुआ है, सामने लिखिए–

उत्तर (क) स: यत् करोति शोभनं करोति। **ईश्वरस्य कृते**

(ख) तस्य पुत्र: मृत:। **बुद्धिसिंहस्य कृते**

(ग) स: एकान्ते बुद्धिसिंहम् आहूतवान्।

राज्ञ: कृते

(घ) मम देवी अङ्गहीनस्य बलिं न वाञ्छति।

दस्युराजस्य कृते

(ङ) उभौ तत: पलायितौ।

राजा बुद्धिसिंहयो: कृते

अनुवाद कौशल

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) राजा ने बुद्धिसिंह को पूछा।

(ख) राजा शिकार के लिए वन में गया।

(ग) दस्युराज ने सेवकों को कहा।

(घ) बुद्धिसिंह ने उत्तर दिया।

(ङ) दस्युराज बंदी को लाया।

(च) डाकुओं ने उन दोनों को मुक्त कर दिया।

4 विद्याया: महत्त्वम्

हिन्दी अनुवाद–

1. विद्या विनम्रता देती है, विनम्रता से योग्यता आती है, योग्यता से धन प्राप्त होता है, धन से धर्म तथा उसके बाद सुख प्राप्त करता है।

2. विद्या विवाद के लिए, धन घमंड के लिए, शक्ति दूसरों को पीड़ित करने के लिए, ये बातें किसी दुष्ट व्यक्ति में निहित होती हैं जबकि सज्जन इसके विपरीत होते हैं, उनकी विद्या ज्ञान के लिए, धन दान के लिए और शक्ति दूसरों की रक्षा के लिए होती है।

3. जो पुस्तकीय विद्या (ज्ञान) तथा दूसरे के हाथ गया धन होता है, कार्य पड़ने पर न वह विद्या और न ही धन काम आता है।

4. हे सरस्वती माँ! तुम्हारा यह ज्ञानरूपी कोश अद्भुत है, खर्च करने पर वृद्धि को प्राप्त होता है और इकट्ठा करने पर नष्ट हो जाता है।

5. विद्या नामक धन मनुष्य का विशिष्ट रूप है, यह गुप्त धन है। विद्या भोग देने वाली, यश देने वाली और सुखकारी है।

विद्या गुरुओं गुरु है, विदेश में वह व्यक्ति की बंधु है, विद्या सबसे बड़ी देवता है, विद्या राजाओं में पूजी जाती है न कि धन, विद्याहीन पशु के समान है।

6. विद्वत्ता और राजपन कभी भी बराबर नहीं हो सकते हैं। क्योंकि राजा अपने देश में पूजा जाता है, विद्वान सभी जगह पूजा जाता है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर (क) विनयं विद्या ददाति।
(ख) व्ययतो विद्या आयाति।
(ग) गुरूणां गुरुः विद्या।
(घ) स्वदेशे राजा पूज्यते।
(ङ) सर्वत्र विद्वान् पूज्यते।

2. **रेखांकित शब्दों के आधार पर प्रश्न बनाइए–**

उत्तर (क) विद्या ददाति **विनयं विनयाद् याति** पात्रताम्।
(ख) विद्या बन्धुजनो **विदेशगमने विद्या** परादेवता।
(ग) अपूर्वः **कोऽपि कोशोऽयं विद्यते** तव भारति।
(घ) पुस्तकस्था तु **या विद्या परहस्तं गतं धनम्**।
कार्यकाले समुत्पन्ने न सा विद्या न तद्धनम्।
(ङ) विद्वत्वं च **नृपत्वं च नैव तुल्यं** कदाचन।

व्याकरण कौशल

3. **निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना कीजिए–**

उत्तर (क) पात्रताम् = मनुष्यः विद्यया **पात्रतां** प्राप्नोति।
(ख) यशः = परोपकारादिभ्यः मनुष्यः **यशः** प्राप्नोति।
(ग) शक्तिः = **शक्तिः** परेषां रक्षणाय भवति।
(घ) कोशः = मातुः सरस्वतेः **कोशः** अद्भुतः अस्ति।
(ङ) विद्वान् = **विद्वान्** सर्वत्र पूज्यते।

4. **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी लिखिए-**

उत्तर (क) नरः = मनुष्यः (ख) पशुः = मृगः
(ग) भारति = सरस्वती (घ) नृप = राजा
(ङ) खलः = दुष्टः (च) विद्वान् = प्राज्ञः

5. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-**

उत्तर (क) धर्मः = अधर्मः
(ख) सुखः = दुःखः
(ग) खलः = साधुः
(घ) विदेशः = देशः

अनुवाद कौशल

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

उत्तर (क) विद्याधनं सर्वधनेषु श्रेष्ठम् अस्ति।
(ख) विद्या गुरूणां गुरुः।
(ग) विद्याहीनः मनुष्यः पशुतुल्यः अस्ति।
(घ) कार्यकाले समुत्पन्ने पुस्तकस्था विद्या परहस्तगतं धनं च कार्ये नायाति।

5 क्रान्किारी सुखदेवः

हिन्दी अनुवाद–

अंग्रेज शासकों की दासता से मुक्ति पाने के लिए सभी देशवासी लगे हुए थे। उनके प्रथम पक्ष का विचार था कि सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह आन्दोलन से स्वतंत्रता प्राप्त हो जाएगी। किंतु दूसरा पक्ष था जो अहिंसा के विपरीत दिशा–मार्ग में प्रशस्त था। वे 'शठे शाठ्यं समाचरेत्' इस भावना रूप में अग्रसर थे। पंजाब प्रदेश के नवयुवकों को उत्साही करने के कार्य में भगतसिंह, राजगुरु इत्यादि लगे थे। अंग्रेज शासन के विद्रोह के लिए विस्फोटक पदार्थों की पूर्ति के कार्य में लगे भारतीय नवयुवकों में क्रांतिकारी सुखदेव का नाम कौन नहीं जानता है?

सुखदेव का जन्म पंजाब के लुधियाना मिले के निराव ग्राम में 1907 ई० में मई मास की पंद्रह ता० में हुआ था। क्रांतिकारी सुखदेव की माता रत्ला देवी और पिता रामपाल थे। 9 सितंबर, 1928 ई० में दिल्ली में क्रांतिकारियों को संगठित कर सशक्त क्रांति का उत्तरदायित्व इन्हें दिया गया। इस समय सुखदेव अपनी पढ़ाई में लगे थे। इनका सूर्यास्त नहीं होता है ऐसे विशाल शक्तिशाली शासक के विरुद्ध शस्त्र के बिना संघर्ष करना असंभव है। पंजाब प्रदेश से क्रांतिकारी भगत सिंह और राजगुरु को बाहर निकालने में सुखदेव की प्रमुख भूमिका थी।

सुखदेव के हाथ पर 'सुखदेव' छपा था। इस कारण वे कभी भी पहचाने जा सकते थे। इसलिए उन्होंने अपने हाथ पर ज्वलनशील अम्ल रखकर अग्नि के सामने किया फिर भी उनका नाम नहीं मिटा। उसके बाद नामांकित हाथ मोमबत्ती से जलाया। सुखदेव कुशल संगठनकर्ता और दूरदर्शी थे। उन्होंने विस्फोटक पदार्थ बनाने की शिक्षा प्राप्त करके लाहौर में विस्फोटक पदार्थों की फैक्ट्री गुप्त रूप से खोली। थोड़े समय में ही वे विस्फोटक पदार्थों के निर्माण में दक्ष हो गए। क्रांतिकारियों को विस्फोटकों का निर्यात इनके माध्यम से हुआ। किंतु अंग्रेज शासक के गुप्तचर द्वारा सुखदेव बंदी बना लिए गए। चौबीस वर्षीय सुखदेव भगतसिंह और राजगुरु के साथ 23 मार्च 1931 ई० शहीद हो गए।

क्रांतिकारियों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं होता है। परिणामस्वरूप उनके द्वारा प्रेरित प्रजा विद्रोह करके आजादी के लिए लग गई। अमरता प्राप्त सुखदेव की जन्मशताब्दी वर्ष में देश गौरव का अनुभव करता है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

उत्तर (क) देशवासिनां प्रथमपक्षस्य विचार: आसीत् यत् सत्याहिंसया सत्याग्रहान्दोलनेन चैव स्वतन्त्रताया प्राप्तिर्भविष्यति इति।

(ख) सुखदेव: 'शठे शाठ्यं समाचरेत्' इत्येतस्य दलस्य क्रान्तिकारी आसीत्।

(ग) सुखदेवस्य जन्म सप्तमधिकम् एकोनविंशतितमे मई मासस्य पञ्चदशे दिनाङ्के अभवत्।

(घ) सुखदेवस्य हस्तोपरि 'सुखदेव' अंकितमासीत्।

(ङ) विस्फोटकपदार्थानामुद्योगशालाया: उद्घाटनं सुखदेवेन लवपुरे कृतम्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

उत्तर (क) परं द्वितीयपक्षरासीत् य: अहिंसाविपर्यया **दिशामार्गे** प्रशस्तासीत्।

(ख) सुखदेवस्य जन्म **पञ्जाब** प्रदेशस्य **लुधियाना** जनपदस्य निरावग्रामे अभवत्।

(ग) तदोपरान्ते नामांकितं हस्तं **द्रावर्तिकया** ज्वालितम्।

(घ) आंग्लशासकस्य **गुप्तचरेण** सुखदेवं बन्दीकृतम्।

(ङ) **क्रान्तिकारीणां** बलिदानं कदापि व्यर्थं न जायते।

व्याकरण कौशल

3. **निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत कीजिए-**

उत्तर (क) गुप्तचरेण = एकेन **गुप्तचरेण** सूचनया आङ्लशासका: सुखदेवं बन्दीकृतवन्त:।

(ख) कार्यरतेषु = भारतदेशस्य स्वतन्त्राताये **कार्यरतेषु** सुखदेव: विशिष्टं स्थानं स्थापयति।

(ग) निर्यातम् = भारतदेशात् अन्येभ्य: देशेभ्य: अनेकानां वस्तूनां **निर्यातं** भवति।

(घ) दूरदर्शी = महान् चाणक्य: दूरदर्शी आसीत्।

(ङ) हस्तोऽपरि = तस्य **हस्तोऽपरि** तस्य नाम अङ्कितमस्ति।

(च) संगठिकृत्य = स: अनेकान् नवयुवकान् **संगठिकृत्य** देशस्य स्वतन्त्रतायै रत: अभवत्।

4. **निम्नलिखित को पूर्ण कीजिए-**

	पुरुष:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उत्तर (क)	प्रथमपुरुष:	अभवत्	**अभवताम्**	अभवन्
(ख)	मध्यमपुरुष:	**अभव:**	**अभवतम्**	अभवत
(ग)	उत्तमपुरुष:	**अभवम्**	अभवाव	**अभवाम**

5. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यावाची शब्द लिखिए-**

उत्तर (क) माता = जननी अम्बा

(ख) अग्नि: = वह्नि अनल:

(ग) वायु: = वात: समीर:

(घ) ईश: = परमात्मा प्रभु:

अनुवाद कौशल

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) सुखदेव का जन्म पंजाब प्रदेश के लुधियाना जिले के अंतर्गत निराव गाँव में हुआ था।

(ख) इस समय सुखदेव अपनी शिक्षा के अध्ययन में कार्यरत थे।

(ग) सुखदेव के हाथ पर 'सुखदेव' छपा था।

(घ) क्रांतिकारियों को विस्फोटकों का निर्यात सुखदेव के माध्यम से हुआ।

(ङ) सुखदेव के जन्म शताब्दी वर्ष में भारत गौरव का अनुभव करता है।

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) भारतदेशस्य स्वतन्त्रतायै सर्वे जनाः स्व स्व विधिना संलग्नाः आसन्।

(ख) सुखदेवः एकः सशक्तः क्रान्तिकारी आसीत्।

(ग) देशभक्तानां दलद्वयम् आसीत्। उष्णदलं मृ दुदलं च।

(घ) शासनविरुद्धे शस्त्रं विना सङ्घर्षम् असम्भवम् आसीत्।

(ङ) सुखदेवस्य हस्तोपरि 'सुखदेव' इति अङ्कितमासीत्।

6 सत्यः सर्वोत्तमः

हिन्दी अनुवाद–

किसी पुरुष की एक वृक्ष की शाखा काटते समय अचानक हाथ से छूटकर कुल्हाड़ी जल में गिर गई। उसके बाद वह शोक प्रकट करने लगा और मुक्त कंठ से रोने लगा। उसका विलाप सुनकर वरुणदेव जल से बाहर आए। उस आदमी ने वरुणदेव को शोक का कारण कहा, तब वरुणदेव जल के अंदर प्रवेश करके हाथ में सोने की कुल्हाड़ी लेकर आए। उस आदमी को वह कुल्हाड़ी दिखाकर पूछते हैं– "अरे! क्या यह है तुम्हारी कुल्हाड़ी।"

उसने कहा– "यह मेरी नहीं है। उसके बाद वरुणदेव फिर डुबकी लगाकर चाँदी की कुल्हाड़ी लाए। उसे देखकर– "यह भी मेरी नहीं है" ऐसा उसने कहा। तीसरी बार डुबकी लगाने पर उसकी गिरी हुई कुल्हाड़ी लेकर आए। उसे देखकर उसने खुश होकर स्वीकार की। तब उस आदमी की सरलता देखकर संतुष्ट वरुणदेव ने सोने-चाँदी की दोनों कुल्हाड़ियाँ भी उसे पारितोषिक रूप में दे दीं।

यह बात सुनकर किसी कुटिल व्यक्ति ने नदी पर जाकर चतुराई से अपनी कुल्हाड़ी पानी में गिरा दी। फिर उसने भी विलाप करना शुरू कर दिया। वह सुनकर पहले की तरह वरुणदेव आए। और फिर उन्होंने जल में डुबकी लगाकर सोने की कुल्हाड़ी लेकर पूछा– "क्या यह तुम्हारी कुल्हाड़ी है।" सोने की कुल्हाड़ी देखकर उसकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई। उसने वरुणदेव को कहा– "हाँ! यही मेरी कुल्हाड़ी है।" ऐसा कहकर लालच से वरुणदेव के हाथ से उसे लेने को तैयार हुआ। तब वरुणदेव ने उसे डाँटकर सोने की कुल्हाड़ी न देकर उसकी कुल्हाड़ी भी उसे नहीं दी।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) पुरुषः मुक्तकण्ठम् अतः अरोदीत् यतोहि शाखाकर्तन समये तस्य कुठारः जले अपतत्।

(ख) सुवर्णमयं कुठारम् आदाय वरुणः तं पृच्छति यत् "रे! किमयं ते कुठारः" इति।

(ग) वरुणः सुवर्णरजतौ कुठारौ तस्मै पुरुषाय तस्य सरलतया प्रभावितो भूत्वा पारितोषकत्वे ददौ।

(घ) कुटिलः पुरुष सुवर्णमयं कुठारं दृष्ट्वा उवाच यत् "बाढम्। अयमेव मम कुठारः" इति।

(ङ) कुटिलः पुरुषः लोभत्वात् स्व कुठारमपि विलोपितवान् इति फलं प्राप्तवान्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) तस्य विलापं श्रुत्वा **वरूणः जलात्** बहिर्आगतः।

(ख) तृतीये उन्मज्जने तस्य **पतिंत कुठारं** नीत्वा आगच्छत्।

(ग) तदा तस्य पुरुषस्य **सरलतां** दृष्ट्वा **सन्तुष्टो** वरुणः सुवर्णरजतौ तौ अपि कुठारौ तस्मै **पारितोषिकत्वे** ददौ।

(घ) कश्चित् कुटिलो मनुष्यः **नदीं** गत्वा स्वकीयं कुठारं **बुद्धिपूर्वकं** जले अपातयत्।

(ङ) तदा वरुणः तं **निर्भर्त्स्य** सुवर्णकुठारम् अदत्वा तस्य **कुठारमपि** तस्मै न ददौ।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत कीजिए-

उत्तर (क) कर्तनसमये = वस्त्रं **कर्तनसमये** सौचिकः स्व अङ्गुलिम् अपि अकृन्तत्।

(ख) जलान्तः = वरुणः तत् श्रुत्वा **जलान्तः** अप्रविशत्।

(ग) उन्मज्जने = तृतीये **उन्मज्जने** सः तस्य कुठारमादाय आगतः।

(घ) पारितोषिक = प्रधानचार्यः वैभवाय **पारितोषिकः** दास्यति।

(ङ) लोभः = **लोभः** पापस्य कारणम्।

(च) कुठार = **कुठारः** स्वर्णमयः आसीत्।

4. निम्नलिखित शब्द-रूपों के लिङ्ग, विभक्ति एवं वचन लिखिए-

	शब्दरूपम्	**लिङ्गम्**	**विभक्ति**	**वचनम्**
उत्तर	(क) मुक्तकण्ठम् =	पुंल्लिङ्गम्	द्वितीया	एकवचनम्
	(ख) कुठारौ =	पुंल्लिङ्गम्	प्रथमा, द्वितीया	द्विवचनम्
	(ग) जले =	नपुंसकलिङ्गम्	सप्तमी	एकवचनम्
	(घ) तस्य =	पुंल्लिङ्गम्, नपुंसकलिङ्गम्	षष्ठी	एकवचनम्
	(ङ) हस्तात् =	पुंल्लिङ्गम्	पञ्चमी	एकवचनम्

5. निम्नलिखित पदों में संधि कीजिए-

उत्तर (क) किम् + अयम् = किमयम्

(ख) जलम् + अन्तः = जलान्तः

(ग) मत् + इयम् = मदीयम्

(घ) तत् + श्रुत्वा = तच्छ्रुत्वा

6. निर्देश के अनुसार धातु-रूप लिखिए-

उत्तर (क)	'रुद्'	लङ्लकार	प्रथम पुरुष में
	अरोदीत्	**अरुदताम्**	**अरुदन्**
(ख)	कथ्	लट्लकार	मध्यम पुरुष में
	कथयसि	**कथयथः**	**कथयथ**
(ग)	पृच्छ्	लोट्लकार	मध्यम पुरुष में
	पृच्छ	**पृच्छतम्**	**पृच्छत**
(घ)	पत्	लृट्लकार	मध्यम पुरुष में
	पतिष्यसि	**पतिष्यथः**	**पतिष्यथ**
(ङ)	दा	लट्लकार	उत्तम पुरुष में
	ददामि	**दद्वः**	**दद्मः**

अनुवाद कौशल

7. निम्नलिखित शब्दों को मिलाइए और हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर	(क) ततः सः शुशोच	(i) मुदा स्वीचकार।
	(ख) किमयं	(ii) तस्य बुद्धिभ्रंशो सञ्जातः।
	(ग) तं दृष्ट्वा सः	(iii) ते कुठारः?
	(घ) तच्छ्रुत्वा यथापूर्वं	(iv) वरुणः आजगाम।
	(ङ) सुवर्णकुठारं दृष्ट्वा	(v) मुक्तकण्ठं च अरोदीत्।

(क) उसके बाद उसने शोक प्रकट किया और मुक्तकंठ से रोया।

(ख) क्या यह तुम्हारी कुल्हाड़ी है?

(ग) उसे देखकर उसने प्रसन्न होकर स्वीकार की।

(घ) वह सुनकर पहले की तरह वरुणदेव गए।

(ङ) सोने की कुल्हाड़ी देखकर उसकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई।

7 आदिकविः वाल्मीकि

हिन्दी अनुवाद–

प्राचीन काल में वाल्मीकि नाम के एक ऋषि थे। एक बार वे शिष्यों के साथ नहाने तमसा नदी के किनारे गए। मार्ग में उन्होंने शिकारी द्वारा मारे गए एक क्रौंच पक्षी को देखा। रुहचर के वियोग से व्याकुल क्रौंची का रुदन और उच्च क्रंदन सुना। वह सुनकर और उसकी दयनीय दशा देखकर वे करुणावान ऋषि द्रवित हो गए। क्रौंची के क्रंदन से उत्पन्न ऋषि का शोक श्लोक रूप में उनके मुख से इस प्रकार निकला–

हे निषाद! तुम अनेक वर्षों तक प्रतिष्ठा को प्राप्त नहीं कर पाओगे क्योंकि तुमने एक क्रौंच पक्षी जो कि अपने मिलन में मग्न था को मारा है।

यही श्लोक लौकिक संस्कृत साहित्य की आदि काव्य रचना है। तब से ये ऋषि कवि पद को प्राप्त हुए। ऋषि के कवित्व को जानकर ब्रह्मा ने आकाशवाणी द्वारा आदेश दिया– "हे ऋषि! रामायण काव्य की रचना करो और वहाँ रामचरित का वर्णन करो, जिससे राम के पुण्य चरित्र को जानकर लोग सन्मार्ग का अनुसरण करें।" ब्रह्मा के आदेशनुसार वाल्मीकि ने श्लोकों में बद्ध रामायण कथा लिखी। वही 'वाल्मीकि रामायण' नाम से प्रसिद्ध हुई।

इसमें कवि ने अनेक प्रकार के तथ्य वर्णित किए हैं जो मानव जीवन में मार्गदर्शक हैं। इस काव्य में वाल्मीकि ने पिता की आज्ञा-पालन भाई का स्नेह, परोपकार, दया, उदारता, दीन-रक्षा इत्यादि मानवता के पोषक जीवन मूल्य वर्णित किए हैं। ये कवि संस्कृत के आदिकवि कहलाते हैं और वह रचना आदिकाल कहलाती है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर (क) स्व सहचरस्य वियोगेन व्याकुलितायाः क्रौञ्च्याः रोदनम् उच्चैः क्रन्दनं च श्रुत्वा बिद्धमेकं क्रौञ्चपक्षिणं दृष्ट्वा ऋषिः द्रवितोऽभवत्।

(ख) वाल्मीकिः स्नातुं तमसानद्याः तीरम् अगच्छत्।

(ग) वाल्मीकि क्रौञ्च्याः रोदनम् अशृणोत्।

2. **एक शब्द में उत्तर दीजिए–**

उत्तर (क) **वाल्मीकिः।**

(ख) **शिष्यैः।**

(ग) **ब्रह्मा।**

(घ) **वाल्मीकिः**

(ङ) **रामायणीकथा।**

व्याकरण कौशल

3. **निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत कीजिए–**

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
उत्तर (क)	शिष्यैः	=	**तृतीया**	**बहुवचनम्**
(ख)	अयम्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(ग)	तद्रचना	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(घ)	यानि	=	**प्रथमा, द्वितीया**	**बहुवचनम्**
(ङ)	नद्याः	=	**पञ्चमी, षष्ठी**	**एकवचनम्**

4. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–**

उत्तर (क)	निरगच्छत्	=	**निर्**	+	**अगच्छत्**
(ख)	श्लोकबद्धा	=	**श्लोक**	+	**बद्धा**
(ग)	मार्गदर्शकः	=	**मार्ग**	+	**दर्शकः**
(घ)	तद्रचना	=	**तत्**	+	**रचना**
(ङ)	चोच्यते	=	**च**	+	**उच्यते**

5. **निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए–**

उत्तर (क) वियोगेन = सीता**वियोगेन** श्रीरामः व्याकुलोऽभवत्।

(ख) उन्मुख: = श्रीलक्ष्मण: सुग्रीवं प्रति **उन्मुख:** अभवत्।

(ग) व्याकुलिताया: = अस्मा: वृद्धाया: **व्याकुलिताया:** न किमपि पारम्।

(घ) मार्गदर्शक: = अध्यापक: **मार्गदर्शक:** भवति।

अनुवाद कौशल

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) वाल्मीकि एक बार शिष्यों के साथ स्नान करने नदी के किनारे गए।

(ख) करुणावान ऋषि क्रौञ्च पक्षी को देखकर द्रवित हो गए।

(ग) वाल्मीकि ने श्लोकबद्ध रमणीय रामायण कथा लिखी।

(घ) ब्रह्मा ने आकाशवाणी द्वारा रामचरित वर्णन करने के लिए ऋषि को आदेश दिया। ये कवि आदिकवि कहलाते हैं।

8 वारौ बालकौ

हिन्दी अनुवाद–

प्रचीन काल में अयोध्या में रामचंद्र राज्य करते थे। उनके दो पुत्र हुए- कुश और लव। बचपन में वे दोनों वाल्मीकि के आश्रम में रहे और वहाँ धनुर्विद्या सीखी।

एक बार रामचंद्र अश्वमेध यज्ञ किया। उन्होंने दिग्विजय के लिए घोड़ा छोड़ा। जब कुश-लव ने उस घोड़े को देखा, तब वे दोनों उसे आश्रम ले गए। घोड़े के रक्षक लक्ष्मण-पुत्र चंद्रकेतु थे। वे सेना के साथ आश्रम गए और बोले, ''हे बालको! घोड़े को शीघ्र छोड़ो अन्यथा युद्ध करो।'' वे दोनों बालक बोले, ''हम दोनों वीर महर्षि वाल्मीकि के शिष्य हैं, अधीनता स्वीकार नहीं करते हैं। हम दोनों युद्ध के लिए प्रस्तुत हैं न कि घोड़े को छोड़ने के लिए।''

उसके बाद दोनों पक्षों में युद्ध हुआ। युद्ध में कुश-लव ने कौशल से चंद्रकेतु को जीत लिया।

यह सुनकर लक्ष्मण वहाँ गए। उन वीरों ने उन्हें भी जीत लिया। उसके बाद राम स्वयं युद्धस्थल पर गए। राम उन दोनों वीरों को बोले- ''हे वीरो! तुम दोनों शीघ्र घोड़े को छोड़ दो।'' उसी समय वाल्मीकि वहाँ आए और कहा, ''वत्सो! ये राम तुम्हारे पिता हैं, इन्हें प्रणाम करो। राम! इन दोनों पुत्रों का पालन करो, युद्ध नहीं करना।''

(कुश-लव राम को प्रणाम करते हैं।)

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) रामचन्द्र: अयोध्यायां राज्यम् अकरोत्।

(ख) कुशलवौ वाल्मीके: आश्रमे अवसताम्।

(ग) सेनाया: रक्षक: लक्ष्मणपुत्र: चन्द्रकेतु: आसीत्।

(घ) कुशलवौ युद्धे कौशलेन चन्द्रकेतुम् अजयताम्।

(ङ) राम: कुशलवौ अकथयत् यत् ''भो वीरौ! अश्वं शीघ्रं मुञ्चयताम्'' इति।

2. रिक्त स्थान भरिए-

उत्तर (क) तस्य द्वौ सुतौ **अभवताम्।**

(ख) कुशलवौ तम् अश्वम् **अपश्यताम्।**

(ग) तौ तम् अश्वम् आश्रमम् **अनयताम्।**

(घ) युद्धे कुशलवौ **कौशलेन** चन्द्रकेतुम् अजयताम्।

(ङ) एतद् श्रुत्वा लक्ष्मण: तत्र **अगच्छत्।**

(च) युद्धं न **करणीयम्।**

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत कीजिए-

उत्तर (क) आश्रमे = **आश्रमे** अनेके मुनय: विद्यार्थिनश्च निवसन्ति।

(ख) सुतौ = श्रीरामस्य द्वौ **सुतौ** आस्ताम्-कुशलवौ।

(ग) मोचनीय: = अश्वोऽयं शीघ्रं **मोचनीय:**।

(घ) युवयो: = **युवयो:** पराक्रमेण अहम् अतीव प्रसन्नोऽस्मि।

(ङ) अजयताम् = तौ चन्द्रकेतुं कौशलेन **अजयताम्**।

(च) युद्धाय = आवां **युद्धाय** प्रस्तुतौ स्वः।

(छ) रक्षकः = अहमस्य अश्वस्य **रक्षकः** अस्मि।

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए-

उत्तर (क) तौ वने **अवसताम्**।

(ख) बालकौ अश्वम् **अनयताम्**।

(ग) रामचन्द्रः अयोध्यायाम् राज्यम् **अकरोत्**।

(घ) कुशलवौ कौशलेन चन्द्रकेतुम् **अजयताम्**।

(ङ) आवां युद्धाय प्रस्तुतौ स्वः।

(च) वत्सौ! **अयं युवयोः** युवाभ्यां जनकः।

5. सही वाक्य पर (✓) का चिह्न तथा गलत वाक्य पर (✗) का चिह्न लगाइए-

उत्तर (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓

(घ) ✗ (ङ) ✗

6. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

उत्तर (क) प्राचीनः = **पुराणः**

(ख) सुतः = **आत्मजः**

(ग) अश्वः = **घोटकः**

(घ) जनकः = **पिता**

(ङ) कालः = **समयः**

अनुवाद कौशल

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर जब कुश-लव ने उस घोड़े को देखा, तब वे दोनों उसे आश्रम ले गए। घोड़े के रक्षक लक्ष्मण-पुत्र चंद्रकेतु थे। वे सेना के साथ आश्रम गए और बोले, ''हे बालको! घोड़े को शीघ्र छोड़ो अन्यथा युद्ध करो।''

8. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए-

विद्यार्थी स्वयं करें।

9 वर्षाऋतुः

हिन्दी अनुवाद–

अहा! यह वर्षा का मौसम कैसा मनोहर है। सब जगह जल से पूरित हरी-भरी , हरे वस्त्र पहने हुए इंद्र की स्त्रियों द्वारा सजाई गई कोमल अंकुरों के द्वारा अंकुरित, यह पृथ्वी नववधू के समान सुशोभित हो रही है। और कहीं नीले वस्त्र पहने काली रात झींगुरों की झंकार से अपने दुखों को प्रकट करती हुई प्रवास पर गए अपने प्रिय जनों को बुलाती हुई-सी प्रतीत होती है।

इस परिवर्तनशील संसार में चक्र के समान नीचे जाती है, ऊपर आती है वाली दशा के अनुसार कालचक्र के समान ऋतु चक्र निरंतर चलता रहता है। वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्, हेमंत, शिशिर आदि छह ऋतुएँ प्रतिवर्ष भारत में क्रमानुसार आती-जाती हैं। यह भारत की विशेषता है जो यहाँ छह ऋतुएँ होती हैं।

इस प्रकार कालक्रम से गर्मी के बाद वर्षा ऋतु आती है। इस रमणीय मौसम के आने पर दुर्दमनीय ग्रीष्म काल चला जाता है। माथे को तपा देने वाला सूर्य का संताप शांत हो जाता है। गर्मी से फैले दोष शांत और अलग हो जाते है। चिर निद्रा में सूखे तालाबों के कोटर में सोने वाले मेढ़को के समूह निकल गए। सब जगह फैली धूल शांत हो गई। वन-उपवनों की सुंदरता फिर आ गई और सब जगह चेतन-अचेतन प्राणी प्रसन्न होते हैं। मानता हूँ कि भयंकर गर्मी से संतप्त निर्जीव-सजीव प्राणियों के आश्वासन के लिए यह वर्षा आ गई।

कहीं नए तृणों से घिरी कीचड़ युक्त वाली रामत से युक्त सरस और सुकोमल भूमि सुशोभित होती है। और आकाश में दावाठिन से दग्ध पेड़ों के कोमल पत्तों को दूर लटके जलराशि को एकत्रित किए नीले मेघ प्रसन्न करते हैं। और कहीं विजय श्री प्राप्त किए वीरों के समान नए जल से पूर्ण नीले मेघ गरजते हैं। कहीं नीले मेघों पर आश्रित बिजली चमकती है। कहीं बादलों की माला बगुलों की पंक्ति के समान अच्छी लगती है।

गाँवों में प्रसन्न किसान कृषिकार्य करते हुए दिखाई देते है। और वे खेतों को जोतते हैं, खेतों में बीज बोते हैं। वे धान के अंकुरों को लगाते हैं। कही स्त्रियाँ प्रसन्न होकर झूले पर चढ़कर 'कजली'

गीत गाती हैं। लड़के-लड़कियाँ भी प्रसन्न होकर झूला झूलती है सुखकारी, कल्याणकारी और रसमयी यह वर्षा सभी लोगों को अच्छी लगती है। और महर्षि वाल्मीकि ने कहा है-

नदियाँ बहती हैं, बादल बरसते हैं, वन में रहने वाले मतवाले हाथी चिंघाड़ते हैं, प्रियाओं से अलग मोर ध्यान करते हैं, नाचते हैं।

मतवाले हाथी, प्रसन्न पशु, वनों में भयंकर शेर, रमणीय पर्वत, छिपे हुए राजा, बादलों से खेलते इंड, सब रुचिकर प्रतीत होते हैं।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) ग्रीष्मानन्तरं वर्षा ऋतु: आगच्छति।

(ख) भारते षड् ऋतव: भवन्ति।

(ग) भेकवृन्दा: वर्षापूर्वात् शुष्कसरसि कोटरशायिन: भवन्ति।

(घ) सौदामिनी नीलमेघेषु दीप्यते।

(ङ) मुदिता: कृषिवला: कृषिकार्याणि कुर्वन्ति; तद्यथा- श्रेत्राणि कर्षन्ति, बीजानि वपन्ति, धान्याङ्कुराणि च रोपयन्ति।

2. रिक्त स्थान भरिए-

उत्तर (क) असारे खलु परिवर्तिनि संसारे "**नीचैर्गच्छत्युपरि** च दशा चक्रनेमिक्रमेण" इत्यनुसारं सततमाभिसरति कालचक्रमिव ऋतुचक्रम्।

(ख) एवं कालक्रमेण गीष्मानन्तरं **वर्षाऋतु:** समायाति।

(ग) प्रशान्ता: **विरता:** च निदाघ-दोष-प्रसरा:।

(घ) सर्वत्र च **चेतनाचेतनाश्च** लोका: समुल्लसन्ति।

(ङ) क्वचित् ललना: प्रसन्ना: **दोलामारुह्य** 'कजली' **गीतिम्** इति गायन्ति।

(च) युद्धं न **करणीयम्**।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

उत्तर (क) त्वं कुत्र **गच्छसि**।

(ख) यूयं पत्राणि **लिखथ**:।

(ग) स: कार्यं **करिष्यति**।

(घ) अद्य वर्षा **भविष्यति**।

(ङ) सा ग्रामम् **अगच्छत्**।

(च) स: गृहम् **अगच्छत्**।

4. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिकर वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए-

उत्तर (क) पयोधरा: = **बादल**

व्योमे **नीलपयोधरा:** दरीट्टश्यन्ते।

(ख) सरसा: = **रस से पूर्ण**

पण्डितेन श्राविता: कथा: अतीव **सरसा:** ज्ञानप्रदाश्च आसन्।

(ग) वर्षान्ति = **बरसते है**

वर्षाकाले तु मेघा: वर्षन्ति एव।

(घ) बलाकापंक्ति = **बगुलों की पंक्ति**

जलपूरिते क्षेत्रे बलकापङ्क्ति: स्थिता अस्ति।

(ङ) तरुगुल्मादीन् = **पेड़-झाड़ी आदि को**

ग्रीष्मतप्तान् तरूरू गुल्मादीन् वर्षा सन्तोषयति।

5. रंगीन शब्दों में तृतीया विभक्ति का प्रयोग कीजिए-

उत्तर (क) गोपाल: **जलेन** मुखं प्रक्षालयति।

(ख) सेवक: **स्कन्धाभ्यां भारं** वहति।

(ग) **शशिना** सह कौमुदी याति।

(घ) कुम्भकार: **दण्डेन** चक्रं चालयति।

(ङ) स्वर्णकार: **स्वर्णेन** अलङ्कारान् निर्मापयति।

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) गगने सौदामिनी दीप्यते।

(ख) ग्रीष्मर्तौ सूर्य: आकाशे तपति।

(ग) दोलामारुह्य स्त्रिय: कजलीं गायन्ति।

(घ) नदीषु वृष्टि: भूते सति प्रतीयते आयाति यौवनम्।

(ङ) वर्षर्तौ परित: पङ्क: दृश्यते।

7. **हिंदी में अनुवाद कीजिए-**

उत्तर (क) इस प्रकार कालक्रम से गर्मी के बाद वर्षा ऋतु आती है।

(ख) वर्षाकाल बहुत सुंदर होता है।

(ग) बादल शूरवीरों की तरह गरजते हैं।

(घ) इस ऋतु में सभी किसान प्रसन्न होते हैं।

(ङ) वर्षा सभी को अच्छी लगती है।

10 मूढा: बालका:

हिन्दी अनुवाद–

एक बार दस लड़के नहाने के लिए नदी पर गए। उन्होंने निर्मल और शीतल जल में देर तक स्नान किया।

जब वे नहाकर नदी से बाहर निकले तब उनके दल प्रमुख ने पूछा– ''क्या सभी आ गए? गिनकर बोलो!'' उनमे से किसी एक लड़के ने सभी को गिना– ''एक, दो, तीन, चार, पाँच, छ:, सात, आठ, नौ।'' उसने कहा नौ ही हैं। दसवाँ कहाँ गया चिंतनीय है। अन्य लड़कों ने भी गिनती के समय अपनी गिनती नहीं की। दसवाँ नदी में डूब गया ऐसा सोचकर वे सभी दुखी हो गए।

उसी समय कोई पथिक उस रास्ते से आया। उसने दुखी लड़कों को देखकर उनके दुख का कारण पूछा– ''लड़को! तुम दुखी क्यों हो? क्या कारण है?'' तब दलप्रमुख ने उत्तर– ''हम दस लड़के नहाने यहाँ आए थे। किंतु अब गिनती करके देखते हैं कि हम नौ ही हैं। एक नदी में डूब गया ऐसा लगता है। यही हमारे दुख का कारण है।'' पथिक ने उन्हें गिना। उसकी गिनती से दस संख्या मिली। यह देखकर दलप्रमुख और अन्य बालक चकित हो गए। पथिक ने भ्रम को दूर करने के लिए उनमें से एक को गणना करने के लिए आदेश दिया। उनकी गिनती फिर शुरू हुई। इस प्रकार वह नौ गिनकर अलग हो गया। उसके बाद पथिक बोला– ''दसवें तुम हो। स्वयं को छोड़कर क्यों गिन रहे हो?'' यह देखकर सभी खुश हो गए।

पथिक को योग्य जानकर लड़कों ने उसे पूछा– ''श्रीमान! हम सत्तर तक संख्याएँ जानते हैं। उतनी ही हमने कक्षा में पढ़ीं। कृपया उससे आगे आप ही हमें बताएँ।'' पथिक ने उन्हें आगे इकहत्तर से नब्बे तक बताया–

इकहत्तर	बहत्तर	तिहत्तर
चौहत्तर	पचहत्तर	छिहत्तर
सतहत्तर	अठहत्तर	उनासी
अस्सी	इक्यासी	बयासी
तिरासी	चौरासी	पिचासी
छियासी	सतासी	अठासी
नवासी	नब्बे	

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर (क) स्नानाय दश बालका: नदीम् अगच्छन्।

(ख) बालका: निर्मले शीतले च जले चिरं स्नानम् अकुर्वन्।

(ग) 'अपि सर्वे समागता:' दलप्रमुख: अपृच्छत्।

(घ) दु:खितान् बालकान् दृष्ट्वा पथिक: अपृच्छत् यत् यूयं कथं दु:खिता: स्थ।

(ङ) 'एक: नद्यां निमज्जित:' इति दलप्रमुख: अकथयत्।

(च) 'दशम: त्वमसि' इति पथिक: अकथयत्।

2. **रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर (क) बालका: स्नानाय **नदीम्** अगच्छन्।

(ख) दशमो नद्यां **निमज्जित:**।

(ग) पथिक: **तान्** अगणयत्।

(घ) वयं **सप्तति:** यावत् सङ्ख्या: जानीम:।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क) बहिर्निर्गता: = बहि: + निर्गता:

(ख) अन्येऽपि = अन्ये + अपि

(ग) प्रत्यवदत् = प्रति + अवदत्

(घ) नवैव = नव + एव

(ङ) ततोऽग्रे = तत: + अग्रे

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए-

उत्तर (क) निर्मलम् = अस्या: नद्या: जलं **निर्मलं** शीतलं च अस्ति।

(ख) गणयित्वा = अहं तान् पशून् **गणयित्वा** अधुनैव आगच्छामि।

(ग) आत्मन: = खल: **आत्मन:** दुर्गुणान् न कदापि पश्यति।

(घ) दु:खम् = तस्य **दु:खम्** अतीव कष्टप्रदम् अस्ति।

(ङ) पथिक: = **पथिक:** तान् अन्या: सङ्ख्या: बोधयति।

5. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए-

उत्तर

(क) निर्मलं	(iii) जलम्
(ख) दश:	(v) बालका:
(ग) कश्चित्	(iv) पथिक:
(घ) दु:खस्य	(i) कारणम्
(ङ) आत्मानं	(ii) वर्जयित्वा

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) एकदा दश बालका: नद्यां स्नानाय अगच्छन्।

(ख) सर्वे चिरं स्नानं अकुर्वन्।

(ग) तदैव तत्र कश्चित् साधु आगच्छत्।

(घ) सङ्ख्यायां दश प्राप्य ते अति प्रसन्ना: अभवन्।

11 यज्ञप्रिय-कथा

हिन्दी अनुवाद–

किसी गाँव में देवदत्त नाम का एक ब्राह्मण रहता था। देवदत्त ईश्वर भक्त और निर्धन था। पांडित्य कर्म उसकी जीविका थी। वह यजमानों के घर जाकर यज्ञादि करता था। इस प्रकार वह अपना जीवनयापन करता था।

उसने एक बार किसी कार्य से एक अवसर पर दूसरे गाँव की ओर प्रस्थान किया। तब उसकी माता उसे बोली– ''हे पुत्र! अकेले मत जाओ।'' माता की बात सुनकर देवदत्त ने कहा– ''हे माता! भय मत करो। इस मार्ग में भय नहीं है। इसलिए मैं अकेला ही जाऊँगा।'' अपने पुत्र के निश्चय को जानकर एक कुत्ता उसके साथ करके माता बोली– ''मार्ग में अकेले होकर जाना लाभप्रद नहीं है। यह मार्ग विरुध बाधाओं वाला, काँटे के समान और विघ्नकारक है। वहाँ विभिन्न वन्यप्राणी हैं। यदि तुम जाना चाहते हो तो इस कुत्ते को लेकर जाओ।''

उसके बाद देवदत्त कुत्ते के साथ लक्ष्य की ओर चला। उसके प्रस्थान के समय सुबह का समय था। मार्ग में भगवान सूर्य अपनी धूप फैलाकर गर्मी कर रहे थे। भयंकर गर्मी और जाने के श्रम से थका देवदत्त किसी वृक्ष के नीचे बैठकर सो गया। सोए हुए देवदत्त को देखकर वहाँ कोई साँप उसके पास गया। सोए हुए अपने स्वामी को देखकर कुत्ते ने सोचा, 'अब क्या करना चाहिए।'।

नींद से जागकर वह ब्राह्मण चेतना को प्राप्त हुआ। जब वह जागा तो उसने देखा कि कुत्ते ने साँप को मार दिया है। उस मरे साँप को देखकर प्रसन्न देवदत्त बोला– ''अरे! सच कहा मेरी माता ने, व्यक्ति को कोई सहायक कर लेना चाहिए। अकेले कभी नहीं जाना चाहिए।'' ऐसा कहकर वह दूसरे गाँव की ओर चला गया। वहाँ जाकर अपना कार्य करके फिर गाँव लौट आया।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) यजमानानां गृहं गत्वा यज्ञादिकं करणं देवदत्तस्य दिनचर्या आसीत्।

(ख) देवदत्त: अन्यं ग्रामं गत:।

(ग) देवदत्तस्य गमनसमये माता आह यत् एकाकी मा व्रज।

(घ) मातु: वचनं श्रुत्वा देवदत्त: अवोचयत् यत् भयं मा कुरु। मार्गे भयं नास्ति।

(ङ) सर्प: कुक्कुरेण हत:।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर (क) स्व पुत्रस्य निश्चयं ज्ञात्वा एकं **कुक्कुरं** तस्य हस्ते कृत्वा माता **आह**।

(ख) तस्य प्रस्थानसमये **प्रात:कालस्य** वेला आसीत्।

(ग) **एकाकिन:** कदापि न गन्तव्यम्।

(घ) निद्रावस्थया निवृत्य स: **ब्राह्मण: चेतनां** प्राप्त:।

(ङ) तं हन्तं **सर्पं** दृष्ट्वा प्रसन्न: **देवदत्त:** तदा अब्रवीत्।

3. घटनाक्रम के अनुसार वाक्य लिखिए–

उत्तर (क) देवदत्त: ईश्वरभक्त: निर्धन: चासीत्।

(ख) पाण्डित्यकर्म तस्य जीविका आसीत्।

(ग) यदि त्वं गन्तुम् इच्छसि तर्हि एनं कुक्कुरं नीत्वा गच्छ।

(घ) मार्गे भगवद्दिवाकर: स्वातापं प्रसार्य घर्म: करोति स्म।

(ङ) निद्रावस्थया निवृत्य स: चेतनां प्राप्त:।

(च) तत्र गत्वा स्वकीयं कार्यं कृत्वा पुन: स्वग्रामं प्रत्यावर्तत्।

व्याकरण कौशल

4. मञ्जूषा (बॉक्स) से समान अर्थ वाले शब्द चुनकर लिखिए–

उत्तर (क) भुजङ्ग: – सर्प:

(ख) कुक्कुर: – श्वान:

(ग) ब्राह्मण: – व्रिप:

(घ) माता – अम्बा

(ङ) अवोचयत् – अकथयत्

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर (क) निर्धन: = धनिक:

(ख) जीवनम् = मृत्यु:

(ग) सुप्त: = जाग्रत:

(घ) विषम् = अमृतम्

6. निम्नलिखित शब्द-रूपों के लिङ्ग, विभक्ति एवं वचन लिखिए–

	शब्दरूपम्	लिङ्गम्	विभक्ति:	वचनम्
उत्तर (क)	कार्याय	= नपुंसकलिङ्गम्	चतुर्थी	एकवचनम्
(ख)	मार्गे	= पुंल्लिङ्गम्	सप्तमी	एकवचनम्
(ग)	ब्राह्मणौ	= पुंल्लिङ्गम्	द्वितीया	द्विवचनम्
(घ)	यजमानानाम्	= पुंल्लिङ्गम्	षष्ठी	बहुवचनम्
(ङ)	मात्रे	= स्त्रीलिङ्गम्	चतुर्थी	एकवचनम्
(छ)	कर्मणा	= नपुंसकलिङ्गम्	तृतीया	एकवचनम्

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) कस्मिंश्चित् कार्याय यज्ञप्रिय: ग्रामात् प्रस्थित:।

(ख) वयं कदापि एकाकी गृहात् बहि: न गच्छेम।

(ग) कुक्कुरेण सह देवदत्त: स्वलक्ष्यं प्रति प्रस्थित:।

(घ) सुप्तं देवदत्तं दृष्ट्वा कुक्कुर: अचिन्तयत्।

(ङ) कुक्कुर: सर्पम् अहनत्।

12 दीपावली

हिन्दी अनुवाद–

हमारा भारतवर्ष उत्सवों और पर्वों का देश है। यहाँ प्रचलित महोत्सवों में दीपावली का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। ऐसा सुना जाता है। कि त्रेतायुग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र पिता की आज्ञा का पालन करते हुए चौदह वर्ष तक वने में रहकर राक्षसराज रावण को मारकर सीता और लक्षमण के साथ अयोध्या वापस लौटे थे। उस समय अयोध्यावासी लोगों ने दीपकों की पंक्ति प्रज्वलित करके उनका अभिनंदन किया। इसीलिए यह पर्व 'दीपावली' नाम से मनाया जाता है। यह पर्व कार्तिकमास की अमावस्या तिथि में होता है।

इस दिन घरों की हर प्रकार से सफाई और सज्जा होती है। सफेदी से उज्ज्वल किए गए घर नई वधू के समान चमकते हैं। सभी लोग नए कपड़े पहनते हैं। शाम को वे दीपों को प्रज्वलित करके घरों, मंदियों और द्वारों पर रखते हैं। तब दीपों की पंक्ति अत्यधिक सुशोभित होती है। रात को श्रीगणेश जी के साथ लक्ष्मी का पूजन किया जाता है।

लोग अपने मित्रों और संबंधियों को मिठाई भेजते हैं। दूसरे दिन प्रतिपदा में प्रात:काल गोवर्धन पूजा होती है। उसके बाद अपनी बहन के घर भोजन करके लोग उन्हें यथाशक्ति द्रव्य (धनादि) देते हैं। इस प्रकार यह उत्सव हर्षोल्लास पैदा करता है। इस उत्सव का यह संदेश है कि हमें अज्ञानतारूपी अंधकार को नष्ट करके अपने जीवन में ज्ञान का प्रकाश करना चाहिए।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) दीपावली उत्सव: कार्तिकमासस्य अमावस्यातिथौ भवति।

(ख) जना: दीपान् प्रज्वाल्य गृहेषु, द्वारेषु मन्दिरेषु च स्थापयन्ति।

(ग) अस्मिन् दिने श्री गणेशेन सह देव्या: लक्ष्म्या: पूजनं क्रियते।

(घ) जना: मिष्टान्नं स्व मित्रेभ्य: वन्धवेभ्यश्च प्रेषयन्ति।

(ङ) वयम् अविद्यान्धकारं विनाश्य स्व जीवने ज्ञानस्य प्रकाशं कुर्म इति अस्य उत्सवस्य सन्देश:।

2. रिक्त स्थान भरिए-

उत्तर (क) अस्माक भारतवर्ष: **उत्सवानां पर्वणां** च देश: वर्तते।

(ख) इदं पर्व **कार्तिकमासस्य** अमावस्या-तिथौ भवतिं।

(ग) अस्मिन् दिने लक्ष्म्या: **पूजनं** भवति।

(घ) सुधाधवलितानि गृहाणि **नववधूरिव** भासन्ते।

(ङ) द्वितीये दिने प्रतिपदि प्रात:काले **गोवर्धनपूजा** भवति।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए -

उत्तर (क) महोत्सवेषु = महा + उत्सवेषु

(ख) अविद्यान्धकारम् = अविद्या + अन्धकारम्

(ग) सूर्योदय = सूर्य + उदय:

(घ) हर्षोल्लासम् = हर्ष + उल्लासम्

(ङ) सागरमध्यात् = सागर + मध्यात्

च) पितृर्आज्ञा = पितु: + आज्ञा

4. निम्नलिखित शब्दा की वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए-

उत्तर (क) उत्सवानाम् = देशो ऽयं भारत: **उत्सवानां** देश: कथ्यते।

(ख) आज्ञा = महर्षि: धौम्य: आरूणि: केदाराखण्डं बद्धुम् **आज्ञा** ददाति।

(ग) विमुक्ता = सिंहात् **विमुक्ता** धेनु: स्व वत्स समीपमागच्छत्।

(घ) प्रज्वाल्य = वीथिकायां दीपकमेकं **प्रज्वाल्य** स्थापयतु।

5. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजए-

उत्तर (क) अस्माकं भारतवर्ष:	(i) लक्ष्म्या: पूजनं भवति।
(ख) रामेण	(ii) पर्वणां देश: अस्ति।
(ग) अस्मिन् दिने	(iii) हर्षोल्लासं जनयति।
(घ) अयम् उत्सव:	(iv) रावण: हत:।

अनुवद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) अस्माकं भारतवर्ष: पर्वणां देशोऽस्ति।

(ख) दीपावली वर्ष अन्धकारस्योपरि प्रकाशस्य विजयस्य प्रतीकम् अस्ति।

(ग) दीपावली पर्व कार्तिकमासस्य अमावस्यायां भवति।

(घ) अस्मिन् दिने भगवान् श्रीराम: रावणम् अहनत्।

13 सङ्घे शक्तिः

हिन्दी अनुवाद–

दक्षिणी प्रांत में महिलारोप्य नामक नगर था। वहाँ पास ही एक विशाल बरगद का पेड़ था। उसी वृक्ष की एक डाली पर लघुपतनक नामक कौआ रहता था। एक बार उसने हाथ में जाल लिए एक शिकारी को देखा। उसने अपने साथी पक्षियों को सावधानी के लिए पक्षियों को कहा, ''अरे! यह दुरात्मा शिकारी इधर ही आ रहा है। यहाँ आकर जाल फैलाकर चावल बिखेरेगा। तुम इसके प्रलभोभन से आकृष्ट न होओ, उन चावलों को विष के समान छोड़ दो। अन्यथा जाल के बीच बँध (फँस) जाओगे।'' उसके ऐसा कहते हुए उस शिकारी ने वहाँ आकर जाल फैलाया और उस पर चावल फेंके। फिर वहीं पास ही छिपकर बैठ गया।

कुछ समय बाद चित्रग्रीव नाम के कबूतरों के राजा ने अपने मित्रों के साथ अचानक वहाँ आकर दूर से फेंके गए चावलों को देखा। तब लघुपतनक के मना करने पर भी वह जीभ के लालचवश चावल खाने के लिए उतर गया। इस प्रकार वह कबूतरों के साथ जाल के बीच फँस गया। लालची शिकारी जब उन्हें फँसा देखकर पकड़ने के लिए दौड़ा तब चित्रग्रीव बोला, ''हे मित्रो! डरना नहीं, नहीं डरना। तुम सब साहस करो। शिकारी के जाल को लेकर एक साथ उड़ो। अन्यथा मृत्यु को प्राप्त होओगे।'' तब सभी पक्षी जाल लेकर सामूहिक बल से उड़ गए। शिकारी भी पीछे दौड़ा। कुछ दूर जाकर जब उन्हें नहीं देखा तो निराश होकर लौट आया।

चित्रग्रीव ने कबूतरों को कहा, ''हिरण्यक नामक चूहा मेरा मित्र है। वही इस जाल को काटेगा।'' तब सभी हिरण्यक के पास गए। हिरण्यक ने उनके जाल को काट दिया, उन्हें बंधन से मुक्त किया। इस प्रकार सभी कबूतर बुद्धि और एकता के बल से विपत्ति से मुक्त हो गए।

कहा गया है कि— ''इस कलियुग में संगठन में ही शक्ति है।''

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) दाक्षिणात्ये जनपदे महिलारोप्यं नाम नगरमासीत्।

(ख) वटवृक्षशाखायां लघुपतनको नाम्न: काक: प्रतिवसति स्म।

(ग) व्याध: पक्षिणो निग्रहीतुं जालं प्रसार्य तस्योपरि तण्डुलान् अक्षिपत्।

(घ) चित्रग्रीव : जिह्वालौल्यात् तण्डुलभक्षणार्थम् अवतरिते जालबद्धोऽभवत्।

(ङ) पक्षिण: जालमादाय सामूहिकबलेन आकाशे उद्पतन्।

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर (क) तत्र नातिदूरम् एक: विशाल: **वटवृक्ष:** आसीत्।

(ख) एष: दुरात्मा **व्याध:** इत: एव आयाति।

(ग) व्याधस्य **जालमादाय** सहैव उद्पतथ।

(घ) स: एवैतत् **पाशच्छेदं** करिष्यति।

(ङ) एवं सर्वे कपोता: **बुद्धया सङ्घबलेन** च विपत्या: विमुक्ता: अभवन्।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए–

उत्तर (क) जनपदे = अस्मिन् **जनपदे** वानराणाम् आतङ्क: जनान् त्रासयति।

(ख) जालहस्तम् = व्याध: **जालहस्तं** तस्मिन् पक्षे एव याति।

(ग) विषमिव = भो:! एतान् **विषमिव** परित्यजथ, अन्यथा बहु हानि: भविष्यति।

(घ) जालमध्ये = **जालमध्ये** उभौ मत्स्यौ आगतौ।

(ङ) उद्पथ = जालमादाय सहैव **उद्पतथ**।

4. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) जनपदे	(i) अधावत्
(ख) विशाल:	(ii) प्रक्षेप्स्यति
(ग) तण्डुलान्	(iii) नगरम्
(घ) ग्रहीतुम्	(iv) प्राप्स्यथ
(ङ) मृत्युं	(v) वटवृक्ष:

(क) जनपदे → (iii) नगरम्; (ख) विशाल: → (v) वटवृक्ष:; (ग) तण्डुलान् → (ii) प्रक्षेप्स्यति; (घ) ग्रहीतुम् → (i) अधावत्; (ङ) मृत्युं → (iv) प्राप्स्यथ

5. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

उत्तर (क) जनपदः = प्रान्तः

(ख) वृक्षः = तरुः

(ग) पक्षी = खगः

(घ) दुरात्मा = दुष्टात्मा

(ङ) तण्डुलः = ओदनम्

(च) मित्रम् = सखा

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) वृक्षस्य शाखायाम् एकः काकः वसति स्म।

(ख) व्याधं दृष्ट्वा काकः खगान् सावधानम् अकरोत्।

(ग) व्याधः जालस्योपरि तण्डुलान् प्राक्षिपत्।

(घ) सर्वे खगाः जालमादाय उद्पतन्।

(ङ) हिरयण्कः चित्रग्रीवस्य मित्रम् आसीत्।

(च) हिरण्यकः जालं दन्तेन अकृन्तत्।

14 अर्थकरी विद्या

हिन्दी अनुवाद–

1. हे राजन्! नित्य धन का आगम और नीरोगी शरीर, प्रिय पत्नी और प्रिय बोलनी वाली, आज्ञाकारी पुत्र और धन प्राप्त कराने वाली अथवा लाभप्रदान करने वाली विद्या (ज्ञान), इस जीवलोक के ये छह सुख हैं।

2. विद्यारूपी धन सभी धनों में श्रेष्ठ है क्योंकि यह न तो चोर द्वारा चुराए जाने योग्य है और न राजा द्वारा छीनने योग्य, न भाई द्वारा बाँटा जाने योग्य है और न यह भारस्वरूप है, यह तो व्यय करने पर नित्य बढ़ता ही है।

3. प्रवास अर्थात् परदेस में विद्या मित्र है, घरों में मित्र पत्नी है, रोगी की मित्र औषधि है और मृत व्यक्ति का मित्र उसका धर्म है।

4. माता के समान रक्षा करती है, पिता की तरह हितकारी कार्यों में लगाती है और पत्नी की तरह रमण करती हुई दुख को दूर करती है, कल्पलता के समान यह विद्या क्या-क्या नहीं करती है, अर्थात् विद्या द्वारा मनुष्य अभीष्ट की प्राप्ति करता है।

5. तारों का गहना चंद्रमा है, नारियों का गहना पति, पृथ्वी का गहना राजा है और विद्या (ज्ञान) इन सभी का गहना है।

6. वृक्षों में घर बनाकर रहना, पके फल और जल का भोजन ग्रहण करना, तिनकों से निर्मित शय्या पर सोना, वृक्ष की छाल के वस्त्र पहनना और बाघ तथा शेर से भरे वन अधिक श्रेष्ठ हैं किंतु सगे-संबंधियों के बीच धनहीन जीवन व्यर्थ है।

7. कामधेनु के समान गुण वाली विद्या निश्चित ही अभाव में फल देने वाली होती है क्योंकि यह प्रवास में अर्थात् परदेश में माता के सम्मान व्यवहार करती है, विद्या को छिपा हुआ धन माना गया है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) जीवलोकस्य षड् सुखानि सन्ति; तद्यथा-नित्यं धनागमम्, प्रियाप्रियवादिनी च भार्या, आज्ञाकारी पुत्रः, अर्थकरी विद्या इति।

(ख) द्वितीये श्लोके विद्यायाः विषये उक्तं यत् एषा तादृशं धनमस्ति यं न तु चौराः चोरयितुं शक्नुवन्ति, न राजानः हर्तुं शक्नुवन्ति, न भ्रातरः, विभक्तुं शक्नुवन्ति न च भारस्वरूपम् अस्ति। एतद् विद्यारूपी धनं सर्वधनं प्रधानमस्ति।

(ग) विद्या दिक्षुः कीर्तिं वितनोति।

(घ) नक्षत्राणां भूषणं चन्द्रः।

(ङ) पतिः नारीणां भूषणम्।

2. रिक्त स्थान भरिए-

उत्तर (क) षड् जीवलोकस्य **सुखानि** राजन्।

(ख) विद्याधनं **सर्वधनं** प्रधानम्।

(ग) कान्तेव **चाभिरमयत्यपनीय खेदम्।**

(घ) विद्या **सर्वस्य** भूषणम्।

(ङ) न बन्धुमध्ये **धनहीनजीवनम्।**

(च) कामधेनुगुणा **विद्या ह्यकाले फलदायिनी।**

व्याकरण कौशल

3. समानार्थक शब्दों का परस्पर मेल कीजिए-

उत्तर

(क) भार्या	(i) तारागणानाम्
(ख) नित्यम्	(ii) निर्धनः
(ग) द्रुमः	(iii) कान्ता
(घ) नक्षत्राणाम्	(iv) जननी
(ङ) माता	(v) तरुः
(च) धनहीनः	(v) प्रतिदिनम्

4. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए-

उत्तर (क) अर्थकरी = सैव विद्या या **अर्थकरी** इति।

(ख) भार्या = **भार्या** प्रिया प्रियवादिनी च स्यात्।

(ग) कीर्तिम् = परोपकारेण जनः **कीर्तिं** प्राप्नोति।

(घ) चन्द्रः = **चन्द्रः** शीतलतायाः परिचायकः अस्ति।

(ङ) धनहीनः = **धनहीनः** धनिकानां मध्ये प्रायः हीन भावनया अवलोक्यते।

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

उत्तर (क) प्रियवादिनी = प्रिय (मधुर) बोलने वाली

(ख) अर्थकरी = धन अथवा लाभ प्रदान करने वाली

(ग) द्रुमालयम् = वृक्षों का घर

(घ) भ्रातृभाज्यम् = भाइयों द्वारा बाँटने योग्य

(ङ) प्रवासे = परदेश में

(च) मृतस्य = मरे हुए का

6. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उत्तर

(क)	अर्थः	=	धनम्	वित्तम्	द्रव्यम्
(ख)	भार्या:	=	पत्नी	कान्ता	सहधर्मिणी
(ग)	वनम्	=	अरण्यम्	काननम्	विपिनम्
(घ)	द्रुमः	=	तरुः	शाखिन्	विटप्

अनुवद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर माता के समान रक्षा करती है, पिता की तरह हितकारी कार्यों में लगाती है और पत्नी की तरह रमण करती हुई दुख को दूर करती है, कल्पलता के समान यह विद्या क्या-क्या नहीं करती है अर्थात् विद्या द्वारा मनुष्य अभीष्ट की प्राप्ति करता है।

15 महात्मा गान्धिः

हिन्दी अनुवाद–

इस संसार में लोग पैदा होते हैं और मरते हैं। उनमें कुछ विधि-अनुसार कार्य करते हैं जिससे वे अजर, अमर और देवतुल्य कहलाते हैं। हमारे देश में भी इस प्रकार अनेक महापुरुष हुए। प्राचीन काल में महात्मा बुद्ध, स्वामी रामकृष्ण परमहंस, विवेकानंद, दयानंद सरस्वती इत्यादि महापुरुष थे। महात्मा गांधी भी ऐसे ही महापुरुष थे।

गांधी जी का जन्म अक्टूबर महीने की 2 ता० में, 1869 ई० में काठियावाड़ के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था। उनका आरंभिक नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। ये भारत के 'राष्ट्रपिता' के रूप में प्रसिद्ध हुए। उनके पिता करमचंद गांधी और माता पुतलीबाई थीं। इन महापुरुष की प्रारंभिक शिक्षा गुजरात राज्य में ही हुई। उसके बाद कानून की पढ़ाई के लिए ये इंग्लैंड गए। शिक्षा समाप्त करके इन्होंने अपने देश आकर अपने राष्ट्र को परतंत्र देखकर उसकी आजादी के लिए प्रयत्न किया।

गांधी जी ने यहाँ विदेशियों के अत्याचार का विरोध किया। स्वाधीनता के संग्राम में ये महानायक बने। ये अहिंसा और सत्याग्रह का सहारा

लेकर अपने कर्मक्षेत्र में लग गए। इनके कठोर प्रयत्नों से हमारा देश स्वाधीन हो गया। इनका जीवन सरल था। इनका स्वभाव उदार, दृढ़, धैर्यशील, दयाशील और अध्ययनशील था।

सभी भारतवासी इन्हें स्नेह से 'बापू' कहते हैं। इन महापुरुष के विषय में यह उक्ति चरितार्थ होती है– ''प्रत्येक पर्वत पर मणि नहीं होती, प्रत्येक हाथी में मोती नहीं होता, प्रत्येक वन में चंदन नहीं होता, ऐसे ही सभी जगह साधु (सज्जन) नहीं होते।''

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) गान्धिमहोदयस्य जन्म अक्टूबरमासस्य द्वितीये दिनाङ्के 1869 तमे ईस्वीये वर्षे काठियावाडस्य पोरबन्दराख्ये स्थाने अभवत्।

(ख) अध्ययनार्थं स: आङ्लदेशम् अगच्छत्।

(ग) अस्माकं देशे महात्मा बुद्ध:, स्वामी रामकृष्ण परमहंस:, विवेकानन्द, दयानन्द सरस्वती इत्यादय: महापुरुषा: अभवन्।

(घ) गान्धिमहोदयस्य आद्यं नाम मोहनदासकरमचन्द गान्धि आसीत्।

(ङ) स्वदेशे आगत्य स: स्वतन्त्रतायै प्रयत्नम् अकरोत्।

(च) अस्य महोदयस्य विषये इत्येषा उक्ति: चरितार्था भवति यत् यथा प्रत्येकस्मिन् पर्वते माणिक्यम्, प्रत्येके पर्वते मौक्तिकम्, प्रत्येके वने चन्दनं न लभते, तथैव साधवोऽपि सर्वत्र न लभन्ते।

2. रिक्त स्थानों को भरिए–

उत्तर (क) अस्माकं देशे **अनेके महापुरुषा:** अभवन्।

(ख) तस्य **आद्यं नाम मोहनदास करमचन्द गान्धि:** आसीत्।

(ग) तत्पश्चात् **आङ्लदेशम्** अगच्छत्।

(घ) सर्वे भारतवासिन **एनं स्नेहेन 'बापू' इति** कथयन्ति।

(ङ) अस्य महोदयस्य जीवनं **सरलम्** आसीत्।

(च) अस्य कठोरै: **प्रयत्नै:** अस्माकं देश: **स्वाधीन:** अभवत्।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए–

उत्तर (क) प्राचीनकाले = **प्राचीनकाले** जना: यात्रां शकटादिभि: कुर्वन्ति स्म।

(ख) अध्ययनार्थम् = वैभव: **अध्ययनार्थम्** आश्रमम् अगच्छत्।

(ग) स्वाधीन: = 15 अगस्त, 1947 तमे वर्षे भारतदेश: **स्वाधीन:** अभवत्।

(घ) उदात्त: = अयं महाभाग: स्वभावेन **उदात्त:** अस्ति।

(ङ) परतन्त्र: = कतिपयवर्षपूर्वं भारतदेश: **परतन्त्र:** आसीत्।

4. विपरीतार्थक शब्दों को मिलाइए–

उत्तर

(क) जायन्ते	(i) मरणशील:
(ख) स्नेहेन	(ii) नवीन:
(ग) प्राचीन:	(iii) स्वतन्त्र:
(घ) अमर:	(iv) म्रियन्ते
(ङ) परतन्त्र:	(v) घृणया

(क) → (iv), (ख) → (v), (ग) → (ii), (घ) → (i), (ङ) → (iii)

अनुवाद कौशल

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) अस्माकं देशे अनेके महापुरुषा: अभवन्।

(ख) महात्मन: गान्धिन: नाम विश्वे प्रसिद्ध: अस्ति।

(ग) अधुना भारतवर्ष: स्वाधीन: अस्ति।

(घ) भारते वैदेशिका: बहु अत्याचारम् अकुर्वन्।

(ङ) वयं सर्वे एनं प्रेम्णा 'बापू' इति कथयाम:।

6. निम्नलिखित श्लोक का हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर ''प्रत्येक पर्वत पर मणि नहीं होती, प्रत्येक हाथी में मोती नहीं होता, प्रत्येक वन में चंदन नहीं होता, ऐसे ही सभी जगह साधु (सज्जन) नहीं होते।''

16 सुभाषितानि

हिन्दी अनुवाद–

1. गहरे जल में विचरण करने वाली रोहित नाम की मछली गर्व नहीं करती है किंतु मात्र अंगूठे भर जल में शफरी मछली फड़फड़ाती रहती है।

2. उपदेश के द्वारा किसी के स्वभाव को बदला नहीं जा सकता है, क्योंकि अत्यधिक उष्ण जल भी फिर से अपने शीतल स्वभाव को प्राप्त होता है अर्थात् ठंडा हो जाता है।

3. चींटियों द्वारा इकट्ठा किया गया धान आदि, मधुमक्खियों द्वारा संचित मधु (शहद) और लोभी व्यक्ति द्वारा संचित धनादि, जड़ सहित नष्ट हो जाता है।

4. साँप क्रूर होता है, दुष्ट व्यक्ति क्रूर होता है। किंतु दुष्ट व्यक्ति साँप से अधिक क्रूर होता है क्योंकि साँप तो समय पर डसता है जबकि दुष्ट व्यक्ति पग-पग पर हानि पहुँचाता है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) अगाधजलसञ्चारी रोहित: गर्वं नायाति।

(ख) नहि, स्वभाव: उपदेशेन अन्यथा कर्तुं न शक्यते।

(ग) पिपीलिकार्जितं धान्यम्, मक्षिकासञ्चितं मधु लुब्धेन च सञ्चितं धनं समूलं नश्यति।

(घ) सर्प: कालेन दशति।

(ङ) दुर्जन: सर्पात् अत: क्रूरतर: भवति यतोहि सर्पस्तु कालेन दशति परं स: पदे पदे दशति।

2. श्लोकों का सही मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) सुतप्तमपि पानीयं	(iv) पुनर्गच्छति शीतताम्।
(ख) सर्प: दशति कालेन	(iii) दुर्जन: तु पदे पदे।
(ग) अगाधजलसञ्चारी	(i) गर्वं नायाति रोहित:।
(घ) लुब्धेन सञ्चितं द्रव्यं	(ii) समूलं हि विनश्यति।

3. रेखांकित शब्दों के आधार पर प्रश्न बनाइए–

उत्तर (क) शफरी **कथं** फर्फरायते?

(ख) **किं** पुन: शीततां गच्छति?

(ग) पिलीलिका **किम्** अर्जयति?

(घ) खल: **कस्मात्** क्रूरतर: भवति?

व्याकरण कौशल

4. नीचे लिखे शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर (क) जलम् = **वारि**

(ख) दुष्ट: = **खल:**

(ग) धनम् = **वित्तम्**

(घ) नष्ट: = **समाप्त:**

(ङ) द्रव्यम्: = **पदार्थम्**

(च) विज्ञ: = **प्राज्ञ:**

5. नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर (क) सज्जन: = **दुर्जन:**

(ख) शीलतम् = **उष्णम्**

(ग) ह्य: = **श्व:**

(घ) मूर्ख: = **विद्वान्**

(ङ) क्रूर: = **अक्रूर:**

(च) कटु = **मधुरम्**

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर चींटियों द्वारा इकट्ठा किया गया धान आदि, मधुमक्खियों द्वारा संचित मधु (शहद) और लोभी व्यक्ति द्वारा संचित धनादि, जड़ सहित नष्ट हो जाता है।

17 अहिंसायाः विजयः

हिन्दी अनुवाद–

प्राचीन काल में एक भयानक डाकू था। उस का नाम अंगुलिमाल था। मनुष्यों को लूटना और मारना उसका दैनिक कृत्य था। वह जिन्हें मारता था, उनकी उंगलियाँ काटकर उनसे माला बनाकर गले में पहनता था। इसलिए उसकी अंगुलिमाल ख्याति हो गई।

अंगुलिमाल के दुष्कृत्यों से प्रजा बहुत ही दुखी थी। राजा प्रसेनजित ने भी इसके क्रूर कृत्यों से बहुत कष्ट पाया। राजा ने उसे पकड़ने का बहुत प्रयत्न किया और सैन्य बल भेजा किंतु फिर भी सफलता नहीं मिली। भगवान बुद्ध के शिष्य ने प्रसेनजित की उस विषय में बुद्ध को प्रार्थना की।

तब बुद्ध अंगुलिमाल के सामने धर्म का उपदेश देने गए किंतु वह बुद्ध को देखकर क्रूरता से मारने के लिए दौड़ा। बुद्ध ने अपने तपोबल से ज्ञान प्रकाशित किया। बुद्ध के करुणापूर्ण भाव को देखकर वह चकित हो गया और बुद्ध के सामने झुक गया। बुद्ध ने तब उसे धर्म, परहित, प्रेम और करुणा की शिक्षा दी।

बुद्ध के उपदेशों के प्रभाव से अंगुलिमाल का अज्ञानतारूपी अंधकार नष्ट हो गया। उसने उंगलियों की माला काटर तलवार फेंक दी और दूसरों को पीड़ा पहुँचाना और हिंसा छोड़कर दयाभाव को प्राप्त हुआ। अब वह बुद्ध का शिष्य हो गया। इस प्रकार हिंसा पर अहिंसा की विजय हुई।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) कोशलदेशे अङ्गुलिमाल इति नाम्नः दस्यु आसीत्।

(ख) दस्योः अङ्गुलिमालः इति नाम अतः जातं यतोहि जनान् लुण्ठित्वा हत्वा च तेषाम् अङ्गुल्यः छित्वा मालारूपेण कण्ठे धारयति स्म।

(ग) अङ्गुलिमालस्य दुष्कृत्यैः प्रजाऽतीव दुःखिता आसीत्। राजा प्रसेनजितोऽप्यस्य क्रूरकृत्येन भृशं कष्टं प्राप्नोत्।

(घ) महात्मनः बुद्धस्य उपदेशप्रभावाद् अङ्गुलिमालस्य अज्ञानं नष्टम् अभवत्।

(ङ) बुद्धः अङ्गुलिमालाय धर्मस्या, परहितस्य, प्रेम्णः करुणायाश्च शिक्षाम् अददात्।

(च) अङ्गुलिमाल हिंसां परित्यज्य दयावान् अभवत्।

(छ) हिंसायां अहिंसायाः विजयोऽभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) मानवानां **लुण्ठनं हननं** च तस्य दैनिकं कृत्यम् आसीत्।

(ख) बुद्धस्तदा धर्मस्य, परहितस्य **प्रेम्णः करुणायाश्च** शिक्षा तस्मै अददात्।

(ग) बुद्धस्य **उपदेशप्रभावाद्** अङ्गुलिमालस्य **अज्ञानान्धकारः** नष्टः जातः।

(घ) अधुना सः बुद्धस्य **शिष्यः** अभवत्।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) नालभत् = **न** = **अलभत्**

(ख) अज्ञानान्धकार = **अज्ञान** = **अन्धकारः**

(ग) विजयोऽभवत् = **विजयः** = **अभवत्**

(घ) मर्धमुपदेष्टुम् = **धर्मम्** = **उपदेष्टुम्**

(ङ) तपोबलम् = **तपः** = **बलम्**

4. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए–

उत्तर (क) पुरा = **पुरा** भारतीयायां सेनायां युद्धे गजानाम् आधिक्येन प्रयोगः भवति स्म।

(ख) भृशम् = मूर्खः जनः गर्दभं **भृशम्** अताडत्यत्।

(ग) सैन्यबलम् = मगधसेनायाः **सैन्यबलं** ज्ञात्वा सिकन्दरस्य सैनिकाः भीताः अभवन्।

(घ) न्यवेदयत् = सः स्व समस्यां राज्ञे **न्यवेदयत्।**

(ङ) करुणायाः = महात्मा बुद्धः **करुणायाः** प्रतिमूर्तिः आसीत्।

(ङ) परतन्त्रः = कतिपयवर्षपूर्वं भारतदेशः **परतन्त्रः** आसीत्।

5. निम्नलिखित शब्द-रूपों के लिङ्ग, विभक्ति एवं वचन लिखिए-

	शब्दरूपम्	**लिङ्गम्**	**विभक्तिः**	**वचनम्**
उत्तर (क)	कोशलदेशे	= पुंल्लिङ्गम्	सप्तमी	एकवचनम्
(ख)	मानवानाम्	= पुंल्लिङ्गम्	षष्ठी	बहुवचनम्
(ग)	ताभिः	= स्त्रीलिङ्गम्	तृतीया	बहुवचनम्
(घ)	अङ्गुल्यः	= स्त्रीलिङ्गम्	प्रथमा	बहुवचनम्
(ङ)	अहिंसाम्	= स्त्रीलिङ्गम्	द्वितीया	एकवचनम्
(च)	दस्योः	= पुंल्लिङ्गम्	पञ्चमी,षष्ठी	एकवचनम्
(छ)	क्रूरतया	= स्त्रीलिङ्गम्	तृतीया	एकवचनम्

6. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

उत्तर (क) भीषणः = **भयानकः**

(ख) मानवः = **मनुष्यः**

(ग) क्रूर = **दुष्टः**

(घ) हन्तुम् = **मारितुम्**

(ङ) प्रेम = **स्नेहः**

(च) अन्धकारः = **तमः**

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) दस्युः अङ्गुलीनां मालां धारयति स्म।

(ख) नृपः अङ्गुलिमालं ग्रहीतुं बहु प्रायतत्।

(ग) भगवान् बुद्धः अङ्गुलिमालाय उपदेशम् अददात्।

(घ) बुद्धोपदेशेन सः दयालु अभवत्।

(ङ) अङ्गुलिमायः हिंसायाः त्यागम् अकरोत्।

(च) तस्मै मानवलुण्ठनं रोचते स्म।

(छ) वयं परान् न पीडयेम।

संस्कृत भाग 8

1 वन्दना

हिन्दी अनुवाद–

1. गुरु ब्रह्मा हैं, गुरु विष्णु हैं, गुरु महेश्वर देव हैं, गुरु साक्षात् परम ब्रह्म हैं, उन श्री गुरु को नमस्कार है।

2. जैसे सूर्य और चंद्रमा भयरहित निरंतर अपने कार्य में संलग्न हैं वैसे ही हे प्रभु! मेरे जीवन को भी भयरहित।

3. हे प्रभु! मुझे असत् (बुराई) से सत् (अच्छाई) की ओर ले चलो, मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।

4. हे सर्वव्यापक! सर्वज्ञ! सर्वशक्तिमान! सबसे सुंदर! देवेश! संपूर्ण जगत् के स्वामी तुम्हें नमस्कार है।

5. तुम ही आदिदेव हो, प्रथम पुरुष हो, तुम इस विश्व के सबसे बड़े भंडार हो, संपूर्ण सृष्टि के ज्ञाता हो और जानने योग्य हो परम धाम हो, तुम्हारे द्वारा ही विश्व अनंत रूपों से व्याप्त है। तुम्हें नमस्कार है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) साक्षात् परमब्रह्म गुरूः अस्ति।

(ख) हे प्रभु! मम जीवनभपि सूर्यचन्द्र इव भयरंहित कुरू येन अहं निर्भयो भूय सत्कार्याणि कुर्वन स्व जीवनं यापयेयम्।

(ग) सर्वव्यापकाय, सर्वज्ञाय, सर्वशक्तिमते, सुन्दरतमाय देवेशाय च जगदीश्वराय नमः।

(घ) हे प्रभु! त्वम् आदिदेव प्रथम पुरुषश्च असि, त्वमेव विश्वस्य निधानमसि, वेत्तासि, वेद्यं परं धामः च असि, त्वयैव विश्वे अनन्तरूपाणि दृश्यन्ते। तुभ्यं नमः इति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) गुरुः साक्षात् **परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे** नमः।

(ख) रग्वा **मे प्राण** मा विभोः।

(ग) असतो **मा सद्गमय तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा** ऽमृतं गमय।

(घ) त्वामादिदेवः **पुरुषः पुराणः त्वमस्य विश्वस्य परं** निधानम्।

3. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए–

उत्तर

(क) असतो मा	(i) परं निधानम्
(ख) नमस्ते	(ii) नरिष्यतः
(ग) तस्मै श्री	(iii) सद्गमय
(घ) विश्वस्य	(iv) जगदीश्वर
(ङ) न विभीतो	(v) गुरवे नमः

व्याकरण कौशल

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर

(क)	ज्योतिर्गमय	=	**ज्योतिः**	+	**गमय**
(ख)	महेश्वरः	=	**महा**	+	**ईश्वरः**
(ग)	नमस्ते	=	**नमः**	+	**ते**
(घ)	त्वामादिदेव	=	**त्वम्**	+	**आदिदेवः**
(ङ)	वेत्तासि	=	**वेत्ता**	+	**असि**

5. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिकर वाक्य-रचना संस्कृत में कीजिए–

उत्तर (क) ज्योतिः = **प्रकाश**

भारते वेदज्योतिः प्रज्वालय इति मे गुरुदक्षिणा।

(ख) नमस्ते = **तुम्हें नमस्कार है**

नमस्ते जगदीश्वराय!

(ग) पुराण: = **पुराना**

ईश्वर एव सर्वपुराण: अस्ति।

(घ) सर्वज्ञ = **सब जानने वाला**

ज्योतिषाचार्योऽयं सर्वज्ञ: अस्ति।

(ङ) वेद्यम् = **जानने योग्य**

भो: जना:! ज्ञापयत क: वेद्यम्?

अनुवाद कौशल

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

हे प्रभु! मुझे असत् (बुराई) से सत् (अच्छाई) की ओर ले चलो, मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।

तुम ही आदिदेव हो, प्रथम पुरुष हो, तुम इस विश्व के सबसे बड़े भंडार हो, संपूर्ण सृष्टि के ज्ञाता हो और जानने योग्य हो परम धाम हो, तुम्हारे द्वारा ही विश्व अनंत रूपों से व्याप्त है। तुम्हें नमस्कार है।

2 चरक:

हिन्दी अनुवाद–

'धर्म का पहला साधन शरीर है।' ऐसा शास्त्र का वाक्य सर्वथा उचित है। स्वस्थ शरीर के बिना जीवन की यात्रा किसी भी प्रकार पूरी नहीं हो सकती है। चिकित्साशास्त्र में चरक संहिता आयुर्वेद ग्रंथ न केवल सबसे प्राचीन, अपितु सबसे श्रेष्ठ भी है। किस रोग का क्या लक्षण है, क्या आहार है और क्या उपचार है, ऐसा सब यहाँ चिकित्सा के आचार्य चरक ने विस्तार से वर्णित किया है।

महर्षि चरक कहते हैं—"निश्चित ही यह शरीर पाँच तत्वों से बना है यह पाँच ही शरीर की इंद्रियाँ हैं। इन्द्रियों को वश में रखना स्वस्थ आचरण है। और भी वात, पित्त, कफ ये तीन दोष शरीर के हैं। इन तीन दोषों (तत्वों) के मात्रा में बराबर न होने पर शरीर में रोग पैदा होते हैं। इस प्रकार शरीर के दोषों की असंतुलित मात्रा ही रोग और दोषों की समान मात्रा रोग का उपचार। वह मात्रा समान हो जाए इसके लिए रोगी को दवाई दी जाती है।

किंतु यदि आहार-आचार के विषय में संयम हो तो शरीर के दोषों की समान मात्रा स्वयं ही हो जाती है। 'अपच (कब्ज) में भोजन विष है।' इसलिए प्रति व्यक्ति हितकारी खाने वाला, कम खाने वाला और मौसम के अनुसार खाने वाला होना चाहिए।

मन और शरीर एक दूसरे पर आश्रित हैं। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए न केवल शुद्ध आहार, स्वच्छ वायु, निर्मल जल, यथोचित व्यायाम आवश्यक है, अपितु चित्त की शुद्धि भी आवश्यक होती है। इसलिए सदाचार अनिवार्य और सयंम स्वस्थ आचरण है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) आद्यं धर्मसाधनं शरीरम् अस्ति।

(ख) चिकित्साशास्त्रे चरक संहिता इति ग्रन्थ: श्रेष्ठतम:।

(ग) इन्द्रियाणि पञ्च सन्ति।

(घ) शरीरस्य त्रय: दोषा; तद्यथा वात:, पित्त: कफ: इति।

(ङ) आहार-आचार विषये संयम: कर्तव्य:।

(च) शरीरस्य दोषाणाम् असन्तुलित: प्रमाण: रोगं जनयति।

(छ) अजीर्णे भोजनं विषम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) शरीमाद्यं खलु **धर्मसाधनम्** इति शास्त्रवाक्यम्।

(ख) चिकित्साशास्त्रे **चरकसंहिता** इति आयुर्वेदीय: ग्रन्थ: न केवलं **प्राचीनतम:** अपितु श्रेष्ठतम: अपि अस्ति।

(ग) पञ्चभूतात्मक: हि **देह:**।

(घ) अजीर्णे भोजनं **विषम्**।

(ङ) **मन: शरीरं** च अन्योन्यम् आश्रितम्।

3. निम्नलिखित कथन शुद्ध हैं या अशुद्ध लिखिए-

उत्तर (क) चरकसंहिता आधुनिकतमः ग्रन्थः अस्ति। **अशुद्धम्**

(ख) शरीरस्य पञ्च दोषाः सन्ति। **अशुद्धम्**

(ग) संयमेन शरीरस्य दोषाणां समतोलनं भवति। **शुद्धम्**

(घ) स्वास्थ्यरक्षायै दोषाणां समतोलनं भवति। **शुद्धम्**

(ङ) इन्द्रियनिग्रहः स्वस्थाचरणम्। **शुद्धम्**

व्याकरण कौशल

4. रंगीन पदों के आधर पर प्रश्न निर्माण कीजिए-

उत्तर (क) **कं** बिना जीवनयात्रा न भवितुमर्हति?

(ख) रुग्णाय किं दीयते?

(ग) स्वस्थः भवितुं **का** अपि अपेक्षिता भवति?

(घ) **कस्मिन् केषां च** प्रमाणे विषमे जाते रोगाः जायन्ते?

(ङ) **किम्** अपहर्तुम् औषधम् दीयते?

5. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए-

उत्तर

(क) शरीरम्	*(i)* अस्वस्थः
(ख) स्वच्छः	*(ii)* इन्द्रियनिग्रहः
(ग) रुग्णः	*(iii)* व्याधिः
(घ) रोगः	*(iv)* देहः
(ङ) संयमः	*(v)* निर्मलः

(क) → *(iv)*, (ख) → *(v)*, (ग) → *(i)*, (घ) → *(iii)*, (ङ) → *(ii)*

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य-रचना कीजिए-

उत्तर (क) उपपन्नम् = हितकारी मनोहरी दुर्लभं वचः इति सर्वथा **उपपन्नम्**।

(ख) श्रेष्ठतमः = चरकसंहिता इति ग्रन्थः **श्रेष्ठतमः** अस्ति।

(ग) औषधम् = अस्मै रुग्णाय शीघ्रम् **औषधं** ददातु।

(घ) समतोलनम् = शरीरे दोषाणां **समतोलनं** रोगस्य उपचारः इति।

(ङ) सदाचारः = सताम् आचारः **सदाचारः** कथ्यते।

अनुवाद कौशल

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) स्वस्थ शरीर के बिना जीवन की यात्रा नहीं हो सकती है।

(ख) इंद्रियों को वश में रखना स्वस्थ आचारण है।

(ग) अपच (कब्ज) में भोजन विष है।

(घ) स्वास्थ्य की रक्षा के लिए व्यायाम अत्यावश्यक है।

3 मातृस्वरूपा 'गोमाता'

हिन्दी अनुवाद–

जैसे माता पुत्र की रक्षा करती है और पालती है वैसे ही दूध आदि के द्वारा गाय भी रक्षा करती और पालती है। इस लोक और परलोक के यश और धर्म का साधन गायें मुख्य हैं। यह आकृति बहुत ही सरल और मधुर है जो घास चरकर (खाकर) भी मनुष्यों को अमृत समान दूध देती है। गाय के सफेद, लाल, काला, पीला और चितकबरा नाना रंग हैं।

कृषि प्रधान भारत की गायें ही सब कुछ हैं। गायों से उत्पन्न बैलों की कृपा से उपलब्ध गन्ने के रस से चीनी, गुड़ आदि के मिश्रण से गुणकारी गायों से ही खीर, घी आदि से निर्मित अनेक प्रकार के मिठाई प्रतिदिन लोग स्वाद लेते हैं। गाय के दूध, दही, घी से शरीर पुष्ट होते हैं। आयुर्वेद शास्त्रों के दूधों में गाय का दूध ही सबसे उत्तम माना गया है इसलिए सभी रोगों गाय के दूध का ही उपयोग किया जाता है। गाय का घी बलवर्धक होता है।

'गायों की सेवा से लौकिक श्रेय मिलता है' ऐसा यहाँ इतिहाास का ही प्रमाण है, कौन नहीं जानता है कि रघुकुल में उत्पन्न राजा दिलीप ने गाय की सेवा से ही पुत्र प्राप्त किया। गौतम शिष्य सत्काम को भी गाय की सेवा से ही तत्व ज्ञान हुआ। एक गोचरण प्रसंग में गोपालक श्रीकृष्ण बोलते हैं–

"गायें मेरे आगे हो, गायें मेरे पीछे हों, गायें मेरे सब ओर हों, मैं गायों के बीच में रहता हूँ।"

भारतीय संस्कृति में गाय को माता के समान मानते हैं। वास्तव में वह माता ही है। वह सभी को समान भाव से पालती है। न केवल गोरक्षकों को ही सुख देती है अपितु गाय के हत्यारों को भी वैसा ही सुख बाँटती है। कहीं कुपुत्र पैदा हो जाए किंतु माता कुमाता नहीं होती है। आजकल स्वतंत्र भारत देश में आशा करते हैं कि गोवंश की जाती चाहिए और राष्ट्र को समृद्ध करना चाहिए। तभी अच्छे दिन हम देख सकते है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) धेनुः मातृवत् रक्षति पालयति च।

(ख) धेनोः श्वेता, कपिला, कृष्णा, पीता कबुर्राचेति वर्णाः भवन्ति।

(ग) गोजातानां बलीवर्दानां कृपया जनाः प्रतिदिनं पायसघृतादिभिः निर्मितैः अनेकविधानां मिष्टानानां रसास्वादनम् अनुभवन्ति।

(घ) गवां सेवाया लौकिकः श्रेयः लभते इति इतिहासे प्रमाणं विद्यते।

(ङ) गोपालकः श्रीकृष्णः धेनोः विषये वदति यत् गावः मम अग्रे सन्तु, पृष्ठे सन्तु, सर्वत्र सन्तु, अहं गवां मध्ये वसामि।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) **आयुर्वेदशास्त्रेषु** दुग्धेषु गोदुग्धमेव उत्तमुद्धृष्टम् अतः सर्वरोगेषु **गोदुग्धस्यैवोपयोगः** क्रियते।

(ख) को न जानाति यद् **रघुवंशावतंसो** राजा दिलीपो **गोसेवया एव** पुत्रं प्राप्तवान्।

(ग) भारतीय **संस्कृतौ** धेनुं मातरमिव मन्यन्ते।

(घ) न केवलं **गोरक्षकेभ्यः** एव ददाति सुखानि अपितु **गोघातकेभ्योऽपि** तथैव सुखानि वितरति।

(ङ) कुपुत्रो जायेत **क्वचिदपि** माता **कुमाता** न भवति।

3. निम्नलिखित शब्दों-रूपों के लिङ्ग, विभक्ति एवं वचन लिखिए–

	पदम्		लिङ्गम्	विभक्ति	वचनम्
उत्तर (क)	कर्बुरा	=	स्त्रीलिङ्गम्	प्रथमा	एकवचनम्
(ख)	इक्षुरसः	=	पुंल्लिङ्गम्	प्रथमा	बहुवचनम्
(ग)	मिष्टान्नै	=	नपुंसकलिङ्गम्	तृतीया	बहुवचनम्
(घ)	सेवया	=	स्त्रीलिङ्गम्	तृतीया	बहुवचनम्
(ङ)	धेनोः	=	स्त्रीलिङ्गम्	पञ्चमी, षष्ठी	एकवचनम्

4. निर्देश के अनुसार शब्द रूप लिखिए–

उत्तर (क) रसास्वादनम् = षष्ठी विभक्तिः

रसास्वादनस्य **रसास्वादनयोः** **रसास्वादनानाम्**

(ख) तृणम् = चतुर्थी विभक्तिः

तृणाय **तृणाभ्याम्** **तृणेभ्यः**

(ग) आयुर्वेदः = तृतीया विभक्तिः

आयुर्वेदेन **आयुर्वेदाभ्याम्** **आयुर्वेदैः**

(घ) धेनुः = पञ्चमी विभक्तिः

धेनोः **धेनुभ्याम्** **धेनुभ्यः**

(ङ) दुग्धम् = चतुर्थी विभक्तिः

दुग्धाय **दुग्धाभ्याम्** **दुग्धेभ्यः**

5. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) धेनुरपि = **धेनुः** + **अपि**

(ख) तथैव = **तथा** + **एव**

(ग) बलवर्धकम् = **बल** + **वर्धकम्**

(घ) एवात्र = **एव** + **अत्र**

(ङ) रसास्वदनम् = **रस** + **आस्वादनम्**

6. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य-रचना कीजिए-**

उत्तर (क) क्वचिदपि = **क्वचिदपि** माता कुमाता न भवेत्।

(ख) पुनश्च = **पुनश्च** सः न प्रत्यावर्तत्।

(ग) गोजातानाम् = **गोजातानां** बलीवर्दनां साहारयेण कृषकाः क्षेत्राणि कर्षन्ति।

(घ) बलीवर्दाः = **बलीवर्दाः** बहुषु कार्येषु उपयुज्यन्ते।

(ङ) गावः = गावः विश्वस्य नातरः।

अनुवाद कौशल

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए-**

उत्तर (क) मातृवत् धेनुरपि अस्माकं पालनं पोषणं च करोति।

(ख) गोदुग्धम् अमृतसमं भवति।

(ग) अनेन दुग्धेन अनेकानां प्रकाराणां मिष्टान्नानि निर्मीयन्ते।

(घ) भारतीया संस्कृतौ धेनुं मातृवत् मन्यन्ते।

(ङ) माता कुमाता न भवति।

4 रक्तवर्णः भौमः

हिन्दी अनुवाद–

(उसके बाद कक्षा में अध्यापक प्रवेश करते हैं। छात्र प्रश्न पूछते हैं और अध्यापक उनके उत्तर देते हैं।)

वैभव— महोदय! अभिवादन करता हूँ।

अध्यापक— हाँ! स्वीकार किया। क्या तुम्हारा कुशल-मंगल है?

वैभव— आपकी कृपा से मैं कुशल हूँ। आपका मंगल का क्या अभिप्राय है? मंगल किसी ग्रह का नाम है? अच्छा, इस समय मंगल का क्या अभिप्राय है?

अध्यापक— (हँसकर) हाँ! मैंने माना 'मंगल' ग्रह का नाम है। किंतु यहाँ मंगल शब्द का अभिप्राय सुख और सौभाग्य है।

देव— मंगल ग्रह की जानकारी चाहता हूँ। क्या आप हमारी शंका का समाधान करेंगे?

अध्यापक— आज मैं तुम्हें मंगल ग्रह की जानकारी दूँगा। क्या तुम जानते हो, लाल ग्रह और युद्धाधिप (युद्ध का देवता) इसके अन्य नाम हैं। इसका यह 'युद्धाधिप' नाम इसके वर्ण के कारण है। कदाचित् भौमग्रह 'लाल-ग्रह' कहलाता है। मार्च का महीना भी मंगल ग्रह के नाम से पढ़ा जाता है।

वेदान्त— महोदय! मंगल ग्रह कहाँ है?

अध्यापक— सौरमंडल में स्थित मंगल ग्रह सूर्य से सातवीं परिक्रमा में है। इसका परिक्रमा-पथ सूर्य से 22,790,40,000 किमी है। 6794 किमी० लगभग आयत है।

अर्पित— श्रीमान्! मंगलग्रह का क्षेत्रफल कितना है? और उसकी परिधि कितनी है?

अध्यापक— चंद्रमा के समान मंगल की भी दक्षिणी गोलार्द्ध उच्च भूमि है। दूसरे में गोलाद्र्ध फैला हुआ है। इसके भीतरी भाग में 1,700 किमी तक रेडियस नामक आवरण है। पिघला हुआ और पथरीला मैंटल नाम का स्थान है। दक्षिणी गोलाद्र्ध में यह भू-पृष्ठ 80 मिकी. तक बहुत मोटा है। किंतु उत्तरी गोलाद्र्ध में 35 किमी जितना मोटा है।

अमित— हे ज्ञानी पुरुष! क्या मंगल ग्रह पर जीवन संभव है?

अध्यापक— मंगलग्रह का सूक्ष्म वायु वायुमंडल 95.3% कार्बन डाइ-ऑक्साइड, 2.7% नाइट्रोजन, 1.6% ऑर्गन, 0.15% ऑक्सीजन और 0.03% जल है। वैज्ञानिक वहाँ जीवन संभव है या असंभव, इस कार्य में प्रयासरत है।

वैभव— मंगल ग्रह का परिचय विस्तृत रूप में जानना चाहता हूँ।

अध्यापक— वत्स वैभव और छात्रो! मंगल के दो उपग्रह हैं— फोबोस और डीमोस। वहाँ फोबोस मंगल ग्रह का केंद्र 9,000 किमी० है। डीमोस का 23,000 किमी तक दूर है। फोबोस की परिधि 11 किमी० है और

डीमोस की 6 किमी० है। आशा करता हूँ कि मंगल ग्रह मंगल ग्रह का यह विवरण जानकर तुम्हारी आनंद प्राप्ति हुई हो। अब देर मत करो। गृहकार्य की प्राप्ति के लिए अपनी-अपनी पुस्तकें खोलो और लिखो।

(सभी छात्र लिखते हैं। गृहकार्य देकर अध्यापक कक्षा से बाहर निकल गए।)

अभ्यास

लेखन कौशल

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

उत्तर (क) मंगलग्रहः युद्धाधिपः कथ्यते।

(ख) भौमः परिक्रमापथे आदित्यात् द्वाविंश कोटि नवोत्तरसप्ततिः लक्षविशिष्ट चत्वारिंशत् सहस्त्रं क्रोशमितम् अवतिष्ठते।

(ग) भौमस्य आभ्यन्तरे भागे सप्तशतमधिकं सहस्रमेकं क्रोशमितं रेडियसस्यावरणं वर्तते।

(घ) भौमग्रहस्य द्वौ उपग्रहौ स्तः, तद्यथा फोबोसः डीमोसः च।

(ङ) अलं विलम्बेन इति अध्यापकः अतः वदति यतोहि कालांशः समापितः आसीत् गृहकार्यमपि च देयम् आसीत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

उत्तर (क) परम् अत्र 'मंगलः' इति शब्दस्य अभिप्रायः **सुखसौविध्यं** च वर्तते।

(ख) अस्य इदं युद्धाधिपः नाम **तद्गतवर्ण निबद्धं** वर्तते।

(ग) चन्द्र इव भौमोऽपि **दाक्षिण्यगोलार्द्धोच्च भूमिः** वर्तते।

(घ) **वैज्ञानिकाः** जीवनं सम्भवम् असम्भवं वा इति कार्ये प्रयासरताः सन्ति।

(ङ) फोबोसस्य परिधिः **एकादश** क्रोशं **परिमितः** वर्तते।

व्याकरण कौशल

3. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य-रचना कीजिए-**

उत्तर (क) अभिवादये = **अभिवादन करता हूँ**

अभिवादयेऽहं प्रतिदिनं प्रातः उत्थाय पितरम्।

(ख) स्वीकृतम् = **माना**

स्वीकृतं मया यद् त्वं बुद्धिमान् असि।

(ग) रक्त ग्रहः = **लालग्रह**

मंगलग्रहः रक्त ग्रहः अपि कथ्यते।

(घ) आवरणम् = **घेरा**

ग्रहं परितः कुसुमलतानाम् आवरणं विद्यते।

(ङ) उद्घाटयथ = **खोलो**

अधुना गृहकार्यार्थं स्व अभ्यासपुस्तिकाः उद्घाटयथ।

4. **निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए-**

उत्तर

(क) अभिवादये	(iii) महोदय
(ख) भवत्कृपया	(v) कुशलोऽस्मि
(ग) फोबोसः	(ii) भौमस्य उपग्रहः
(घ) पुस्तकानि	(i) उद्घाटयथ
(ङ) अलं	(iv) विलम्बेन

अनुवाद कौशल

5. **हिंदी में अनुवाद कीजिए-**

उत्तर (क) अध्यापक के कक्षा में प्रवेश करने के बाद छात्र प्रश्न पूछते हैं।

(ख) 'मंगल' शब्द का अभिप्राय है सुख-सौभाग्य।

(ग) किंतु 'मंगल' नाम का एक ग्रह भी है।

(घ) इस प्रकार मंगल ग्रह की जानकारी देकर अध्यापक कक्षा से बाहर निकल गए।

6. ग्रह कितने हैं? सभी के नाम लिखिए-

उत्तर अधुना ग्रहा: अष्ट सन्ति; तद्यथा-

बुध: शुक्र: पृथ्वी मंगल:

बृहस्पति: शनि: अरुण: वरुण:

5 परोपकारी वृक्षा:

हिन्दी अनुवाद-

जिसकी छाया में मृग सोते हैं, पक्षियों के समूह से व्याप्त जिसकी छत विलुप्त हो जाती है, जिसका कोटर (खोखला) कीड़ों-मकोड़ों से घिरा हुआ है, जिसकी शाखा का आश्रय लेकर बंदरों का समूह रहता है, जिसके फूलों का रस मुधमक्खियाँ निर्भय होकर पीती हैं, इस पृथ्वी पर जो सब रूपों में सुख देने वाला है, ऐसा ही पेड़-प्रशंनीय है।

इस संसार में परोपकार ही ऐसा गुण है जिससे मनुष्यों में अथवा जीवों में सुख बढ़ता है। समय सेवा की भावना और दूसरों के दुख में सहानुभूति व्यक्त करना परोपकार ही होता है। प्रकृति भी परोपकार ही सिखाती है।

जो वृक्ष परोपकारी और सुखदायक है वही प्रशंनीय होता है। एक वृक्ष की छाया में पशु सोते हैं। उसी वृक्ष पर बहुत सारे पक्षी सुख से रहते हैं। कोटर भी कीटों के आवास स्थान हैं। बंदर उसकी शाखाअें पर रहते और खेलते हैं। भौंरे भी उसी वृक्ष के फूलों का रस पीते हैं। ऐसा वृक्षा सभी के लिए सुखदायी और उपकारी है। इसलिए इसका जीवन धन्य है।

दूसरा सूखा हुआ और उपकार रहित वृक्ष पृथ्वी पर भार ही है। जीवन की सफलता तो परोपकार से ही है। ऐसे ही हम भी यदि शुष्क और उपकार रहित हो जाएँ तो केवल भूमि पर भाररूप होंगे। प्रकृति परोपकार के लिए जीती है। और कहा है—

वृक्ष परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं, गायें परोपकार के लिए दूध देती हैं, यह शरीर परोपकार के लिए है।

जो परोपकार करते हैं वे सज्जन होते हैं। सज्जन परोपकार से अपनी संपत्ति का वहन करते हुए अर्थात् संपन्न होते हुए भी विनम्रता से अपना शीश झुकाते हैं। जैसा कहा गया है-

वृक्ष फल आने पर नम्र हो जाते हैं, झुक जाते हैं, नव जल से पूरित होकर बादल लटक जाते हैं अर्थात् बरस जाते हैं, सत्पुरुष समृद्ध होने पर विनम्र हो जाते हैं, परोपकारियों का यही स्वभाव है।

अभ्यास

पाठ-बोध

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) मृग: वृक्षस्य छायायां सुप्त:।

(ख) शकुन्तनिवहै: विष्वग् वृक्षच्छदा: विलुप्ता:।

(ग) कोटर: कीटै: आवृत:।

(घ) परोपकारी वृक्ष: सर्वप्रकारेण लोकानां जीवजन्तूनां च हितं करोति अत: एष: श्लाघ्य: अस्ति।

(ङ) भ्रमरा: वृक्षकुसुमानां रसं पिबन्ति।

(च) वृक्ष: परोपकाराय फलन्ति।

2. कोष्ठक से उचित पद चुनकर रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए-

उत्तर (क) कपिकुलै: प्रश्रय: **स्कन्धे** कृत:।

(ख) विश्रब्धं कुसुमं **मधुपै:** निपीतम्।

(ग) वृक्षस्य छायायां **मृग:** सुप्त:।

(घ) परोपकाराय इदं **शरीरम्** अस्ति।

(ङ) परोपकाराय वृक्षा: **फलन्ति**।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों का मिलान कीजिए-

उत्तर

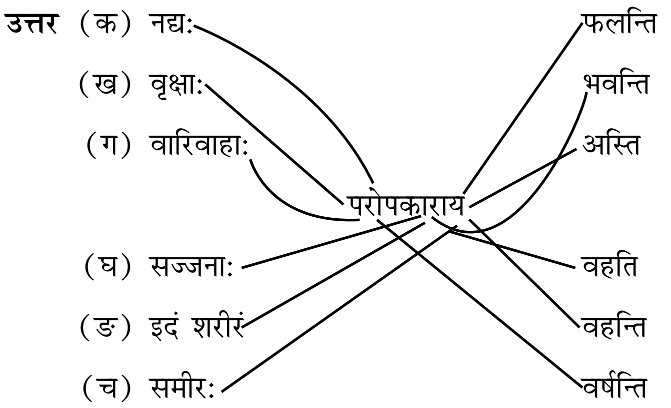

4. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

उत्तर (क) शकुन्तः = **खगः** (ख) कपिः = **वानरः**

(ग) मधुपः = **भ्रमरः** (घ) द्रुमः = **वृक्षः**

(ङ) संसः = **विश्वम्** (च) कुसुमस् = **पुष्पम्**

5. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क) कीटैरावृतः = **कीटैः** + **आवृतः**

(ख) प्रकृतिरपि = **प्रकृति** + **अपि**

(ग) तस्यैव = **तस्य** + **एव**

(घ) नम्रास्तरवः = **नम्राः** + **तरवः**

(ङ) फलोद्गमैः = **फल** + **उद्गमैः**

(च) एषैव = **एष** + **एव**

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) समाजसेवायाः भावना परोपकारे भवति।

(ख) वृक्षाः परोपकारं कुर्वन्ति।

(ग) वयं स्ववर्तव्यं पालयेम।

(घ) प्रकृतिः परोपकाराय जीवति।

(ङ) वयं परोपकारं कुर्याम।

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) वृक्ष परोपकार के लिए फलते हैं, नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं, गायें परोपकार के लिए दूध देती हैं, यह शरीर परोपकार के लिए है।

(ख) वृक्ष फल आने पर नम्र हो जाते हैं, झुक जाते हैं, नव जल से होकर बादल लटक जाते हैं अर्थात् बरस जाते हैं, सत्पुरुष समृद्ध होने पर विनम्र हो जाते हैं, परोपकारियों का यही स्वभाव है।

(ग) जिसकी छाया में मृग सोते हैं, पक्षियों के समूह से व्याप्त जिसकी छत विलुप्त हो जाती है, जिसका कोटर (खोखला) कीड़ों-मकोड़ों से घिरा हुआ है, जिसकी शाखा का आश्रय लेकर बंदरों का समूह रहता है, जिसके फूलों का रस मुधमक्खियाँ निर्भय होकर पीती हैं, इस पृथ्वी पर जो सब रूपों में सुख देने वाला है, ऐसा ही पेड़-प्रशंनीय है।

6 लोकमान्यः तिलकः

हिन्दी अनुवाद–

लोकमान्य बालगंगाधर तिलक वास्तव में राष्ट्र के तिलक थे। तिलक ने ही हमें स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने राष्ट्र की सेवा की। ''स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।'' ऐसा पाठ इन्होंने ही हमें सिखाया। तिलक का जन्म महाराष्ट्र राज्य के चिरबल नामक गाँव में हुआ था। उनके पिता रामचंद्र गंगाधर राव एक कुशल शिक्षक थे। तिलक की माता बहुत सुशीला और ईशभक्त थीं। किंतु जब वे दस वर्ष के थे उनकी माता दिवंगत हो गईं।

तिलक का बचपन सुख से नहीं बीता। जब वे सोलह वर्ष के थे उनके पिता ने भी शरीर छोड़ दिया। फिर भी तिलक ने परिश्रम से अध्ययन किया। क्रशमः वे स्नातक की उपाधि से सम्मानित हुए। तिलक संस्कृत के अद्भुत पंडित थे। अपने पिता की तरह इन्होंने भी शिक्षण-कार्य किया। शीघ्र ही वे राष्ट्रसेवा में लग गए। राष्ट्रहित के लिए वे अनेक बार जेल गए और विविध कष्ट सहे।

तिलक ने दो पत्र प्रकाशित किए। पत्रों के द्वारा उन्होंने देश को जागृत किया। जब विदेशियों के भय से किसी ने भी आवाज नहीं उठाई तब तिलक ने निर्भीक भाव से अपने विचार प्रकाशित किए। धीरे-धीरे अनगिनत लोग उनके अनुयायी हो गए और देश को स्वतंत्र किया।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) तिलकस्य जन्म महाराष्ट्र राज्यस्य चिरबल नामके ग्रामे अभवत्।

(ख) तिलकस्य बाल्यकाल: कष्टकारक: आसीत्।

(ग) 'स्वराज्य: अस्माकं जन्मसिद्ध: अधिकार: इति स: अस्मान् पाठम् आपाठयत्।

(घ) तिलकस्य जनक: रामचन्द्र गङ्गाधर राव आसीत्।

(ङ) यदा वैदेशिकानाम् भयेन कोऽपि स्वतन्त्रताया: शब्दोच्चारणम् अपि न अकरोत् तदा तिलक: निर्भीक भावेन स्वविचारान् प्रकाशयत्।

2. कोष्ठक से उचित पद चुनकर रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए–

उत्तर (क) तिलक: संस्कृतस्य **अद्भुत: पण्डित:** आसीत्।

(ख) तिलक: द्वे पत्रे **प्रकाशयत्**।

(ग) यदा स: दशवर्षीय: आसीत् तस्य **जननी दिवंगता**।

(घ) तिलक: **परिश्रमेण** अध्ययनम् अकरोत्।

(ङ) तिलकस्य जननी **सुशीला ईशभक्ता च** आसीत्।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर

(क) राष्ट्रस्य वस्तुत: तिलक:	*(i)* सुखेन न व्यतीत:।
(ख) तिलकस्य जन्म	*(ii)* संलग्न: अभवत्।
(ग) तिलकस्य बाल्यकाल:	*(iii)* लोकमान्य: बालगंगाधर: तिलक: आसीत्।
(घ) तिलक: संस्कृतस्य	*(iv)* चिरबले ग्रामे अभवत्।
(ङ) स: राष्ट्रसेवायां	*(v)* अद्भुत: पण्डित: आसीत्।

(क) → (iii), (ख) → (iv), (ग) → (i), (घ) → (v), (ङ) → (ii)

4. सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर (क) ✗ (ख) ✗

(ग) ✓ (घ) ✓

(ङ) ✓

व्याकरण कौशल

5. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना कीजिए–

उत्तर (क) राष्ट्रस्य = सदा **राष्ट्रस्य** हिताय एव चिन्तयत।

(ख) दिवंगता = तस्य बालकाले एव सा **दिवंगता**।

(ग) ईशभक्ता = तिलकस्य माता सुशीला **ईशभक्ता** च आसीत्।

(घ) अद्भुत: = तिलक: संस्कृतस्य **अद्भुत:** पण्डित: आसीत्।

(ङ) निर्भीक: = भरत: बाल्यात् एव **निर्भीक:** आसीत्।

6. निम्नलिखित शब्दा का संधि–विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) ईशभक्ता = **ईश** + **भक्ता**

(ख) राष्ट्रसेवायाम् = **राष्ट्र** + **सेवायाम्**

(ग) अन्वभवत् = **अनु** + **अभवत्**

(घ) शब्दोच्चारणम् = **शब्द** + **उच्चारणम्**

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) तिलक: राष्ट्रस्य वस्तुत: तिलक: आसीत्।

(ख) तिलकस्य जन्म चिरबलनामके ग्रामे अभवत्।

(ग) तिलक स्व शैशव: काठिन्येन अयापयत्।

(घ) स: राष्ट्रसेवायां अतितत्परतया संलग्न: आसीत्।

(ङ) स्वतन्त्रता अस्माकं जन्मसिद्ध: अधिकार: अस्ति।

(च) स: अनेकश: कारागारम् अपि अगच्छत्।

7 महर्षिः दयानन्दः

हिन्दी अनुवाद–

गुजरात राज्य में टंकारा नामक गाँव में श्रीकृष्ण तिवारी नामक धनाढ्य औदीच्य ब्राह्मण वंश की धर्मपत्नी ने भाद्रपद मास में नवमी तिथि में गुरुवार में मूल नक्षत्र में 1881 ई० में पुत्ररत्न को जन्म दिया।

जन्त के दसवें दिन 'शिव की पूजा करने वाला ही यह' ऐसा सोचकर पिता ने अपने पुत्र का नाम मूलशंकर किया और आठवें वर्ष में उपनयन संस्कार किया। जब मूलशंकर तेरह वर्ष के थे तब उनके पिता ने उन्हें शिवरात्रि का व्रत रखने के लिया कहा। पिता की आज्ञानुसार मूलशंकर ने व्रत का विधान किया। रात को शिवालय में अपने पिता के साथ सभी को सोया हुआ देखकर स्वयं जागे हुए रहे और शिवलिंग के ऊपर एक चूहे को इधर-उधर घूमते हुए देखकर शंकित मन वाले मूलशंकर ने सत्य शिव और सुंदर लोकशंकर का साक्षात्कार करने के लिए हृदय में निश्चय किया।

उस समय से ही शिवरात्रि का उत्सव 'ऋषि बोधोत्सव' नाम से आर्यसमाजियों के बीच प्रसिद्ध हुआ। जब ये सोलह वर्ष के थे तब उनकी छोटी बहन हैजे से मृत्यु को प्राप्त हो गई। तीन वर्ष बाद इनके चाचा जी भी दिवंगत हो गए। इन दोनों की मृत्यु देखकर इनके मन में था- कैसे में अथवा कैसे यह लोक मृत्यु के भय से मुक्त हो ऐसा सोचते हुए इनके हृदय में अचानक ही वैराग्य दीप प्रज्वलित हुआ। इसलिए एक दिन उन्होंने घर छोड़ दिया।

सत्रह वर्ष तक मूलशंकर एक गाँव से दूसरे गाँव, एक नगर से दूसरे नगर, एक वन से दूसरे वन, एक पर्वत से दूसरे पर्वत घूमे किंतु उन्हें आनंद प्राप्त नहीं हुआ। फिर नर्मदा के तट पर पूर्णानंद सरस्वती नामक संन्यासी के पास भोग विद्याएँ सीखीं। नर्मदा तट पर ही पूर्णानंद सरस्वती नाम के संन्यासी से संन्यास ग्रहण किया और 'दयानंद सरस्वती नाम रखा।'

क्रमशः वे विरजानंद के पास गए। वहाँ गुरु कल्पावृक्ष वेद-वेदांगों में प्रवीण नेत्रहीन होते हुए भी ज्ञानरूपी नेत्र वाले साधु स्वभाव गुरु को देखा और भक्ति से प्रणाम करके अपने विद्याध्ययन की उत्सुकता को निवेदन किया।

गुरु विरजानंद ने भी कुशाग्रबद्धि इन दयानंद को तीन वर्षों तक पाणिनी की अष्टध्यायी और अन्य शास्त्र पढ़ाए। विद्या समाप्त करके दयानंद परम श्रद्धा से गुरु को बोले- "भगवन्! मैं तुच्छ केवल लौंग ही ला सका हूँ। मेरी इस गुरुदक्षिणा को आप ग्रहण करें।"

गुरु उनसे प्रसन्न हुए- सौम्य! वेदों के जानकार हो, तुम्हारे लिए कुछ भी अविदित नहीं है। आजकल हमारा देश अज्ञानता के अंधकार में डूबा है, नारियों का अनादर किया जा रहा है, शूद्रों को अपमानित किया जा रहा है और पाखंडी पूजे जा रहे हैं। वेदरूपी सूर्य के बिना अज्ञानता का अंधकार नहीं जाएगा, तुम्हारा कल्याण हो। पतितों को उठाओ, स्त्री जाति का उद्धार करो, पाखंड का खंडन करो, ऐसी मेरी अभिलाषा है और यही मेरी गुरुदक्षिणा है।

गुरु से ऐसी आज्ञा पाकर महर्षि दयानंद लोगों का उद्धार करने के लिए तैयार हो गए और कुंभ पर्व पर भगीरथी के तट पर पाखंड खंडिनी पताका स्थापित की। उसके बाद हिमाद्रि जाकर तीन वर्षों तक तप किया। इन्होंने प्रतिपादित किया कि ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद नित्य ईश्वर द्वारा रचे गए हैं, ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्रों का विभाजन कर्मों से है न कि जन्म से, चार आश्रम हैं और ईश्वर एक ही है। आर्यज्ञान महादीप देव दयानंद जीवनपर्यंत देश और जाति के उद्धार के लिए प्रयत्नशील थे। इस प्रकार महर्षि का जीवन अनुकरणीय है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) दयानन्दस्य जन्म सौराष्ट्रे प्रान्ते टङ्कारानाम्नि ग्रामे च अभवत्।

(ख) दयानन्दस्य पितुः नाम श्री कृष्णतिवारी आसीत् ।

(ग) महर्षेः दयानन्दस्य बाल्यकालिकं नाम मूलशङ्करः आसीत्।

(घ) महर्षि दयानन्दः गुरोः विराजनन्दस्य शिष्यः आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) दयानन्दः कुशाग्रबुद्धिः **आसीत्**।

(ख) मूलशङ्कराय पिता शिवरात्रिव्रतमाचरितुम् **अकथयत्।**

(ग) दयानन्दः सर्वप्रथम गंगातटे **गच्छति।**

(घ) मूलशङ्करः एकं मूषकम् **अपश्यत्।**

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क)	शिवालयः	=	**शिव**	+	**आलयः**
(ख)	पितृव्योऽपि	=	**पितृव्यः**	+	**अपि**
(ग)	स्यादिति	=	**स्यात्**	+	**इति**
(घ)	विराजनन्दोऽति	=	**विरजानन्दः**	+	**अति**
(ङ)	व्रतमाचर	=	**व्रतम्**	+	**आचर**
(च)	शूद्राश्च	=	**शूद्रः**	+	**च**

4. निम्नलिखित शब्द-रूपों की विभक्ति व वचन लिखिए-

	शब्दरूपः		**विभक्तिः**	**वचनम्**
उत्तर (क)	सौराष्ट्रप्रान्ते	=	सप्तमी	एकवचनम्
(ख)	मूलशङ्कराय	=	चतुर्थी	एकवचनम्
(ग)	ग्रामेषु	=	सप्तमी	बहुवचनम्
(घ)	शिवालये	=	सप्तमी	एकवचनम्

5. पर्यायवाची शब्दों का मिलान कीजिए-

उत्तर (क)	जनकः	*(i)*	नानृतम्
(ख)	कनिष्ठ	*(ii)*	अन्धः
(ग)	सत्यम्	*(iii)*	पितृ
(घ)	देवालयः	*(iv)*	लघु
(ङ)	विलोचनम्	*(v)*	मन्दिरम्

अनुवाद कौशल

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) सः पठनाय वाराणसीं गमिष्यति।

(ख) सदाचारेण एव मनुष्यः श्रेष्ठः भवति।

(ग) वयमपि परोपकारं कुर्याम।

(घ) मूलशङ्कर शिवरात्रेः व्रतमाचरत्।

(ङ) सः वैदिकमतस्य प्रचारमकरोत्।

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) दयानंद जी का जन्म सौराष्ट्र प्रांत में टंकारा नामक गाँव में हुआ था।

(ख) पिता की आज्ञा से मूलशंकर ने शिवरात्रि का व्रत रखा।

(ग) हैजे से दयानंद जी की बहन की मृत्यु हो गई।

(घ) आजकल हमारे देश अज्ञान के अंधकार में है।

(ङ) ईश्वर तो एक ही है।

8 सत्सङ्गतेः महिमा

हिन्दी अनुवाद–

1. (सत्संगति) बुद्धि की जड़ता हरती है, वाणी में सत्यता को सींचती है, मान में उन्नति करती है, पाप (बुराई) को दूर करती है। मन को प्रसन्न करती है, कीर्ति को दिशाओं में फैलाती है। कहो, सत्संगति मनुष्यों का क्या नहीं करती है अर्थात् सत्संगति के द्वारा मनुष्य उत्तरोत्तर उन्नति करता है।

2. सज्जनों के साथ रहो, सज्जनों के साथ संगति करो, सज्जनों के साथ विवाद और मैत्री करो, किंतु दुर्जनों के साथ किसी भी प्रकार का व्यवहार मत करो।

3. साधुओं (सज्जनों) का दर्शन पुण्यदायी है, निश्चित ही साधु तीर्थ के समान हैं क्योंकि तीर्थ का फल तो समय पर ही मिलता है जबकि साधुओं का संग तुरंत फलदायी होता है।

4. गंगा पाप को, चंद्रमा ताप को, तथा कल्पतरू अर्थात् कल्पनाओं का वृक्ष, दीनता को नष्ट करता है किंतु सज्जनों का संगम पाप, ताप और दीनता तीनों को हरता है।

5. महान लोगों का साथ किसकी उन्नति का कारक नहीं है अर्थात् इनका साथ जीवन को उन्नत बनाता है। क्या कलम के पत्ते में स्थित जल मोती जैसा आभास कराने वाला फल नहीं देता है!

6. इस संसाररूपी कटु वृक्ष के दो फल निश्चित रूप से अमृत के समान हैं– सुमधुर वचनों का रसास्वादन और अच्छे व्यक्ति की संगति।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) सत्सङ्गतिः वाचि सत्यतां सिञ्चति।

(ख) संसारे सद्भिः सह सङ्गतिं कुर्वीत।

(ग) साधूनां समागमः फलति।

(घ) पापं तापं तथा दैन्यं सज्जनानां सङ्गः हन्ति।

(ङ) महाजनानां संसर्गः उन्नतिकारकः।

2. निम्नलिखित श्लोकों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) साधूनां दर्शनं पुण्यं **तीर्थभूता हि साधवः।**
तीर्थं फलति कालेन सद्यः साधुसमागमः।।

(ख) गङ्गा पापं शशी तापं दैन्यं **कल्पतरुस्तथा।**
पापं तापं च दैन्यं च हन्ति **सज्जनसङ्गमः**।।

(ग) महाजनस्य संसर्गः कस्य **नोन्नतिकारकः**।
पद्मपत्रस्थितं वारि दत्ते मुक्ताफलाश्रियम्।।

(घ) संसार कटुवृक्षस्य **द्वे फले ह्यमृतोपमे**।
सुभाषितरसास्वादः सङ्गतिः सुजने जने।।

व्याकरण कौशल

3. संधि कीजिए–

उत्तर (क) न + उन्नति = **नोन्नति**

(ख) सद्भि + एव = **सद्भिरेव**

(ग) किम् + चित् + आचरेत् = **किञ्चिदाचरेत्**

(घ) हि + अमृत + उपमे = **ह्यमृतोपमे**

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य-रचना कीजिए–

उत्तर (क) जाड्यम् = **जड़ता**
सत्सङ्गतिः जनानां **जाड्यं** हरति।

(ख) सङ्गतिः = **साथ**
देवस्य **सङ्गतिः** साधु नास्ति अतः सः एवम् आचरति।

(ग) प्रसादयति = **प्रसन्न करती है**
उपवनस्य शोभाः जनानां चित्तं **प्रसादयति**।

(घ) कल्पतरुः = **कल्पनारूपी वृक्ष**
कल्पतरुः दीनतां हरति।

(ङ) उन्नति = **आगे बढ़ना, ले जाना**
कस्यापि जनस्य **उन्नति** सत्सङ्गतिरेव कर्तुं शक्नोति।

5. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर (क) धियः = **मेधाः** (ख) कीर्तिः = **यशः**

(ग) विवादः = **कलहः** (घ) शशिः = **चन्द्रः**

(ङ) वारिः = **उदकम्** (च) अमृतम्ः = **सुधा**

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर (क) जाड्यम् = **बुद्धत्वम्** (ख) पापः = **पुण्यः**

(ग) साधु = **असाधु** (घ) उन्नतिः = **अवनतिः**

(ङ) कटुः = **मधुरः** (च) अमृतम् = **विषम्**

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) (सत्संगति) बुद्धि की जड़ता हरती है, वाणी में सत्यता को सींचती है, मान में उन्नति करती है, पाप (बुराई) को दूर करती है। मन को प्रसन्न करती है, कीर्ति को दिशाओं में फैलाती है। कहो, सत्संगति मनुष्यों का क्या नहीं करती है अर्थात् सत्संगति के द्वारा मनुष्य उत्तरोत्तर उन्नति करता है।

(ख) गंगा पाप को, चंद्रमा ताप को, तथा कल्पतरु अर्थात् कल्पनाओं का वृक्ष दीनता को नष्ट करता है किंतु सज्जनों का संगम पाप, ताप और दीनता तीनों को हरता है।

(ग) इस संसाररूपी कटु वृक्ष के दो फल निश्चित रूप से अमृत के समान हैं, सुमधुर वचनों का रसास्वादन और अच्छे व्यक्ति की संगति।

8. सत्संगति पर संस्कृत में पाँच वाक्य लिखिए-

उत्तर सतां सङ्गति: एव सत्सङ्गति: कथ्यते।

सत्सङ्गत्या जन: सव जीवनम् उन्नयति।

एषा कल्पतरु इव अस्ति या मानवस्य सर्वान् कामान् पूरयति।

एषा हृदि व्याप्तान् दुर्गुणान् दूरी करोति चित्तं च निर्मलं करोति।

सत्सङ्गति: बुद्धे: जडतां हृत्य सर्वप्रकारेण उन्नयति, अत: सदा सत्सङ्गतिं कुरुत।

9 विद्यार्थी-जीवनम्

हिन्दी अनुवाद–

छात्र-जीवन मानव-जीवन का स्वर्णकाल है। इसी काल में ही मानव जीवन का निर्माण होता है क्योंकि इस काल में छात्र जैसा कर्म चुनता है, उसी से वह अपने जीवन की यात्रा का निर्वाह करता है। विद्याध्ययन विद्यार्थी जीवन का पहला कर्तव्य है। विद्याध्ययन काल ही तपस्या का काल है। इसलिए इस काल में सभी सुख छोड़कर विद्या अध्ययन ही छात्र का कर्तव्य होना चाहिए।

विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे हमेशा गुरु के अनुशासन में रहें। गुरुओं की सेवा, सम्मान और आज्ञापालन उनका परम कर्तव्य है। गुरु के अनुशासन में रहकर उनकी आज्ञा से सारे कार्य नियम से करने चाहिए। समय का दुरुपयोग कभी नहीं करना चाहिए।

आत्मविश्वास विद्यार्थी के जीवन का मुख्य उद्देश्य है। इसलिए वे सदा आत्म विकास के लिए प्रयत्नशील हों। विद्यार्थी के कर्तव्य के विषय में किसी कवि ने कहा है—

''कौए की तरह चेष्टा, बगुले के समान ध्यान, कुत्ते के जैसी नींद, अल्पाहारी और गृहत्यागी, ये पाँच लक्षण विद्यार्थी के हैं।''

विद्यार्थी सदैव कौए की तरह चेष्टा करे। जैसे बगुला ध्यान में स्थिर रहता है वैसे ही छात्र भी विद्याध्ययन में ध्यानावस्थित हो। जैसे कुत्ता कम सोता है वैसे ही छात्र भी बहुत कम सोए। अधिक भोजन करने से आलस्य होता है, इसलिए विद्यार्थी को कम आहार ही करना चाहिए। ब्रह्मचर्यपालन तो उनके लिए सबसे श्रेष्ठ है। इस प्रकार अपने कर्तव्य का पालन करते हुए विद्यार्थी परम उन्नति को प्राप्त होता है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) मानवजीवनस्य स्वर्णकालं छात्रजीवनम् अस्ति।

(ख) सर्वाणि सुखानि विहाय विद्याध्ययनमेव छात्रस्य कर्तव्यं भवेत्।

(ग) विधार्थिन: जीवनस्य मुख्य: उद्देश्य: आत्मविकास: अस्ति।

(घ) काकवत् चेष्टा, बकवत् ध्यानम्, श्वानवत् निद्रा, अल्पाहारी गृहत्यागी इत्येतानि विद्यार्थिन: पञ्चलक्षणानि सन्ति।

(ङ) स्वकर्तव्यं पालयन् विद्यार्थी परमोन्नतिं प्राप्तुं शक्नोति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) छात्रजीवनं मानवजीवनस्य **स्वर्णकालम्** अस्ति।

(ख) **विद्याध्ययनं** विद्यार्थीजीवनस्य प्रथमं कर्तव्यम् अस्ति।

(ग) आत्मविकास: विद्यार्थिन: **जीवनस्य** मुख्य: **उद्देश्य:** अस्ति।

(घ) विद्यार्थी सदैव **काकवत्** चेष्टां कुर्यात्।

(ङ) **अधिकाहारेण** आलस्यं भवति।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य-रचना कीजिए-

उत्तर (क) जाड्यम् = **बनाना**
छात्रजीवने एव मानवजीवनस्य **निर्माणं** भवति।

(ख) सङ्गतिः = **हमेशा**
प्रज्ञाः **सदैव** मधुराणि वचनानि वदति।

(ग) प्रसादयति = **अच्छा उपयोग**
समयस्य सदा **सदुपयोगः** करणीयः।

(घ) कल्पतरुः = **आलस्य**
आलस्यं मनुष्यस्य शत्रुः अस्ति।

(ङ) उन्नति = **जीवन का**
जीवनस्य मुख्यम् उद्देश्यम् आत्मविकासः स्यात्।

4. विलोम शब्द लिखिए-

उत्तर (क) प्रथमम् = **अन्तिमम्**
(ख) सुखानि = **दुःखानि**
(ग) सदुपयोगः = **दुरुपयोगः**
(घ) अल्पम् = **अधिकम्**
(ङ) जीवनम् = **मृत्युः**
(च) शीतलम् = **उष्णम्**

5. बहुवचन में बदलिए-

उत्तर (क) जीवनस्य = **जीवनानाम्**
(ख) काले = **कालेषु**
(ग) गुरुणा = **गुरुभिः**
(घ) सुखम् = **सुखानि**
(ङ) विद्यार्थी = **विद्यार्थिनः**
(च) देवम् = **देवान्**

6. संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क) स्वर्णकालम् = **स्वर्ण** + **कालम्**
(ख) तेनैव = **तेन** + **एव**
(ग) तसयाज्ञया = **तस्य** + **आज्ञया**
(घ) दुरुपयोगः = **दुर्** + **उपयोगः**
(ङ) परमोन्नतिम् = **परम** + **उन्नतिम्**

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) छात्रजीवनं मनुष्यस्य स्वर्णकालः अस्ति।
(ख) अध्ययनकालः तपस्याकालः अस्ति।
(ग) समयस्य दुरुपयोगः कदापि न करणीयः।
(घ) विद्यार्थी श्वानवत् निद्रास्थः भवेत्।
(ङ) स्व कर्तव्यं पालयन् विद्यार्थी परमोन्नतिं प्राप्नोति।
(च) विद्याध्ययनं विद्यार्थीजीवनस्य प्रथमोध्ययनम् अस्ति।
(छ) गुरोः सेवा एकस्य शोभनविद्यार्थिनः कर्तव्यः अस्ति।

8. निम्नलिखित श्लोक का अर्थ हिंदी में लिखिए-

उत्तर "कौए की तरह चेष्टा, बगुले के समान ध्यान, कुत्ते के जैसी नींद, अल्पाहरी और गृहत्यागी, ये पाँच लक्षण विद्यार्थी के हैं।"

10 सर्पः दर्दुरश्च

हिन्दी अनुवाद–

किसी जीर्ण उद्यान में जीवहर नाम का साँप था। वह अत्यधिक जीर्णता के कारण आहार भी ढूँढ़नें में असमर्थ तालाब के किनारे रहता था। तब दूर से ही किसी मेढक ने देखा और पूछा—"आज क्या हुआ? तुम आहार नहीं ढूँढ़ोगे?" साँप बोला—"जाओ भद्र! मेरे मंद भागी के प्रश्न से तुम्हें क्या?" तब कुतुहल पैदा हुए उस मेढक ने कहा, "अच्छी तरह कहिए।"

साँप ने भी कहा, "भद्र! विद्यापुर वासी ब्राह्मण कौंडिन्य के बीस साल के सर्वगुणसंपन्न पुत्र को दुर्भाग्य से मैंने नृशंसता से डस

लिया। तब सुकर्ण नामक उस मृत पुत्र को देखकर मूर्च्छित कौडिन्य पृथ्वी पर लोट गया। इसके बाद- विद्यापुर वासी सभी बंधु वहाँ आकर बैठ गए। और कहा गया है-

समारोह में, विपत्ति में, अकाल में, राष्ट्र-विद्रोह होने पर, राज दरबार और श्मशान में जो रहता है वह बंधु है।''

तब ब्रह्मदेव नामक स्नातक बोला- ''अरे कौडिन्य! मूर्ख हो जो ऐसे प्रलाप और विलाप कर रहे हो। सुनो, जैसे महासागर में लकड़ी दूसरी लकड़ी से मिलकर एक हो जाती है। वैसे ही पाँच तत्वों से निर्मित देह फिर पंचतत्व मे ंचले जाने पर कैसी पीड़ा। तो भद्र! अपने आपको समझाओ और शोक करना छोड़ो।'' तब उसकी बात से शांत होकर जागा हुआ कौडिन्य उठकर बोला- ''बस अब इस नरकरूपी घर में नहीं रहना। वन को ही जाता हूँ।'' ''ब्रह्मदेव ने फिर कहा- ''(फिर मृत्यु हो जाने पर)'' रागियों के वन में भी दोष उत्पन्न होते हैं। बुरे कार्य में जो प्रवृत्त नहीं होता है, उस निर्मोही का घर ही तपोवन होता है।'' जीवहर कहता है- तब शोकाकुल ब्राह्मण ने शाप दिया कि आज से मेढ़कों के वाहन बनोगे। इसलिए ब्राह्मण के शाप से मेढकों को ढोने के लिए ठहरा हुआ हूँ।''

इसके बाद उस मेढक ने जाकर मेढकों के राजा के सामने वह सब कहा। तब वह मेढकराज आकर साँप की पीठ पर चढ गया। और वह साँप उसको पीठ पर लेकर विचित्र प्रकार से नाचता हुआ घूमने लगा। अगले दिन चलने में असमर्थ मेढकों के स्वामी ने कहा- आज आप धीरे क्यों चल रहे है?'' साँप कहा है- ''देव! आहार ढूँढ़ने में असमर्थ हूँ।'' मेढ़कराज बोला- ''हमारी आाा से मेढकों को खाओं'' ''तब ग्रहण किया यह महाप्रसाद'' ऐसा कहकर क्रमश: सभी मेढकों को खा गया। उसके बाद बिना मेढकों के तालाब को देखकर उसने मेढकों के राजा को भी खा लिया।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर (क) जीवहरो नाम्न: सर्प: जीर्णोद्याने निवसति स्म।

(ख) जीवहरं दृष्ट्वा केनचिद् मण्डूकेन पृष्टम् यत् किमिति अद्य? त्वम् आहारं नान्विष्यसि इति।

(ग) स्वपुत्रं मृतम् अवलोक्य मूर्च्छित: कौण्डिन्य: पृथिव्यां लुलोट।

(घ) यदा कौण्डिन्य: अब्रबीत्—''तद् अलं गृहनरकवासेन तदा ब्रह्मदेव: अकथयत्- मूढोऽसि एवं प्रलपसि विलपसि च। यथा महादधौ काष्ठं च काष्ठं समेयातां व्यपेयातां च तद्वद् भूतसमागम:। तथा पञ्चभि: निर्मिते देहे पुन: पञ्चतत्वं गते का परिवेदना। आत्मानम् अनुसन्धेहि शोकचर्यां च परिहर''।

(ङ) ''देव! आहारविहाराद् असमर्थोऽस्मि।'' इति सर्प: वदति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तर (क) सोऽति जीर्णतया **आहारमपि** अन्वेष्टुम् अक्षम: सरस्तीरे निवसति स्म।

(ख) तत: ब्रह्मदेवो **स्नातकोऽवदत्** — अरे कौण्डिन्य! मूढोऽसि एवं **प्रलपसि** विलपसि च।

(ग) यथा महोदधौ **काष्ठं** च काष्ठं **समेयातां** व्यपेयातां च तद्वद् **भूतसमागम:**।

(घ) ''किम् अद्य भवान् **मन्दगति:**''

(ङ) ''अस्मदाज्ञया **दर्दुरान्** भक्षय।'' ''ततो गृहीतोऽयं **महाप्रसाद:** —'' इति उक्त्वा क्रमशो मण्डूकान् खादितवान्।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित पदों का संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क)	सोऽति	**स: + अति**
(ख)	वनेऽति	**वने + अति**
(ग)	सर्पोऽपि	**सर्प + अपि**
(घ)	दर्दुराधिपति:	**दर्दुर: + अधिपति**
(ङ)	किमिति	**किम् + इति**
(च)	महाप्रसाद:	**महा + प्रसाद:**

4. निम्नलिखित शब्दरूपों के लिंग, विभक्ति एवं वचन लिखिए-

	शब्दरूपम्	लिङ्गम्	विभक्ति:	वचनम्
उत्तर (क)	ब्राह्मणेन =	पुंल्लिङ्गम्	तृतीया	एकवचनम्
(ख)	रागिणाम् =	पुंल्लिङ्गम्	षष्ठी	बहुवचनम्

(ग) शापाद् = पुंल्लिङ्गम् पञ्चमी एकवचनम्

(घ) देव! = पुंल्लिङ्गम् सम्बोधन एकवचनम्

(ङ) राजद्वारे = नपुंसकलिङ्गम् सप्तमी एकवचनम्

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए-

उत्तर (क) प्रवर्तते = **लगता है-** मम मन: एतादृशेषु कर्मषु न **प्रवर्तत**।

(ख) सर्वे बान्धवा: = **सभी बंधु- सर्वे बान्धवा:** तत्रागत्य उपविष्टा:।

(ग) अस्मदाज्ञया = **हमारी आज्ञा से- अस्मदाज्ञया** सर्वान् निर्धनान् धनादिकं यच्छतु।

(घ) अवदत् = **बोला**- मण्डूक: **अवदत्** यत् एष अर्तत्व दुर्बल: सर्प:।

(ङ) मण्डूकान् = **मेढ़कों को-** एवं स: सर्वान् **मण्डूकान्** अभक्षयत्।

6. संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क) आहारम् + अपि **आहारमपि**

(घ) सर: + तीरे **सरस्तीरे**

(ख) दु: + दैवात् **दुर्दैवात्**

(ङ) सर्प: + अवदत् **सर्पोऽवदत्**

(ग) स्नातक: + अवदत् **स्नातकोऽवदत्**

अनुवाद कौशल

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) कस्मिंश्चित् जीर्णोद्याने एक: विषधर: निवसति स्म।

(ख) एकस्मिन् दिने एक: मण्डूक तस्य समीपम् आगच्छत्।

(ग) सर्प: तं स्व कथाम् अश्रावयत्।

(घ) क्रमश: सर्प: मण्डूकान् अभक्षयत्।

11 श्री लालबहादुर शास्त्री

हिन्दी अनुवाद–

भारतवर्ष एक महान देश है। इस देश में अनेक मुनि, ऋषि, देशभक्त और नेता हुए। उन देशनायकों में लाल बहादुर शास्त्री का नाम हमारे देश में विशिष्ट स्थान रखता है। इन महाभाग का जन्म उत्तर प्रदेश राज्य में मुगलसराय नामक स्थान पर 1904 ई० में अक्टूबर महीने की 2 ता० में हुआ था। इनका जन्म एक कायस्थ परिवार में हुआ था।

इनके पिता श्री हजारीलाल एक अध्यापक थे। वे एक प्राथमिक पाठशाला में पढ़ाते थे। इनकी माता श्रीमती राजदुलारी देवी एक साध्वी महिला थीं। बचपन में ही इनके पिता दिवंगत हो गए। इसलिए इनका पालन–पोषण इनके नाना के घर हुआ। जब वे काशी में हरिश्चंद्र विद्यालय के छात्र थे तभी वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के आंदोलन से बहुत प्रभावित हो गए थे। तब वे पढ़ाई छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हो गए और जेल में बंद हो गए। उसके बाद फिर काशी विद्यापीठ में अध्ययन करके 'शास्त्री' उपाधि पाई।

शास्त्री जी बचपन से ही प्रतिभासंपन्न, निर्भीक, दृढ़निश्चयी और कर्मशील थे। उनका जीवन बहुत सरल था। उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में विविध पदों को अंलकृत करके अंत में भारतराष्ट्र के प्रधानमंत्री पद को अलंकृत किया। अपने कार्यकाल में शास्त्री जी ने भारत–पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान के युद्धोन्माद का मर्दन करके भारत के गौरव की रक्षा की और सभी लोगों के प्रिय बने। न केवल युद्ध में अपितु शांति स्थापना में भी उन्होंने ख्याति पाई। शांति–स्थापना के लिए ही वे ताशंकद नगर और वहीं उन्होंने अपने प्राण छोड़ दिए। उनके निधन का समाचार सुनकर भारतीय शोक सागर में डूब गए।

आज उनका पार्थिव शरीर हमारे मध्य नहीं है फिर भी यशरूपी शरीर से वे भारत के जनसमूह के मनों विराजमान हैं।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) शास्त्रिण: जन्म एकस्मिन् कायस्थकुले अभवत्।

(ख) शास्त्रिण: पितुर्नाम श्री हजारीलाल: आसीत्।

(ग) तस्य मातुर्नाम श्रीमती राजदुलारी देवी आसीत्।

(घ) शास्त्रिण: पालनं मातामहस्य अभवत्।

(ङ) स: शास्त्री इति उपाधिम् अलभत।

(च) यदा शान्तिस्थापनार्थं ताशकन्दनगरे आसीत् तदा तत्रैव शास्त्री महाभाग: स्वर्गं गत:।

(छ) शास्त्री महाभाग: हरिश्चन्द्र विद्यालयस्य छात्र: आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) **भारतवर्ष:** महान् देश: अस्ति।

(ख) शास्त्रिण: जन्म 1904 ख्रीष्टाब्दे अभवत्।

(ग) शास्त्रिण: पिता एक: **अध्यापक:** आसीत्।

(घ) शास्त्रिण: जन्म **उत्तरप्रदेश राज्ये मुगलसराय** स्थाने अभवत्।

(ङ) शास्त्री **माहभाग: कारागारे** निबद्ध:।

(च) शास्त्रिण: जीवनं **सरलम्** आसीत्।

व्याकरण कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) देशभक्त: = **देश का भक्त**

भगतसिंह: महान् **देशभक्त:** आसीत्।

(ख) निर्भीक = **निडर**

बालोऽयम् अतीव **निर्भीक:** प्रतीयते।

(ग) परित्यज्य = **छोड़कर**

अध्ययनं **परित्यज्य** शास्त्री महाभाग: स्वातन्त्र्यसङ्ग्रामे सक्रिय: अभवत्

(घ) युद्धे = **युद्ध में**

वीरवर: अभिमन्यु: **युद्धे** अद्भुतं कौशलम् अदर्शयत्।

(ङ) निधनस्य = **निधन का**

शास्त्रीमहाभगस्य **निधनस्य** समाचारं श्रुत्वा समे शोकमग्ना: अभवन्।

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर (क) भारतवर्ष: एक: महान् देश: अस्ति।

(ख) अस्य जन्म एकस्मिन् कायस्थे कुले अभवत्।

(ग) अस्य पालनपोषणं मातामहगृहे अभवत्।

(घ) शास्त्रिणा भारतपाकयो: युद्धे पाकस्य मर्दनं कृतम्।

(ङ) अस्य निधनं ताशकन्दनगरे अभवत्।

5. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) देशभक्ता: = **देश** + **भक्ता:**

(ग) प्रतिभासम्पन्न: = **प्रतिभा** + **संपन्न:**

(ख) अतिसरलम् = **अति** + **सरलम्**

(घ) शोकसागरे = **शोक** + **सागरे**

(ङ) नास्ति = **न** + **अस्ति**

(च) तथापि = **तथा** + **अपि**

अनुवाद कौशल

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर (क) वयं भारतीया: स्म:।

(ख) अस्माकं देशे अनेके महापुरुषा: अभवन्।

(ग) लालबहादुर शास्त्रिण: पालनपोषणम् अस्य मातामह गृहेऽभवत्।

(घ) शास्त्रीमहाभगस्य जीवनम् अति सरलम् आसीत्।

(ङ) एष: सर्वेषां प्रिय: आसीत्।

(च) अयं भारतपाकयो: युद्धे पाकस्य मानमर्दनम् अकरोत्।

(छ) अयम् अद्यापि भारतीय जनानां हृदयेषु विरजमानोऽस्ति।

12 सुभाषितानि

हिन्दी अनुवाद–

1. सत्य बोलना चाहिए, प्रिय बोलना चाहिए, सत्य अप्रिय नहीं बोलना चाहिए और प्रिय असत्य नहीं बोलना चाहिए, यही सनातन धर्म है।

2. मीठे वचन बोलने से सभी प्राणी संतुष्ट होते हैं, फिर वैसा ही बोलना चाहिए, ऐसा बोलने में दरिद्रता कैसी!

3. जिस देश में सम्मान नहीं, न प्रीति और न बंधु, न विद्वान, उस देश को छोड़ देना चाहिए।

4. न कोई किसी का मित्र है, न कोई किसी का शत्रु। व्यवहार से ही मित्र तथा शत्रु पैदा होते हैं।

5. निम्न लोग धन चाहते है, मध्यम लोग, धन और मान चाहते हैं, उत्तम लोग मान चाहते हैं, महान लोगों का मान ही धन होता है।

6. कौआ काला, कोयल काली, कौए और कोयल में क्या अंतर है? वसंत का समय आने पर कौआ कौआ होता है तथा कोयल कोयल होती है।

7. इस लोक में चंदन शीतल होता है, चंद्रमा चंदन से भी शीतल होता है चंद्रमा चंदन के मध्य अच्छी शीतल संगति होती है।

8. नित्य अभिवादन करने वाले और बुजुर्गों की सेवा करने वाले की चार चीजें बढ़ती हैं- आयु, विद्या, यश और बल।

9. दुर्जन के साथ शत्रुता और स्नेह नहीं करना चाहिए। क्योंकि दहकता अंगारा हाथ जलाता है और ठंडा होने पर हाथ काला करता है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) चन्द्रचन्दनयोः मध्ये शीतला साधु च सङ्गतिः।

(ख) अधमाः धनम्, मध्यमाः धनं मानम् उत्तमाः च पुरुषाः केवलं मानम् इच्छन्ति।

(ग) यस्मिन् देशे सम्मानः न भवति तर्हि तं देशं परिवर्जनी यम्।

(घ) व्यवहारेण मित्राणि रिपवश्च जायन्ते।

(ङ) दुर्जनः सर्वप्रकारेण हानिरेव करोति अतः सः परिहर्तव्यः।

(च) सत्यं प्रियं वक्तव्यम्, अप्रियं सत्यम्अनृतं प्रियंच न वक्तव्यम्।

2. श्लोकों को पूरा कीजिए–

उत्तर (क) प्रियवाक्यप्रदानेन **सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः**।

तस्मात् तदैव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।।

(ख) न कश्चित् **कस्यचित् मित्रं न कश्चित् कस्यचिद् रिपुः**।

व्यवहारेण **जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा**।।

(ग) चन्दनं **शीतलं लोके चन्दनादपि चन्द्रमा**।

चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसङ्गतिः।।

(घ) दुर्जनः **परहिर्तव्यो विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि सन्**।

मणिना भूषितो सर्पः किमसौ न भयङ्करः।।

व्याकरण कौशल

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य रचना कीजिए–

उत्तर (क) व्यवहारेण = **व्यवहार से**

व्यवहारेण एव मित्राणि रिपवश्च जायन्ते।

(ख) चन्दनम् = **चंदन**

चंन्दनं शीतलतायाः परिचायकं भवति।

(ग) वर्धन्ते = **बढ़ती हैं**

अभिवादनशलस्य आयुर्विद्यादिकानि वर्धन्ते।

(घ) सर्प: = **साँप**

सर्प: समयेन दशति परं दुर्जना: पगे पगे।

(ङ) प्रदानेन = **प्रदान करने से**

राज्ञा प्रदानेन धनेन विप्र: आशिषं यच्छन् गृहं प्रत्यागत:।

अनुवाद कौशल

4. निम्नलिखित श्लोकों के हिंदी में अर्थ लिखिए-

उत्तर (क) जिस देश में सम्मान नहीं, न प्रीति और न बंधु, न विद्वान, उस देश को छोड़ देना चाहिए।

(ख) निम्न लोग धन चाहते है, मध्यम लोग, धन और मान चाहते हैं, उत्तम लोग मान चाहते हैं, महान लोगों का मान ही धन होता है।

(ग) दुर्जन के साथ शत्रुता और स्नेह नहीं करना चाहिए। क्योंकि दहकता अंगारा हाथ जलाता है और ठंडा होने पर हाथ काला करता है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) सतां सङ्गति: सर्वोत्तमा अस्ति।

(ख) व्यवहारेण एव शत्रव: मित्राणि च जायन्ते।

(ग) वसन्तकाले काकपिकयो: भेदं स्पष्टं भवति।

(घ) दुर्जनानां सङ्गति: अङ्गार इव भवति।

(ङ) सर्वप्रियं वचनं वक्तव्यम्।

(च) काकपिकौ कृष्णौ स्त:।

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) सदा सत्य बोलना चाहिए।

(ख) मधुर वाक्य बोलने से सभी प्राणी संतुष्ट होते हैं।

(ग) जिस देश में सम्मान नहीं होता है वहाँ नहीं रहना चाहिए।

(घ) विद्या से भूषित दुर्जन छोड़ देना चाहिए।

(ङ) निम्न लोग केवल धन चाहते हैं।

(च) इसलिए वही बोलना चाहिए। सेना बोलने में कंजूसी कैसी!

13 लुब्ध: मानव:

हिन्दी अनुवाद–

एक बार दक्षिण में स्थित वन में एक बूढ़ा शेर स्नान करके हाथ में कुश लिए तालाब के किनारे कहता है- "हे, हे पथिको! यह सोने का कंगन लो।" तब लोभवश आकृष्ट होकर किसी पथिक ने सोचा- भाग्य से यह संभव है, किंतु इसमें अपने आपको संदेह में नहीं डालना चाहिए। क्योंकि अभीष्ट वस्तु की प्राप्ति में भी अनिष्ट उत्पन्न होने से स्थिति अच्छी नहीं होती है, जहाँ विष का साथ हो वहाँ अमृत भी मृत्यु प्रदान कर सकता है।

किंतु सब जगह अर्थ (धन-लाभ) कमाने में संदेह ही है, इसे निश्चित करता हूँ, स्पष्ट बोलता है- "कहाँ है तुम्हारा कंगन?" शेर हाथ फैलाकर दिखाता है। पथिक बोला- "तुझ हिंसक पर कैसे विश्वास करूँ?" शेर ने कहा- सुनो रे पथिक! पहले मैं यौवन अवस्था में बहुत दुष्ट था। अनेक पशुओं और मनुष्यों के वध से मेरे पत्र और पत्नियाँ मर गईं। अब मैं वंशहीन हूँ। तब किसी धर्मिक व्यक्ति ने मुझे उपदेश दिया- "आप दान-धर्म आदि करें।" उनके उपदेश आदि से मैं स्नान करने वाला, दान करने वाला, गले हुए नाखूनों और दाँतों वाला बूढ़ा कैसे विश्वास के योग्य नहीं हूँ जैसे मरुस्थल में वृष्टि अथवा जैसे भूखे को भोजन सफल होता है वैसे ही जो दान दरिद्र को दिया जाता है, हे पांडुनंदन! वह सफल होता है। तो यहाँ तालाब में स्नान करके सोने का कंगन ग्रहण करो।

उसके बाद जब तक वह उसकी बात में आकर लोभ से तालाब में नहाने के लिए प्रवेश करता है तब तक भयंकर कीचड़ में डूबा भागने में असमर्थ हो गया। कीचड़ में गिरे हुए को देखकर शेर

बोला–"अहा! भयंकर कीचड़ में गिर गए हो, इसलिए तुम्हें उठाता हूँ। ऐसा कहकर धीरे–धीरे उसके पास जाकर उस शेर ने उसे पकड़ लिया। तब राहगीर ने सोचा– यह मैने अच्छा नहीं किया जो यहाँ इस हिंसक पर विश्वास किया। वैसे कहा गया है–

नदियों का, शस्त्रधारियों का, नाखून वालों का, सींग वालों का, स्त्रियों और राजपरिवारों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। ऐसा सोचते हुए उसे शेर ने मार डाला और खा गया।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) सरस्तीरे सिंह: हस्ते स्वर्णकङ्कणं धृत्वा पथिकान् च दर्शयित्वा तान् खादितुम् आकर्षयति स्म।

(ख) लोभाकृष्टेन केनचित् पान्थेन आलोचितं यत् भाग्येन एतत् भवितु मर्हति परम् आत्मसन्देहे प्रवृत्त: न विधेय यतोहि अभीष्टे प्राप्तिऽपि अनिष्टे भूते गति शुभा न भवति यतो हि विषसंसर्गात् अमृतमपि मृत्युकारकं भवति।

(ग) सिंह: पान्थानं कथयति यत् प्राक् अहं यौवनदशायामति दुर्वृत्त: आसम्। अनेकगोमानुषाणां वधान्मे पुत्रा: दाराश्चमृता: । वंशहीनश्चाहम् अधुना। तत: केनचिद् धार्मिकेणाहमादिष्ट:—"दानधर्मादिकं चरतु भवान्।" तदुपदेशादिदानीमहं स्नानशीलो दाता वृद्धो गलितनखदन्तो कथं न विश्वासयोग्य:? यथा मरुस्थले वृष्टि: यथा वा क्षुधार्त्ते: भोजनं सफलं भवति तथा यत् दानं दरिद्राय दीयते। तत् सफलं भवति। तदत्र सरसि स्नात्वा सुवर्णकङ्कणं गृहाण इति"।

(घ) पान्थ: महापङ्के निमग्न: अभवत्।

(ङ) अन्ते पानथ: सिंहेन व्यापादित: खादितश्च।

2. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) एकदा दक्षिणारण्ये एक: वृद्ध: सिंह: **स्नात:** कुशलहस्त: **सरस्तीरे** ब्रूते।

(ख) यथा **मरुस्थले** वृष्टि: यथा वा **क्षुधार्ते:** भोजनं सफलं भवति।

(ग) तदत्र सरसि स्नात्वा **सुवर्णकङ्कणं** गृहाण।

(घ) तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र **मारात्मके** विश्वास: कृत:।

(ङ) शृंगीणां स्त्रीषु राजकुलेषु च **विश्वास:** न **कर्तव्या:**।

व्याकरण कौशल

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य-रचना कीजिए–

उत्तर (क) केनचित् = **किसी**

केनचित् बालकेन इमानि पुष्पाणि त्रोटितानि।

(ख) विश्वास: = **भरोसा**

मारात्मकेषु कदापि **विश्वास:** नैव कर्तव्य:।

(ग) लोभात् = **लालच से**

लोभात् आकृष्ट स: स्वर्णकङ्कणं नेतुं प्रवृत्त:।

(घ) शनै: शनै: = **धीरे-धीरे**

शनै: शनै: कच्छप: स्व लक्ष्यं प्रति प्रस्थित:।

(ङ) सुवर्णकङ्कणम्= **सोने का कंगन**

रमाया: स्वर्णकङ्कणं मेलापके विलुप्त्।

(च) कर्तव्य: = **करना चाहिए**

कदापि केन सह दुर्वृत्त: न कर्तव्य:।

4. निम्नलिखित शब्द में उपसर्गों को पहचानिए और लिखिए–

	पद:		उपसर्ग:	शेषपदम्
उत्तर (क)	प्रबलम्	=	प्र	बलम्
(ख)	अपहरति	=	अप	हरति
(ग)	अनुगच्छति	=	अनु	गच्छति
(घ)	प्रभावित	=	प्र	भावित:

5. निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलिए–

उत्तर (क) पान्थान: अवदन्।

(ख) वृद्धा: व्याघ्रा: कुशहस्ता: सरस्तीरे ब्रुवन्ते।

(ग) हे पाण्डुनन्दन! तानि सफलानि भवन्ति।

(घ) ते लोभात् सरसि स्नातुं प्रविशन्ति।

(ङ) सिंहेन लुब्धा: मानवा: हता:।

6. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तर (क) सरस्तीरे = **सर:** + **तीरे**

(ख) लोभाकृष्टेन = **लोभ** + **आकृष्टेन**

(ग) तदपि = **तत्** + **अपि**

(घ) प्रागेव = **प्राक्** + **एव**

(ङ) तन्मय = **तत्** + **मय**

7. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

उत्तर (क) कुशहस्त = हाथ में कुश लिए

(ख) गृह्यताम् = लीजिए

(ग) लोभाकृष्टेन = लोभ से आकृष्ट

(घ) आदिष्ट: = आदेश दिया

(ङ) मरुस्थले = मरुस्थल में

(च) दीयते = दिया जाता है

अनुवाद कौशल

8. निम्नलिखित श्लोकों के हिंदी अर्थ लिखिए-

उत्तर (क) अभीष्ट की प्राप्ति में भी अनिष्ट उत्पन्न होने से स्थिति अच्छी नहीं होती है, जहाँ विष का साथ हो वहाँ अमृत भी मृत्यु प्रदान कर सकता है।

(ख) नदियों का, शस्त्रधारियों का, नाखून वालों का, सींग वालों का, स्त्रियों और राजपरिवारों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

14 स्वर्गप्राप्ते: रहस्यम्

हिन्दी अनुवाद–

एक बार भगवान विष्णु ने स्वर्ग और नरक बनाकर इंद्र को स्वर्ग का और यमराज को नरक का स्वामी नियुक्त किया। उसी दिन से स्वर्ग को तो लोग प्रतिदिन आना शुरू हो गए किंतु यमलोक को लोगों का आना न हुआ। इस प्रकार स्वर्ग तो सजीव और आनंदमय हो गया किंतु नरक निष्क्रिय और क्षिस्तब्ध हो गया।

नरक की निष्क्रियता देखकर यमराज चिंता से व्याकुल हो गए। उन्होंने अपना आधिपत्य छोड़ने के लिए विष्णु जी के पास जाकर प्रार्थना की–"भगवन्! मैं अपना अधिकार छोड़ना चाहता हूँ, कृपया मुझे इस भार से मुक्त करें।" विष्णु जी उन्हें आश्वस्त करने के लिए बोले– "आप ऐसे कैसे चिंतित हैं? यह तो सुख का विषय है कि पृथ्वीलोक पर लोग धार्मिक और नैतिक गुणों से संपन्न हैं, इसलिए वे स्वर्ग ही आते हैं। विष्णु जी की बात सुनकर यमराज ने संतुष्ट होकर मौन धारण कर लिया।"

उस समय विष्णु जी के पास बैठी लक्ष्मी जी ने विष्णु जी को प्रार्थना की– "भगवन्! मैं पृथ्वीलोक के वासियों के स्वर्ग प्राप्ति के रहस्य को जानना चाहती हूँ, इसलिए हम दोनों वहाँ जाकर देखते हैं।"

इस प्रकार लक्ष्मी जी विष्णु जी के साथ पृथ्वीलोक गईं। यमराज भी उनके साथ गए। उन्होंने देखा कि पृथ्वीलोक में सभी लोग अपने-अपने कार्यों में लगे थे। नगरों, गाँवों में श्रमिक और किसान कार्य में लगे हैं, इनके श्रम से ही पृथ्वीलोक में सुख-समृद्धि विद्यमान है इसलिए वे सभी अंतत: स्वर्गपद को प्राप्त होते थे।

तब लक्ष्मी जी ने कहा– "भगवन्! मैं पृथ्वीलोक के लोगों को अपना वैभव देना चाहती हूँ।" विष्णु जी से आज्ञा प्राप्त लक्ष्मी जी पृथ्वी लोक में रम गईं। तब से पृथ्वीवासी लक्ष्मी जी के वैभव से मुग्ध हो गए और श्रम करना छोड़ दिया। श्रम के त्याग से दिन-प्रतिदिन उनका सुख और समृद्धि विलुप्त हो गई और समदाचार नष्ट हो गया। इसलिए वे सभी भ्रष्टाचारी होकर नरक को जाना शुरू हो गए। यह देखकर यमराज प्रसन्न हुए और अपने लोक को आ गए। तब विष्णु जी ने लक्ष्मी जी को कहा– "देवी! अब जान लिया तुमने पृथ्वीलोक के स्वर्ग-प्राप्ति का रहस्य।" परिश्रम में ही स्वर्ग प्प्ति का रहस्य है।

अभ्यास

लेखन कौशल

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर (क) भगवान् विष्णुः इन्द्रयमराजौ स्वर्गनरकलोकस्य स्वामी कृतवान्।

(ख) जनानां तत्र नागमनेन नरकः निष्क्रियः निस्तब्धः च जातः।

(ग) यमराजः विष्णोः पार्श्वे गत्वा प्रार्थयत् यत् अहं स्वाधिकारं त्यक्तुम् इच्छामि, माम् अस्मात् भारात् मोचयतु।

(घ) विष्णुः यमराजम् आश्वासयितुं प्रत्यवदत् यत् इदं तु सुखस्य विषयः यत् पृथ्वीलोके जनाः धार्मिकाः नैतिकगुणैः सम्पन्नाः च सन्ति, इत्यर्थं ते स्वर्गमेव आगच्छन्ति।

(ङ) पृथ्वीलोकवासिनां स्वर्गप्राप्तेः रहस्यं ज्ञातुं लक्ष्मी विष्णुना सह पृथ्वीलोकमगच्छत्।

(च) ते पृथ्वीलोके अपश्यन् यत् सर्वे जनाः स्वेषु स्वेषु कार्येषु निरताः सन्ति। नगरेषु, ग्रामेषु श्रमिकाः कृषकाः च कार्यरताः सन्ति।

(छ) पृथ्वीलोकवासिनः नरकं गन्तुम् आरब्धाः अतः जाताः यतोहि तैः लक्ष्म्याः वैभगेन मुग्धो भूय श्रमं त्यक्तम्, परिणामस्वरूपं सुखसमृद्धयौ विलुप्ते सति सदाचारो नष्टोऽभवत् ते च भ्रष्टाचारिणः अभवन्।

(ज) स्वर्गप्राप्तेः रहस्यं परिश्रमः इति।

2. उचित शब्दों से रिक्त स्थनों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर (क) नरकस्य **निष्क्रियतां** विलोक्य यमराजः **चिन्ताकुलः** अभवत्।

(ख) **विष्णोः** वचनं श्रुत्वा यमराजः **सन्तुष्य मौनम्** अधारयत्।

(ग) लक्ष्मी **विष्णुना** सह **पृथ्वीलोकम्** अगच्छत्।

(घ) **पृथ्वीलोके** सर्वे जनाः स्व स्व **कर्मषु** निरताः आसन्।

(ङ) ततः प्रभृतिः **पृथ्वीवासिनः** लक्ष्म्याः **वैभवेन** मुग्धाः अभवन्।

व्याकरण कौशल

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य-रचना कीजिए–

उत्तर (क) आरब्धाः = **शुरू हो गए**
हास्यव्यङ्ग्यं श्रुत्वा सर्वे दर्शकाः हसितुम् आरब्धाः।

(ख) निस्तब्धः = **सुनसान**
आश्रमः पूर्णतया निस्तब्धः आसीत्।

(ग) आश्वासयितुम् = **आश्वस्त करने के लिए**
कर्णः जनान् आश्वासयितुं बहु प्रायतत्।

(घ) निरताः = **लगे हुए**
सर्वे जनाः स्व स्व कार्येषु निरताः आसन्।

(ङ) मोचयतु = **मुक्त करो**
मोचयतु एनं खगम् इति राजा अकथयत्।

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर (क) तस्मादेव = **तस्मात्** + **एव**

(ख) स्वाधिपत्यम् = **स्व** + **आधिपत्यम्**

(ग) मौनमधारयत् = **मौनम्** + **अधारयत्**

(घ) समृद्धिश्च = **समृद्धिः** + **च**

(ङ) सदाचारः = **सत्** + **आचारः**

5. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर (क) आगमनम् = **आयानम्**

(ख) स्वर्गः = **देवलोकः**

(ग) देवः = **सुरः**

(घ) निष्क्रियः = **क्रियाहीनः**

(ङ) पृथ्वीलोक = **मर्त्यलोकः**

(च) प्रसन्नः = **मुदितः**

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

उत्तर (क) दिवस: = **रात्रिः**

(ग) आरब्ध: = **समाप्तः**

(ख) धार्मिक: = **अधार्मिकः**

(घ) निरत: = **विरतः**

(ङ) प्रसन्न: = **दुःखितः**

(च) सक्रिय: = **निष्क्रियः**

अनुवाद कौशल

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तर (क) स्वर्ग के अधिपति इंद्र थे।

(ख) इस प्रकार स्वर्ग आनंदमय हो गया।

(ग) यह सुनकर यमराज ने मौन धारण कर लिया।

(घ) उसके बाद पृथ्वीलोकवासी भ्रष्टाचारी हो गए।

(ङ) नगरों, गाँवों में श्रमिक और किसान काम में लगे हुए हैं।

8. 'परिश्रमैव स्वर्गप्राप्तेः रहस्यम्' सूक्ति की व्याख्या हिंदी में कीजिए-

उत्तर स्वर्ग-प्राप्ति का रहस्य परिश्रम ही है। बिना परिश्रम किए हम सुख-सुविधाओं से पूर्ण जीवन कभी नहीं जी सकते हैं। आधिभौतिक रूप से हर सुविधा से पूर्ण जीवन ही स्वर्ग-प्राप्ति के समान है।

नोट (Notes)